खण्ड–507, अंक–05
सोमवार, 22 माघ, शक संवत् 1940
(11 फरवरी, 2019 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

-: 0 :-

(अधिकृत विवरण)

(सत्रहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, वर्ष 2019)

(खण्ड 507 में 10 अंक हैं)
उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2019

मूल्य : बिना महसूल 16.75 रुपये, महसूल सहित 21.00 रुपये।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 586.25 रुपये, महसूल सहित 724.25 रुपये।

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
उपस्थित सदस्य . .	1-5
प्रदेश में अवैध जहरीली शराब पीने से मृत लोगों से सम्बन्धित सूचना को सुने जाने की मांग ...	6-7
प्रश्नोत्तर	8-26
प्रदेश में अवैध जहरीली शराब पीने से मृत लोगों से सम्बन्धित सूचना को सुने जाने की मांग (क्रमागत) ...	26-40
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं ...	40-41
आगरा महानगर के दयालबाग के गणेश मन्दिर से लेकर रोशनबाग तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	42
जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर के अन्तर्गत ग्राम बकैनिया में खेल स्टेडियम का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	42
जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र तिलहर अन्तर्गत कतिपय कच्चे जर्जर एवं गड्ढायुक्त मार्गों का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	42-43
जनपद बदायूं के विकास खण्ड कादर चौक में अग्निशमन केन्द्र की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	43-44
जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना के विकास खण्ड कोतवाली के अन्तर्गत ग्राम बेगमपुर चायमल से ग्राम आनन्द खेड़ी के बीच गागन नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	44
कानपुर स्थित टेनरी उद्योग के बन्दी से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	44
जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज में बाईपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	45
जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र सफीपुर अन्तर्गत मियांगंज औरास सम्पर्क मार्ग जीरो से लेकर बाल विकास मन्दिर कनिगांव तक पक्की सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	45-46
जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ पश्चिम अन्तर्गत आवासीय भवनों/भू-खण्डों में चल रहे व्यवसायी प्रतिष्ठानों को बन्द न कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	46

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद लखनऊ में भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेई द्वारा स्थापित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस गर्ल्स कालेज में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	46-47
जनपद पीलीभीत की क्षेत्र पंचायत विलसण्डा के गांव दियोरिया खुर्द में स्थित नलकूप संचालित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	47
जनपद फिरोजाबाद के केवल प्राकृतिक गैस से संचालित कांच उद्योग को सी0पी0सी0बी0 के नये मानकों के अनुसार आरेन्ज कटेगरी के स्थान पर ग्रीन कटेगरी में रखे जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	47-48
जनपद गोण्डा के तहसील मनकापुर अन्तर्गत ग्राम पंचायत बेदौली में सरकारी जमीन पर बने मस्जिद व मदरसा को हटाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	48
जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र नानपारा अन्तर्गत श्रीसिद्धपीठ बाबा बुद्धेश्वरनाथ एवं श्रीसिद्धपीठ बाबा जंगलीनाथ मन्दिर का सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन के रूप में विकसित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	48-49
जनपद जालौन के विकास खण्ड कादौर में सरसई डेरा से मोहर देवी होते हुए परासन तक मार्ग बनवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	49
औचित्य के प्रश्न की सूचना	49
श्री अमिताभ बाजपेई, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर से सम्बन्धित तीन याचिकाएं (व्यपगत)	49-50
डा0 सतीश चन्द्र द्विवेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद सिद्धार्थनगर से सम्बन्धित दो याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	50
श्री रोशन लाल वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित सात याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	50-51
श्री बाबा गोरखनाथ, सदस्य, विधान सभा की जनपद फैजाबाद से सम्बन्धित एक याचिका (स्थगित)	51
श्री नितिन अग्रवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित एक याचिका (उपस्थित की गई)	51-52
डा0 डी0सी0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित एक याचिका (उपस्थित की गई)	52

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्री लाल जी वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित छः याचिकाएं (स्थगित)	52-53
श्री शैलेश कुमार सिंह ''शैलू'', सदस्य, विधान सभा की जनपद हरदोई से सम्बन्धित एक याचिका (स्थगित)	53
श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा (जारी) ...	53-116
नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं ...	117-118
एन0जी0टी0 के आदेशों की आड़ में गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा नागरिकों का उत्पीड़न करने एवं आदेशों के विपरीत अपील दर्ज न किये जाने के सम्बन्ध में डा0 राधामोहन दास अग्रवाल द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य ...	119-121
चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में पांच नए स्थापित मेडिकल कालेजों के रिक्त पदों को भरे जाने के सम्बन्ध में श्री लाल जी वर्मा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री का वक्तव्य ...	121-123
जनपद कुशीनगर के अन्तर्गत बांसी नदी के सुखपुरा स्केप के कतिपय टेल के सिल्ट की सफाई कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजय कुमार लल्लू द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर सिंचाई मंत्री का वक्तव्य ...	123-124
जनपद फिरोजाबाद के अन्तर्गत नगर निगम द्वारा कूड़े के प्रभावी प्रबन्धन हेतु कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में श्री मनीष असीजा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर नगर विकास मंत्री का वक्तव्य ...	124-126
जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र रूदौली के अन्तर्गत गन्ना किसानों की गन्ना आपूर्ति हेतु की जा रही धांधली को रोके जाने के सम्बन्ध में श्री राम चन्द्र यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री का वक्तव्य ...	126-127
नोएडा के एकमात्र राजकीय स्नातकोत्तर कालेज में विज्ञान, विधि एवं कला संकाय की कक्षायें संचालित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पंकज सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर उच्च शिक्षा मंत्री का केवल वक्तव्य ...	127-128
जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र अकबरपुर में क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत व निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम अचल राजभर द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का केवल वक्तव्य ...	128-129

विषय		पृष्ठ-संख्या
जनपद आजमगढ़ के जिला चिकित्सालय में न्यूरो, यूरो व गेस्ट्रो के चिकित्सक की नियुक्ति किये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती बन्दना सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री का केवल वक्तव्य	...	129-130
नत्थियां	...	131-172

उत्तर प्रदेश विधान सभा
सत्रहवीं विधान सभा

सोमवार, दिनांक 11 फरवरी, 2019 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11 बजे अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित की अध्यक्षता में आरम्भ हुई)

उपस्थित सदस्य-305

1. अगयश राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
2. अजय कुमार, डॉ0 — इलाहाबाद
3. अजय कुमार लल्लू, श्री — कुशीनगर
4. अजय कुमार सिंह ''अजय सिंह'', श्री — बस्ती
5. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
6. अजीत पाल सिंह, श्री — कानपुर देहात
7. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
8. अनिल कुमार दोहरे, श्री — कन्नौज
9. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
10. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
11. अनिल सिंह, श्री — उन्नाव
12. अनीता, श्रीमती — अम्बेडकर नगर
13. अनीता लोधी राजपूत, डॉ0 — बुलन्दशहर
14. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
15. अनूप प्रधान, श्री — अलीगढ़
16. अबरार अहमद, श्री — सुल्तानपुर
17. अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा, श्री — प्रतापगढ़
18. अभिजीत सिंह सांगा, श्री — कानपुर नगर
19. अमर सिंह, श्री — फर्रुखाबाद
20. अमर सिंह चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
21. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
22. अम्बरीश सिंह पुष्कर एडवोकेट, श्री — लखनऊ
23. अरूण कुमार यादव, श्री — आजमगढ़
24. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
25. अलका राय, श्रीमती — गाजीपुर
26. अवधेश सिंह, प्रो0 (डा0) — वाराणसी
27. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — खीरी
28. अविनाश त्रिवेदी, श्री — लखनऊ
29. अशोक कुमार सिंह चन्देल, श्री — हमीरपुर
30. असलम अली, श्री — हापुड़
31. आजाद अरिमर्दन, श्री — आजमगढ़
32. आनन्द स्वरूप शुक्ल, श्री — बलिया
33. आर0 के0 वर्मा, डॉ0 — प्रतापगढ़
34. आलमबदी, श्री — आजमगढ़
35. आशीष कुमार सिंह ''आशू'', श्री — हरदोई
36. आशुतोष उपाध्याय, श्री — देवरिया
37. आशुतोष टण्डन ''गोपाल जी'', श्री — लखनऊ
38. इकबाल महमूद, श्री — सम्भल
39. इकराम कुरैशी, हाजी — मुरादाबाद
40. इरफान सोलंकी, हाजी — कानपुर नगर
41. उज्जवल रमण सिंह, श्री — इलाहाबाद
42. उदयभान सिंह, चौ0 — आगरा
43. उपेन्द्र तिवारी, श्री — बलिया
44. उपेन्द्र सिंह, श्री — बाराबंकी
45. उमाशंकर सिंह, श्री — बलिया
46. उमेश मलिक, श्री — मुजफ्फरनगर
47. ओमकार सिंह, श्री — बदायूं
48. ओम प्रकाश राजभर, श्री — गाजीपुर
49. कमल रानी, श्रीमती — कानपुर नगर

50. कमल सिंह मलिक, श्री हापुड़
51. कमलेश शुक्ल, श्री देवरिया
52. कमलेश सैनी, श्रीमती बिजनौर
53. करण सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
54. कल्पनाथ पासवान, श्री आजमगढ़
55. काली प्रसाद, श्री देवरिया
56. किशन लाल राजपूत, श्री पीलीभीत
57. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
58. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
59. केसर सिंह, श्री बरेली
60. कैलाश नाथ शुक्ल, श्री बलरामपुर
61. कैलाश नाथ सोनकर, श्री वाराणसी
62. कैलाश सिंह राजपूत, श्री कन्नौज
63. गरिमा सिंह, श्रीमती अमेठी
64. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
65. गुलाब देवी, श्रीमती सम्भल
66. चन्द्रपाल कुशवाहा, श्री बांदा
67. चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल, श्री बस्ती
68. चेतन चौहान, श्री अमरोहा
69. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
70. छत्रपाल सिंह गंगवार, श्री बरेली
71. जगन प्रसाद गर्ग, श्री आगरा
72. जन्मेजय सिंह, श्री देवरिया
73. जमुना प्रसाद सरोज, डॉ0 इलाहाबाद
74. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
75. जयप्रकाश निषाद, श्री देवरिया
76. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
77. जयमंगल, श्री महाराजगंज
78. जितेन्द्र वर्मा, श्री आगरा
79. जी0 एस0 धर्मेश, डॉ0 आगरा
80. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
81. ज्ञानेन्द्र, श्री महाराजगंज
82. डी0 सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
83. डेनजिल जे0 गोडिन, डा0 नाम-निर्देशित
84. तसलीम अहमद, श्री बिजनौर
85. त्रिवेणी राम, श्री गाजीपुर
86. दयाराम चौधरी, श्री बस्ती
87. दल बहादुर, श्री रायबरेली
88. दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
89. दारा सिंह चौहान, श्री मऊ
90. दिनेश चौधरी, श्री जौनपुर
91. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
92. देवमणि द्विवेदी, श्री सुल्तानपुर
93. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री कासगंज
94. देवेन्द्र सिंह राजपूत, श्री कासगंज
95. देवेन्द्र सिंह लोधी एडवोकेट, श्री बुलन्दशहर
96. धनन्जय कन्नौजिया, श्री बलिया
97. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
98. धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव, श्री बाराबंकी
99. धर्म सिंह सैनी, डॉ0 सहारनपुर
100. धर्मेन्द्र कुमार सिंह शाक्य ''पप्पू भइया'', श्री बदायूं
101. धीरेन्द्र बहादुर सिंह, श्री रायबरेली
102. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
103. नईम उल हसन, श्री बिजनौर
104. नन्द किशोर गुर्जर, श्री गाजियाबाद
105. नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', श्री इलाहाबाद
106. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
107. नरेन्द्र पाल सिंह, कुँ0 जालौन
108. नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री सीतापुर
109. नरेश सैनी, श्री सहारनपुर
110. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
111. नाहिद हसन, श्री शामली
112. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
113. निर्मला संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
114. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ

115. नीलम करवरिया, श्रीमती इलाहाबाद
116. नील रतन सिंह पटेल 'नीलू', श्री वाराणसी
117. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
118. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
119. पक्षालिका सिंह, रानी आगरा
120. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
121. पारसनाथ यादव, श्री जौनपुर
122. प्रकाश चन्द्र द्विवेदी, श्री बांदा
123. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
124. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा
125. प्रदीप कुमार, श्री सहारनपुर
126. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
127. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
128. प्रभुनारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
129. प्रमोद उटवाल, श्री मुजफ्फरनगर
130. प्रवीण कुमार सिंह, श्री इलाहाबाद
131. प्रेम नारायण पाण्डेय, श्री गोण्डा
132. प्रेमसागर पटेल, श्री महाराजगंज
133. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
134. फागू चौहान, श्री मऊ
135. बजरंग बहादुर सिंह, श्री महाराजगंज
136. बन्दना सिंह, श्रीमती आजमगढ़
137. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
138. बहोरन लाल मौर्य, श्री बरेली
139. बाबू राम पासवान, श्री पीलीभीत
140. बावन सिंह, श्री गोण्डा
141. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती बुलन्दशहर
142. बिहारीलाल आर्य, श्री झांसी
143. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
144. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
145. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
146. बृजेश कुमार प्रजापति, श्री बांदा
147. बैजनाथ रावत, श्री बाराबंकी
148. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
149. भगवती प्रसाद सागर, श्री कानपुर नगर
150. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
151. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
152. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
153. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
154. मन्जू शिवाज, डॉ0 गाजियाबाद
155. ममतेश शाक्य, श्री कासगंज
156. मसूद अखतर, श्री सहारनपुर
157. महबूब अली, श्री अमरोहा
158. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
159. महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सीतापुर
160. महेन्द्र सिंह खडगवंशी, श्री अमरोहा
161. महेश कुमार गोयल, श्री आगरा
162. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
163. माधवेन्द्र प्रताप, कुंवर हरदोई
164. माधुरी वर्मा, श्रीमती बहराइच
165. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
166. मुकुट बिहारी, श्री बहराइच
167. मुकेश चन्द्र वर्मा, श्री फिरोजाबाद
168. मूलचन्द्र सिंह, श्री जालौन
169. मो0 मुजतबा सिद्दीकी, श्री इलाहाबाद
170. मोहम्मद असलम ''राइनी'' (एडवोकेट), श्री श्रावस्ती
171. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
172. मो0 फईम इरफान, श्री मुरादाबाद
173. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
174. योगेश वर्मा, श्री खीरी
175. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
176. रणवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी भइया, श्री फतेहपुर
177. रत्नाकर मिश्र, श्री मिर्जापुर
178. रफीक अन्सारी, श्री मेरठ
179. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
180. रमाशंकर सिंह, श्री मिर्जापुर

181. रमेश चन्द्र दिवाकर, श्री औरैया
182. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
183. रवि कुमार सोनकर, श्री बस्ती
184. रविन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री भदोही
185. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
186. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
187. राकेश सिंह, श्री रायबरेली
188. राकेश सिंह बघेल, श्री सन्तकबीर नगर
189. राघवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
190. राजकुमार अग्रवाल, श्री हरदोई
191. राजबाला, श्रीमती रामपुर
192. राजमणि कोल, श्री इलाहाबाद
193. राजवीर दिलेर, श्री अलीगढ़
194. राजीव तरारा, श्री अमरोहा
195. राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
196. राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती, श्री प्रतापगढ़
197. राजेश अग्रवाल, श्री बरेली
198. राजेश गौतम, श्री सुल्तानपुर
199. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
200. राम कृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
201. राम चन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
202. राम नरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
203. राम नरेश रावत, श्री रायबरेली
204. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
205. राम प्रताप सिंह, श्री आगरा
206. राम प्रताप उर्फ शशिकांत वर्मा, श्री बलरामपुर
207. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
208. रामानन्द बौद्ध, श्री कुशीनगर
209. राहुल प्रकाश, श्री मिर्जापुर
210. रितेश पाण्डेय, श्री अम्बेडकरनगर
211. रीता बहुगुणा जोशी, प्रो0 लखनऊ
212. रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
213. लाखन सिंह, श्री औरैया
214. लाल जी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
215. लाल बहादुर, श्री कौशाम्बी
216. लीना तिवारी, श्रीमती जौनपुर
217. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
218. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
219. विक्रम सिंह, श्री फतेहपुर
220. विक्रम सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
221. विक्रमाजीत मौर्य, श्री इलाहाबाद
222. विजय कुमार कश्यप, श्री मुजफ्फरनगर
223. विजय मिश्र, श्री भदोही
224. विजेन्द्र सिंह, श्री बुलन्दशहर
225. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
226. विनय शंकर तिवारी, श्री गोरखपुर
227. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
228. विनोद कुमार कटियार, श्री कानपुर देहात
229. विमलेश पासवान, डा0 गोरखपुर
230. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
231. वीर विक्रम सिंह, प्रिंस शाहजहांपुर
232. वीरेन्द्र, श्री एटा
233. वीरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री बुलन्दशहर
234. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री फैजाबाद
235. शरद कुमार अवस्थी, श्री बाराबंकी
236. शरदवीर सिंह, श्री शाहजहांपुर
237. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
238. शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली, श्री आजमगढ़
239. शीतल पाण्डेय, श्री गोरखपुर
240. शीतला प्रसाद ''पप्पू पटेल'' श्री कौशाम्बी
241. शुचिस्मिता मौर्या, श्रीमती मिर्जापुर
242. शैलेन्द्र यादव ललई, श्री जौनपुर
243. शैलेश कुमार सिंह ''शैलू'', श्री बलरामपुर
244. शोभा सिंह चौहान, श्रीमती फैजाबाद
245. श्याम धनी, श्री सिद्धार्थनगर
246. श्याम बिहारी लाल, डॉ0 बरेली

247. श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
248. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
249. श्रीराम चौहान, श्री सन्तकबीर नगर
250. संगम लाल गुप्ता, श्री प्रतापगढ़
251. संगीत सिंह सोम, श्री मेरठ
252. संगीता बलवन्त, डा0 गाजीपुर
253. संगीता यादव, श्रीमती गोरखपुर
254. संजय, श्री बुलन्दशहर
255. संजय कुमार, श्री कौशाम्बी
256. संजय गर्ग, श्री सहारनपुर
257. संजय प्रताप जायसवाल, श्री बस्ती
258. संजय यादव, श्री बलिया
259. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
260. संजीव कुमार, श्री सोनभद्र
261. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
262. संजीव राजा, श्री अलीगढ़
263. संजू देवी, श्रीमती अम्बेडकरनगर
264. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
265. सतीश चन्द्र शर्मा, श्री बाराबंकी
266. सतीश चन्द्र द्विवेदी, डॉ0 सिद्धार्थनगर
267. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
268. सत्यपाल सिंह बघेल, श्री फिरोजाबाद
269. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
270. सत्यवीर त्यागी, श्री मेरठ
271. सन्त प्रसाद, श्री गोरखपुर
272. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
273. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
274. साधना सिंह, श्रीमती चन्दौली
275. सावित्री कठेरिया, श्रीमती इटावा
276. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री इलाहाबाद
277. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
278. सुखदेव राजभर, श्री आजमगढ़
279. सुनीता, श्रीमती गाजीपुर
280. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
281. सुनील वर्मा, श्री सीतापुर
282. सुभाष त्रिपाठी ऐडवोकेट, श्री बहराइच
283. सुरेन्द्र नाथ सिंह, श्री बलिया
284. सुरेश कुमार, श्री शामली
285. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
286. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
287. सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री लखनऊ
288. सुरेश तिवारी, श्री देवरिया
289. सुरेश राही, श्री सीतापुर
290. सुरेश्वर सिंह, श्री बहराइच
291. सुशान्त कुमार सिंह, कुँ0 बिजनौर
292. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
293. सुषमा पटेल, श्रीमती जौनपुर
294. सूर्यभान सिंह, श्री सुल्तानपुर
295. सोमेन्द्र तोमर, डॉ0 मेरठ
296. सोवरन सिंह यादव, श्री मैनपुरी
297. स्वाती सिंह, श्रीमती लखनऊ
298. स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री कुशीनगर
299. हरगोविन्द भार्गव, डॉ0 सीतापुर
300. हरिओउम यादव, श्री फिरोजाबाद
301. हरिशंकर माहौर, श्री हाथरस
302. हरेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ0 जौनपुर
303. हर्षवर्धन बाजपेयी, श्री इलाहाबाद
304. हाकिम लाल बिन्द, श्री इलाहाबाद
305. हृदय नारायण दीक्षित, श्री उन्नाव

नोट :-उप मुख्य मंत्री, लोक निर्माण (श्री केशव प्रसाद मौर्य), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री मोहसिन रजा) भी सदन में उपस्थित थे।

[11:00] प्रदेश में अवैध जहरीली शराब पीने से मृत लोगों से सम्बन्धित सूचना को सुने जाने की मांग

(विपक्ष के कई सदस्य खड़े होकर बोलने लगे)

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्यगण कृपया स्थान ग्रहण करें। एक बार बैठकर फिर खड़े होइये।

श्री अजय कुमार लल्लू-

मान्यवर, 114 लोगों के मरने की खबर है। सरकार ने इसका संज्ञान नहीं लिया है।

(कई सदस्यों के खड़े होकर एक साथ बोलने पर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

एक मिनट हमारी बात सुन लीजिये। कृपया बैठ जाये। हमारी बात एक मिनट तो सुनेंगे आप। बैठ जाये। बहुत धन्यवाद। आपकी इस विषय में सूचना प्राप्त हुयी है और आप प्रश्नकाल होने दें। प्रश्नकाल के बाद हम यथासमय आपको सुन लेंगे।

श्री अजय कुमार लल्लू-

अध्यक्ष जी, इससे महत्वपूर्ण विषय और कोई नहीं हो सकता। प्रदेश में इतनी मौतें हो रही हैं।

श्री अध्यक्ष-

माननीय अजय जी, मैं खड़ा हुआ हूँ। आप हमारी इस व्यवस्था के बाद भी कि मैं प्रश्नकाल के तत्काल बाद आपको सुन लूंगा फिर आप हमसे खड़े होकर यह कहिये। मेरे ख्याल से यह ठीक होगा कि प्रश्नकाल स्थगित कर दिया जाये, न हो। आप यही चाहते हैं ? इस पर मार्गदर्शन कर दीजिये कि क्या आप चाहते हैं कि आपका अपना प्रश्नकाल जिसमें माननीय वरिष्ठ सदस्यों के तमाम सवाल लगे हुये हैं वह न किया जाय।

(विपक्ष के कई सदस्य सदन के वेल में आ गये)

श्री अजय कुमार लल्लू-

अध्यक्ष जी, इससे बड़ा विषय कोई नहीं हो सकता। 200 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गयी है।

श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, पूरे प्रदेश के सैकड़ों लोग अवैध जहरीली शराब पीने से मर गये।

श्री अध्यक्ष-

इसको हमने मान लिया है। अभी कोई भाषण नहीं। मैं बार-बार कह रहा हूँ कि प्रश्नकाल के तत्काल बाद सुन लेंगे। वर्मा जी आप कुछ कहना चाहते हैं। मैं भाषण की अनुमति नहीं दे रहा हूँ। वर्मा जी आप बताये प्रश्नकाल के बाद लेना है ? नहीं लेना है। वेल से कही

गयी कोई बात कार्यवाही में नहीं लिखी जायेगी। वेल से कही गयी कोई बात कार्यवाही का भाग नहीं बनेगी। वर्मा जी, आप बताये क्या चाहते हैं ? स्थगित कर दिया जाये। आप स्थगन चाहते हैं। वेल से कही गयी कोई बात लिखी नहीं जायेगी। हम तो 12:20 के बाद सुनने के लिये तैयार हैं।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, आप बैठें तब बतायें।

श्री अध्यक्ष-

मैं 12:20 के बाद सुनने को तैयार हूँ। इसके पहले यह सदन अव्यवस्थित करना यह उचित नहीं है।

(सदन के वेल में उपस्थित सदस्य सरकार विरोधी नारे लगाने लगे)

श्री अध्यक्ष-

यह वेल आफ द हाउस से कही गयी कोई भी बात कार्यवाही का भाग नहीं बनेगी।

(घोर व्यवधान के मध्य)

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, जो घटना हुयी है सरकार ने उसका सज्ञान भी लिया और कठोर से कठोर कार्यवाही भी की है। हर हालत में सरकार इस प्रकार की घटना को बर्दाश्त नहीं करेगी। सरकार ने इन क्षेत्रों के सी0ओ0 तक को सस्पेंड किया है।

(विपक्ष के सदस्य सदन के फ्लोर से सरकार विरोधी नारे लगाते रहे)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

जितने लोगों की लापरवाही प्रकाश में आई है उन लोगों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही की गयी है, किसी को बचाने की कोई मंशा नहीं रखी है। कार्यवाही करी भी है और आगे भी करेंगे, अगर कोई प्रकाश में आयेगा तो कार्यवाही करेंगे। किसी भी तरीके से इस घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके पूरे इन्तजामात किये गये हैं।

श्री अध्यक्ष-

सदन की कार्यवाही आधे घण्टे के लिये स्थगित की जाती है।

(घोर व्यवधान के कारण श्री अध्यक्ष ने 11 बजकर 05 मिनट पर सदन की कार्यवाही आधे घण्टे के लिये स्थगित कर दी।)

(11 बजकर 35 मिनट पर मार्शल, विधान सभा ने सूचित किया कि श्री अध्यक्ष ने सदन का स्थगन 12 बजकर 20 मिनट तक के लिये और बढ़ा दिया है।)

प्रश्नोत्तर

नत्थी (क)

अल्पसूचित तारांकित प्रश्न

प्रदेश में छुट्टा पशुओं की रोकथाम हेतु कार्य योजना बनाने विषयक

****1-सुश्री अदिति सिंह-**

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि पशुपालकों द्वारा निष्प्रयोज्य हो चुके गायों/बैलों को खुला छोड़ देने के कारण प्रदेश के सभी जनपदों में किसानों की खेती आदि की व्यापक हानि होने तथा सड़क दुर्घटनायें बढ़ने की शिकायतें सरकार को प्राप्त हुई हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा इनकी प्रभावी रोकथाम हेतु कौन-कौन से कदम उठाये गये हैं ? क्या सरकार व्यापक हानि को दृष्टिगत रखते हुये ग्राम सभावार पशुबाड़ा/कांजी हाउस का निर्माण कराकर छुट्टा पशुओं को उनमें रखवायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

पशुधन, लघु सिंचाई एवं मत्स्य मंत्री (श्री सत्यपाल सिंह बघेल)-

एतद्विषयक कतिपय शिकायतें संज्ञान में आई हैं।

प्रदेश सरकार द्वारा निम्नवत् योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं :-

1-प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में कान्हा पशु संरक्षण केन्द्र का संचालन किया जा रहा है।

2-जिला पंचायतों में कांजी हाउस का रख-रखाव एवं संचालन किया जा रहा है।

3-उ0प्र0 गोशाला अधिनियम, 1964 के तहत स्वयं सेवी संगठनों द्वारा संचालित 516 पंजीकृत गोशालाएं हैं। इन गोशालाओं में भी पुलिस प्रशासन से सुपुर्दगी में प्राप्त एवं अन्य स्रोतों से प्राप्त निराश्रित/बेसहारा गोवंश रखे जाने की व्यवस्था है।

4-बुन्देलखण्ड क्षेत्र में अन्ना प्रथा उन्मूलन योजनान्तर्गत एवं प्रदेश में उच्च गुणवत्ता के अतिहिमीकृत वीर्य स्ट्राज द्वारा कृत्रिम गर्भाधान तथा अवर्णित/छुट्टा नर पशुओं के बधियाकरण का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

5-प्रदेश में कुल 07 गोसदनों यथा विछिया बहराइच, रानीपुर चित्रकूट, बरबर खीरी, धर्मपुर कटरी, फर्रुखाबाद, कुमरौआ पचलाना (कासगंज) मधुवलिया महराजगंज, सिमरा वीरान शाहजहांपुर में भी गोवंशीय पशुओं को संरक्षित किये जाने की व्यवस्था है।

6-बुन्देलखण्ड क्षेत्र के 07 जनपदों में सम्बन्धित जिलाधिकारियों द्वारा छुट्टा गोवंश से हो रही समस्या के निराकरण हेतु गो आश्रय स्थल की स्थापना के लिये उपलब्ध भूमि चिन्हित कर उचित कार्यदायी संस्था नामित कर रु0 30 लाख प्रति आश्रय गृह की दर से कुल रु0 100 करोड़ आवंटित किया गया है। पशु आश्रय गृह स्थापना की कार्यवाही की जा रही है।

नोट :-उ0प्र0 विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-41 के अन्तर्गत सभी प्रश्न उत्तररित माने गये।

7-निराश्रित/बेसहारा गोवंश की समस्या के निराकरण हेतु बुन्देलखण्ड क्षेत्र के 07 जनपदों को छोड़कर प्रदेश के शेष 68 जनपदों में रु0 120.00 लाख की लागत से एक-एक वृहद् गो-संरक्षण केन्द्र की स्थापना किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। केन्द्र की स्थापना हेतु प्रत्येक जनपद के सम्बन्धित जिलाधिकारियों को 02 किस्तों में रु0 120.00 लाख की धनराशि आवंटित कर दी गई है।

8-प्रदेश के 16 नगर निगमों द्वारा स्थापित कान्हा गोशालाओं में संरक्षित गोवंश के भरण-पोषण/रख-रखाव हेतु रु0 1752.00 लाख की धनराशि 16 नगर निगमों को आवंटित की जा चुकी है।

प्रदेश में निराश्रित/बेसहारा गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन की ज्वलंत समस्या के निराकरण हेतु ग्रामीण एवं शहरी स्तर पर अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल की स्थापना व संचालन किया जा रहा है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

नत्थी (ख)

तारांकित प्रश्न

प्रदेश में एम्बुलेंस 108, 102 नम्बर को पुनः सुचारु रूप से चालू कराने विषयक

***1-श्री शैलेन्द्र यादव ललई-**

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि पूर्व में चिकित्सा सुविधा तत्काल उपलब्ध कराये जाने हेतु 108, 102 नम्बर की एम्बुलेंस निःशुल्क उपलब्ध करायी गयी थी, जो वर्तमान समय में धनाभाव के कारण जर्जर स्थिति में है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त सुविधा को सुचारु रूप से चलाये जाने हेतु बजटीय प्राविधान करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री (श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह)-

जी नहीं।

108 एम्बुलेन्स सेवा एवं 102 नेशनल एम्बुलेन्स सेवा को सफलतापूर्वक संचालित किये जाने हेतु पर्याप्त धन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इन सेवाओं के संचालन हेतु धनाभाव की स्थिति नहीं है। वर्तमान में 102 एम्बुलेन्स सेवा के अन्तर्गत कुल 2270 एम्बुलेन्स व 108 ई0एम0टी0एस0 एम्बुलेन्स सेवा के अन्तर्गत कुल 1488 एम्बुलेन्स संचालित हैं। इसके अतिरिक्त 108 ई0एम0टी0एस0 की 712 नई एम्बुलेन्स क्रय की गई हैं। इन्हें संचालित किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के प्रत्येक जनपद में दो एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेन्स का संचालन भी दिनांक 13-04-2017 से प्रारम्भ किया गया है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता है।

प्रश्न नहीं उठता है।

प्रदेश में दैनिक वेतन पर कार्यरत होमगार्डों को स्थाई करने के सम्बन्ध में

***2-श्री संजय गर्ग-**

क्या होमगार्ड्स मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में दैनिक वेतन पर कार्यरत होमगार्डों को उनकी कार्यकुशलता एवं वरिष्ठता के आधार पर विनियमित/स्थायी करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

सैनिक कल्याण, खाद्य प्रसंस्करण, होमगार्ड्स राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री अनिल राजभर)-

जी नहीं।

होमगार्ड्स एक स्वयंसेवी संगठन है। अतः इन्हें विनियमित/स्थाई करने का कोई औचित्य नहीं है।

प्रदेश में राज्य कर्मचारियों को मिलने वाली वर्ष 2004 से बन्द पुरानी पेंशन योजना पुनः शुरू कराने के सम्बन्ध में

***3-श्री अजय कुमार लल्लू तथा श्री मूलचन्द्र सिंह-**

क्या वित्त मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि राज्य कर्मचारियों को मिलने वाली पुरानी पेंशन योजना जो वर्ष 2004 से बन्द कर दी गयी है, राज्य सरकार शुरू करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

वित्त मंत्री (श्री राजेश अग्रवाल)-

जी नहीं।

प्रदेश में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली दिनांक 01-04-2005 से लागू हुई है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में दीर्घकालीन राजकोषीय हितों के दृष्टिगत और केन्द्र सरकार द्वारा अपनाई गई नीति का अनुसरण करते हुए राज्य सरकार की सेवा में और राज्य सरकार की अधिसूचना दिनांक 28-03-2005 द्वारा प्रदेश में 01 अप्रैल, 2005 से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली लागू की गई है। इस प्रणाली से ऐसे सभी कार्मिक आच्छादित हैं जो राज्य सरकार अथवा राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन ऐसी समस्त स्वायतशासी संस्थाओं और शासन से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं, जिनमें राज्य कर्मचारियों की भांति पेंशन योजना दिनांक 01-04-2005 के पूर्व लागू थी और जिनका वित्त पोषण राज्य सरकार की समेकित निधि से किया जाता है, की सेवा में दिनांक 01-04-2005 को अथवा उसके उपरान्त नियुक्त हुए हों।

केन्द्र सरकार द्वारा दिनांक 01-01-2004 से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली लागू की गई। तदोपरान्त देश के विभिन्न राज्यों द्वारा भिन्न-भिन्न तिथियों में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली लागू की गई। सम्प्रति पश्चिम बंगाल को छोड़कर देश के सभी राज्यों में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली लागू है।

प्रदेश में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एन0पी0एस0) के अन्तर्गत 3,67,150 सरकारी कर्मचारियों तथा सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के एवं स्वायत्तशासी संस्थाओं के 1,55,354 कर्मचारियों का पंजीकरण एन0पी0एस0 में किया जा चुका है।

उपर्युक्त कारणों से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली को समाप्त कर पुरानी पेंशन लागू किया जाना सम्भव नहीं है।

प्रदेश के सभी जनपदों के सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0 में अग्निशमन यन्त्र लगाने हेतु

***4-श्री मोहम्मद असलम "राइनी" (एडवोकेट)-**

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के सभी सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0 में अग्निशमन यन्त्र वित्तीय वर्ष 2017-18 में लगाये जाने का लक्ष्य था ? यदि हां, तो क्या सरकार बतायेगी किस जनपद हेतु कौन सी संस्था चयनित थी और कौन सी संस्था को जनपदवार कितना भुगतान किया गया है ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि कितने सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0 में अग्निशमन यन्त्र नहीं लगाये गये हैं ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

वित्तीय वर्ष 2017-18 से प्रदेश के 232 सामु0 स्वा0 केन्द्रों पर अग्निशमन व्यवस्था किये जाने का कार्य प्रथम चरण में प्रारम्भ कर दिया गया है। प्रथम चरण में ग्रामीण चिकित्सालयों में अग्निशमन व्यवस्था हेतु वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय-व्ययक में प्राविधानित रु0 3000.00 लाख के सापेक्ष प्रदेश के 20 जनपदों के 232 सामु0 स्वा0 केन्द्रों पर अग्निशमन व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु धनराशि अवमुक्त की गई।

वित्तीय वर्ष 2017-18 में चयनित संस्था को जनपदवार भुगतान की गई धनराशि निम्नवत् है :-

जनपद	सामु0 स्वा0 केन्द्रों की संख्या	धनराशि (रु0 लाख में)
1	2	3
उ0प्र0 राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड, लखनऊ		
वाराणसी	08	101.56
प्रयागराज	19	242.12
गोरखपुर	16	203.12

1	2	3
लखनऊ	09	114.26
आगरा	16	203.12
कानपुर नगर	10	126.95
अयोध्या	10	126.95
मेरठ	12	152.34
योग :	**100**	**1270.42**
ग्लोबल सेल, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद्		
गोरखपुर	02	24.40
अयोध्या	02	24.40
बस्ती	11	134.20
मिर्जापुर	13	158.60
गोण्डा	16	195.20
आजमगढ़	22	268.40
प्रयागराज	01	12.20
चित्रकूट	06	73.20
झांसी	06	73.20
अलीगढ़	13	157.60
सहारनपुर	14	169.80
मुरादाबाद	06	76.20
बरेली	14	169.80
नोएडा	03	36.60
गाजियाबाद	03	36.80
योग :	**132**	**1610.40**
महायोग :	**232**	**2880.82**

प्रदेश में स्थापित कुल 853 सामु0 स्वा0 केन्द्रों में से शेष 621 सामु0 स्वा0 केन्द्रों एवं 3621 प्राथ0 स्वा0 केन्द्रों पर अग्निशमन यन्त्र नहीं लगाये गये हैं।

जी हां।

सदन के पटल पर रख दिया गया है।†

चरणबद्ध रूप से किया जाना प्रक्रियाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में किसानों के हितार्थ रासायनिक व जैविक खादों, बीजों एवं दवाओं को जी0एस0टी0 से पूरी तरह मुक्त करने की मांग

***5-श्री मो0 फईम इरफान-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हितार्थ रासायनिक व जैविक खादों, बीजों और दवाओं को जीएसटी से पूरी तरह मुक्त करने की कोई कार्य योजना है ? यदि हां, तो योजना का स्वरुप क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

जी0एस0टी0 के अन्तर्गत अनब्राण्डेड जैविक खाद (आर्गेनिक मेन्योर) तथा बीज कर मुक्त है।

रासायनिक खाद को न्यूनतम दर 5 प्रतिशत की दवाओं (पेस्टीसाइड्स) को 12 प्रतिशत की दर से करयोग्य रखा गया है तथा रसायनिक खाद एवं पेस्टीसाइड्स के कच्चे माल पर अदा किये जाने वाला कर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आई0टी0सी0) के रूप में रासायनिक खाद और पेस्टीसाइड्स की बिक्री पर लगने वाले कर के विरुद्ध समायोजन हेतु उपलब्ध है। रासायनिक खाद तथा दवाओं (पेस्टीसाइड्स) को कर मुक्त किये जाने पर इन वस्तुओं पर आई0टी0सी0 की सुविधा स्वतः समाप्त हो जायेगी, जिससे इन वस्तुओं के मूल्य में अनपेक्षित वृद्धि होगी।

प्रदेश में विधवा पेंशन की धनराशि को बढ़ाने के सम्बन्ध में

***6-श्रीमती सुषमा पटेल**

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में पति की मृत्योपरान्त निराश्रित पेंशन अर्थात् विधवा पेंशन की धनराशि को बढ़ाकर 1000 रुपया प्रतिमाह करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

महिला कल्याण, परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण एवं पर्यटन मंत्री (प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी)-

पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना में वर्तमान समय में रु0 500/- प्रति माह प्रति लाभार्थी की दर से भुगतान किया जा रहा है। पेंशन की धनराशि वृद्धि में वित्तीय उपाशय निहित होने के कारण ऐसे प्रकरणों में यथोचित निर्णय उपलबध वित्तीय संसाधनों के आलोक में लिये जाते हैं।

तदैव।

---

† छापी नहीं गई।

***7-श्री उमाशंकर सिंह**

[विस्तीर्णता के आधार पर निरस्त]

प्रदेश के सभी विद्यालयों में बालिकाओं हेतु रानी लक्ष्मी बाई योजना लागू किये जाने के सम्बन्ध में

***8-सुश्री अदिति सिंह-**

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश की बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिए रानी लक्ष्मी बाई योजना के तहत विद्यालयों में सुरक्षा प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था की गयी है ? यदि हां, तो किन-किन जनपदों में अभी तक कितनी बालिकाओं को उक्त प्रशिक्षण दिया गया है ? क्या सरकार उक्त योजना के तहत सभी स्कूली बालिकाओं को चरणबद्ध सुरक्षा प्रशिक्षण दिलायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी-

रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजना के अन्तर्गत विद्यालयों में बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिये सुरक्षा प्रशिक्षण दिये जाने की कोई व्यवस्था नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष नियमावली, 2015 में बालिकाओं को सुरक्षा प्रशिक्षण दिये जाने का कोई प्राविधान नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में विधवा पेंशन धारक महिला की पुत्री की शादी में दिये जाने वाले अनुदान को रु0 10000 से बढ़ाकर रु0 20000 करने की मांग

***9-श्री मनीष असीजा-**

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विधवा महिला पेंशन धारक महिला की पुत्री के विवाह में दी जाने वाली अनुदान राशि रुपये 10,000/- है जबकि समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग एवं अल्पसंख्यक विभाग में बेटी की शादी अनुदान रुपये 20,000 है ? यदि हां, तो क्या सरकार विधवा पेंशन धारक महिला की बेटी के विवाह की अनुदान राशि को रुपये 20,000/- करने का विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी-

पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन धारक की पुत्री के विवाह में रुपये 10,000/- की धनराशि अनुदान स्वरूप दिये जाने की योजना वर्तमान में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित की जा रही है।

महिला कल्याण विभाग की उपरोक्त योजना को समाज कल्याण विभाग की शादी अनुदान योजना में समायोजित किया जाना विचाराधीन है।

तदैव।

प्रदेश में सभी सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0 पर दवाओं की उपलब्धता विषयक

***10-श्री अमन मणि त्रिपाठी-**

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के सभी सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0 पर दवाओं की उपलब्धता सरकार सुनिश्चित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

जी हां।

प्रदेश के चिकित्सालयों में सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0 को निरन्तर दवायें उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त औषधियों के लोकल पर्चेज हेतु कुल निर्धारित बजट का 20 प्रतिशत परिधिगत अधिकारियों को उपलब्ध करा दिया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग में लेखा परीक्षा संवर्ग के कर्मचारी/ अधिकारी 10 वर्षों से अधिक अवधि से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं, के विषयक

***11-श्री लाल जी वर्मा-**

क्या वित्त मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग में कितने लेखा परीक्षा संवर्ग के कर्मचारी/अधिकारी 10 वर्षों से अधिक अवधि से (प्रतिनियुक्ति/सेवा स्थानान्तरण अवधि सहित) लखनऊ में कार्यरत हैं ? यदि हां, तो लेखा परीक्षा कर्मियों की कमी से जूझ रहे जनपदों में इनकी तैनाती/स्थानान्तरण सरकार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राजेश अग्रवाल-

वर्तमान में कुल 25 लेखा परीक्षा संवर्ग के कर्मचारी/अधिकारी 10 वर्ष से अधिक अवधि से (प्रतिनियुक्ति/सेवा स्थानान्तरण अवधि सहित) लखनऊ में कार्यरत हैं।

जी हां।

स्थानान्तरण सत्र में।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के प्रत्येक जिला अस्पतालों में सी0टी0 स्कैन एवं सी आर्म मशीने उपलब्ध कराने विषयक

***12-श्री पारसनाथ यादव-**

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैय्या कराने के लिए प्रत्येक जिला अस्पतालों एवं ट्रामा सेंटरों पर सी0टी0 स्कैन व सी आर्म मशीन उपलब्ध कराने की व्यवस्था सरकार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

वर्तमान में एन0एच0एम0 योजनान्तर्गत पी0पी0पी0 मोड पर प्रथम चरण में प्रदेश के 63 जनपदों के मण्डल/जिला स्तरीय चिकित्सालयों एवं ट्रामा सेन्टरों में कुल 75 सी0टी0 स्कैन मशीन स्थापित करने का प्राविधान किया गया है। जिसके सापेक्ष 49 सी0टी0 स्कैन मशीन स्थापित एवं क्रियाशील हैं। 23 सी0टी0 स्कैन मशीन स्थापित किये जाने के उपरान्त क्रियाशील किया जाना प्रक्रियाधीन है। जबकि 03 सी0टी0 स्कैन मशीन स्थापित किया जाना प्रक्रियाधीन है। उक्त के अतिरिक्त द्वितीय चरण में 12 जनपदों में स्थापित किया जाना विचाराधीन है।

प्रथम चरण में विभागीय स्तर पर 28 जनपदों के जिला स्तरीय चिकित्सालयों में 29 सी0आर्म मशीन एवं यू0पी0एच0एस0एस0पी0, लखनऊ द्वारा 13 जिला स्तरीय चिकित्सालयों में कुल 14 सी0आर्म मशीन स्थापित है तथा 05 जनपदों के 100 शैय्या चिकित्सालयों में 05 आर्म मशीन स्थापित हैं। इस प्रकार कुल 46 जिला स्तरीय चिकित्सालयों में कुल 48 सी0आर्म मशीन स्थापित है। द्वितीय चरण में शेष जनपदों में सी0आर्म मशीन स्थापित किया जाना विचाराधीन है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के राज्याधीन कार्यालयों में संविदा/आउटसोर्सिंग से तैनात कार्मिकों को नियमित कार्मिकों की भांति अनुमन्य आकस्मिक अवकाश/निर्बन्धित अवकाशों का लाभ दिलाने विषयक

***13-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-**

क्या वित्त मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के राज्याधीन कार्यालयों में संविदा/आउटसोर्सिंग से तैनात कार्मिकों को नियमित कार्मिकों की भांति एक कलैण्डर वर्ष में अनुमन्य आकस्मिक अवकाश/निर्बन्धित अवकाशों का लाभ नहीं प्राप्त हो रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार संविदा/आउटसोर्सिंग के रूप में कार्यरत कार्मिकों को भी उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आकस्मिक/निर्बन्धित अवकाशों को अनुमन्य करने के आदेश देगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राजेश अग्रवाल-

संविदा पर नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा अपवाद स्वरूप परिस्थितियों में की जाती है, जबकि आउटसोर्सिंग के कार्मिक सेवा प्रदाता एजेन्सी के होते हैं। राज्य सरकार द्वारा संविदा पर तैनात कार्मिकों को वर्ष में 20 दिन के आकस्मिक अवकाश दिये जाने का प्राविधान किया गया है।

आउटसोर्सिंग के कर्मी सेवा प्रदाता एजेन्सी के कार्मिक होते हैं। सेवा प्रदाता एजेन्सी अनुबन्ध के अनुसार राज्य सरकार से भुगतान प्राप्त करती है और आउटसोर्सिंग के कार्मिकों को वेतन भुगतान स्वयं करती है। आउटसोर्सिंग कर्मियों पर सेवा प्रदाता एजेन्सी द्वारा निर्धारित

नियम लागू होते हैं। अतः आउटसोर्सिंग के कर्मियों को राज्य सरकार द्वारा आकस्मिक अवकाश की व्यवस्था किये जाने का प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्दों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मानक के अनुसार स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती के सम्बन्ध में

***14-डॉ0 जमुना प्रसाद सरोज-**

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर सरकार द्वारा कितने चिकित्सकों व कर्मचारियों की तैनाती का प्राविधान है ? क्या सरकार बतायेगी कि प्रदेश में ऐसे कितने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र है जहां पर मानक के अनुसार तैनाती नहीं की गयी है ? क्या सरकार उसका विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

जी हां।

मानक के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एक चिकित्सक व एक फार्मासिस्ट एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 05 चिकित्सक (फिजीशियन, शल्यक, स्त्री रोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट, निश्चेतक) व 10 कर्मचारियों की तैनाती का प्राविधान है।

वर्तमान में प्रदेश में 3621 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व 853 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र संचालित हैं। मानक के अनुसार समस्त केन्द्रों पर चिकित्सक व स्टाफ तैनात किया जाना सम्भव नहीं है। क्योंकि विभाग में चिकित्साधिकारियों के कुल स्वीकृत पद 18332 के सापेक्ष 5972 पद रिक्त हैं। रिक्त 5972 पदों का अधियाचन लोक सेवा आयोग को भेजा गया है। पैरामेडिकल कार्मिकों के कुल स्वीकृत 12690 पदों के सापेक्ष 1780 रिक्त हैं। रिक्त पदों का अधियाचन उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को प्रेषित किया गया है। यथासम्भव कार्मिकों की उपलब्धता के आधार पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्टाफ की तैनाती की जाती है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

अतारांकित प्रश्न

जनपद लखनऊ के महानगर में तैनात स्वास्थ्य कर्मी द्वारा कर्मचारियों एवं अधिकारियों को अनावश्यक ब्लैकमेल करने के सम्बन्ध में

1-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ महानगर में तैनात स्वास्थ्य कर्मी द्वारा कर्मचारियों/अधिकारियों के विरुद्ध आए दिन फर्जी, अनावश्यक शिकायतें कर उन्हें ब्लैक मेल करने तथा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने विषयक मुख्य

चिकित्साधिकारी, हरदोई का पत्रांक- मु0चि0अ0/एल0टी0/2016-17/5385, दिनांक 06 जनवरी, 2017 महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो क्या मुख्य चिकित्साधिकारी, हरदोई की संस्तुति के अनुसार सम्बन्धित कर्मी को लखनऊ मण्डल से अन्यत्र स्थानान्तरित कर अनुशासनिक कार्यवाही की संस्तुति की गयी है ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

जी हां।

मुख्य चिकित्साधिकारी, हरदोई ने सम्बन्धित स्वास्थ्य कर्मी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही की संस्तुति की है, जिसके क्रम में महानिदेशालय के आदेश दिनांक 19-12-2018 द्वारा राजेन्द्र सिंह, लैब टेक्नीशियन के विरुद्ध डॉ0 आलोक रंजन, संयुक्त निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, लखनऊ मण्डल, लखनऊ को जांच अधिकारी नियुक्त करते हुए अनुशासनिक कार्यवाही संस्थित की गई है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बुलन्दशहर के सिकन्द्राबाद नगर में स्थित राजकीय संयुक्त चिकित्सालय में चिकित्सकों के स्वीकृत पदों पर नियुक्ति के सम्बन्ध में

2-श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि क्या जनपद बुलन्दशहर के सिकन्द्राबाद नगर में स्थित राजकीय संयुक्त चिकित्सालय में चिकित्सकों के स्वीकृत सभी पदों पर चिकित्सक कार्य कर रहे हैं ? यदि हां, तो कितने ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

जनपद बुलन्दशहर के सिकन्द्राबाद नगर में स्थित राजकीय संयुक्त चिकित्सालयों में चिकित्साधिकारियों के स्वीकृत 16 पदों के सापेक्ष वर्तमान में 13 चिकित्सक कार्यरत हैं।

उपर्युक्तानुसार।

उ0प्र0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में चिकित्सकों की अत्यन्त कमी है। चिकित्सकों की उपलब्धता/योग्यता के आधार पर तैनाती की जाती है।

सचिवालय डिस्पेंसरी एलोपैथ उ0प्र0 शासन लखनऊ में कर्मियों को चिकित्सकीय जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में

3-श्री पारसनाथ यादव-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश सचिवालय डिस्पेंसरी एलोपैथ उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ में जांच की सुविधा सचिवालय कर्मियों के लिए न होने के

कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त डिस्पेंसरी में जांच कराने की सुविधा एवं दवायें आदि प्रचुर मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

सचिवालय डिस्पेंसरी एलोपैथ उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ में अल्ट्रासाउण्ड जांच की सुविधा उपलब्ध है एवं अन्य महत्वपूर्ण/अपरिहार्य जांच हेतु निकट के शासकीय चिकित्सालयों को सन्दर्भित कर दिया जाता है।

डिस्पेंसरी में दवायें प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। अल्ट्रासाउण्ड जांच की सुविधा उपलब्ध है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र गोपालपुर में सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0 पर सांप काटने व एंटीरैवीज के इन्जेक्शन उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में

4-श्री नफीस अहमद-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र गोपालपुर में पी0एच0सी0 व सी0एच0सी0 पर सांप काटने व एन्टीरैबीज के इन्जेक्शन उपलब्ध हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार बतायेगी कि प्रत्येक माह में कितनी मात्रा में उपलब्ध कराया जाता है ? यदि नहीं, तो क्या सरकार उक्त केन्द्रों पर एन्टीरैवीज इन्जेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

जनपद आजमगढ़ के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (ब्लाक स्तरीय) पर एण्टीरैवीज वेनम एवं एण्टी स्नैक वेनम उपलब्ध है।

आवश्यकतानुसार एवं मांग के अनुसार उपलब्ध कराया जाता है।

समस्त केन्द्रों पर ए0एस0वी0 एवं ए0आर0वी0 उपलब्ध है।

प्रश्न नहीं उठता है।

जनपद सहारनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों की नियुक्ति के सम्बन्ध में

5-श्री संजय गर्ग-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद सहारनपुर के कितने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राइमरी स्वास्थ्य केन्द्र चिकित्सक विहीन हैं ? क्या सरकार

चिकित्सक विहीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राइमरी स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सक तैनात कर सभी स्वास्थ्य सुविधाओं को मुहैया करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

जनपद सहारनपुर में 19 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं 40 प्राइमरी स्वास्थ्य केन्द्र क्रियाशील हैं, जिनमें से 01 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जडौदा पाण्डा एवं 15 प्राइमरी स्वास्थ्य केन्द्र (बाबैल बुजुर्ग, जीवाला, कम्पोहमाजरा, नौगांवा, पचकुंआ, सबदलपुर, नल्हेडा गूर्जर, खजूरी अकबरपुर, हलालपुर, सिकन्दरपरु, सलारपुर, दूधला, तीतरों, टाबर व फन्दपुरी) चिकित्सक विहीन हैं। उक्त चिकित्सक विहीन स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्थानीय व्यवस्था पर अन्य स्टाफ द्वारा स्वास्थ्य सेवायें प्रदान की जाती हैं।

उ0प्र0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में चिकित्सकों की अत्यन्त कमी है। चिकित्सकों की उपलब्धता एवं योग्यता के आधार पर तैनाती की जाती है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद जौनपुर के मुंगरा बादशाहपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के जर्जर भवन के सम्बन्ध में

6-श्रीमती सुषमा पटेल-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुंगरा बादशाहपुर का भवन जर्जर होने व कमरों की कमी के कारण मरीजों को चिकित्सा में हो रही असुविधा की जानकारी सरकार को है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का सर्वे कराकर भवन का पुनर्निर्माण तथा नये कक्षों का निर्माण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुंगरा बादशाहपुर जनपद जौनपुर का मुख्य भवन ठीक स्थिति में है तथा आवासीय भवनों की मरम्मत एवं स्थल विकास से सम्बन्धित कार्य कराये जा रहे हैं। उक्त 02 चिकित्सालय में 02 चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ तैनात हैं जिसके द्वारा मरीजों की चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अतिरिक्त मरीजों की सुविधा हेतु उक्त अस्पताल के बगल में 10 बेड का जननी सुरक्षा वार्ड भी स्थापित है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद सहारनपुर मण्डल में देश की सेना व अर्द्धसैनिक बलों में कार्यरत शहीद हुए प्रदेश के नागरिकों के कल्याण विषयक

7-श्री नाहिद हसन-

क्या सैनिक कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि माह अप्रैल, 2017 से दिनांक 29-11-2018 तक सहारनपुर मण्डल के देश की सेना व अर्द्धसैनिक बलों में कार्यरत कितने

कर्मी शहीद हुए हैं तथा उनके सम्मानजनक अंतिम संस्कार के लिए जिला प्रशासन का कौन सा अधिकारी अन्त्येष्टि स्थल पर मौजूद था ? क्या सरकार ने उनके आश्रितों के कल्याण हेतु उपाय किये हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

जी हां, माह अप्रैल, 2017 से दिनांक 29-11-2018 तक सहारनपुर मण्डल (मुजफ्फरनगर, शामली) के देश की सेवा में कार्यरत जनपद सहारनपुर के राइफलमैन जयद्रथ सिंह दिनांक 21 जुलाई, 2017 को जम्मू व कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों के दौरान सीमा पर शहीद हुए थे। उनके सम्मानजनक अन्तिम संस्कार में ले0 कर्नल मोहर सिंह, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, सहारनपुर, श्री पी0के0 पाण्डेय, आई0ए0एस0, जिलाधिकारी, सहारनपुर एवं श्री बबलू, एस0एस0पी0 सहारनपुर अन्त्येष्टि स्थल पर मौजूद थे।

जी हां। जनपद सहारनपुर के शहीद राइफलमैन जयद्रथ सिंह की पत्नी श्रीमती ममता देवी को उ0प्र0 सरकार द्वारा रु0 20 लाख की धनराशि प्रदान की गई। प्रत्येक शहीद के एक आश्रित को सेवायोजित करने हेतु राज्य सरकार द्वारा शासनादेश संख्या-1/2048/155/48-2018-14 (विविध)/2017, दिनांक 19-03-2018 के द्वारा निर्णय लिया गया है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका महिला चिकित्सालय, बलरामपुर की श्रीमती नीना वर्मा पर भ्रष्टाचार की जांच कराने विषयक

8-श्री पल्टूराम-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका महिला चिकित्सालय, बलरामपुर लगभग 10 वर्षों से एक ही जनपद में एक ही स्थान पर स्थानान्तरण नीति के विपरीत तैनात है ? क्या सरकार को जानकारी है कि महिला चिकित्सालय के परिसर से करोड़ों रूपये के उपकरण चोरी होने की शिकायत सरकार के संज्ञान में आयी है ? क्या सरकार स्थानान्तरण नीति के विपरीत तैनात अधिकारी को स्थानन्तरित करेगी तथा उक्त चोरी के जिम्मेदार अधिकारियों की जांच करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

विशेषज्ञ चिकित्सकों की भारी कमी के कारण डा0 नीना वर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका वर्ष 2008 से जिला महिला चिकित्सालय, बलरामपुर में तैनात हैं।

जिला महिला चिकित्सालय, बलरामपुर के पी0पी0सी0 वार्ड में दिनांक 25-06-2018 को लगभग रु0 2.50 लाख उपकरण के चोरी की शिकायत के आधार पर स्थानीय थाना-बलरामपुर में दिनांक 25-06-2018 को प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

चोरी की घटना आपराधिक कृत्य है जिसकी विवेचना स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी, शाहजहांपुर कार्यालय के जूनियर इंजीनियर द्वारा चिकित्सालय के भवन निर्माण, पुताई रंगाई आदि मदों में किये गये कार्य के सम्बन्ध में

9-श्री वीर विक्रम सिंह, प्रिंस-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी, शाहजहांपुर कार्यालय के जूनियर इंजीनियर द्वारा वर्ष 2016-17 व 2017-18 तथा 10 जनवरी, 2019 तक क्या-क्या निर्माण कार्य किस-किस सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 पर कराये गये ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

जी हां।

वित्तीय वर्ष 2016-17 में शाहजहांपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों बिलन्दपुर, सिवरा, खुटार एवं कलान पर मुख्य भवन, बाउण्ड्रीवाल, टाईप-4, 2 व 1 आवासों में वार्षिक मरम्मत/सुदृढ़ीकरण के कार्य किये गये। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मीरानपुर कटरा एवं पुवायां में क्रमशः वार्षिक मरम्मत एवं मुख्य भवन के पहुंच मार्ग का कार्य कराया गया।

टिप्पणी :-प्राथमिक स्वा0 केन्द्र, खुटार एवं कलान के मुख्य भवन के रिनोवेशन तथा सामु0 स्वा0 केन्द्र, पुवांया के मुख्य भवन के पहुंच मार्ग का रिनोवेशन का कार्य सीमित बजट की उपलब्धता के कारण 50 प्रतिशत ही कराया गया।

वर्ष 2017-18 तथा 10 जनवरी, 2019 तक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कलान, खुटार एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पुवांया पर वार्षिक मरम्मत हेतु बजट उपलब्ध होने के पश्चात् अवशेष 50 प्रतिशत कार्य कराये गये हैं। विवरण संलग्न है।[†]

जी हां।

प्रश्न नहीं उठता।

[†] (देखिये नत्थ 'क' आगे पृष्ठ-131 पर)

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र कुशीनगर के पौराणिक स्थल रामजानकी मठ के मुख्य मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में

10-श्री रजनीकांत मणि त्रिपाठी-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र कुशीनगर के पौराणिक स्थल राम जानकी मठ के मुख्य मार्ग पर आस्था द्वार का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी-

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र कुशीनगर के पौराणिक स्थल रामजानकी मठ के मुख्य मार्ग पर आस्था द्वार का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 के आय-व्ययक में योजन मद में पर्याप्त वित्तीय व्यवस्था उपलब्ध न होने के कारण इस स्थल पर पर्यटन विकास कार्य कराया जाना सम्भव नहीं है।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र कुशीनगर के कसया नगर में आकस्मिक चिकित्सा हेतु ट्रामा सेन्टर खोलने के सम्बन्ध में

11-श्री रजनीकांत मणि त्रिपाठी-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र कुशीनगर के कसया नगर में आकस्मिक चिकित्सा हेतु ट्रामा सेन्टर का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यो ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

ट्रामा सेन्टर के निर्माण हेतु निःशुल्क एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध होने के पश्चात् ट्रामा सेन्टर बनाये जाने पर विचार किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में कोई प्रस्ताव विभाग को प्राप्त नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

जनपद जौनपुर के विकास खण्ड मुंगरा बादशाहपुर, सुजानगंज व नगर पालिका मुंगरा बादशाहपुर में विधवा पेंशन दिलाने विषयक

12-श्रीमती सुषमा पटेल-

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के विकास खण्ड मुंगरा बादशाहपुर, सुजानगंज व नगर पालिका मुंगरा बादशाहपुर में ''विधवा पेंशन'' के कितने आवेदन-पत्र दिनांक 31-12-2018 तक लम्बित हैं ? क्या सरकार उक्त आवेदन-पत्रों पर नियमानुसार कार्यवाही कर पेंशन स्वीकृत करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी-

पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन हेतु जनपद जौनपुर के विकास खण्ड मुंगरा बादशाहपुर में 952, सुजानगंज में 885 एवं नगर पालिका मुंगरा बादशाहपुर में 159 आवेदन-पत्र दिनांक 31-12-2018 तक प्राप्त हुए थे, जिन्हें स्वीकृति उपरान्त जिला प्रोबेशन अधिकारी, जौनपुर द्वारा पी0एफ0एम0एस0 पोर्टल पर अग्रसारित कर दिया गया है।

जी हां।

निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने पर ही उपरोक्त पेंशन की स्वीकृति/भुगतान की कार्यवाही की जाती है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद गोण्डा में अवैध रूप से चल रहे मदरसों पर कार्यवाही के सम्बन्ध में

13-श्री प्रभात कुमार वर्मा-

क्या अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गोण्डा में कितने मदरसा चल रहे हैं और उनमें से कितने मान्यता प्राप्त हैं जो मानक पूरा नहीं कर रहे हैं ? क्या सरकार उक्त जनपद में अवैध रूप से चल रहे मदरसों की जांच करवाकर कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राजेश अग्रवाल-

जनपद गोण्डा में मदरसा पोर्टल पर पंजीकरण के आधार पर 1205 मान्यता प्राप्त मदरसे है। मानक के सम्बन्ध में जांच जिलाधिकारी गोण्डा द्वारा कराई जा रही है।

जी हां।

जिलाधिकारी, गोण्डा की जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जायेगी।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

दादरी गौतमबुद्धनगर के अस्पताल में ट्रामा सेन्टर खोलने के सम्बन्ध में

14-श्री तेजपाल सिंह नागर-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि दादरी (गौतमबुद्धनगर) जी0टी0 रोड एन0एच0-91 ईस्टर्न पैरिफेरल, दिल्ली, इलाहाबाद रेलवे लाइन, एन0टी0पी0सी0 जैसे महत्वपूर्ण उपक्रम में होने वाले हादसों से बचने के लिए दादरी गौतमबुद्धनगर के अस्पताल में क्या ट्रामा सेन्टर खोलने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-

जी नहीं।

भारत सरकार के पत्र दिनांक 25-07-2014 में लेवल-3 के ट्रामा सेन्टरों के मध्य 100 कि0मी0 से 150 कि0मी0 की दूरी पर बनाये जाने का प्राविधान है। उक्त के दृष्टिगत संजय नगर गाजियाबाद से दादरी गौतमबुद्धनगर की दूरी मात्र 22 कि0मी0 है तथा खुर्जा बुलन्दशहर से दादरी गौतमबुद्धनगर की दूरी मात्र 52 कि0मी0 है। उक्त दोनों जनपदों संजय नगर गाजियाबाद एवं खुर्जा बुलन्दशहर में पूर्व में ट्रामा सेन्टर स्थापित एवं क्रियाशील है।

जिलाधिकारी, फिरोजाबाद द्वारा अपर मुख्य सचिव, महिला कल्याण, उ0प्र0 शासन, लखनऊ को प्रेषित पत्रांक संख्या-552-54/जी0 अ0/जि0 प्रो0 का0/रा0 बा0 गृ0 नि0/2018-19, दिनांक 27-8-2018 पर कार्यवाही के सम्बन्ध में

15-श्री मनीष असीजा-

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिलाधिकारी, फिरोजाबाद द्वारा अपर मुख्य सचिव, महिला कल्याण उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ को प्रेषित पत्रांक 552-54/जि0अ0/जि0प्रो0का0/रा0बा0गृ0नि0/2018-19, दिनांक 27-08-2018 द्वारा राजकीय बाल गृह (बालक) फिरोजाबाद के नवीन भवन निर्माण हेतु, नामित कार्यदायी संस्था से प्राप्त नवीन आगणन प्रस्ताव के अनुरूप वांछित धनराशि आवंटन के सम्बन्ध में पत्र उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी-

प्रश्नगत भवन निर्माण हेतु अनुमानित लागत आगणित कराते हुए कार्यदायी संस्था नामित की जा चुकी है। प्रश्नगत परियोजना हेतु केन्द्रांश प्राप्त कर वित्त विभाग की सहमति प्राप्त किया जाना अपेक्षित है। इस योजना हेतु अब भारत सरकार से केन्द्रांश प्राप्त हो गया है। अग्रेतर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद सीतापुर के तहसील महमूदाबाद के अन्तर्गत निर्माणाधीन राजकीय हाई स्कूल, बाबूपुर के स्कूल का निर्माण कार्य पूर्ण कराने के सम्बन्ध में

16-श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा-

क्या अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद सीतापुर की तहसील महमूदाबाद के अन्तर्गत निर्माणाधीन राजकीय हाई स्कूल बाबूपुर का निर्माण कार्य सरकार पूर्ण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

दुग्ध विकास, धर्मार्थ कार्य, संस्कृति एवं अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज मंत्री (श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी)-

विषयगत परियोजना का निर्माण चयनित भूमि के स्थान पर खलिहान की भूमि पर किये जाने सम्बन्धी प्रकरण संज्ञान में आने पर जिलाधिकारी, सीतापुर द्वारा निर्माण कार्य को रुकवा दिया गया है। भूमि सम्बन्धी विवाद के निस्तारण होने पर यथानिर्णय प्रश्नगत राजकीय हाई स्कूल, बाबूपुर का निर्माण कार्य हो सकेगा।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

(12 बजकर 20 मिनट पर सदन की कार्यवाही श्री अध्यक्ष की अध्यक्षता में पुनः आरम्भ हुई।)

श्री अध्यक्ष-

सबसे पहले कौन विषय रखेगा आप लोग तय कर लें।

[12:20 बजे] प्रदेश में अवैध जहरीली शराब पीने से मरे लोगों के सम्बन्ध में (क्रमागत)

श्री संजय गर्ग-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण और तात्कालिक विषय पर बोलने का समय दिया मैं उस बात के लिये आपका आभारी हूं। वास्तव में यह घटना जो सहारनपुर जनपद की, मेरे जनपद की है, जिसमें अभी तक जो अखबारों में खबर छपी है उसके हिसाब से 88 लोग सहारनपुर के हैं, उसमें उनकी जान चली गई। पूरे प्रदेश में इस तरह की पुनरावृत्ति पहले भी होती रही, सैकड़ों बच्चे अनाथ हो गये, न जाने कितनी महिलाओं के सिन्दूर उजड़ गये, न जाने कितनी माताओं की गोद सूनी हो गई और इस घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। आज निश्चित रूप से इस वैज्ञानिक युग में, विकसित मुल्क में, हमारे इस प्रदेश में इस तरह की घटना का घटित होना, यह कोई पहली घटना नहीं थी और इससे इस बात को बल मिलता है की अगर सख्त कार्यवाही पहले से ही की जाती तो निश्चित रूप से इस तरह की घटनाओं को रोकने का काम किया जा सकता था। माननीय अध्यक्ष जी पिछले गुरुवार को घटित इस घटना पर इससे भी ज्यादा संवेदनहीनता इस बात से प्रतीत होती है प्रशासन और शासन की, कि इस घटना को और डायलूट करके बताने की कोशिश की जा रही है। घटना को इस तेरहवीं के भोज से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। जबकि शराब माफिया का पूरा तंत्र उस इलाके में काम कर रहा था और 24 गांव के लोग उसके अन्तर्गत प्रभावित हुए। अलग- अलग गांवों से अलग-अलग संख्या में लोगों ने जहां-जहां उसका वितरण हुआ, वहां खरीदकर जब उसका सेवन किया उसके बाद उन लोगों को एक जैसे लक्षण दिखाई दिये, एक जैसे पाउच में शराब परोसी गई और उस आधार पर उन तमाम लोगों की जान चली गई। उससे भी ज्यादा संवेदनहीनता तब नजर आई, जब उनका इलाज जिस ढंग से होना

चाहिये था, न तो जिला चिकित्सालय पर बैंक-अप था सहारनपुर में शेख उल हिन्द मौलाना महमूदुउल हसन मेडिकल कालेज भी है परन्तु मेडिकल कालेज अभी तक कोई जवाब देने को तैयार नहीं है। वहां 10 वेटीलेटर पड़े थे, बार-बार यहाँ पर भी सवाल उठा, पता चला कि चार वेटीलेटर चल रहे हैं और उसके बाद घटना को और डायलूट करने के लिये लोगों को ज्यादा रेफर मेरठ मेडिकल कालेज में करना शुरू कर दिया गया। ऐसा कुछ सन्देश देने की बात हुई जैसे कि मेरठ मेडिकल कालेज में जिन लोगों की जान गई है, वह किसी अन्य स्थान के हैं और यह किसी अन्य स्थान के हैं। माननीय अध्यक्ष जी विषय की गम्भीरता तब और ज्यादा बढ़ जाती है जब हमारे ही जनपद के गांव थाना गागहलहेड़ी के 10 गांव, थाना देवबन्द के 6 गांव, थाना नांगल के सात गांव, थाना देहात से आसनवाली और थाना जनपकपुरी का मोहिनुद्दीनपुर के इन तमाम लोगों को एक जैसी शराब एक जैसे पाउच में सेवन करने के कारण इनकी जान गई। उसी के साथ-साथ पिछले दिनों 8 तारीख को कुशीनगर में इसी तरह की घटना हुई जिसमें संख्या बढ़कर 15 हो गई है। मैं इस बात की गम्भीरता को इससे जोड़ना चाहता हूं कि 2017 में आजमगढ़ में 25 लोगों की मौत हुई, जनवरी, 2018 में बाराबंकी में जहरीली शराब से 12 लोगों की मौत हुई, मार्च, 2018 में गाजियाबाद में चार लोगों की मौत हुई, मई, 2018 में कानपुर और कानपुर देहात में कई लोगों की मौतें हुई, 23 अगस्त, 2018 को झिझांका शामली के कमालपुर में 5 लोगों की मौत हुई, इसी तरह कुशीनगर में मौतें हुई हैं और अब सहारनपुर में यह पुनरावृत्ति हुई है। कहीं न कहीं ऐसा महसूस होता है कि जब घटना घटित होती है तो प्रशासनिक पुलिस अधिकारी और आबकारी के लोग मिलकर छापेमारी जरूर करते हैं किन्तु खानापूर्ति करने के लिये, सिर्फ कुछ थैलियां पकड़ ली जाती हैं, परन्तु केस की पैरवी जिस ढंग से होनी चाहिये उस ढंग से न हो पाने के कारण वह अभियुक्त छूट कर, फिर से उसी धन्धे में लिप्त हो जाता है। निश्चित रूप से इस बात की गम्भीरता को देखते हुए जब इस तरह की घटना घटित होती है तो सवाल आता है। मैं अस्पताल गया और डाक्टरों से सम्पर्क किया और पता चला कि डाक्टर अभी अन्दाजा लगा रहे हैं कि उनकी बॉडी के अन्दर मिथाइल एल्कोहल का विसरा है या कुछ और उसके अन्दर क्या निकलेगा, क्या नहीं, इस बात को अभी तय नहीं किया जा सकता है। उनकी बॉडी में कौन से केमिकल है यह तो अपने आप में जांच का विषय है। शराब को बनाने में एथाईल एल्कोहल का इस्तेमाल एक पार्टिकुलर मात्रा के अन्दर होता है परन्तु मिथाईल एल्कोहल का इस्तेमाल पेन्ट बनाने में, कीटनाशक बनाने में और फर्टिलाइजर आदि को बनाने में किया जाता है। उसका इस्तेमाल इस तरह से जानलेवा लोगों को प्रॉफिट ओरियन्टेशन (मुनाफा कमाने) की वजह से करने की बात की जायेगी और किस मजबूरी की वजह से यह भट्ठियां चल रही हैं, यह शराब का सेवन हो रहा है ? निश्चित रूप से कहीं न कहीं यह भाव भी आता है कि वर्तमान सरकार जब गाय के नाम पर टैक्स लगाकर और ज्यादा मंहगी दर पर, जब गायों की सेवा करने पर प्रेरित करने का काम करेगी कि जितनी ज्यादा शराब पी जायेगी उतनी ही ज्यादा गाय की बेहतर तरीके से सेवा हो पायेगी, तो यह

और ज्यादा नियत पर सवाल खड़े करने का काम करता है। उत्तराखण्ड में भी उसी दिन 36 लोगों के करीब मौतें हुई हैं और इस तरह यह तादाद लगभग सवा सौ के करीब पहुंचती है। इतनी बड़ी घटना घटित होने के बाद भी प्रशासन इस बात को कहने की बात करे कि 36 लोगों की मौत हुई है, अभी भी न जाने कितने लोग इलाज करवा रहे हैं बहुत सारे लोग निजी अस्पतालों में हैं, बहुत सारे लोग अभी उजागर होने से बचे होंगे। इसलिये इस घटना की बहुत निष्पक्षता और गम्भीरता के साथ जांच होने की आवश्यकता है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं इस बात की मांग करता हूँ। कल एक संयुक्त कमेटी की जांच में सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा बताया गया कि पहले तो इस घटना को उत्तराखण्ड की घटना के साथ जोड़ने की बात की जा रही थी कि सहारनपुर के ही थाना गागलहेडी के ग्राम पुन्डेन का कोई सप्लायर शराब माफिया है जिन्हें कुछ लोगों का संरक्षण मिला हुआ है और वह उन्हीं के माध्यम से शराब की सप्लाई पूरे इलाके में करते हैं। निश्चित रूप से ऐसा नर पिशाच जिसने कि इस तरह के काम को करने की मुनाफा कमाने की नियत से काम किया है और जिससे सैकड़ों लोगों की न केवल जाने चली गईं उनका भविष्य अन्धकारमय हो गया और हम तमाम लोग जो इस समय विधान सभा में मौजूद हैं उनके सामने एक बहुत बड़ा प्रश्न खड़ा हो गया है कि किस तरह से हम निजामत को करना चाहते हैं प्रदेश में, क्या कारण है कि मद्य निषेद और तमाम चीजों की दुहाई देने के बावजूद भी इस तरह की घटनाओं का होना लगातार जारी है। माननीय अध्यक्ष जी, इन तमाम मरीजों के लक्षण एक जैसे हैं और उन लक्षणों में कम दिखाई देना, ब्लड प्रेशर का थोड़े-थोड़े अन्तराल में बढ़ना, पेट में दर्द होना, जी मिचलाना, उल्टी आना और सांस का कम-तेज होना है। मैं यह बात केवल इसलिये बताना चाहता हूं कि एक तेरहवीं भोज में शराब सप्लाई करने के कथन को कहकर कहीं न कहीं इसकी गम्भीरता को डाइवर्ट करने की कोशिश करने का काम किया जा रहा है, कि कहीं यह घटना फूड प्वाइजनिंग की वजह से तो नहीं हो गई है, खाने के अन्दर अन्य किसी प्रकार की चीज का इस्तेमाल तो नहीं किया गया है जिसकी वजह से यह तमाम चीजें हुई हों। वह बहुत ही गरीब व्यक्ति थे और यह तमाम मजदूर पेशा टाइप के लोग हैं जिनमें अलग-अलग उम्र के लोग मौजूद हैं। 25 साल से लेकर 60 साल तक की उम्र के लोगों के साथ यह घटना हुई है इसलिये माननीय अध्यक्ष जी आपके संरक्षण में हम आपसे इस बात के लिये शासन से मांग करना चाहते हैं कि इस घटना की गम्भीरता को देखते हुए एक निष्पक्ष जांच मा0 उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में सी0बी0आई0 के द्वारा की जानी चाहिये और जो मृतक परिवार है उनको 25-25 लाख रुपये मुआवजा दिया जाना चाहिये और उसी के साथ वर्तमान मा0 उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश की अध्यक्षता में उसके संरक्षण में यह सी0बी0आई0 की जांच करने का निर्देश आपके माध्यम से दिया जाना चाहिये।

श्री अध्यक्ष-

अब जो बातें आ गई हैं उनको दोहरायेंगे नहीं। मा0 वर्मा जी।

श्री लाल जी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, प्रदेश में बहुत ही दर्दनाक और शर्मसार करने वाली घटना हुयी है। पूरे प्रदेश में 100 से अधिक गरीब और नौजवान लोगो की मृत्यु हुयी है और निश्चित रूप से इसकी गम्भीरता इससे और प्रदर्शित होती है कि सहयोगी पार्टी के एक राष्ट्रीय महासचिव जो सांसद भी है, उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश की सरकार की देख-रेख में इस तरह से शराब माफिया काम कर रहे है। माननीय श्री के0सी0 त्यागी जी ने यह आरोप लगाया है जिससे यह साबित होता है कि जहरीली शराब के जो माफिया है उनको कहीं न कहीं से संरक्षण प्राप्त हो रहा है जिसके कारण इस तरह की घटनायें कुशीनगर, मेरठ और सहारनपुर में हुयी है जिसमें लगभग 100 से अधिक लोगो की मृत्यु हुयी है। आपने दो जगह के सी0ओ0 को सस्पेण्ड किया है, लेकिन इसमें सी0ओ0 से ज्यादा एस0एस0पी0 की भूमिका रहती है। एस0एस0पी0 की देख-रेख में एस0ओ0 काम करते हैं इसी तरह से डी0एम0 भी कहीं न कहीं से इन्वाल्व रहते हैं। इस तरह की घटनायें जब होती हैं तो उस पर कुछ दिन चर्चा होती है और उसके बाद मामला टांय-टांय फिस्स हो जाता है क्योंकि जो शराब माफिया है और जो जहरीली शराब का धंधा करने वाले लोग है जब उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही नहीं होती है तो फिर इसको बढ़ावा मिलने का काम होता है। इसलिये हमारी मांग है कि इसमें सख्त कार्रवाई की जाये। जैसा कि माननीय संजय गर्ग जी ने कहा है और मैं उनकी बात से सहमत हूँ कि हाईकोर्ट की देखरेख में सी0बी0आई0 द्वारा इसकी जांच करायी जाये और प्रत्येक मृतक परिवार को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाये। इतनी बड़ी यह घटना हुयी है जिसमें 100 से अधिक लोग मरे हैं इसलिये कम से कम आबकारी मंत्री को तो तत्काल इस्तीफ देना चाहिये। हमारी यह मांग है कि आबकारी मंत्री जी इस्तीफा दें। इसके साथ-साथ दोनों जिलों के जो जिम्मेदार डी0एम0 और एस0पी0 हैं उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिये जिससे इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लग सके। मान्यवर, जब यहाँ चर्चा होती है तो माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी जवाब दे देते हैं कि फलां समय इतना हो गया था, फलां समय इतना हो गया था, अगर हम यह तुलना करें कि आपके समय में इतना हुआ और इनके समय में इतना हुआ तो फिर इससे घटना को कम करना होगा। कभी भी घटना हुयी हो, किसी समय में भी घटना हुयी हो, लेकिन आज जो घटना हुयी है, उस पर कठोरतम कार्रवाई होनी ही चाहिये और उसके लिये जरूरत यह है कि इसकी सही से जांच हो जिससे जो सफेदपोश है वह बचने न पायें क्योंकि अक्सर वह बच जाते हैं। जेल कौन जा रहा है, जो साधारण व्यक्ति है वही जेल जा रहा है। इसलिये जब इसकी ठीक ढंग से जांच होगी इस तरह की घटनाओं को रोका जा सकेगा और उसके लिये जो माननीय संजय गर्ग जी ने कहा मैं उससे सहमत हूँ। चाहे तो विधान सभा की एक संसदीय समिति बनाकर इसकी जांच करा ली जाये तभी दूध का दूध और पानी का पानी अलग होगा। मेरी फिर से मांग है कि जो अपराधी हैं उनको सजा मिले और जो मृतक हैं उनके परिवारों को पच्चीस-पच्चीस लाख रुपये का मुआवजा मिले। यह घटना

तात्कालिक है, गम्भीर है और इससे आम जनता में बहुत आक्रोश व्याप्त है इसलिये मै चाहूँगा कि इसकी गम्भीरता को देखते हुये इस पर चर्चा कराने की कृपा करें। माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे सुना इसके लिये मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

माननीय श्री अजय कुमार लल्लू जी अब आप अपनी बात रखिये।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, श्री अजय कुमार लल्लू जी इस मुद्दे पर पहले अपनी बात रख चुके हैं और सात तारीख के बाद इनके जनपद कुशीनगर में कोई मौत नहीं हुयी है। यह सदन की परम्परा रही है और नियम भी है कि एक बार जो बात सदन में आ जाये वह बार-बार नहीं आनी चाहिये। सदन में सात तारीख को इनकी बात आ चुकी है।

श्री अजय कुमार लल्लू-

माननीय अध्यक्ष जी, उस समय सहारनपुर की घटना नहीं हुयी थी। यह काफी गम्भीर और महत्वपूर्ण विषय है। एक साथ प्रदेश में जहरीली शराब से मौतों का सिलसिला चालू हुआ है और लगभग 114 से अधिक लोगों की मौत हुयी है। कृपया मुझे अपनी बात कहने का अवसर दिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, लेकिन आप कोई बात दोहराइयेगा नहीं । माननीय वर्मा जी ने विषय पर ही अपनी बात रखी है और आप भी विषय पर ही अपनी बात रखियेगा।

श्री अजय कुमार लल्लू-

माननीय अध्यक्ष जी, यह विषय इसलिये अधिक गम्भीर है क्योंकि जब जहरीली शराब से आजमगढ़ में 28 लोगों की मौत हुयी थी, जब बाराबंकी में 14 लोगों की मौत हुयी थी, जब गाजियाबाद, नोएडा और कानपुर में कई लोगों की मौत हुयी थी, तो उस समय भी हम लोगों ने इस विषय को सदन में उठाया था। मान्यवर, उस समय भी हम लोगों ने इस विषय को उठाया था और उस समय भी सरकार ने इसको संज्ञान में नहीं लिया। सरकार ने हीलाहवाली करते हुये उस मामले पर कहीं न कहीं पटाक्षेप करते हुये उसे समाप्त कर दिया।

श्री अध्यक्ष-

आप इसी घटना पर बोलिये।

श्री अजय कुमार लल्लू-

मान्यवर, मैंने 2 जनवरी को मा0 मुख्य मंत्री जी को पत्र दिया था और स्वतः अपने क्षेत्र की स्थिति के बारे में बताया था कि हमारे क्षेत्र में अवैध शराब जोरों से बिक रही है, लेकिन लाखों लीटर शराब पकड़े जाने के बाद भी रामपुर, बंगला, हरौलीदान तथा तरियां थाना

क्षेत्र में आज तक वह माफिया पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। उन लोगों के खिलाफ आज तक कार्रवाई नहीं हुयी है और कार्रवाई किस पर हुयी ? छोटे-मोटे लोगों को पकड़कर जेल की सलाखों में भेजे जाने का काम किया गया। यह मामला इसलिये भी गम्भीर है कि कही न कही पूरे प्रदेश में मैंने इसी सदन में कहा था कि यदि आप किसी गांव में जायेंगे और पूछेंगे कि परचून की दुकान किधर है तो कोई बालक नहीं बतायेगा, लेकिन उस बच्चे से अगर पूछा जाये कि कच्ची शराब और कटहवा की दुकान किधर है तो वह असानी से बता पायेगा। मान्यवर, चूंकि यह मा0 मुख्य मंत्री जी के गोरखपुर मण्डल का ही जनपद कुशीनगर है इसलिये मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करूंगा कि गरीबों की मौत के वारंट पर मा0 मुख्य मंत्री जी ने हस्ताक्षर किया है इसलिये नैतिकता के आधार पर उनको इस्तीफा देना चाहिये और जो पीड़ित लोग हैं उनको कम से कम 50-50 लाख रुपये का मुआवजा तथा साथ ही साथ उनको सरकारी नौकरी भी देने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये ताकि उनका जीवन-यापन चल सके।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठ जाइये।

श्री अजय कुमार लल्लू-

मान्यवर, इतना ही नहीं हाईकोर्ट की देखरेख में सी0बी0आई0 की जांच होनी चाहिये और जो लोग इसमें लिप्त हैं उन लोगों के खिलाफ इसमें कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिये। मान्यवर, कहीं न कहीं इस पूरी घटना पर लीपापोती करने का प्रयास सरकार कर रही है ? कौन सी ऐसी परिस्थित है ? प्रदेश में वर्ष 2017 से लेकर अब तक सदन में यह मामला उठता रहा है और उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हुयी है ? कहीं न कहीं सरकार की मिलीभगत से इतना बड़ा खेल प्रकाशमय है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिये। आप मान नहीं रहे हैं। आप बैठिये।

श्री अजय कुमार लल्लू-

मान्यवर, यह मेरे विधान सभा क्षेत्र की घटना है जिसमें 14 लोगों की मृत्यु हुयी है। उन छोटे-छोटे बच्चों का क्या होगा ? जिनकी लड़कियों की शादी इसी 26 तारीख को होने वाली है उनका क्या होगा ?

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिये।

श्री अजय कुमार लल्लू-

मान्यवर, मेरी बात तो आ जाने दीजिये। मान्यवर, कितने लोगों का आशियाना उजड़ गया।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठ जाइये। आपकी पूरी बात आ गयी है। आप एक ही बात को दोहरा रहे हैं। आप कोई नयी बात बताइये।

श्री अजय कुमार लल्लू-

मान्यवर, मैं दोहरा नहीं रहा हूँ। नयी बात बता रहे हैं। जब रेल की दुर्घटना हुयी थी, उस समय कांग्रेस की सरकार थी तो उसने नैतिकता के आधार पर मुआवजा दिया था और 200 लोगों के मरने के बाद भी आज तक मुख्य मंत्री और सरकार का कोई भी अमला जाकर उन पीड़ित परिवारों से मिलने का प्रयास नहीं किया। कुशीनगर में दुर्घटना, मेरठ में दुर्घटना, केरल में दुर्घटना, सहारनपुर में दुर्घटना।

श्री अध्यक्ष-

अब आपकी बात हो गयी। देखिये सपा के नेताओं ने तथा बसपा के नेताओं ने अपनी बात समयबद्ध तरीके से अपनी कही है। आप अनुशासन में रहिये। अब आप बैठिये।

श्री अजय कुमार लल्लू-

मान्यवर, मैं बिल्कुल अनुशासन में हूं। मैं मांग करता हूँ कि जो पीड़ित लोग हैं उनको कम से कम 50-50 लाख रुपये, सरकारी नौकरी और हाईकोर्ट की देखरेख में सी0बी0आई0 की जांच हो तथा नैतिकता के आधार पर चूंकि मुख्य मंत्री जी ने गरीबों की मौत के वारण्ट पर हस्ताक्षर किया है तो वह नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दें।

श्री अध्यक्ष-

मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, मा0 गर्ग साहब ने और मा0 वर्मा जी ने जो विषय रखा है, यह सही है कि यह घटना दुःखद है। सहारनपुर में जो मौतें हुयी हैं उसे पूरी गम्भीरता से सरकार ने उसे संज्ञान में लिया है और हमारी पूरी संवेदना उन परिवारों के साथ है, जिनका घर उजड़ गया है।

मान्यवर, जैसे गम्भीर घटना है उसी गम्भीरता से सरकार ने लिया है। सरकार ने श्री संजय सिंघल की अध्यक्षता में एक एस0आई0टी0 गठित की है जिसमें दोनों कमिश्नरी के मण्डलायुक्त हैं और उनके सहयोग करने के लिये दो आई0जी0 भी हैं। इन 05 लोगों की टीम के लिये यह कहा गया है कि 10 दिन के अन्दर पूरी गहराई से छानबीन करके रिपोर्ट दें। मान्यवर, साथ ही साथ सरकार ने इसमें जितने लोग प्रथम दृष्टया दोषी पाये गये हैं, उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी की है। मान्यवर, दोनों क्षेत्र के क्षेत्राधिकारी श्री राम कृष्ण तिवारी, तमकुहीराज जनपद कुशीनगर और श्री सिद्धार्थ, क्षेत्राधिकारी देवबन्द जनपद

सहारनपुर को निलम्बित कर दिया गया है। साथ ही साथ श्री हरीश कुमार राजपूत, एस0एच0ओ0, नागर, श्री अश्विनी कुमार, एस0 आई, नागर, श्री अयुब अली, उप निरीक्षक, नागर, प्रमोद जैन, उप निरीक्षक, थाना गागलहेड़ी और 06 सिपाही हैं इनको निलम्बित किया गया है। इसी तरह से आबकारी विभाग के भी लोगों को निलम्बित किया गया है। अजय सिंह जिला आबकारी अधिकारी को निलम्बित किया गया। गिरीश चन्द्र, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र सेक्टर-1, सहारनपुर शासन का भी निलम्बन हुआ है। नीरज कुमार एवं अरविन्द कुमार, आबकारी सिपाही का भी निलम्बन हुआ है। कुशीनगर के योगेन्द्र जो जिला इक्साइज आफिसर हैं उनका निलम्बन हुआ है और हृदय नारायण जो जिला आबकारी निरीक्षक हैं उनका निलम्बन हुआ है और श्री प्रहलाद, राजेश, बृहमानन्द और रवीन्द्र इनका कुशीनगर में निलम्बन हुआ है। मान्यवर, सरकार पूरी तरह से गम्भीर है। इसके साथ-साथ जिन लोगों की प्रथम दृष्टया सी0एम0एस0, सी0एम0ओ0 और जिलाधिकारी की रिपोर्ट में यह पुष्टि हो गयी कि इनकी जहरीली शराब पीने से मौत हुयी। उन लोगों को दो-दो लाख मुआवजा भी दिया गया। 36 लोगों को सहारनपुर में रुपया दे दिया गया और साथ ही साथ जो लोग गम्भीर रूप से घायल थे उन लोगों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उनके परिवार वालों को उपलब्ध कराई जा रही है। और हर तरह से सरकार यह चाहती है कि किसी प्रकार से इस घटना की पुनरावृत्ति न हो। हम पूरी संवेदनशीलता के साथ इस घटना का पर्दाफाश करने के लिये और हर तरीके से यह चाहेंगे जैसा कि मा0 वर्मा जी ने कहा कि जो इसके पीछे सफेदपोश है, यह एस0आई0टी0 इसीलिये गठित की गयी कि उसके पीछे जिन लोगों का हाथ रहा है जो लोग वास्तव में इस बात के लिये दोषी हैं उनके खिलाफ कार्रवाई जरूर हो। मान्यवर, इसमें हमारी कोई मंशा घटना को हल्का करने या घटना को डायलूट करने की नहीं है। मान्यवर, यह हम आपके माध्यम से पूरे सदन को विश्वास दिलाते है। इधर पिछले ढाई महीने में जनरल चेकिंग के आधार पर 250 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। मेरी अभी जिलाधिकारी और एस0पी0, सहारनपुर से बात हुयी है। उन्होंने इस बात को कहा। जहां तक इस घटना की रिपोर्ट का सवाल है। हमारे यहाँ एक्साइज एक्ट की धारा-60-ए है जिसमें सजा ए मौत है और इस धारा 60-ए के अन्तर्गत ही इन घटनाओं का मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

मान्यवर, हालांकि अभी उत्तराखण्ड के बारे में पूरी जानकारी नहीं है लेकिन यह बताया गया है कि धारा-302 एवं धारा-328 जहरखुरानी के अन्तर्गत इण्डियन पीनल कोर्ट के तहत वहां भी मुकदमा दर्ज किया गया है लेकिन अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पायी है। जहां तक घटना की बुनियाद का सवाल है उसमें जो लोग पकड़े गये हैं उनसे इस बात की जानकारी मिली है कि सोनू पुत्र फकीरा, निवासी बालूपुर हरिद्वार प्रकाश में आये हैं। एक 13वीं का कार्यक्रम चल रहा था वहां पर काफी मात्रा में भीड़ भी थी, उसमें शराब का सेवन किया गया और उसके बाद यह घटना प्रकाश में आयी। मैं इस सम्बन्ध में दो बातें कहना चाहता हूँ। कुछ चीजें समाज और माहौल से ज्यादा प्रभावित होती हैं। जब छोटे थे तो मां कहती थी कि झूठ

बोलना पाप है, झूठ मत बोला करो, झूठ बोलोगे तो भगवान नरक में डालेंगे, दूसरे के पैसे को नाली का पैसा समझना चाहिये। इस घटना के पीछे अगर सबसे बड़ी वजह है तो वह गरीबी, गलत सोसायटी एवं गलत माहौल है। आज कितने बच्चे ऐसे हैं जो स्कूल जाते हैं और वह कहते है कि झूठ बोलना पाप है। कितने लोग ऐसे हैं जो पहले गंगा की तरफ हाथ उठाकर कसम खाकर बोलते थे और लोग कहते थे कि गंगा की तरफ हाथ उठाकर कसम खा रहे हो और झूठ बोल रहे हो, तुम्हे ऊपर जाना है। समाज को स्वयं अपने आप में व्यवस्थित करने के लिये बहुत से जिमिक्स समाज के बुजुर्ग एवं बड़े लोग छेड़ते थे और उन बुजुर्गों की सीख के ऊपर लोग गलत सोसायटी एवं गलत माहौल में जाना तक पसन्द नहीं करते थे। इस प्रकार की चीजों का सेवन करना पसन्द नहीं करते थे लेकिन आज के समय में तरक्की की होड़ लग गयी है, इतनी ज्यादा होड़ लग गयी कि 'येन-केन-प्रकारेण' जल्दी से धनवान हो जायें, जल्दी से तरक्की हो जाये और समाज की जितनी भी मान्य एवं मान्यतायें थीं, उनकी धार्मिकता के आधार पर घरों में नैतिक शिक्षा दी जाती थी, उसका ह्रास होता चला गया है। उसके लिये हम किसी को दोषी नहीं ठहरा रहे हैं। उसके लिये पूरे समाज पर कही न कही उंगली उठाई जाती है कि हम कहां जा रहे हैं। नैतिकता का लगातार ह्रास हो रहा है इसमें गलत सोसायटी की वजह से ही लोगों ने शराब का सेवन करना शुरू कर दिया। समाज के लोगों को यह जरूर सोचना चाहिये कि आखिरकर यह कब तक चलेगा, कब तक हम खाली तरक्की के रास्ते पर चलते चले जायेंगे। मान्यवर, हमारे पास जनपद-कुशीनगर की रिपोर्ट है, अगर आप चाहेंगे तो आपको उपलब्ध करा देंगे। कुशीनगर में जिन 8 लोगों की मौत हुयी है और मैंने आपसे उस दिन भी कहा था कि उसमें जो लोग दोषी पाये जायेंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी और अब तो एस0आई0टी0 की जांच रिपोर्ट भी आ गयी है और इस घटना के पीछे जितने लोग हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी, इस घटना के सम्बन्ध में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है और जैसा कि मैंने कहा कि उनके परिवार को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी और जो गम्भीर रूप से घायल एवं बीमार हैं उनको 50-50 हजार रुपये की सहायता दी जायेगी और इसकी घोषणा मा0 मुख्य मंत्री जी कर चुके है। हमारा इरादा किसी को बचाने का बिल्कुल भी नहीं है और हम जरूर चाहेंगे कि किसी भी तरीके से इस घटना की पुनरावृत्ति न होने दें।

मान्यवर, जहां तक सीबीआई जांच की बात है, कभी आप दोनों पोस्टर लहरा कर कहते हैं कि साहब इनके पास सीबीआई है और हमारे पास ये है। अब वो बात हम बार-बार सदन में कहना नहीं चाहते। मान्यवर, कभी सीबीआई पर उंगली उठती है और कभी सीबीआई जांच की मांग भी करते हैं। हमारा पूरा भरोसा सीबीआई पर है, लेकिन इस घटना को बहुत गम्भीरता से माननीय मुख्य मंत्री जी ने लिया है, दो-दो गजटेड आफिसर निलंबित हुये हैं, एक-एक क्षेत्र से दस-दस लोगों को निलम्बित किया गया है, जिन लोगों को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया, उनके खिलाफ धारा-60ए के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज कराकर उन्हें जेल भेजने का भी काम किया गया है।

मान्यवर, सरकार पूरी तरह से संवेदनशीलता के साथ हर स्तर पर उनके परिवार वालों के साथ है (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गयीं), हमने आर्थिक रूप से उनकी मदद भी की है और निश्चित रूप से आगे भी कोई आयेगा तो उसकी भी मदद करेंगे। जिन लोगों का प्रथम दृष्टया केस ऐसा नहीं बनता है उसका बिसरा प्रिजर्व किया गया। मेरठ में जितने लोग भेजे गये थे, वहां के सीएमओ और जिलाधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर उनका बिसरा प्रिजर्व किया गया और जैसे ही बिसरा प्रिजर्व रिपोर्ट आ जायेगी, उस रिपोर्ट के आधार पर हम उन लोगों को भी सहायता देंगे और आगे भी हम कार्रवाई करेंगे। कोई भी आदमी इसमें बचेगा नहीं, इस बात के लिये मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को विश्वास दिलाता हूँ । मान्यवर, इस घटना की चर्चा में उसे कोट नहीं किया जाता है, कार्य-मंत्रणा समिति में यह तय हुआ था कि राज्यपाल के अभिभाषण की चर्चा के समय ये विषय नहीं लिये जायेंगे, उसके बाद ही लिये जायेंगे। आपने कृपापूर्वक सुना और हमने इनकी बातों का उत्तर देने का प्रयास किया और कई लोगों के अपने-अपने एजेंडे हैं, कांग्रेस के नेता का अपना एजेंडा है, इनका तो निजी एजेंडा भी है। अब सवाल तो यह है कि कुछ लोग तो पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर आये हैं, हमने ये नहीं कहा कि आपके यहाँ पर कितनी मौतें हुयीं.....

श्री अजय कुमार लल्लू-

माननीय अध्यक्ष जी, इस सरकार के अन्दर संवेदनशीलता नहीं है। (श्री अजय कुमार लल्लू, श्री लाल जी वर्मा, श्री संजय गर्ग आदि विपक्ष के सदस्यों के एक साथ खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठिये। जब आप बोल रहे थे तो उधर से कोई नहीं खड़ा हुआ था।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिये शासन हर सम्भव प्रयास करेगा और आज मा0 मुख्य मंत्री जी भी साढ़े तीन बजे आयेंगे और मैं उनसे भी अनुरोध करूंगा कि वे इस घटना के ऊपर कम से कम अपनी बात इस सदन में करें, ताकि हमारे मा0 सदस्य इस बात को समझ सकें कि हम पीड़ित पक्ष के साथ हैं, जिन परिवारों ने अपनों को खोया है हम उनके साथ हैं, हम अपराधियों के साथ न तो थे, न हैं और न आगे कभी रहेंगे। (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपायी गयी)

श्री अजय कुमार लल्लू-

माननीय अध्यक्ष जी, ये सरकार बिल्कुल भी गम्भीर नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

हम इस सूचना को निरस्त करते हैं, अग्राह्य करते हैं।

श्री संजय गर्ग-

मान्यवर, सरकार सीबीआई से जांच कराने को तैयार नहीं है, केवल दो लाख रुपये मुआवजा ही दिया गया है। दो लाख का मुआवजा ऐसे है जैसे 'ऊँट के मुंह में जीरा'। हमने 25 लाख रुपये की मांग की है, अगर वास्तव में सरकार संवेदनशील है तो निश्चित रूप से 25 लाख रुपये की मांग नाजायज नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

सरकार का वक्तव्य आ गया है।

श्री संजय गर्ग-

मान्यवर, ये कोई पहली घटना नहीं है, पिछले दो साल में दर्जनों घटनायें हुयी हैं, जब तक कठोर कार्रवाई करके ऐक्शन लेने का काम नहीं किया जायेगा, तब तक काम चलने वाला नहीं हैं, मान्यवर, यदि सरकार इस पर चर्चा कराने की आवश्यकता महसूस नहीं करती और बार-बार इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति होने दी जायेगी तो ऐसे में हम समाज को किस तरह से निजामत दे पायेंगे। हम केवल आलोचना के लिये नहीं, केवल मांग के रूप में नहीं, इसलिये कि 'दूध का दूध, पानी का पानी' हो जाये, इस बात के लिये हाईकोर्ट के जज के संरक्षण में जांच की मांग कर रहे हैं। अगर सत्तापक्ष को कोई व्यक्ति इन्हें संरक्षण दे रहा हो और वो एसआईटी को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता हो, तो यदि हाईकोर्ट के जज के संरक्षण में सीबीआई जांच हो जाये तो इसमें क्या परेशानी है। क्या केवल एस0एच0ओ0 और सीओ को निलंबित कर देने से कोई संदेश जायेगा जब तक कि वरिष्ठ अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। सरकार की संवेदनहीनता इस बात से प्रदर्शित होती है कि अभी तक 36 लोगों के लिये माननीय अध्यक्ष जी, मुआवजा देने की जो बात की गयी है और अखबार में नाम की सूची है। मैं आपके सामने वह सूची नाम सहित देने को तैयार हूँ, 88 लोगों की मौत सहारनपुर में हुयी है।

श्री अध्यक्ष-

आपकी अपनी जानकारी के आधार पर अगर कोई सूची है तो वह हमारे पास भेज दीजिये।

श्री संजय गर्ग-

अध्यक्ष जी, केवल एक घटना के साथ जोड़कर कि भोज में परोस गयी। यह भोज में परोसी गयी का मामला नहीं है, बल्कि शराब माफिया के द्वारा वितरित करने का जो पूरा जाल बुन रखा है, उसके माध्यम से यह सेवन की गयी है।

श्री अध्यक्ष-

उस पर सरकार का दृष्टिकोण आ गया है। वर्मा जी आपका पिन प्वाइंट क्या है ?

श्री संजय गर्ग-

इसलिये हम 25 लाख की मांग करते हुये, सी0बी0आई0 की जांच उच्च न्यायालय के सिटिंग जज के संरक्षण में करायी जाये और वरिष्ठ अधिकारियों के निलम्बन की मांग यदि सरकार मानने को तैयार नहीं है तो निश्चित रुप से आज के दिन की आगामी कार्यवाही तक के लिये सदन का बहिष्कार हमारी पार्टी करने का एलान करती है।

(समाजवादी पार्टी के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गये)

श्री लाल जी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी,..

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, यह चर्चा नहीं हो रही है। ये ज्ञान सिंह, बालूपुर के रहने वाले हैं और उनके यहाँ तेरहवीं का संस्कार था और वहीं सब लोग इकट्ठा हुये और वहीं पर इस शराब का सेवन किया गया। मैं कहना नहीं चाहता था, लेकिन बार-बार इन लोगों ने कह कर हमें कहने के लिये मजबूर किया। मैं पूछना चाहता हूँ, 2008 से लेकर जनवरी, 2017 तक या तो सरकार इनकी थी या सरकार इनकी थी। मैं एक-एक जिले का नाम पढ़ देता हूँ, इन्होंने कितना मुआवजा दिया और मान्यवर, कितनी सी0बी0आई0 की जांच करायी, कितनी सी0बी0आई0 की जांच करायी ? 2008 में 16 लोगों की डेथ हुयी, 2009 में 53 लोगों की डेथ हुयी, 2010 में 82 लोगों की डेथ, 2011 में 13 लोगों की डेथ हुयी, 2012 में 18 लोगों की, 2013 में 52 लोगों की, 2014 में 05 लोगों की, 2015 में 59 लोगों की, 2016 में 41 की और 2017 में 18 लोगों की डेथ हुयी। मान्यवर, ये 357 लोगों की मौत शराब से हुई। इनके और इनके शासनकाल में हुयी। न मान्यवर, तब हाईकोर्ट था, न सी0बी0आई0 थी और न कोई जांच हुयी।

श्री लाल जी वर्मा-

अध्यक्ष जी, मैं खड़ा हुआ और यह खड़े हो गये।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

अध्यक्ष जी, यह चर्चा नहीं हो रही है।

श्री अध्यक्ष-

सरकार का दृष्टिकोण आ गया है, वर्मा जी, चर्चा नहीं हो रही है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, आपने कृपापूर्वक इनको मौका दिया। जब यह इधर बैठते हैं तो पैमाना दूसरा और उधर बैठते हैं तो पैमाना दूसरा।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, ये एस0पी0 और डी0एम0 को निलम्बित करेंगे तथा दोषियों के खिलाफ 60ए का मुकदमा कायम करेंगे ? जो दोषी अधिकारी हैं, जिनका सुपरविजन ठीक नहीं था, उनके खिलाफ भी 60ए का मुकदमा कायम करेंगे।

श्री अध्यक्ष-

वर्मा जी, मुकदमा भी दर्ज हो गया है और जांच भी हो रही है।

श्री लाल जी वर्मा-

अध्यक्ष जी, इसमें मृतकों के आश्रितों को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने की जरूरत है।

श्री अध्यक्ष-

सरकार का पक्ष आ गया है।

श्री लाल जी वर्मा-

अध्यक्ष जी, हमारे समय में जब घटना हुयी थी तो माननीय स्पीकर साहब हेलीकाप्टर से उस गांव में गये थे और आज सरकार का कोई नुमाइन्दा भी वहां नहीं गया है।

श्री अध्यक्ष-

वर्मा जी, आप बैठिये, मैंने इस नोटिस को पहले ही अग्राह्य कर दिया था।

श्री लाल जी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, आप सुन लें, मैं स्पष्टीकरण चाह रहा हूं। मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूँ और मान्यवर, आप भी जानते है कि सी0ओ0 कोई मतलब नहीं रखता, वह एस0ओ0 को कुछ कर नहीं सकता, सारा अधिकार एस0पी0 पर सुरक्षित है या डी0एम0 पर।

श्री अध्यक्ष-

वह आप पहले कह चुके हैं और उस पर सरकार का पक्ष आ गया है।

श्री लाल जी वर्मा-

आपने एस0पी0 और डी0एम0 पर क्या कार्रवाई किया, नम्बर-एक और दूसरी बात 25 लाख का मुआवजा देंगे या नहीं ? और मान्यवर, 60ए का मुकदमा उन अधिकारियों के खिलाफ भी कायम करेंगे कि नहीं करेंगे ?

श्री अध्यक्ष-

सरकार का पक्ष आ गया है, पूरा दृष्टिकोण आ गया।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, वह इस पर मौन हैं, उनका पक्ष नहीं आया है। इसका मतलब यह है कि सरकार अपराधियों को बचाने की कार्यवाही कर रही है और मान्यवर, यह मैं नहीं कह रहा हूँ, श्री के0सी0 त्यागी जी ने जो सरकार के सहयोगी दल हैं।

श्री अध्यक्ष-

वह इस सदन के सदस्य नहीं हैं, उनके बयान का यहाँ कोई मतलब नहीं। वर्मा जी, अब आप जबर्दस्ती कर रहे हैं।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार अपराधियों से मिली हुयी है, उनको संरक्षण दे रही है। सरकार के इस रवैये के खिलाफ मैं और मेरा दल पूरे दिन के लिये सदन से बहिर्गमन करता है।

(बहुजन समाज पार्टी के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गये)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, जो व्यक्ति इस सदन में नहीं है, उसका नाम नहीं लिया जा सकता क्योंकि उसको स्पष्टीकरण देने का मौका नहीं मिलेगा। ये संसदीय नियमों के ज्ञाता हैं, मान्यवर, ये कितना संसदीय नियमों और परम्पराओं का पालन कर रहे हैं ? यह कितना संसदीय है यह उसका पालन कर रहे हैं। मान्यवर, इनकी मजबूरी हम समझ सकते हैं। इनका निजी एजेंडा है।

श्री अजय कुमार लल्लू-

मान्यवर, 24 लोग मरे थे और उस समय भी इस सरकार ने कुछ नहीं किया था।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी और साठ ए में हमने मुकदमा दर्ज कराया है उनके खिलाफ कार्रवाई होगी वह मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को पूरे प्रदेश को आश्वस्त करना चाहता हूँ।

श्री अजय कुमार लल्लू-

सरकार के इस्तीफा ना देने के खिलाफ सदन से बहिर्गमन करता हूँ।

(कांग्रेस का बहिर्गमन)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा जारी रहेगी। आज मा0 मुख्य मंत्री जी आयेंगे सदन में। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव जो रखा गया है मा0 सुनील शर्मा जी के द्वारा वह पारित भी होना है। यह तो पहले से ही एजेण्डा बनाकर आये थे। हमारे

कांग्रेस के नेता उन्होंने पहले से मन बना लिया था कि आज अगर हाउस स्थगित हो जाये तो हमारा काम चल जाये तो उनका तो काम चल गया। वह तो चले गये और बाकी जो है यह मान्यवर ऐसा तो कोई विषय था नहीं सरकार ने पूरी संवेदनशीलता का परिचय दिया और उन परिवारों के साथ पूरी संवेदना है। मा0 मुख्य मंत्री जी के सामने जैसे ही यह घटना संज्ञान में आयी वैसे ही आर्थिक सहायता कर दी गयी और जो 36 लोगों की जिनकी डेथ हुयी है उन लोगों को 72 लाख रुपया मिल चुका है। अभी 12 बजे जिलाधिकारी से फोन पर कंफर्म किया और 10 लोग जो इसमें बीमार थे उनको 50-50 हजार की आर्थिक सहायता दी जा रही है। जो भी दोषी होंगे एस0आई0टी0 की दस दिन में रिपोर्ट आ जायेगी और उनके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। जो इस धारा में यह मांग कर आये थे उसी धारा में मुकदमा बनने के धारा 60ए एक्साइज एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत हुआ, जिसमें डेथ सेनटेज की पेनाल्टी है। मैं समझता हूँ कि इसमें और कार्यवाही हो गयी है जो आवश्यकता थी वह एस0आई0टी0 गठित कर दी गयी। उसके पीछे जो लोग होंगे वह भी एस0आई0टी0 के अन्तर्गत जांच में आ जायेंगे तो उनके खिलाफ भी कार्यवाही होगी। साढ़े तीन बजे मा0 मुख्य मंत्री जी का आना है।

[1:02] नियम-301 के अन्तर्गत सूचनायें

श्री अध्यक्ष-

अब नियम-301 की सूचानायें लेते हैं।

आज नियम-301 के अन्तर्गत कुल 34 सूचनायें प्राप्त हुयीं, जिसमें 15 माननीय सदस्यों की सूचनायें स्वीकार की गयी :-

पहली सूचना श्री जगन प्रसाद गर्ग की आगरा महानगर के दयालबाग के गणेश मन्दिर से लेकर रोशनबाग तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना डॉ0 श्याम बिहारी लाल की जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर के अन्तर्गत ग्राम बकैनिया में खेल स्टेडियम का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री रोशल लाल वर्मा की जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र तिलहर अन्तर्गत कतिपय कच्चे जर्जर एवं गड्ढायुक्त मार्गों का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्री धर्मेन्द्र कुमार सिंह शाक्य "पप्पू भइया" की जनपद बदायूं के विकास खण्ड कादर चौक में अग्निशमन केन्द्र की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में है, पांचवीं सूचना श्री मनोज कुमार पारस की जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना के विकास खण्ड कोतवाली के अन्तर्गत ग्राम बेगमपुर चायमल से ग्राम आनन्द खेड़ी के बीच गागन नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, छठीं सूचना श्री अमिताभ बाजपेई की कानपुर स्थित टेनरी उद्योग के बन्दी से उत्पन्न स्थिति के समबन्ध में है, सातवीं सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज में बाईपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, आठवीं सूचना श्री बम्बा लाल की जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र सफीपुर अन्तर्गत मियांगंज औरास सम्पर्क मार्ग जीरो से लेकर बाल विकास मन्दिर कनिगांव तक पक्की सड़क का निर्माण कराये जाने के

सम्बन्ध में है, नवीं सूचना श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव की जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ पश्चिम अन्तर्गत आवासीय भवनों/भू-खण्डों में चल रहे व्यवसायी प्रतिष्ठानों को बन्द न कराये जाने के सम्बन्ध में है, दसवीं सूचना डॉ0 नीरज बोरा की जनपद लखनऊ में भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेई द्वारा स्थापित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस गर्ल्स कालेज में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, ग्यारहवीं सूचना श्री अगयश राम सरन वर्मा की जनपद पीलीभीत की क्षेत्र पंचायत विलसण्डा के गांव दियोरिया खुर्द में स्थित नलकूप संचालित कराये जाने के सम्बन्ध में है, बारहवीं सूचना श्री मनीष असीजा की जनपद फिरोजाबाद के केवल प्राकृतिक गैस से संचालित कांच उद्योग को सी0पी0सी0बी0 के नये मानकों के अनुसार आरेन्ज कटेगरी के स्थान पर ग्रीन कटेगरी में रखे जाने के सम्बन्ध में है, तेरहवीं सूचना श्री प्रभात कुमार वर्मा की जनपद गोण्डा के तहसील मनकापुर अन्तर्गत ग्राम पंचायत बेदौली में सरकारी जमीन पर बने मस्जिद व मदरसा को हटाये जाने के सम्बन्ध में है, चौदहवीं सूचना श्रीमती माधुरी वर्मा की जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र नानपारा अन्तर्गत श्रीसिद्धपीठ बाबा बुद्धेश्वरनाथ एवं श्रीसिद्धपीठ बाबा जंगलीनाथ मन्दिर का सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन के रूप में विकतिस कराये जाने के सम्बन्ध में है, पन्द्रहवीं सूचना कुँ0 नरेन्द्र पाल सिंह की जनपद जालौन के विकास खण्ड कादौर में सरसई डेरा से मोहर देवी होते हुए परासन तक मार्ग बनवाये जाने के सम्बन्ध में है।

(सदन की सहमति से स्वीकृत सभी सूचनाएं पढ़ी हुई मानी गईं)

निम्न माननीय सदस्यों की सूचनायें अस्वीकार कर दी गयीं :-

क्र0-सं0	नाम
1	श्रीमती अनीता
2	श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी
3	श्री प्रभु नारायण सिंह यादव
4	श्री नाहिद हसन
5	श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव
6	श्री दुर्गा प्रसाद यादव
7	श्री वीरेन्द्र यादव
8	श्री मसूद अखतर
9	श्री नरेश सैनी
10	श्री आजाद अरिमर्दन

क्र0-सं0	नाम
11	श्री रितेश पाण्डेय
12	श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा
13	श्री नफीस अहमद
14	श्री उमाशंकर सिंह
15	श्री अम्ब्रीश सिंह पुष्कर एडवोकेट
16	श्री राम अचल राजभर
17	श्री सुखदेव राजभर
18	श्री अजय कुमार लल्लू तथा
19	श्री संजय प्रताप जायसवाल

आगरा महानगर के दयालबाग के गणेश मन्दिर से लेकर रोशनबाग तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जगन प्रसाद गर्ग-

[मान्यवर, आगरा महानगर के दयालबाग के गणेश मन्दिर से लेकर रोशनबाग तक की लगभग 450 मीटर की सड़क जर्जर है। ये मुख्य सड़क कालोनियों के सम्पर्क मार्ग को जोड़ती है। जिससे यहाँ के नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण यहाँ की जनता में भारी रोष है। जनहित में इस सड़क का बनाना अति आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर दयालबाग के गणेश मन्दिर से लेकर रोशनबाग तक की लगभग 450 मीटर तक की जर्जर सड़क का निर्माण कराने की मांग करता हूँ।]

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर के अन्तर्गत ग्राम बकैनिया में खेल स्टेडियम का निमार्ण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डा0 श्याम बिहारी लाल-

[मान्यवर, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र 122-फरीदपुर जनपद बरेली के अन्तर्गत फरीदपुर नगर की वर्तमान में 1 लाख की जनसंख्या है। किन्तु कोई भी खेल स्टेडियम नहीं है, जिससे युवाओं, छात्राओं को खेलने के लिये काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। फरीदपुर नगर के निकट स्थित बकैनिया ग्राम में खेल स्टेडियम का निर्माण कराया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुये बकैनिया ग्राम में खेल स्टेडियम का निर्माण कराये जाने के हेतु वक्तव्य की मांग करता हूँ।]

जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र तिलहर अन्तर्गत कतिपय कच्चे जर्जर एवं गड्ढायुक्त मार्गो का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रोशन लाल वर्मा-

[मान्यवर, अवगत कराना है कि जनपद शाहजहांपुर के 133 तिलहर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत जनहित में कच्चे जर्जर एवं गड्ढायुक्त मार्गों का डामरीकरण कराने के सम्बन्ध में मार्ग निम्नवत् है :-

1-ग्राम अजमाबाद की पुलिया से नहर पटरी पर मोहनपुर परसेला तक डामरीकरण ल0 लगभग 1 कि0मी0 विकास खण्ड तिलहर।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

2-ग्राम संतोषपुर प्रा0वि0 से ईश्वरा तक डामरीकरण ल0 लगभग 2 कि0मी0, विकास खण्ड तिलहर।

3-ग्राम रामपुर नवदिया से वख्तियारपुर गौटिया तक डामरीकरण ल0 लगभग 2.50 कि0मी0, विकास खण्ड तिलहर।

4-तिलहर, खैरपुर सर्म्पक मार्ग से मिर्गापुर तक अवशेष कार्य ल0 लगभग 500 मी0, विकास खण्ड तिलहर।

5-ग्राम बाजपुर कुमिरखा से हुसैनपुर काबरा तक डामरीकरण ल0 लगभग 2 कि0मी0 विकास खण्ड तिलहर।

6-ग्राम बरखेड़ा हवेली से खडकरी तक डामरीकरण ल0 लगभग 2 कि0मी0 विकास खण्ड तिलहर।

7-ग्राम मदारीपुर से रामपुर नयागांव तक बीच में काले प्रधान के फार्म तक डामरीकरण ल0 लगभग 3 कि0मी0 विकास खण्ड निगोही।

8-ग्राम रघवापुर खुर्द से विरासिन तक डामरीकरण ल0 लगभग 2 कि0मी0 विकास खण्ड निगोही।

9-ग्राम बिछौली से भरतापुर तक डामरीकरण ल0 लगभग 2 कि0मी0 विकास खण्ड निगोही।

10-ग्राम पराझरसा, बरैंचा मार्ग से नवीपुर होते हुये हटादले पुर मार्ग तक डामरीकरण ल0 लगभग 1 कि0मी0 विकास खण्ड निगोही।

11-ग्राम पंचपेडा गन्दा नाला पेंटिंग रोड से कीरतपुर तक डामरीकरण ल0 लगभग 1.50 कि0मी0 विकास खण्ड सिंधौली।

उपरोक्त मार्गों के सम्बन्ध में मेरे द्वारा एवं क्षेत्रिय जनता द्वारा अनेकों बार लिखित एवं मौखिक शिकायत करने के बाद भी कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं हो सकी। जनहित में उपरोक्त मार्गों का बनाया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुये कार्रवाई कराने की मांग करता हूँ।]

जनपद बदायूं के विकास खण्ड कादर चौक में अग्निशमन केन्द्र की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री धर्मेन्द्र कुमार सिंह शाक्य ''पप्पू भइया''-

[मान्यवर, जनपद बदायूं के विधान सभा क्षेत्र शेखूपुर अन्तर्गत विकास खण्ड कादर चौक में अग्निशमन केन्द्र की कोई व्यवस्था नहीं है। उक्त विकास खण्ड बहुत ही पिछड़े अंचल

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

में स्थित है। यह जनपद मुख्यालय से लगभग 30 कि0मी0 दूर है। यहाँ पर गर्मी में अग्निकाण्ड की समस्यायें बहुतायत होती हैं। किसानों की फसले जल जाया करती हैं इस ब्लाक के आस-पास में दूर तक कोई भी अग्निशमन केन्द्र नहीं है। मुख्यालय से अग्निशमन की गाड़ियों को पहुचने में बहुत लम्बा समय लगता है जिससे अग्निकाण्ड से पीड़ित मकान या फसलें जलकर स्वाहा हो जाती है। यह क्षेत्र की बहुत ही भीषण समस्या है।

अतः आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन का ध्यान अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर विकास खण्ड ककोड़ा में अग्निशमन केन्द्र स्थापना कराये जाने हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट कराये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना विकास खण्ड कोतवाली के अन्तर्गत ग्राम बेगमपुर चायमल से ग्राम आनन्द खेड़ी के बीच गागन नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मनोज कुमार पारस-

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र नगीना विकास खण्ड कोतवाली जनपद बिजनौर के अन्तर्गत स्थित ग्राम बेगमपुर चायमल (धीमारेहड़ी) से ग्राम आनन्द खेड़ी के बीच गागन नदी पर एक पुल की आवश्यकता है। क्योंकि आस-पास के क्षेत्र को दूसरी तरफ जाने हेतु नदी के पानी के बीच से होकर जाना पड़ता है। बरसात के समय में जब नदी उफान पर होती है तो या तो रास्ता बिल्कुल बन्द हो जाता है या कोई न कोई घटना घटित होती है जिससे कई जाने जा चुकी है। क्षेत्र की जनता द्वारा इस पुल को बनवाने हेतु बार-बार निवेदन किया जाता है और पुल न बनने से क्षेत्रीय जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है।

अतः इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुये उपरोक्त पुल का निमार्ण कराये जाने हेतु सरकार से मांग करता हूं।]

कानपुर स्थित टेनरी उद्योग के बन्दी से उत्पन्न के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अमिताभ बाजपेयी-

[मान्यवर, आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि कानपुर नगर के जाजमऊ की टेनरियों का 125 वर्ष पुराना इतिहास है तथा देश और दुनिया में कानपुर के चमड़ा उद्योग की अच्छी साख है। विदेशी मुद्रा अर्जन में भी इस उद्योग का बड़ा योगदान है। आज जाजमऊ क्षेत्र में 425 टेनरियां है जिसमें लगभग एक लाख मजदूर कार्यरत है। अक्सर गंगा प्रदूषण के नाम पर इस उद्योग को बन्द कर दिया जाता है, जो बन्दी वर्तमान समय में भी कुम्भ मेले के नाम जारी है। प्रदूषण विभाग द्वारा ऐसा भ्रम

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

फैलाया जाता है जिससे प्रतीत होता है कि सारा गंगा प्रदूषण इन टेनरियों से ही होता है जबकि वस्तुस्थिति यह है कि इस क्षेत्र में सरकार द्वारा 4 पम्पिंग स्टेशन क्रमशः छवीले पुरवा, शीतला बाजार बुढ़ियां घाट व वाजिदपुर में लगाये गये है तथा ट्रीटमेन्ट प्लान्ट भी लगे हुये है। टेनरियों अपने उत्प्रवाह के अनुसार सी0ई0टी0पी0 संचालन हेतु भुगतान भी करती है। सरकार द्वारा भी 17.88 करोड़ रुपये सी0ई0टी0पी0 संचालन में आ रही दिक्कतों को दूर करने के लिये दिया गया है जिसको गोलमाल कर हजम कर लिया गया है। सी0ई0टी0पी0 में 9 एम एल डी टेनरी उत्प्रवाह को ट्रीट करने के बजाये 20 एम एल डी घरेलू उत्प्रवाह ट्रीट किया जा रहा है। पूरी जिम्मेदरी और गलती जल निगम और सरकार की होने के बावजूद नुकसान और बदनामी टेनरी वालो की होती है और गरीब मजदूर भुखमरी के कगार पर पहुँच गया है।

अतः इस लोक महत्व के गम्भीर विषय पर सरकार का ध्यान आकर्षित कर 17.88 करोड़ रुपये में गोलमाल की जांच कराने व टेनरी उद्योग को सुचारु रूप से चलाने हेतु सामुचित व्यवस्था किये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज में बाईपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

[मान्यवर, आपको अवगत कराना है कि जनपद जौनपुर की 365-शाहगंज विधान सभा के अन्तर्गत शाहगंज में बाईपास (सुल्तानपुर रोड से आजमगढ़ रोड होते हुये जौनपुर रोड की तरफ) न होने की वजह से जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। शाहगंज में अकबरपुर, आजमगढ़, वाराणसी, सुल्तानपुर, इलाहाबाद इत्यादि जगहों के लोगों का आना जाना पड़ता है। शाहगंज बाजार जिसकी आबादी लगभग 26 हजार है, वहां के लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। व्यापार में भी प्रभाव पड़ता है। लगभग 3 से 4 घण्टा रोजाना जाम से जूझना पड़ता है, जिसमें कई मरीज, छात्र, किसान एवं अन्य परेशान होते हैं। जनहित में उक्त बाईपास का निर्माण कार्य किया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये उक्त सड़कों का नव निर्माण किये जाने हेतु कार्रवाई करने की मांग करता हूँ।]

जनपद उन्नाव के विधान सभा सफीपुर के अन्तर्गत मियागंज औरास सम्पर्क मार्ग जीरो से लेकर बाल विकास विद्या मन्दिर कनिगांव तक पक्की सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री बम्बा लाल-

[मान्यवर, सादर अवगत कराना है कि विधान सभा सफीपुर के अन्तर्गत मियागंज औरास सम्पर्क मार्ग जीरो से लेकर कनिगांव बाल विकास विद्या मन्दिर तक लगभग 700 मीटर

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

सड़क अत्यन्त खराब है उस क्षेत्र की जनता को आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस सड़क के निर्माण कार्य कराये जानें से पचासों गांव की जनता को आवागमन में सुविधा होगी, यह कार्य कराया जाना नितान्त आवश्यक है। यह लोक महत्व का विषय है।

अतः आपसे अनुरोध है कि लोक महत्व के प्रश्न को स्वीकार करते हुये प्राथमिकता के आधार पर मियागंज औरास सम्पर्क मार्ग जीरो से लेकर कनिगांव बाल विकास विद्या मन्दिर तक लगभग 700 मीटर पक्की सड़क का निर्माण कार्य कराये जानें हेतु आदेश देने का कष्ट करें।]

जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ पश्चिम अन्तर्गत आवासीय भवनों/भू-खण्डों में चल रहे व्यवसायी प्रतिष्ठानों को बन्द न कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव-

[मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र में भारी संख्या में ऐसे लोग हैं जिन्होंने अपने आवासीय भवनों के एक भाग व्यवसायिक प्रतिष्ठान खोल रखे है और शेष में वह अपने परिवार के साथ निवास करते हैं। इसके अतिरिक्त भारी संख्या में ऐसे लोग भी है जिन्होंने आवासीय भूखण्ड पर निर्माण करके विवाह घर एवं अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठान चल रहे हैं किन्तु पिछले माह से आवास विकास परिषद एवं विकास प्राधिकरण ऐसे प्रतिष्ठानों को सील करने का काम कर रही है। बेरोजगारी के कारण अपने परिवार का किसी प्रकार से पालन पोषण करने के लिये आज के महंगाई के दिनों में जब कोई भी सरकार भारी संख्या में बेरोजगारों को रोजगार देने में असमर्थ है। मजबूर होकर जनता आवासीय भवनों/भूखण्डों पर व्यापारिक प्रतिष्ठानों को चल रही है। उपरोक्त व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को सील किया जाना जनता के साथ उत्पीड़न है और इस बात आवश्यकता है कि जनहित में कानून को संशोधित करके उपरोक्त वर्णित उत्पीड़न की कार्यवाही रोकी जाये।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये आवासीय भवनों/भूखण्डों पर की जा रही उत्पीड़न की कार्यवाही को अविलम्ब रोके जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद लखनऊ में भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी द्वारा लखनऊ के अलीगंज में स्थापित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस गर्ल्स कालेज में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डॉ0 नीरज बोरा-

[मान्यवर, भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी द्वारा लखनऊ के अलीगंज में स्थापित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस गर्ल्स कालेज में लगभग 2800 से भी अधिक विद्यार्थी

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

अध्ययनरत् हैं। छात्र संख्या की दृष्टि से विद्यालय में शिक्षण कक्ष कम है तथा शिक्षकों की संख्या भी अपर्याप्त है। विद्यालय के पास पर्याप्त भूमि है, जहां अतिरिक्त कक्षों का निर्माण किया जा सकता है। विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण तथा विद्यार्थियों के लिये आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध कराया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के तहत लोक महत्व के इस विषय पर सम्मानित सदन का ध्यानाकर्षण कराते हुये कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद पीलीभीत की क्षेत्र पंचायत विलसण्डा के गांव दियोरिया खुर्द में स्थित नलकूप संचालित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अगयश राम सरन वर्मा-

[मान्यवर, ज्ञातव्य हो कि जनपद पीलीभीत की क्षेत्र पंचायत-विलसण्डा गांव दियोरिया खुर्द में एक नलकूप डा0 भीमराव अम्बेडकर सामूहिक नलकूप योजना के अन्तर्गत लघु सिंचाई विभाग द्वारा अधिष्ठापित किया गया था। जिसके अध्यक्ष श्री छोटेलाल पुत्र नन्दलाल निवासी गांव दियोरिया खुर्द थे, जिनकी मृत्यु दिनांक 28 अक्टूबर 2016 को हो चुकी है, जिनके स्थान पर श्री आशाराम पुत्र श्री छोटेलाल को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नलकूप की अधिष्ठपना की तिथि से अब तक यह संचालित नहीं हुआ है। इसलिये यह आवश्यक है कि किस-किस अभाव के अन्तर्गत यह नलकूप संचालित नहीं हो सका है। उन सभी अभावों का निराकरण सुनिश्चित कर नलकूप का संचालन नितान्त आवश्यक है ताकि जन सामान्य लाभान्वित हो सके तथा इतना भारी विनियोजन सार्थक हो सके। जिन अधिकारियों की लापरवाही के परिणामस्वरूप इतना भारी विनियोजन निरर्थक हुआ है उनको भी दण्ड सुनिश्चित किया जाये।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस विषय पर सदन में चर्चा करायी जाये तथा नलकूप के कुशल संचालन की प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई की जाये।]

जनपद फिरोजाबाद के केवल प्राकृतिक गैस से संचालित कांच उद्योग को सी0पी0सी0बी0 के नये मानकों के अनुसार आरेंज कैटेगरी के स्थान पर ग्रीन कैटेगरी में रखे जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मनीष आसीजा-

[मान्यवर, उ0प्र0 के फिरोजाबाद में वर्तमान समय पर लगभग 200 इकाइयों द्वारा कांच के विभिन्न उत्पादों का प्राकृतिक गैस (यू0पी0एम0) का प्रयोग करते हुये उत्पादन काटा जा रहा है जिसमें लाखों की संख्या में लोगों को रोजगार मिला हुआ है। लगभग 100 वर्ष पुराना फिरोजाबाद का कांच उद्योग टी0टी0जेड0 (ताज संरक्षित क्षेत्र) आता है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

सी0पी0सी0बी0 देहली द्वारा देश के समस्त उद्योगों को नारंगी (ऑरेंज) कटेगरी में रखा गया है, जिसमें फिरोजाबाद का कांच उद्योग भी शामिल है। देश के अन्य कांच उद्योगों में कोयला, इण्डस्ट्रियल, आयल, पेटकोक आदि का प्रयोग ईंधन के रूप में किया जाता है। जबकि फिरोजाबाद में टी0टी0जेड0 (ताज संरक्षित परिक्षेत्र) के कारण एक मात्र प्राकृतिक गैस (यू0पी0एम0) का प्रयोग करने एवं लेड एवं हैवी मेटल्स रहित ग्लास उत्पादन के कारण यहाँ वायु जनित प्रदूषण मानकों के स्तर से नीचे है। हाल ही में सी0पी0सी0बी0 द्वारा नये मानकों के अनुसार कैटेगराइजेशन कराया गया जिसमें फिरोजाबाद के कांच उद्योग के गैस आधारित कांच जनित वायु प्रदूषण के पाये गये स्कोट 31.25 (यू0पी0 पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड फिरोजाबाद के निवेदन पर भारत सरकार की संस्था सी0डी0जी0आई0 सेन्टर फार डेवलपमेंट आंफ ग्ला इण्डस्ट्रीज द्वारा करायी गयी जांच एवं आंकलन के अनुसार) को त्रुटिवश नहीं रखा गया जिसके कारण फिरोजाबाद कांच उद्योग को छूट नहीं मिली एवं पूर्ववत् नारंगी कैटेगरी में रखा गया है। जबकि गैस आधारित कांच जनित वायु प्रदूषण का 31.25 स्टेट सी0पी0सी0बी0 के नये मानकों के अनुसार हरी (ग्रीन) कैटेगरी में आता है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय के विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये तत्काल प्रभाव से फिरोजाबाद के केवल प्राकृतिक गैस से संचालित कांच उद्योग को सी0पी0सी0बी0 के नये मानकों के अनुसार आरेंज कैटेगरी के स्थान पर ग्रीन कैटेगरी में रखे जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद गोण्डा के तहसील मनकापुर अन्तर्गत ग्राम पंचायत बैदौली में सरकारी जमीन पर बने मस्जिद व मदरसा को हटाया जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रभात कुमार वर्मा-

[मान्यवर, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र गौरा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बैदौली तहसील मनकापुर जनपद गोण्डा में सरकारी जमीन पर मस्जिद व मदरसा न बनाया जाये। उक्त जमीन को पैमाइस कराकर खाली कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व/जनहित के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित कराते हुये कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र नानपारा अन्तर्गत श्री सिद्धपीठ बाबा बुद्धेश्वर एवं श्री सिद्धपीठ बाबा जंगलीनाथ मन्दिर का सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन के रूप में विकसित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती माधुरी वर्मा-

[मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र 283, नानपारा के ब्लाक शिवपुर के अन्तर्गत, श्री सिद्धपीठ बाबा बुढ़ेश्वरनाथ (बुढ़वा बाबा) तथा सिद्धपीठ बाबा जंगलीनाथ मन्दिर स्थापित है। इन दोनों मन्दिरों में कजरीतीज व सत्तू अमावस्या के दिन भव्य मेला लगता है जिसमें लगभग

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

20-25 हजार श्रद्धालुओं का आवागमन रहता है एवं कांवरियों का भी जत्था आता है। सावन मास के प्रत्येक सोमवार व पूरे महीने श्रद्धालुओं एवं कांवरियों द्वारा जलाभिषेक किया जाता है। इस मेलें में बहराइच लखीमपुर व दूर-दराज के भक्तगण आते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये दोनों मन्दिरों का सौन्दर्यीकरण कराये जाने एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये ब्लाक शिवपुर के अन्तर्गत, श्री सिद्धपीठ बाबा बूढ़ेश्वरनाथ (बुढ़वा बाबा) तथा सिद्धपीठ बाबा जंगलीनाथ मन्दिर का सौन्दर्यीकरण करके पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु कार्रवाई की मांग करती हूँ।]

जनपद-जालौन के विकास खण्ड कादौर में सरसई डेरा से मोहर देवी होते हुये परासन तक मार्ग बनवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

कुं0 नरेन्द्र पाल सिंह-

[मान्यवर, 220, कालपी विधान सभा में विकास खण्ड-कदौरा के ग्राम-सरसई डेरा परासन जाने के लिये कोई मार्ग नहीं है बरसात में ग्रामीणों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अतः जनपद-जालौन के विधान सभा कालपी में सरसई डेरा से मोहर देवी होते हुये परासन तक जिसकी लम्बाई लगभग 5 कि0मी0 होगी बनवाने का कष्ट करें।]

[01:05 बजे] औचित्य के प्रश्न की सूचना

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 11 फरवरी, 2019 को नियम-300 के अन्तर्गत 01 सूचना मा0 सदस्य मोहम्मद असलम ''राइनी'' (एडवोकेट), की प्राप्त हुयी लेकिन मा0 सदस्य यहाँ उपस्थित भी नहीं है और यह सूचना नियम-300 के में आती भी नहीं है इसलिये मैं अग्राह्य करता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

इसमें याचिका है। मा0 सदस्य श्री अमिताभ बाजपेई अभी तो बैठे थे, अब चले गये। जो सदस्यगण नहीं है, हम उनकी याचिका व्यपगत करते हैं।

श्री अमिताभ बाजपेई, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित तीन याचिकायें† (व्यपगत)

1-चित्रकूट धाम क्षेत्र बांदा के अन्तर्गत संविदा परिचालकों की संविदा बहाली के सम्बन्ध में श्री गौरी शंकर अवस्थी व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

---

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

† छापी नहीं गई।

2-वन अनुसंधान संस्थान, कानपुर में कार्यरत वन दरोगा की सेवा को पृथक किये जाने के आदेश को निरस्त किये जाने के सम्बन्ध में श्री दयाशंकर मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका तथा

3-जनपद कानपुर के नानाराव पार्क में लगी महापुरुषों की मूर्तियों के रख-रखाव के सम्बन्ध में श्री अशोक केसरवानी व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका।

डा0 सतीश चन्द्र द्विवेदी, सदस्य, विधान सभा द्वारा जनपद सिद्धार्थनगर से सम्बन्धित दो याचिकायें †

1-मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद सिद्धार्थनगर के ग्राम सकतपुर के पास फरूआही घाट पर बूढ़ी राप्ती नदी में पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम कृपाल चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद सिद्धार्थनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं तथा

2- मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद सिद्धार्थनगर के ग्राम दुबिहार के पास बूढ़ी राप्ती नदी में पैन्टून पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय कुमार व अन्य निवासीगण जनपद सिद्धार्थनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

श्री रोशन लाल वर्मा, सदस्य, विधान सभा द्वारा जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित सात याचिकायें†

श्री रोशन लाल वर्मा-

1-मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक-निगोही के अन्तर्गत ग्राम रघवापुर खुर्द से विरासिन तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुनेश्वर वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

2-मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक-निगोही के अन्तर्गत ग्राम निगोही रेलवे फाटक से इनायतपुर तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जितेन्द्र गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ।

3-मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक-निगोही के अन्तर्गत ग्राम पंचायत निगोही को नगर पंचायत बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री जितेन्द्र गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

---

† छापी नहीं गई।

4-मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक-निगोही के अन्तर्गत ग्राम गंगाजमुनी से ग्राम सुरूकापुर तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मान सिंह व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ।

5-मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक-निगोही के अन्तर्गत ग्राम ढकिया तिवारी गांव के दक्षिण से ककरौआ तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरिवन्द चौहान व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ।

6-मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक-निगोही के अन्तर्गत ग्राम चक्रमली से ग्राम कुकहा महमूदपुर तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजनीश कुमार व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ, तथा

7-मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक-निगोही के अन्तर्गत ग्राम रामनगर से ग्राम नकटिया तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मदन वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ।

(श्री बाबा गोरखनाथ का नाम पुकारे जाने एवं उनके अनुपस्थित होने पर)

श्री अध्यक्ष-

श्री बाबा गोरखनाथ की याचिका उनके अनुपस्थित होने पर स्थगित की जाती है।

श्री बाबा गोरखनाथ, सदस्य, विधान सभा की जनपद फैजाबाद से सम्बन्धित याचिका† (स्थगित)

श्री बाबा गोरखनाथ, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद फैजाबाद के ग्राम पूरे सूबेदार का पुरवा मजनाई में बिजली से हुयी मौत के उपरान्त विद्युतकर्मी को आर्थिक सहायता के सम्बन्ध में श्री उमेश कुमार व अन्य निवासीगण जनपद फैजाबाद द्वारा हस्ताक्षरित याचिका स्थगित हुयी।

श्री नितिन अग्रवाल, सदस्य, विधान सभा द्वारा जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित याचिका†

श्री नितिन अग्रवाल-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से जनपद प्रयागराज के मेवालाल अयोध्या प्रसाद इण्टर कालेज सोरांव में सहायक अध्यापिका के पद पर योगदान एवं वेतन भुगतान के

† छापी नहीं गई।

सम्बन्ध में श्रीमती अनुराधा सक्सेना व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ।

(इसी मध्य अपराह्न 01 बजकर 09 मिनट पर अधिष्ठाता श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही पीठासीन हुये)

डा0 डी0सी0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा द्वारा जनपद बरेली से सम्बन्धित याचिका†

डा0 डी0सी0 वर्मा-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपकी अनुमित से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के अन्तर्गत ग्राम दुनका को ग्राम पंचायत सुल्तानपुर, बकैनिया, आनन्दपुर को जोड़कर दुनका नगर पंचायज बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल गंगवार व अन्य निवासीगण जनपद बरेली द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ।

मान्यवर, याचिका में प्रिंटिंग मिस्टेक है फैजाबाद के स्थान पर बरेली होना चाहिये था।

(श्री लाल जी वर्मा का नाम पुकारे जाने एवं उनके अनुपस्थित होने पर)

श्री अधिष्ठाता-

श्री लाल जी वर्मा की सभी याचिकायें उनके अनुपस्थित होने पर स्थगित की जाती है।

श्री लाल जी वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित छह याचिकायें† (स्थगित)

1-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र कटेहरी के विकास खण्ड कटेहरी के अन्तर्गत अशरफपुर बरवां जर्जर/क्षतिग्रस्त मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कुलदीप वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

2-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र कटेहरी के विकास खण्ड कटेहरी के अन्तर्गत बनगांव बनदनपुर मार्ग (बट्टूगढ़) से ग्राम रामपुर तक जर्जर/क्षतिग्रस्त मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री इन्द्रजीत व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

3-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र 277, कटेहरी के विकास खण्ड कटेहरी के अन्तर्गत अकबरपुर महरूआ मार्ग से जमालपुर बन्दनडीह दुर्गापुर गांव तक जर्जर/क्षतिग्रस्त मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रमोद मौर्य व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

4-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र 277, कटेहरी के विकास खण्ड कटेहरी के अन्तर्गत कटेहरी पुरानी भीटी में संतराम के घर से गोसाईगंज भीटी मार्ग तक की

---

† छापी नहीं गई।

जर्जर/क्षतिग्रस्त मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री झिन्नू लाल भारती व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

5-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र 277, कटेहरी के विकास खण्ड कटेहरी के अन्तर्गत फत्तेपुर बेलीबाग (भिखनपुर) मो0 सलाम एवं राम प्रताप के घर जलालपुर चांदपुर मार्ग (लगभग 900 मी0) तक जर्जर/क्षतिग्रस्त मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री झिन्नू लाल भारती व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका तथा

6-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र 277, कटेहरी के विकास खण्ड कटेहरी के अन्तर्गत खेवार जैनपुर मार्ग से डउवा पुरवा श्री अयोध्या प्रसाद मिश्र तक की जर्जर/क्षतिग्रस्त मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम जनम वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका।

(श्री शैलेश कुमार सिंह ''शैलू'' का नाम पुकारे जाने एवं उनके अनुपस्थित होने पर)

श्री अधिष्ठाता-

श्री शैलेश कुमार सिंह ''शैलू'' की सभी याचिकायें उनके अनुपस्थित होने पर स्थगित की जाती है।

श्री शैलेश कुमार सिंह ''शैलू'', सदस्य विधान सभा द्वारा जनपद हरदोई से सम्बन्धित याचिका† स्थगित

श्री शैलेश कुमार सिंह ''शैलू'', सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद हरदोई के जामू-लूमामऊ महेगवां मार्ग से मोहम्मदपुर रजबहा नहर पटरी लोहरई प्रतापपुर होते हुये महरोनिया तक मार्ग के निर्माण हेतु श्री विजय बहादुर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद हरदोई द्वारा हस्ताक्षरित याचिका स्थगित हुयी।

श्री अधिष्ठाता-

कुछ नहीं है। अब मद संख्या-15

[1:11] श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा††

***श्री धीरेन्द्र बहादुर सिंह-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिये धन्यवाद। आज जिस तरह से विपक्ष ने सदन का बर्हिगमन किया है मैं समझता हूं कि वह लोकतंत्र पर एक धब्बा है। जिस मामले को लेकर वह यहाँ हंगामा कर रहे थे उसमें वह सुनना नहीं चाहते थें। संसदीय कार्यमंत्री जी ने उनसे स्पष्ट पूछा

---

† दिनांक 06 फरवरी, 2019 की कार्यवाही से।

†† छापी नहीं गई।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कि जब आपके समय में लोगों की हत्याएं हुयी, मृत्यु हुयी उनको आपने कितना मुआवजा दिया था ? जिसका जवाब वह नहीं दे पाये और सदन से बर्हिगमन कर गये। अधिष्ठाता महोदय, प्रदेश सरकार की जो उपलब्धियां हैं वह सुनना नहीं चाहते थे इसलिये कोई न कोई रुकावट लगातार लाते रहते है। महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण के जो मुख्य अंश थे मैं उनमें सबसे पहले शिक्षा पर आता हूं। शिक्षा किसी भी सभ्य समाज को आगे बढ़ाने के लिये सबसे पहला मापदण्ड होती है। जिस समय हम लोग कक्षा 5 में, विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करते थे, उस समय वहां टाट-पट्टी होती थी, स्लेट पर लिखा जाता था लेकिन हमारी सरकार ने सारे विद्यालयों का सौन्दर्यीकरण कराया और माडल स्कूल स्थापित कराये। सरकार ने स्कूलों में बेंच, जूता, मोजा, निःशुल्क किताबें उपलब्ध करायी। यह कोई छोटी-मोटी बात नहीं है। अधिष्ठाता महोदय, मैं दूसरा विषय बिजली पर लेना चाहूँगा। जब सदन में बिजली की चर्चा होती है और सत्तापक्ष के लोगों पर विपक्ष आरोप लगाता है कि कहीं धांधली हो रही है या कुछ भी हो रहा है तो विपक्ष का आरोप लगाना लाजिमी है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, यह इसलिये लाजिमी है क्योंकि जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है पूरे उत्तर प्रदेश में विपक्ष को बिजली को लेकर धरना-प्रदर्शन करने का मौका नहीं मिल रहा है इसलिये नाराज है, कि खामखां अंगुलियां उठाते हैं। आज 20 घण्टे गांव में बिजली आती है। जिन गांव में तार नहीं पहुंचा, वहां तार पहुंचाया गया। जिन गांव में पोल नहीं था, वहां पोल पहुंचाया गया। जिन गांव में विद्युतीकरण नहीं था, विद्युतीकरण कराया गया। लगभग डेढ़ लाख मजरों में विद्युतीकरण कराया गया। यह सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। दूसरा विषय में सड़क पर लेना चाहता हूँ, आजादी के बाद से शहरों में मार्गों का चौड़ीकरण हुआ है लेकिन जो देहात क्षेत्र के मार्ग थे, उनका चौड़ीकरण नहीं किया गया है। लेकिन हमारी सरकार ने प्राथमिकता के आधार पर लिया है कि ब्लाक मुख्यालय से तहसील मुख्यालय जाने वाले मार्ग को चौड़ीकरण करा दिया जायेगा और चौड़ीकरण का कार्य आरम्भ हो चुका है। हमारी विधान सभा में भी, मैं सरेनी विधान सभा से चुनकर आता हूँ और जो सड़क आजादी के बाद से जैसी पतली जर्जर थी, वैसी आज तक है लेकिन हमारी सरकार ने उस सड़क के चौड़ीकरण का टेण्डर करा दिया है और आगामी भविष्य में चौड़ीकरण उस सड़क का हो जायेगा इसलिये सरकार को बहुत-बहुत बधाई देना चाहूंगा। औद्योगिक विकास-एक्सप्रेस-वे की चर्चा जब विपक्ष के लोग करते हैं। एक एक्सप्रेस-वे बनाया और आप लगातार समाचार में सुनते होंगे कि एक्सप्रेस वे वहां पर धंस गया। कितनी गड़बड़ी उसके कामों में की गयी है उसका खुलासा करूंगा तो बहुत लम्बा समय लगेगा लेकिन अभी हमारी सरकार को मात्र दो वर्ष भी पूरे नहीं हुये हैं और हमारी सरकार ने बड़े-बड़े एक्सप्रेस-वे, 4 एक्सप्रेस-वे बनाने का फैसला किया है और ये चारों एक्सप्रेस वे जिस समय बनकर तैयार हो जायेंगा तो विकास की गति कितनी तेज हो जायेगी इसकी कल्पना स्वंय की जा सकती है। सिंचाई के क्षेत्र में-सिंचाई के क्षेत्र में विपक्ष के लोग सदन से वाक आउट तो कर

गये है लेकिन टी0वी0 पर देख रहे होंगे उनको मैं बताना चाहता हूँ कि आपकी सरकार में जो गांव क्षेत्रों में नहरें है। किसानों के खेतों में सिंचाई के लिये नहरों में पानी नहीं था। नहरों की सफाई नहीं हुयी थी। हमारी सरकार बनते ही मा0 मुख्य मंत्री जी ने स्पष्ट आदेश दिया है कि किसानों के लिये नहरों में भरपूर पानी आना चाहिये और नहरों में सिंचाई का काम आज किसान कर रहे हैं। हमारी विधान सभा में भी 25 वर्षों से नहरों में पानी नहीं आया था किसान परेशान था। इसकी लड़ाई मैंने विधान सभा में शुरू की। विधान सभा में मैंने आवाज उठायी। याचिका भी लगायी और आज मैं बधाई देना चाहता हूँ सरकार को सरेनी की विधान सभा की नहरों में पानी आ रहा है। इसके लिये मैं सरकार को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ। मैं ज्यादा कुछ न कहते हुये इतना ही कहना चाहता हूँ कि अभी मात्र दो वर्ष हमारी सरकार को हुये है और इतना विकास, जिसकी चर्चा करूंगा तो बहुत समय लगेगा और सदस्यों को भी अभी बोलना है। पूरे कार्यकाल में सपा, बसपा, कांग्रेस गठबंधन की सरकारें रही हैं। रायबरेली जनपद में इनका गठबंधन पहले से चला आ रहा है, कांग्रेस के खिलाफ सपा, बसपा चुनाव नहीं लड़ाती और वहां की सांसद सोनिया गांधी जी है और 25 वर्षो में नहरों में पानी नहीं आ पाया। ये गठबंधन करते हैं। गठबंधन धर्म भी नहीं निभा पाते हैं। गठबंधन धर्म निभाते होते तो सरेनी की नहरों में कबका पानी आ गया होता। आज हमारी सरकार में सरेनी की नहरों में पानी आ रहा है इसके लिये मैं सरकार को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ और राज्यपाल जी के अभिभाषण का समर्थन करते हुये मैं अपनी बात समाप्त करूंगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 बृज भूषण राजपूत जी, हैं क्या। बृज भूषण जी, नहीं हैं। श्याम धनी जी। नहीं हैं। सूर्यभान सिंह, सुल्तानपुर। नहीं है। अगयश राम सरन वर्मा, पीलीभीत, वे हैं।

श्री अगयश राम सरन वर्मा-

माननीय अधिष्ठाता जी, मैं माननीय सुनील कुमार शर्मा द्वारा महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के सम्बन्ध में प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव, जिसका समर्थन माननीय शीतल पाण्डेय तथा अन्य माननीय सदस्यगणों ने किया है, उनका हार्दिक समर्थन करता हूँ, साथ ही साथ माननीय अधिष्ठाता जी, के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता हूँ तथा कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने धन्यवाद प्रकटीकरण हेतु मुझे अवसर प्रदान किया है। माननीय अधिष्ठाता जी, सम्पूर्ण विश्व भारतवर्ष को विश्व गुरू के रूप में अंलकृत, सम्मानित एवं सुशोभ्जित ही नहीं करता है अपितु हृदय से स्वीकार भी करता है। भारतवर्ष ही एक ऐसा भूखण्ड है जहां की संस्कृति, पौराणिकता, परम्परायें एवं ऐतिहासिकता समूचे विश्व में अनुसरणीय, अनुकरणीय, अविस्मरणीय एवं हृदयांगम किये जाने योग्य है। दुर्भागय है कि इस भारतवर्ष में सन् 1526 ई0 में बाबर ने आकर मुगल शासन की नीव रखी तब से मुगलों और 1761 में अंग्रजों ने भारतवर्ष में पदार्पण किया, तब से भारतवर्ष की संस्कृति को इन दोनों शक्तियों ने विकृत किया है। हमारे प्रदेश के मुख्य मंत्री

सम्मानित योगी आदित्यनाथ जी, जिनको ऋषि मुनि के रूप में अगर स्वीकार किया जाये तो कोई उसमें अतिश्योक्ति नहीं है। जिन्होंने 18 अक्टूबर, 2018 में इलाहाबाद को प्रयागराज तथा 23 नवम्बर 2018 में फैजाबाद को अयोध्या के नाम से पुर्नस्थापित कर भगीरथी जैसी महान भूमिका का निर्वहन कर हमारी संस्कृति को पुर्नजागृत किया है। हमारी संस्कृति प्रायः मृतप्रायः सी हो गयी थी, उसका अयोध्या में दीवाली के दीप जगमगा करके, यह भी कहा जा सकता है कि निश्चित रूप से माननीय योगी जी ने रामराज्य को इस उत्तर प्रदेश में स्थापित करने का आगाज किया है। मान्यवर, इसी क्रम में कहा जाता है। जैसे कि प्रयागराज में स्नान का पूर्ण पुण्य तभी प्राप्त होता है जब अक्षयवट तथा सरस्वती कपू के दर्शन हों। माननीय योगी जी ने अक्षयवट और सरस्वती कूप का दर्शन करोड़ों-करोड़ों नागिरकों को करा करके जो भारतवर्ष की श्रद्धा पूर्ण है की जिसके कारण अधूरा स्नान समझा जाता था, ऐसे करोड़ों-करोड़ों नागरिकों की श्रद्धा को साकार करके संगम में स्नान के साथ ही अक्षयवट और सरस्वती कूप के दर्शन करा करके मा0 योगी जी भी पुण्य के भागीदार बने हैं। मान्यवर, यद्यपि कुम्भ बारह होते है। प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक, उज्जैन, बद्रीआश्रम, गोहाटी, कुरूक्षेत्र, गंगा सागर, जगन्नाथ, पुरी, द्वारिकापुरी, कुम्भकोणम तथा रामेश्वरम्। परन्तु चार कुम्भ ऐसे है जिनकी व्यवहारिक रूप से सम्पन्नता होती है यह हरिद्वार, नासिक, उज्जैन एवं प्रयागराज हैं। हमारी पौराणिकता में यह साक्ष्य है कि समुद्र मंथन के समय जो 14 रत्न प्राप्त हुये थे उनमें से जो अमृत रत्न था, इसको जयन्त ले जा रहे थे, उनके घड़े से यह छलक गया था, यह वही चारों स्थान हैं जहां पर कुम्भ का आयोजन होता है। मान्यवर, यह भी कहना अनुपयुक्त नहीं होगा कि कुम्भ के आयोजन का मंतव्य केवल इतना होता है कि जो देश में विकृतियां हैं, विसंगतियां हैं, जो पाप की काली छाया आच्छादित है, उसी के विनाश के लिये किसी न किसी परमात्मा का अवतरण हो, इनका उद्देश्य यही होता है।

यह प्रयागराज, पहले कभी 1700 एकड़ भूमि में सम्पन्न हुआ करता था। लेकिन इस बार यह 3200 एकड़ भूमि में विस्तारित किया गया है। जिसमें कि 250 कि0मी0 मार्ग और 22 पान्टून पुल भी बनाये गये है। लगभग 40,000 एल0ई0डी0 बल्बों को लगाकर के ठीक उसी तरीके से प्रयागराज को जगमगाहट प्रदान की गयी है, जिस प्रकार से आकाश में नक्षत्र और चन्द्रमा प्रकाश पुन्जित होते हैं। मान्यवर, 1,22,500 शौचालयों की उपलब्धता सुनिश्चित करके, जो स्वच्छ भारत मिशन का सपना है उसको भी साकार किया गया है। मान्यवर, देश को स्वतन्त्र हुये लगभग 71 वर्ष हो चुके हैं। इस अवधि में अधिकांशतः 57 वर्ष कांग्रेस पार्टी की ही सरकार सत्तासीन रही है, परन्तु कोई भी ऐसी सुदृढ़ कृषि नीति प्रतिपादित नहीं की गयी है, जिससे कि इस देश का किसान खुशहाल होता। जब से हमारे केन्द्र में विश्व के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, प्रधानमंत्री के पद पर सत्तासीन हुये हैं और हमारे प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जी मुख्य मंत्री बने हैं। इस देश के 70 प्रतिशत कृषि उत्पादकों को प्रगति का मार्ग प्रशस्त हुआ है। जिस प्रकार सूर्य के प्रकाश से चन्द्रमा और नक्षत्र प्रकाश-पुन्जित होते हैं, ठीक

उसी प्रकार से कृषि उत्पादों से चाहे अधिकारी हो, चाहे कर्मचारी, चाहे व्यापारी हो, सब को कृषि उत्पादकों के द्वारा प्राणदान मिलता है। यदि कृषक को सूर्य की उपमा से अलंकृत किया जाये तो इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं है। (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपायी गयीं)। ऐसे 70 प्रतिशत कृषकों की खुशहाली तभी होगी, उनके चेहरे पर मुस्कान तब ही आयेगी, भारत मां के चेहरे पर आभा तभी चमकेगी, जब इन कृषकों को उनके उत्पादों का लाभकारी मूल्य मिलेगा और यदि कृषकों की आंखों में आंसू होगा तो यह भी निश्चित है कि भारत मां की आंखों में खून की धारा बहेगी। कृषक के घर में खुशहाली हो, इसके लिये हमें उनके उत्पादन का लाभकारी मूल्य दिलाना होगा। ज्ञातव्य हो कि वर्ष 1952 में एक राधाकृष्ण नाम के आयोग का गठन किया गया था, जिसको यह कहा गया था कि कृषकों को लाभकारी मूल्य कैसे मिले, इस सम्बन्ध में आपको संस्तुति करनी है, जिनकी संस्तुतियां आज भी रद्दी की टोकरी में धूल चाट रही हैं, उस पर कोई विचार नहीं किया गया। पुनः वर्ष 2004 में भी एक स्वामीनाथन आयोग का गठन किया गया, जिसका भी उद्देश्य कृषकों को लाभकारी मूल्य दिलाने के लिये संस्तुति मांगना था और उसकी भी रिपोर्ट लगभग 10 वर्ष तक रद्दी की टोकरी में पड़ी रही, लेकिन अब हमारे देश के प्रधानमंत्री, माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने उस रिपोर्ट को खोल करके और उसको पढ़ा और उसमें यह उल्लेख था कि कृषकों को जब तक उनके उत्पादन की लागत का डेढ़-गुना मूल्य नहीं दिया जायेगा, तब तक इस देश का कृषक खुशहाल नहीं होगा। इस क्रम में खरीफ की फसल में माननीय मोदी जी ने 200 रुपये से ले करके 1800 रुपये तक बढ़ा करके समर्थन मूल्य घोषित किया। इसीलिये हम लोग जानते हैं कि इस बार धान की खरीद में जिसका मूल्य 1550 रुपया मिला करता था, इस बार हम लोगों को उसका मूल्य 1750 रुपया प्राप्त हुआ है। मान्यवर, कृषक नीति का सही तरीके से प्रतिपादन हो, इस क्रम में इस बार तीन काम किये गये।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, समाप्त करिये।

श्री अगयश राम सरन वर्मा-

मान्यवर, नम्बर-एक लाभकारी मूल्य कृषकों को उनके उत्पादन का मिले, साथ ही साथ उनकी जो कृषि उपयोगी आवश्यक वस्तुओं के मूल्य में और कृषि उत्पाद के मूल्यों में समानता, संतुलन स्थापित हो, इस ओर कार्य किया गया। नम्बर-दो, मृदा परीक्षण, सिंचन क्षमता में वृद्धि हो, इसके लिये नहरों की सफाई करना और उनके अनुसांगिक कार्यों को भी प्रोत्साहन दिया गया है। मान्यवर, यह भी किया गया कि कृषि के जो आवश्यक उपकरण होते हैं या और भी वस्तुयें होती हैं, उन पर भारी अनुदान भी प्रदत्त कराया गया है। इस क्रम में लाभकारी मूल्य के सम्बन्ध में मैं बताना चाहूंगा कि वर्ष 2018-19 में मान्यवर, धान की खरीद 43 लाख मीट्रिक टन करके एक रिकार्ड स्थापित किया गया और इसी तरीके से वर्ष 2018-19 में गेहूं की खरीद

5 हजार 292 मीट्रिक टन करके 11 लाख 27 हजार 195 कृषकों की खरीद की गयी और 72 घण्टे के अन्दर-अन्दर ही उनको 9 लाख 23 हजार 199 करोड़ रुपया आनलाइन कृषकों को भुगतान किया गया। मान्यवर इसी प्रकार से इस बार 35 लाख गन्ना किसानों का 52 हजार करोड़ रुपये का अवशेष गन्ना मूल्य का भुगतान किया गया। मान्यवर, 117 चीनी मिलों में 1 हजार 112 लाख मीट्रिक टन गन्ने की रिकार्ड पेराई की गयी जिससे कि 12.50 लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन हुआ। मान्यवर, 10 सहकारी चीनी मिलों का 100 करोड़ रुपये से आधुनिकीकरण किया गया।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, कृपया समाप्त करें। मा0 सदस्य श्री त्रिवेणीराम जी आप अपनी बात रखें।

श्री अगयश राम सरन वर्मा-

मान्यवर, दो मिनट और दे दिया जाय। मान्यवर, पूरे प्रदेश में इस बार 150 करोड़ रुपये का प्रावधान करके 500 हाटपैठ बनाने का भी लक्ष्य है। इस प्रकार से कृषि के सम्बन्ध में एक सुदृढ़ नीति का प्रतिपादन किया जाना है जो 71 वर्षों में नहीं हुआ उसे इन दो वर्षों में करके दिखा दिया गया है। मान्यवर, इस प्रकार से मृदा परीक्षण के क्रम में भी यह बात कही जा सकती कि मृदा परीक्षण के लिये जगह-जगह पर प्रयोगशालायें बनायी गयी। नहरों की भारी सिल्ट सफाई की गयी ताकि आसानी से छोर तक पानी जा सके। मान्यवर, मैं एक बात और कहना चाहता हूँ कि पूरे प्रदेश में कृषक गौवंशीय पशुओं के भारी मात्रा में छूटें होने के कारण जो सपा और बसपा के शासनकाल में छोड़े गये हैं कृषक कह रहे थे कि खेत के खेत खा डालते है। माननीय योगी जी ने पूरे प्रदेश में न्याय पंचायत स्तर पर और नगरों में कान्हा गौशालायें स्थापित करके जो कृषकों का नुकसान हो रहा था उस पर पूरी तरीके से नियन्त्रण किया है। यहाँ तक कि अनुदान देने में अब तक 32.47 लाख किसानों को 657.19 करोड़ रुपये सीधा अनुदान प्रदान किया गया है। कृषि यन्त्र जिसमें ट्रैक्टर आता है उसमें तो 80 प्रतिशत और खाद व बीज पर 70 प्रतिशत का अनुदान घोषित करके सरकार ने एक बहुत ही बड़े रिकार्ड को भी पीछे कर दिया है। औद्योगिक विकास के दृष्टिकोंण से भी अभी 21-22 फरवरी, 2018 को लखनऊ में इन्वेस्टर्स समिट 2018 हुयी जिसमें 4.68 लाख करोड़ रुपये के निवेश हेतु समझौता ज्ञापन (एम0ओ0यू0) हस्ताक्षरित हुआ। मान्यवर, चिकित्सा के क्षेत्र में 08 मेडिकल कालेज और 04 मेडिकल सुपर स्पेस्लिस्ट ब्लाक स्थापित किये गये। माननीय अटल बिहारी बाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना हुयी और आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा प्रतिवर्ष होगी जिस क्रम में 13 लाख 81 हजार 720 गोल्डेन कार्ड भी निर्गत किये गये और इस प्रकार से 28 हजार 196 मरीजों को निःशुल्क 05 लाख की सुविधा प्रदान की गयी। मान्यवर, स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत

1 करोड़ 71 लाख दिया गया और 75 जिले खुले में शौच से मुक्त कराये गये। मान्यवर, प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 10.09 लाख ग्रामीण क्षेत्र में और 9.33 लाख नगर क्षेत्र में आवास उपलब्ध कराये गये और 3 हजार 791 कुष्ठ रोगियां हेतु भी 46 रुपये का धन व्यय किया गया है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, आपसे बार-बार अनुरोध किया जा रहा है आप समाप्त नहीं कर रहे हैं इसलिये आपका लिखा नहीं जायेगा।

श्री त्रिवेणी राम-

मान्यवर, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण पर मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया है। सदन में सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष द्वारा जो देखने को मिला, वह लोकतंत्र के लिये ठीक नहीं है। मान्यवर, मैं किसान कल्याण के बारे में कुछ कहना चाहूँगा कि मेरे क्षेत्र जखनिया में शारदा सहायक जंगीपुर की माईनर नहर में टेल तक पानी नहीं पहुंचा है। मैंने नहर विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को इस सम्बन्ध में कई बार अवगत भी कराया है, लेकिन आज तक उस नहर की न खुदाई हुयी, न सफाई हुयी, न टेल तक पानी पहुंचा है। आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि नहर की सफाई करायी जाये, तब जाकर वहां का किसान खुशहाल होगा। दूसरी तरफ छुट्टा पशु झुण्ड बनाकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, किसान परेशान हैं। इस हालत में ग्रामीण छुट्टे पशुओं को पकड़कर प्राथमिक विद्यालय/सरकारी भवनों में बांधने का काम कर रहे हैं। मैं 03 तरीख को अपने पार्टी के कार्यक्रम में जा रहा था, सड़क पर कम से कम सैकड़ों पशुओं को ग्रामीणों द्वारा बांधा गया था। ग्रामीण लोग थोड़ी दूरी पर खड़े थे। रास्ता खाली कराने के उद्देश्य से थाना बरेसर का एस0आई0 जानवरों को छुड़ाने का प्रयास कर रहा था। मैं लगभग एक घण्टे तक रास्ता खाली होने का इंतजार करता रहा, लेकिन जब रास्ता खाली नहीं हुआ, तब मैं वहां से गाड़ी मोड़कर तीन कि0मी0 पीछे दूसरे रास्ते से अपने कार्यक्रम में जाना चाहा, तो उस रास्ते में एक नहर पड़ती है। वहां भी सैकड़ों छुट्टे पशुओं को बांधा गया था थाना बरेसर के एस0ओ0 छुट्टा पशुओं को छुड़वाने को लिये भरसक प्रयास कर रहे थे। यह प्रदेश की हालत है। कोई ठोस नीति नहीं बन रही है। सरकार द्वारा घोषणा हो गयी है कि हर जनपद में गौ-शाला बनेगा, लेकिन अभी तक छुट्टा पशुओं का कोई निदान नहीं हुआ है। इसी तरह से स्वच्छता कार्यक्रम के तहत सभी ग्रामीण क्षेत्रों को ओ0डी0एफ0 घोषित करना है, खुले में शौच से मुक्त करना है, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मेरा जखनियां विधान सभा क्षेत्र है। अभी तक 60 प्रतिशत गरीब बस्ती, जो दलित है, वनवासी है और तमाम पिछड़े लोग है, वहां पर 60 प्रतिशत इज्जत-घर का निर्माण नहीं हो पाया है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि हमारे विधान सभा क्षेत्र में शौचालय बनाने का काम किया जाये। इसी तरह से प्रधानमंत्री आवास योजना है। हमारे क्षेत्र में बहुत से

ऐसे गरीब लोग है जो झुग्गी-झोपड़ी में रहते हैं, उनकी स्थिति इतनी भी मजबूत नहीं है कि अपनी झोपड़ी बना पायें, फिर वह पक्का मकान कहां से बना पायेंगे। झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों का सर्वे कराकर उनके पक्का आवास उपलब्ध कराया जाये। मैं आपके माध्यम से स्वास्थ्य विभाग के बारे में बताना चाहता हूं कि मेरी छोटी बहन सुश्री सुनीता बलवन्त जी भी यहाँ पर बैठी हैं। मेरे यहाँ जो जिला अस्पताल है, वहां डॉक्टरों की पोस्टिंग 26 है, लेकिन वर्तमान में तैनात डॉक्टरों की संख्या 10 है। मैं बताना चाहता हूं कि सी0एम0एस0 का एक पद है, उपलब्धता 01 है, फिजीशियन का 02 पद है, उपलब्धता 0 है। चेस्ट फिजीशियन का 02 पद हैं, उपलब्धता 01 है, वह भी संविदा पर, कार्डियोलॉजिस्ट का 01 पद है, उपलब्धता 0 है, सर्जन का 02 पद है, उपलब्धता 0 है, रेडियोलॉजिस्ट का 02 पद है, उपलब्धता 0 है, हड्डी रोग विशेषज्ञ का 02 पद है, उपलब्धता 0 है, पैथोलॉजिस्ट का 02 पद है उपलब्धता 0 है। इसी तरह से नाक, कान, गला के डॉक्टर की 01 पोस्ट है, उपलब्धता शून्य है, चर्म रोग विशेषज्ञ का एक पद है, उपलब्धता एक है। बाल रोग विशेषज्ञ के 02 पद हैं, उपलब्धता 02 हैं। आकस्मिक चिकित्सक के पदों की संख्या 04 हैं, उपलब्धता 02 है। बेहोशी के डॉक्टर के 02 पद हैं, लेकिन उसमें 01 डॉक्टर है वह भी संविदा पर। अधीक्षक का 01 पद है, उपलब्धता शून्य है। आंख के सर्जन के 02 पद हैं, 02 उपलब्ध हैं। मान्यवर, मैं कहना चाहता हूँ कि जिला अस्पताल में रिक्त पदों को भरा जाये, डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित किया जाये तब जाकर मरीजों की देखभाल हो पायेगी। गरीब मरीज परेशान है, प्राइवेट अस्पताल की ओर भागते हैं। गरीब होने के कारण वह किसी तरह से दो वक्त की रोटी की व्यवस्था कर पाते हैं प्राइवेट अस्पतालों में जाने के कारण वह कर्जदार हो जाते हैं। मैं अपने क्षेत्र की हालत बताना चाहता हूँ कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धर्मागतपुर है। मैं एक दिन क्षेत्र भ्रमण कर रहा था, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के युवा जिला अध्यक्ष हमारे साथ थे, अचानक उनकी तवियत खराब हो गयी। मैं उनको लेकर धर्मागतपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचा, वहां ताला बन्द था। मैंने हास्पिटल का फोटो खींचा तथा सी0एम0ओ0 से बात किये लेकिन उसके बाद आज भी वहां डॉक्टर नही बैठते हैं। वहां पर दो-दो डॉक्टरों की तैनाती है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहूँगा कि दोषी कर्मचारी हैं उनके खिलाफ कार्यवाही किया जाये और वहां पर डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित करायी जाये। अब मैं शिक्षा विभाग की बात करना चाहता हूँ ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक विद्यालय हैं, मैं क्षेत्र भ्रमण के समय मैं जहां प्राथमिक विद्यालय देखता हूँ वहां मैं जाता हूँ। अध्यापकों की संख्या कम है और जो अध्यापक हैं भी, वह पढ़ाते नहीं हैं बल्कि बैठकर अपने घर की व राजनीति की बातें करते है और इसका कारण यह है कि उसमें गरीब के बच्चे ही पढ़ते हैं। मै। आपके माध्यम से इस सदन को अवगत कराना चाहता हूँ और मेरा निजीरूप से कहना है कि जब तक इन प्राथमिक विद्यालयों में माननीय सदस्यों के बेटा-बेटी और पोते-पोती नहीं पढ़ेगें तब तक वहां पर पढ़ाई की सुदृढ़ व्यवस्था नहीं हो पायेगी। मान्यवर,जहां तक छात्रवृत्ति का सवाल है मैंने बजट देखा था, छात्र संख्या के हिसाब से सामान्य

जाति के लिए 850 करोड़, अनसूचित जाति के लिए 2037 करोड़ और पिछड़ी जाति के लिए 1516 करोड़ रुपया है। जो पिछड़ी जाति का छात्रवृत्ति है वह अपने आप में छात्रों की संख्या के हिसाब से बहुत ही कम, लगभग 40 प्रतिशत है। तो मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि छात्रवृत्ति की धनराशि को बढ़ाया जाये तब पिछड़ी जाति के बच्चे छात्रवृत्ति पायेंगे और उनकी शिक्षा व्यवस्था सही ढंग से हो पायेगी। सौभाग्य योजना के तहत मैं आपसे कहना चाहता हूँ पिछला सदन चल रहा था, मैंने इसी सदन में माननीय मंत्री जी को अवगत कराया था और हमें आश्वासन भी मिला था कि 31 दिसम्बर,2018 तक आपके के आवास पर बिजली पहुंच जायेगी परन्तु बहुत दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि अभी तक मा0 बिजली मंत्री जी के आश्वासन के बाद भी हमारे आवास तक बिजली नहीं पहुंच पायी है तो हम गरीबों की क्या बात करें ? सौभाग्य योजना के तहत तमाम गांवों में फ्री कनेक्शन दिये गये हैं, उस गरीब की बस्ती में जो बांसखोर, बनबासी, दलित समाज या पिछड़ा समाज है वहां तक पोल और तार नहीं पहुंचे हैं उस गांव में, उस मजरे में भी फ्री कनेक्शन दे दिया गया है। आज तीन-तीन, चार-चार महीने से उन्हें बिजली का बिल दिया जा रहा है लेकिन अभी तक उनको एक बल्ब भी जलाने का नसीब नहीं हुआ है। यहाँ सभी लोग सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के हों सब लोग पीठ थपथपाते है। मैं माननीय सदस्यों से कहना चाहता हूँ कि कल उसी क्षेत्र में, उसी गांव में आप जायेंगे आपको हकीकत पता चलेगी और वही लोग आपसे सवाल करेंगे।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य अब समाप्त करें।

श्री त्रिवेणी राम-

दो मिनट मान्यवर, दूसरी तरफ उज्जवला योजना के तहत मैं बताना चाहूँगा कि फ्री गैस सिलेन्डर मिल गया। मैं मानता हूँ कि फ्री मिला लेकिन आज स्थिति यह है कि दो वर्ष पहले 410 रुपये, 435 रुपये की गैस मिलती थी आज 1035 रुपये की मिल रही है। उस गरीब को फ्री गैस देना चाहिए। सिलिन्डर लेकर वह क्या करेगा ? एक बार मिला दूसरी बार वह नहीं भरवा पाया। (सत्तापक्ष से किसी माननीय सदस्य के टोकने पर) आपको मौका मिलेगा तो बोल लीजिएगा क्यों परेशान कर रहे हैं। आप चुप रहिए। हमको बोल लेने दीजिये। मान्यवर, इनको मना करिये।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य कृपया शांत रहें। कमेन्ट न करिये।

श्री त्रिवेणी राम-

माननीय मंत्री जी के विवेकाधीन कोष से गरीबों को बीमारी के इलाज के लिए जो पैसा मिलता है।

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करिये। समय हो गया है।

श्री त्रिवेणी राम-

कितना समय हो गया मान्यवर। उनसे ज्यादा हम कहां बोले हैं। विवेकाधीन कोष से बीमारी के इलाज के लिए जो पैसा मिलता है मैं बताना चाहूँगा कि वह मिलता तो जरूर है और ऐसे गरीब लोग हैं जो दवा और पैसे के आभाव में मर जाते हैं क्योंकि जो इस्टीमेट आता है उसका 50 प्रतिशत ही मिलता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि इस्टीमेट के हिसाब से पूरा पैसा दिया जाय तब गरीबों का इलाज हो पायेगा और यह पैसा 15 दिन के अन्दर दिया जाय। शासन से पैसा मिलने में बहुत लेट हो जाता है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य समाप्त करें। मेरा सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि 3.30 बजे माननीय मुख्य मंत्री जी आयेंगें वह बोलेंगें। अभी 25 माननीय सदस्यों को बोलना है। कोई भी माननीय सदस्य 15 मिनट से कम बोलने को तैयार नहीं है। इसलिए समय का ध्यान रखें। समय की एक सीमा है। 3.30 पर मैं खत्म कर दूंगा।

श्री त्रिवेणी राम-

(सत्ता पक्ष की तरफ से टोकने पर) चलिये हमारे क्षेत्र में 5 सदस्यों की कमेटी बना लीजिए आपको हकीकत का पता चल जायेगा। आपका नम्बर आयेगा तब आप बोल लीजिएगा।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य समाप्त करें। विक्रम सिंह सैनी जी, आप बोलें और समय-सीमा का ध्यान रखियेगा।

श्री त्रिवेणी राम-

ठीक है, मैं बैठ जाता हूँ।

***श्री विक्रम सिंह-**

मान्यवर, महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन पर बोलने के लिये खड़ा हुआ हूँ। दो दिन की छुट्टी होती है शनिवार और रविवार। मैं अपने क्षेत्र में जब अपने गांव गया तो एक बालक अपने बूढ़े बाबा के ऊपर कंकड़ फेंक कर मार रहा था। कभी कागज के गोले बनाता था कभी कंकड़ फेंक कर मारता था। बाबा जी परेशान। मैंने कहा कि क्या कर रहा है तो उस बालक ने कहा कि जहां आप बैठते हो वहां तो भी सब लोग यही करते हैं। बहुत सारे लोग कागज के गोले बना-बना कर 5 तारीख को महामहिम राज्यपाल जी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

के ऊपर फेंक रहे थे, तो मान्यवर, जैसा हम यहाँ करते हैं बच्चे वहां सीखते हैं। आज जब माननीय मुख्य मंत्री जी बोलने वाले थे तो यह सच बात सुनने को तैयार नहीं हैं। पूरा विपक्ष उठकर चला गया। 2013 में दंगा हुआ माननीय सुरेश राणा जी गन्ना मंत्री बैठे हैं, निर्दोश लोंगों के खिलाफ रासुका लगा दी, मुकदमें ठोंक दिये। मेरे ऊपर भी दो मुकदमें लगा दिये। एक साल 13 दिन मैं जेल में रहा हूँ। एक साल की रासुका लगी थी। सुरेश राणा जी जेल में मिलने गये थे। इनकी सरकार में, विपक्ष की सरकार में यह गाना गाया जाता था झुमका गिरा रे बरेली की बाजार में, सैफई में उत्सव होता था। आज हमारी सरकार है गाना गाते हैं कुम्भ भरा रे प्रयागराज में। बहुत अन्तर है। कुछ लोग पोस्टर दिखा रहे थे। एक पोस्टर मैंने देखा, सांड़ थे, सांड़ बड़े-बड़े थे, मैं उनसे कहना चाहता हूँ उनकी उम्र भी लिख देते उनकी उम्र होगी चार साल, पांच साल, छः साल, सरकार किसकी थी ? सरकार जिसकी थी सांड़ उसी के घूम रहे हैं। हमारे नहीं घूम रहे हैं। हमारी सरकार को पौने दो वर्ष हुए हैं। पौने दो वर्ष में डेढ़ वर्ष के बछड़े, सांड अपनी मां बहन के पास बंधे हुए हैं। वह बाहर नहीं घूम रहे हैं और जब तक वह जवान होंगे गऊशाला बन कर तैयार हो जायेगी ।

(मेजें थपथपाई गई)

लेकिन इनको तो विरोध में बोलना है। एक शादी हमारे मुजफ्फरनगर में हुई बी0 जे0 पी0 के कार्यकर्ता की बेटी की शादी थी तो शादी में तो सबको बुलाते हैं चाहे स0पा0 का हो, चाहे ब0स0पा0 का हो, तो स0पा0 के नेता आये मैंने उनसे पूछा बहू कैसी है, मेरी मजाक करने की आदत है तो कहा, है तो गोरी-चिट्टी, लेकिन उसके घने लम्बे बाल हैं, यानि ठीक में भी कमी निकालते हैं यह इनका चरित्र है क्योंकि विरोध में बोलना है। इस महामहिम जी के अभिभाषण में सभी वर्गों का सम्मान किया गया है चिकित्सा स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था सभी पर ध्यान दिया गया है, स0पा0 सरकार में मुझे पता है मैं भी छोटा सा किसान हूँ, जब पानी चलवाने जाते थे नहर का, आठ-आठ, दस-दस लोग जाते थे लाठी-बल्लम लेकर, पूरे मोहल्ले में एक लाइसेंसी बन्दूक है उसको हम लोग पांच सौ रुपये दिया करते थे इकट्ठे करके, भाई पांच सौ रुपये ले ले और हमारे साथ चल, आतंक था अपहरण हो जाया करते थे अगर दो गये हैं साथ में तो एक को बैठाल लिया, और दूसरे को भेज दिया, जा बीस हजार रुपये लेकर आ, तीस हजार रुपये लेकर आ, मेरे गांव में भी देशबन्धु जैन के पौत्र का अपहरण हुआ था तब स0पा0 की सरकार थी 30 लाख रुपये देकर छूटे थे। यह हाल था आज कहीं अपहरण हो रहा है क्या ? कोई हत्या नहीं हो रही है तो और कारणों से हो रही है। लेन-देन में या अवैध सम्बन्धों के कारण हो रही है। बदमाश जेल में है या बाहर हैं या ऊपर चले गये। भगवान को प्यारे हो गये या अल्ला ताला को, पूरी व्यवस्था ठीक है, सारे काम ठीक चल रहे हैं। चाहे सड़कें हों, चाहे कानून व्यवस्था हो, चाहे किसानों का भुगतान हो, चाहे शिक्षा हो, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई हो, सबका ध्यान रखा जा रहा है, उस समय किसी का ध्यान रखा गया ? झूठे मुकदमें लिखे गये मैं उस समय वहां पर था भी नहीं, मेरे खिलाफ झूठा मुकदमा लिखा गया। उस समय की पुलिस ने मुकदमा लिखा विक्रम सिंह और उसके साथियों ने, मैं उसी गांव का हूँ जहां 2013

में सचिव गौरव की हत्या कर दी गई, उसमें उम्र कैद हुई, मेरे खिलाफ मुकदमा लिखा कि विक्रम सिंह और उनके साथियों ने गोलियां चलाई, और मौके पर पुलिस ने बल पूर्वक गिरफ्तार किया, और बरामद क्या हुआ ? वनकटी, लाठी- डंडे, वनकटी से गोली चलती है क्या ? लाठी से गोली चलती है क्या ? कोई गोली नहीं चलती, लेकिन उस समय लिखा, क्योंकि रासुका लगानी थी, जेल भेजना था, मैं आर0एस0एस0 का स्वंय सेवक हूँ। भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता हूँ। क्योंकि उसी गांव का था मैं, और ग्राम-प्रधान मेरी पत्नी रही है जिला पंचायत सदस्य भी मैं रहा हूँ पार्टी का संगठन का काम करता रहा हूँ। पार्टी ने टिकट दिया मैं सबसे ज्यादा वोटों से अपने जिले में जीता हूँ। मेरी पार्टी ने मेरा सम्मान किया, मैं ऐसी पार्टी का कार्यकर्ता हूँ जिसमें वन्दे मातरम् और भारत माता की जय बोलकर जिनका सीना चौड़ा होता है। मेरे गांव में ब0स0पा0 का चुनाव लड़ने आया था कोई गांव में, मेरी पत्नी ग्राम प्रधान थी बोला विक्रम सिंह वोट दिलवा देना, मैंने कहा यहाँ राम लीला भवन है, वन्दे मातरम् और भारत माता की जय बोल देना, वोट मिल जायेगा। उसने कहा, जो दूसरे वोट हैं वह चली जाएगी, तो मैंने कहा उनकी वोट ले लें, या हमारी ले लें, यह लोग तो वन्दे मातरम् और भारत माता की जय भी नहीं बोल सकते है, अब बोल कर दिखा दीजिए, यहाँ भी शरमाते हैं, जब हम बोलते हैं वन्दे मातरम्, भारतमाता की जय, तो यह चुप रहते हैं तो पहले हमारा देश है, हमें देश-प्रदेश की चिन्ता करनी चाहिए। लोग शराब पीकर मरे दुःख है, गरीब हैं, कहा भी गया गरीब हैं, 25-25 लाख रुपये देने चाहिए यह भी कहा गया, तो यह तो बढ़ावा होगा। दो-दो लाख की घोषणा कर दी गई मिल जाएंगे। उन पर अंकुश लगना चाहिए जो कच्ची शराब बेचते हैं, जहरीली शराब बेचते हैं उन पर तगड़ा अंकुश लगना चाहिए। यह तो बढ़ावा होगा 25 लाख तो कोई भी जहर डालकर शराब पी लेगा मर जायेगा और 25 लाख ले लेगा।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, 2-2 लाख रुपया बहुत हैं। यह एक सामाजिक बुराई है। हम सारे विधायकों को समाज में जाकर यह कहना चाहिए कि शराब पीना गलत है। शराब नहीं पीनी चाहिए और अवैध शराब तो बिल्कुल नही पीनी चाहिए। आखिर तेरहवीं पर शराब क्यों परोसी गयी, तेरहवीं तो एक दुख का विषय होता है। वहां पर श्रद्धांजलि अर्पित करनी चाहिए थी , लेकिन वहां पर शराब पिलाना गलत है। हमारे संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी ने कह दिया है कि उनके खिलाफ कार्यवाही होगी तो कार्यवाही होगी। मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी जो कहते है, वह करते है। यह बी0जे0पी0 का गुण है, सबका साथ सबका विकास। मैं खतौली क्षेत्र से हूँ । हमारे क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कोई समस्या नही हैं। विकास कार्य हो रहे है और हर विभाग से हो रहे है। गन्ना विकास विभाग से हो रहे हैं। मैं मा0 मंत्री श्री सुरेश राणा से भी मिला हूँ, उन्होंने कई सारी सड़कें दे दीं, उनका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

अब आपका समय समाप्त हुआ। आप बैठ जायें।

श्री विक्रम सिंह-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

श्री अधिष्ठाता-

अब मैं अगले वक्ता को आमंत्रित करता हूँ।

***श्री छत्रपाल सिंह गंगवार-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर, धन्यवाद प्रस्ताव पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने पूर्व वक्ताओं द्वारा जो विषय रखे गये हैं, उससे अपने को सम्बद्ध करते हुए अपनी कुछ बातें आपके समक्ष रखना चाहता हूँ। मा0 योगी जी की सरकार पिछले दो वर्षों से उत्तर प्रदेश में है और लगभग सभी क्षेत्रों में सुधार दिखा है, पिछले 5, 7, 10 वर्षों का कार्यकाल भी मैंने देखा है। 2007 में भी मैं विधायक रहा हूँ। बसपा की सरकार थी, उसमें क्या-क्या होता था, क्या गुण्डागर्दी होती थी, मैं इसी सदन में बैठकर देखता था। उस समय हम उधर बैठते थे, यहाँ पर सत्तापक्ष बैठता था, उनके क्या-क्या कारनामे थे, किस तरीके से शासन-प्रशासन को चलाया जा रहा था, यह सब मैंने देखा है। सपा सरकार का भी पिछले वर्षों का कार्यकाल मैंने देखा है। मेरे पूर्व वक्ता ने भी बताया कि क्या-क्या समाजवादी पार्टी की सरकार में होता था। कैसे गैर-कानूनी तरीके से अच्छे निर्दोष लोगों को प्रताड़ित किया गया, मुकदमें लिखवाये गये, मेरे खिलाफ भी मुकदमा लिखवाया गया। इन सारी व्यवस्थाओं में आज सुधार है। चाहे वह सड़क का विषय हो, मैं अपनी विधान सभा के बारे में बताना चाहता हूँ कि पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग की कम से कम सौ करोड़ रुपये की सड़कें जिन पर 20-20, 25-25 साल से कभी काम नहीं हुआ है, आज उनके सुदृढ़ीकरण का कार्य हो रहा है। कम से कम लगभग 70-80 किलोमीटर की सड़कों का कार्य मेरी विधान सभा क्षेत्र में भारत सरकार के सहयोग और प्रदेश सरकार के सहयोग के माध्यम से हो रहा है। गन्ना विभाग ने कभी 20-25 साल, 30 साल पहले सड़कें बनायी होंगी। मण्डी समितियों ने भी सड़कें बनायी होंगी, इन 25-25, 30-30 साल से कभी काम नहीं हुआ। मैंने इन विभागों में पैसे देकर कम से कम 100-100 किलोमीटर की सड़कों की मरम्मत का कार्य अपने क्षेत्र में करवा लिया। मैं अपने सभी संबंधित नेताओं को, योगी जी सरकार को इस बात के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं विद्युतीकरण के संबंध में बताना चाहता हूँ कि विद्युतीकरण के क्षेत्र में बहुत जबरदस्त सुधार हुआ है। पिछले 8-10 वर्ष पहले गांव वाले कहते थे 6 महीने हो गये हैं, मेरा ट्रांसफार्मर ठीक नहीं है, हमारी बिजली व्यवस्था ठीक नहीं है, यह घटना, वह घटना, जगह-जगह दुर्घटना। आज उस व्यवस्था में सुधार हुआ है। मेरी विधान सभा में अब कोई गांव नहीं बचा है जहां पर विद्युतीकरण नहीं हुआ अधिक कनेक्शन लोगों द्वारा लिए गए हैं उनको विद्युत की आपूर्ति अच्छी मिल रही है इस कारण लागों ने कनेक्शन लिए हैं इस कारण से कहीं-कहीं पर ट्रांसफार्मर की क्षमता में कमी है। उसमें सुधार का कार्य बहुत तेजी से चल रहा है। मैंने देखा है कि सौभाग्य योजना के अन्तर्गत और पंडित दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना के अन्तर्गत पांच-पांच, छह-छह,

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सात-सात ट्रांसफार्मर हर गली मोहल्ले में लगे हैं और विद्युतीकरण का कार्य बहुत तेजी के साथ चल रहा है। मैं उसके लिए भी ऊर्जा विभाग को धन्यवाद देता हूँ। हम देखते थे गांव में चार-चार, छह-छह महीने तक बिजली नहीं आती थी मेरे मित्र अभी बोल रहे थे यहाँ पर कि साहब बिजली नहीं, बल्व नहीं, मैंने अपने क्षेत्र में देखा है, लोगों ने बिजली की व्यवस्था कैसे की। वह जनरेटर चलवाते थे दो-दो सौ, तीन-तीन सौ, पांच-पांच सौ प्रति व्यक्ति तीस-चालीस परिवार मिल गये और उन्होंने एक जनरेटर वाले को कर लिया कि हमें एक बल्व दे दिया करो शाम के 6 बजे से 11 बजे तक एक बल्व और एक पंखा के लिए तीन-तीन चार-चार सौ रुपया महीना देता था यह जनरेटर वाले को देता था आज जरूरत नहीं है मेरी विधान सभा जहां है, वह रामपुर जिले के नजदीक लगती है, बार्डर लगता है रामपुर जिले में सपा सरकार में गांव में 24-24 घंटे विजली दिखती थी और मेरा पड़ोस का गांव वहां पर लोग हमको गालियां देते थे कि साहब आजम खां साहब के क्षेत्र में तो बड़ी बिजली जलती है आप क्यों नहीं करते। हमने कहा कि आएगा, वह दिन भी आएगा बिजली की व्यवस्था में गांव-गांव दिखता है कि गांव विद्युतीकृत हो गये हैं, बिजली रात-रात भर जलती है। 18-18, 20-20 घंटे बिजली मिलती है। यह मैं अतिशयोक्ति नहीं बोल रहा हूँ यह धरातल की बात बोल रहा हूँ। यही स्थिति सिंचाई विभाग की है अबकी पहली बार जे0सी0बी0 से ही सभी नहरों की खुदाई हुई है, नहीं तो 30-30, 25-25 साल तक सिंचाई विभाग द्वारा नहरों की सफाई के नाम पर पैसा निकाला जाता रहा, लेकिन कभी सफाई नहीं हुई। अब पहली बार मैंने देखा कि टेल तक पानी पहुंचने की व्यवस्था हुई है। मेरा उत्तराखण्ड बार्डर का क्षेत्र है। पर्याप्त मात्रा में नहरें हैं। उनमें अबकी पहली बार सफाई होने के कारण टेल तक पानी पहुंचा है। मैं माननीय सिंचाई मंत्री जी शायद चले गये उनको धन्यवाद देता हूँ। मेरा गन्ना उत्पादक क्षेत्र है राणा जी को बहुत-बहुत बधाई और धन्यवाद देता हूँ 15-16 में सपा सरकार थी, पूरे सत्र का एक पैसा किसान को भुगतान नहीं मिला। पिछले साल नगर निगम, नगर पालिका के चुनाव थे माननीय मुख्य मंत्री जी का बरेली दौरा हुआ, उन्होंने पूछा कि अपने क्षेत्र की समस्याएं बताओ कोई बात हो तो मैंने कहा कि साहब दो साल पुराना गन्ने का भुगतान हमारे क्षेत्र के किसानों को नहीं मिला है। एक सप्ताह नहीं लगा सपा सरकार का 183 करोड़ का भुगतान एक सप्ताह के अन्दर हमारे क्षेत्र के किसानों को मिला अभी भी पर्ची व्यवस्था, टोकन व्यवस्था और जो गन्ने की सप्लाई की व्यवस्था है मैं माननीय मंत्री जी की गन्ना नीति को धन्यवाद दूंगा, छोटे-छोटे किसानों के लिए जिनको दो-दो तीन-तीन पर्ची टोकन का मिलता था उनको गन्ने की आपूर्ति अब तक हो गई उनको पर्ची टोकन प्राप्त हो गया, उनका गन्ना पड़ गया गन्ना उन्हें ब्लैक में बेचना पड़ता 100 रुपये दो सौ रुपये ढाई सौ रुपये कुन्तल का गन्ने का ब्लैक उन्हीं को करना पड़ता था और आज वह सब निश्चिन्त हो गए उनकी गन्ने की आपूर्ति पूरी हो गई। मैं गन्ना विभाग को माननीय मंत्री जी को धन्यवाद दूंगा कि उन्होंने उस व्यवस्था में पर्याप्त सुधार किया वरना सपा सरकार में इतनी जबरदस्त गुंडागर्दी हुई गन्ना के सम्बन्ध में जिसका कहना दुश्वार है। मेरे पास ऐसे नाम हैं जिनके 20-20 हजार कुंतल गन्ने की सप्लाई हुई और जमीन का पता

नहीं है ऐसे नाम मेरे पास हैं मैंने लिखित में भी दिया विभाग को लिखकर दिया है कि ऐसे लोगों की जांच करके इनके खिलाफ कार्यवाही की जाए वह सब समाजवादी पार्टी के नेता, बसपा के नेता खनन का लम्बा कारोबार इनके कार्यकाल में होता था। आज उस सब पर विराम लगा है, सुधार हुआ है, रोक लगी है, सुधार है। किसी जमाने में कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ती थीं आज की कानून व्यवस्था में गुन्डे, मवाली और माफिया सब बिलों में घुस गये हैं, मैदान छोड़कर भाग गये हैं या फिर कहीं जेलों में बैठे हैं। मैं कृषि मंत्रालय से सम्बन्धित कुछ बाते कहना चाहूँगा। मैंने इस प्रदेश की सरकार का और देश की सरकार का बजट पढ़ा है और पिछले वर्षों की सरकारों का भी बजट देखा है। गांव के लिए, गरीब के लिए, किसान के लिए इस बजट में जो व्यवस्था की गयी है उसके कारण गांव का आदमी अपने आपको बहुत खुश महसूस करता है। मुझे लोग फोन करते हैं और कहते हैं कि 'साहब छः हजार रुपया आने वाला था वह कब तक आयेगा' इतनी जल्दी अभी 5-10 दिन भी नहीं हुए हैं। आम किसान में इस बात की जागृति है कि हां भारत सरकार ने कुछ दिया है, किसान के लिए कुछ किया है और उसके बारे में जिज्ञासा है। मैं भारत सरकार को भी इसके लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं समाज कल्याण के बारे में भी बोलना चाहता हूँ। मैं कल ही मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा जो सामूहिक विवाह योजना लागू की गयी है उसके तहत 51 बेटियों के विवाह में सम्मिलित हुआ था जहां पर कम से कम क्षेत्र के 10 हजार लोग बराती बन कर आये थे उनके लिए भी भोजन की पर्याप्त व्यवस्था की गयी थी । मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को इस योजना के लिए धन्यवाद दूंगा।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिये ?

श्री छत्रपाल सिंह गंगवार -

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं अपने क्षेत्र के संबंध में बस दो मिनट और बोलना चाहूँगा। मैं अपने विषय को शार्ट करता हुआ एक दो बातें बोलता हूँ। पिछली सपा सरकार में नगर पालिकाओं में जो नगर विकास मंत्री थे उन्होंने अपने विभाग के द्वारा जो इण्टरलांकिंग ईंटों की व्यवस्था की थी उन ईंटों की गुणवत्ता ठीक नहीं थी। मैं माननीय मंत्री जी से कहूँगा कि जहां-जहां सड़कें बनायी गयी थी, इण्टरलॉकिंग की गयी थी, उस व्यवस्था को खत्म करें और इसके अलावा जहां कहीं भी इस प्रकार का विकास कार्य हो रहा है तो उस कार्य को इण्टरलॉकिंग के माध्यम से न कराया जाये बल्कि आर0सी0सी0 के माध्यम से विकास कराया जाये, क्योंकि इण्टरलॉकिंग सड़क की दुबारा मरम्मत नहीं की जा सकती है। उन ईंटों की गुणवत्ता बहुत ही ज्यादा खराब थी। वहां जरूर तत्कालीन नगर विकास मंत्री जी ने अपने रिश्तेदारों के लिए फायदा उठाने के लिए कुछ किया होगा। मैं अपनी सरकार के मा0 मंत्री जी से कहना चाहूँगा कि वह उस इण्टरलॉकिंग के माध्यम से विकास कार्य कराना बन्द करें। धन्यवाद।

***श्री राम नरेश अग्निहोत्री-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, माननीय महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया है इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। अभिभाषण के रूप में जो यह बजट प्रस्तुत हुआ है उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। गरीबों के लिए, किसानों के लिए, बेरोजगार नौजवानों के लिए, मजदूरों के लिए और समाज के सभी सर्वांगीण विकास के लिए यह बजट एक मील का पत्थर साबित होगा, ऐसा मेरा मानना है। मान्यवर, पूरे प्रदेश में इस समय सबका का साथ- सबका विकास के नाम पर, सिद्धान्त पर प्रदेश की सरकार और देश की सरकार दोनों कीर्तिमान स्थापित करने में एक से बढ़कर एक आगे दिखायी दे रही है। किसानों की समस्या हो, उसका समाधान करने के लिए हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी ने अभी-अभी बजट में 6 हजार रुपया गरीब किसानों को, सीमान्त किसानों को देने की धोषणा की है, वह बहुत ही प्रशंसनीय कार्य पूरे देश के अन्दर हुआ है। उत्तर प्रदेश की हमारी सरकार चाहे वह सिंचाई का क्षेत्र हो, विद्युत का क्षेत्र हो, खाद्यान्न का क्षेत्र हों, सभी क्षेत्रों में जैसे वर्षों तक राज्य सरकारें और पार्टियां नारे लगाती रहीं कि 'रोटी कपड़ा जो दे न सके, वह सरकार बदलनी है।' इस प्रकार के तमाम नारे आते रहते थे लेकिन हमारी सरकार सबके लिए रोटी, कपड़ा और मकान की व्यवस्था कर रही है। बच्चे का जब जन्म होता है तो उसकी दवाई की चिंता करना, जब बच्चा बड़ा होता है तो उसकी पढ़ाई की चिंता करना और फिर उसके रोजगार की चिंता करना और सबको शक्ति प्रदान करना, ताकत प्रदान करना और पूरे प्रदेश को आगे बढ़ाने की दिशा में हमारी सरकार तेजी के साथ काम कर रही है। मान्यवर, बजट में बिजली के लिए अच्छी खासी व्यवस्था की गयी है। घर-घर तक बिजली पहुंचाने का काम लगभग पूरा हो चुका है, बहुत कम ऐसे गांव रह गये हैं जहां तक अभी बिजली नहीं पहुंच पाई है। हमारी सरकार के समय में सब जगह बिजली पहुंचाने का काम तेजी से हुआ है। हर गरीब को मुफ्त में बिजली का कनेक्शन देने का काम हुआ है। गरीब को भारत सरकार की ओर से फ्री गैस कनेक्शन देने का काम हुआ है। हमारी सरकार द्वारा जरूरतमन्द को आवास देने का काम किया गया है। चाहे शहरी आवास हो, उसके लिए अलग से हमारा नगर विकास विभाग चिन्ता कर रहा है। चाहे ग्रामीण आवास हो, उसके लिए ग्राम्य विकास विभाग चिंता कर रहा है। हमारी सरकार गरीबों को सब जगह आवास देने का काम तेजी से कर रही है। बिजली के लिए हल्ला मचाया जाता था और जगह-जगह पर आन्दोलन होते थे लेकिन वह आन्दोलन पूरे प्रदेश में आज कहीं पर दिखाई नहीं दे रहे हैं क्योंकि जिला मुख्यालय पर 24 घंटे, तहसील केन्द्रों पर 20 घंटे, ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे की बिजली हमारी सरकार ने उपलब्ध कराई है। ट्रांसफार्मर जल जाता है, तो उसे तुरन्त बदला जाता है। जो भी शिकायतें आती हैं उसका तत्काल निराकरण किया जाता है इसलिए बिजली के ऊपर पार्टियां जो आन्दोलन करती थीं, उनकी दुकानें बन्द हो गई हैं और अब वह आन्दोलन नहीं कर पा रहे हैं। समाजवादी पार्टी के लोग पहले चुनाव के समय कह रहे थे कि अगर सपा नहीं जीतेगी और सपा की सरकार नहीं बनेगी तो लोगों को बिजली नहीं मिलेगी। यह बड़ा

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

भारी दुष्प्रचार पूरे प्रदेश में चुनाव के समय किया गया, लेकिन उनकी यह बात खोखली निकल गई क्योंकि पूरे प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार से ज्यादा अच्छी बिजली हमारी सरकार द्वारा दी जा रही है। समाजवादी पार्टी की सरकार तो केवल चार-पांच जिलों में ही बिजली दे पा रही थी। रामपुर, इटावा, मैनपुरी और एक-दो जिले छोड़कर बाकी सब जिलों में 10-12 घण्टों से ज्यादा बिजली नहीं आती थी। कहीं-कहीं तो छह-छह, सात-सात घण्टे ही बिजली आती थी लेकिन हमारी सरकार ने पूरे प्रदेश को एक नजरिये से देखा है और एक नजर से देखा है जिससे पूरे प्रदेश में बिजली एक समान रूप से प्राप्त हो रही है। इसलिए इस विषय में भी विपक्ष के लोग आन्दोलन करने की हिम्मत नहीं कर पा रहे हैं। माननीय अधिष्ठाता जी, जो बजट में प्राविधान किये गये हैं वह प्राविधान पिछले बजट की तुलना में प्रदेश को बहुत आगे बढ़ाने वाले हैं। आने वाले समय में इस बजट का अच्छा प्रभाव हमें प्रदेश की तमाम योजनाओं पर देखने को मिलेगा। लोक सभा चुनाव को देखते हुए विपक्ष के लोग ज्यादा हल्ला मचाते हैं और बजट का विरोध करते हैं। कई बार विरोध के लिए विरोध होता है क्योंकि विरोध करने के लिए वास्तव में कुछ है नहीं। पूरे प्रदेश में महागठबन्धन के नाम पर जनता को गुमराह करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। महागठबन्धन के ऊपर मुझे एक कहानी याद आ रही है। एक किसान था वह दूध की डेयरी का काम करता था और डेयरी के काम में कई भैंसें उसने पाल रखी थीं। एक बार उसकी एक भैंस बीमार पड़ गयी। आस-पास कोई डॉक्टर नहीं था। एक पंडित जी आस-पास रहते थे। उनके पास वह गया तो उसने कहा कि हमारी भैंस बीमार पड़ गयी है ठीक नहीं हो रही है तो उन्होंने कहा कि रामायण ले जाओ और उसको रामायण पढ़-पढ़कर चौपाई सुनाना तुम्हारी भैंस ठीक हो जायेगी। वह रामायण ले गया और रामायण पढ़ता रहा, लेकिन उसकी भैंस मर गई। दूसरी भैंस बीमार पड़ गयी फिर वह भागकर गया तो उसने कहा कि तुम इसी रामायण को पढ़ते रहो तुम्हारी भैंस ठीक हो जाएगी। वह फिर पढ़ता रहा। इस तरह पढ़ते-पढ़ते उसकी भैंसें मर गयीं और रामायण की चौपाई से उसकी कोई भैंस ठीक नहीं हुई। वह उदास हो गया और उसका पूरा परिवार रो रहा था। मोहल्ले के लोगों ने खाना बनाकर उसको भेजा और कहा कि यह दुःखी है, परेशान है। इनके यहाँ बड़ा नुकसान हो गया है। जब वह पूड़ी खाने के लिए बैठा तो एक बकरी आ गयी और उसकी पूड़ी बकरी छीनने लगी। उसके लड़के ने डंडा उठाया तो उसने कहा कि रुक जाओं डंडा रहने दो रामायण उठा लाओ यह तो चौपाई के लिए भी नहीं है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि जो महागठबन्धन के लोग हैं यह हमारे मोदी जी की एक चौपाई के लिए भी नहीं हैं।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिए।

श्री राम नरेश अग्निहोत्री-

अधिष्ठाता महोदय, मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूँ कि जो बजट प्रस्तुत किया गया है। यह हमारे प्रदेश को और द्रुत गति से विकास की ओर ले जाएगा। इसमें सारे विभागों की व्यवस्था की गयी है। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया बहुत-बहुत धन्यवाद।

***डॉ0 नीरज बोरा-**

अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके प्रति आभार प्रस्तुत करता हूँ कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर श्री सुनील शर्मा जी द्वारा दिये गये धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का समर्थन दिया है। अधिष्ठाता महोदय, उत्तर प्रदेश की सरकार ऋग्वेद के इस मंत्र के साथ कि ''सर्वे भवन्तुः सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया'' के सिद्धांत के ऊपर कार्य कर रही है और सबका साथ सबका विकास उसका उद्देश्य है। जो लोग यहाँ से चले गये, उनके लिए क्या कहूँ ? उनके लिए तो बस इतना कहना चाहता हूँ कि किसी शायर ने बहुत खूब कहा है कि-

''खुशबू बनकर गुलों से उड़ा करते हैं,
धुंआ बनकर पर्वतों से उड़ा करते हैं,
यह कैचियां खाक हमें उड़ने से रोकेंगी,
हम परों से नहीं हौसलों से उड़ा करते हैं।''

आदरणीय मुख्य मंत्री श्रद्धेय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में इस सरकार ने जो कीर्तिमान स्थापित किये हैं वह विगत सात दशकों में एक नया इतिहास लिख रही है। भारतीय सनातनी परम्परा के अनुसार विश्व को सबसे बड़ा सांस्कृतिक महोत्सव प्रयागराज में आयोजित हुआ और निश्चित रूप से पिछले साढ़े चार सौ वर्षों में जहां पर अक्षय वट और सरस्वतीकूप के दर्शन नहीं हो पाते थे वह परम्परायें प्रारम्भ की गयीं हैं और ऐसा कुम्भ प्रयागराज में आयोजित हुआ जहां पर लगभग 80 से अधिक देशों के लोगों ने अपना पार्टीसिपेशन किया है। जब मैं चैनल्स के माध्यम से देखता हूँ कि जो विदेशी हमारे प्रयागराज में आ रहे हैं वह बहुत प्रभावित हुए हैं। मैं इसके लिए निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश सरकार की भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ। मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में तथा मा0 नगर विकास मंत्री जी के नेतृत्व में वहां पर जो व्यवस्थाएं की गयी हैं वह बहुत महत्वपूर्ण हैं। मा0 मुख्य मंत्री जी के द्वारा प्रयागराज और अयोध्या का नाम परिवर्तित करने के लिए भी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। हमारे देश के अन्दर बाहर से आने वाले लोगों ने हमारे उन स्थलों के नाम को बदलने का काम किया था। उस परम्परा को इस सरकार ने पुनः स्थापित किया है। इसके लिए निश्चित रूप से सरकार की सराहना की जाती है।

मननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में वन डिस्ट्रिक वन प्रोडेक्ट की योजना के माध्यम से उन जनपदों के अन्दर उन कार्यों को प्रोत्साहित करके उद्योगों की स्थापना और लोगों को मजबूत करने की योजना लागू की गयी है, उसकी हम सराहना करते हैं। स्वच्छता कार्यक्रम के तहत मैं मा0 मुख्य मंत्री जी के साथ मा0 नगर विकास मंत्री जी की सराहना करना चाहता हूँ। मा0 नगर विकास मंत्री जी ने स्वच्छता की जागरूकता के लिए विभिन्न शहरों में जाकर यह कार्यक्रम चलाया और शायद उसका परिणाम यह है कि जागरूकता के तहत लखनऊ आज देश

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

में प्रथम स्थान पर आने के लिए तैयारी बना चुका है और लखनऊ देश में एक नम्बर पर आयेगा तो उसका श्रेय लखनऊ के लोगों को तो जाता ही है, साथ में नगर विकास मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार को भी जाता है इसमें कोई शक नहीं है कि प्रधानमंत्री जी की यह सोच कि हर घर में शौचालय होना चाहिए उनकी यह संवेदनशीलता जहां उन्होंने कहा कि इस देश की महिलायें, मातायें, बहनें और बहुएं सूर्यास्त का इंतजार करती थीं अब उसे मुक्त होना चाहिए, हर घर में शौचालय होना चाहिए। तो उत्तर प्रदेश ने पूरे देश के अन्दर एक नम्बर पर अपना स्थान अर्जित किया है और पूरे देश में एक इज्जतघर जो नाम हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी ने दिया उसकी प्रशंसा प्रधानमंत्री ने भी की। और आज उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिले खुले में शौच से मुक्त हुये हैं। इसकी मैं सराहना करता हूँ। इसके साथ-साथ हमारे प्रधानमंत्री जी ने जो आवास योजना प्रारम्भ की, उस आवास योजना के अन्तर्गत चाहे ग्रामीण क्षेत्र हो, चाहे नगरीय क्षेत्र हो, लगभग 20 लाख आवासों का निर्माण कराना देश की आजादी के बाद एक बहुत बड़ा कीर्तिमान है। इसकी सराहना की जाती है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, उत्तर प्रदेश में रोजगार के अवसर सृजित हों, इसके लिए उद्योगों की स्थापना होना आवश्यक है और उत्तर प्रदेश के अन्दर उद्योगों की स्थापना के लिए एक अनुकूल वातावरण बने। कानून व्यवस्था सुदृढ़ हो और उद्योगों की स्थापना के लिए जो इन्वेस्टर समिट किया गया और उसके बाद यह इन्वेस्टर समिट जमीन पर दिखायी दे, उद्योगों की स्थापना हो, उसके लिए जो मुख्य मंत्री कार्यालय से विशेष प्रयास किये गये, जो औद्योगिक विकास मंत्री जी के कार्यालय से विशेष प्रयास किये गये, उसी का नतीजा है कि ग्राउंट ब्रेकिंग सेरेमनी हुयी जहां प्रधानमंत्री जी आये और दुबारा भी उसकी तैयारी की जा रही है। निश्चित रूप से जब निवेश होगा तो निवेश के माध्यम से रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी और पूरी सरकार की सराहना करता हूँ। श्रद्धेय भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी ने जिस इन्फ्रास्ट्रक्चर को डेवलप करने का सपना देखा था आज पूरा देश उसका प्रभाव देख रहा है और आज जब हम एक्सप्रेस हाई-वे पर चलते हैं जब हम आज चौड़े-चौड़े मार्गों पर चलते हैं तो उस समय श्रद्धेय भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी को श्रद्धांजलि देने का मन होता है। श्रद्धेय बाजपेयी जी की सोच थी कि यह देश तभी मजबूत होगा, जब हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा। उसी के तहत आज प्रदेश के अन्दर गंगा एक्सप्रेस- वे, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे हो और विभिन्न हाई-वे का जो सपना साकार हो रहा है वह सपना निश्चित रूप से श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी को श्रद्धांजलि है। उनका वह सपना आज हमारे प्रदेश के मा0 मुख्य मंत्री महोदय, उत्तर प्रदेश की सरकार पूरा कर रही है। इलाज के लिए प्रधानमंत्री जी के द्वारा आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री जन आरोग्य बीमा के तहत जो योजना प्रारम्भ की गयी है मैं स्वयं एक चिकित्सक हूँ और इस बात को महसूस कर सकता हूँ कि जब मरीज आता है और उसको इलाज की आवश्यकता होती है और धन की कमी के कारण वह अपना इलाज नहीं करा पाता है तो

उसकी उस समय क्या स्थिति होती है। मैं बधाई देना चाहता हूँ मा0 मुख्य मंत्री महोदय को जिन्होंने इस बार आजादी के बाद इतने सालों में चाहे जिसकी भी सरकार रही हो।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, लेकिन अगर मा0 सदस्यों ने मुख्य मंत्री जी को पत्र लिखा कि मेरे क्षेत्र में यह व्यक्ति बीमार है इसको इलाज एवं धन की आवश्यकता है तो उन्होंने अपने खजाने को खोलने का काम किया और हर एक व्यक्ति को ऐसा धन आवंटित किया कि कोई भी इलाज से महरूम न रहे यह उन्होंने संकल्प लिया है और प्रतिज्ञा भी ली है। आज वहीं प्रधानमंत्री जी आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से इस देश की आधी आबादी को आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत इलाज मिल सके, वह कार्य कर रहे हैं। आज आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से एक परिवार को 5 लाख रुपये का बीमा देने की जो योजना प्रारम्भ की है, उससे विपक्ष के पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई है क्योंकि उन्हें मालूम है कि आज इस देश की आबादी स्वस्थ हो जायेगी, आज इस देश की आबादी जागरूक हो जायेगी, आज इस देश की आबादी स्वस्थ हो जायेगी, आज इस देश की आबादी को रोजगार मिल जायेगा, आज अगर उनके लिए अनाज की व्यवस्था हो जायेगी तो हम लोग इस जीवन में दोबारा सत्ता में आने वाले नहीं हैं।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य जी अब आप अपनी बात कीजिए।

डॉ नीरज बोरा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं बधाई देना चाहता हूँ कि चिकित्सा के क्षेत्र में, चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में जो नये मेडिकल कालेज की स्थापना हुई है वह सराहनीय कार्य है। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है और कौशल विकास के माध्यम से नौजवानों को रोजगार में स्किल देने का कार्य किया है वह भी सराहनीय कदम है मैं लखनऊ के जिस क्षेत्र से आता हूँ, वह लखनऊ का एक काफी बड़ा मलिन क्षेत्र है और वहां गोमती नदी का एक तटबन्ध बनना आवश्यक है। मैं उत्तर प्रदेश की सरकार से अनुरोध कर रहा हूँ कि वह गोमती नदी के उस तटबन्ध को शीघ्र बनवाने का काम करे ताकि फैजुल्लागंज की 2 लाख की आबादी को जल भराव से बचाया जा सके क्योंकि जल भराव से वहां पर कई बार संक्रामक रोग फैल चुका है। इसलिए फैजुल्लागंज में उस तटबन्ध का निर्माण होना अत्यन्त आवश्यक है। हमारी सरकार के द्वारा मेट्रो का विस्तार किया जा रहा है। इस लखनऊ मेट्रो का विस्तार लखनऊ विश्वविद्यालय के पुराने परिसर से लखनऊ विश्वविद्यालय के नये परिसर और उसी के साथ लखनऊ के प्रतिष्ठित इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेण्ट साइन्सेज (आई0आई0एम0) लखनऊ तक जोड़ने का कार्य भी यह सरकार करेगी। ऐसी मुझे इस सरकार से अपेक्षा है। पुनः मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ और बधाई भी दे रहा हूँ कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कानून-व्यवस्था के माध्यम से एक अच्छा माहौल बनाया है निश्चित रूप से मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की

सरकार के जो कार्य हैं वह सराहनीय हैं। मैं एक बार पुनः नगर विकास मंत्री जी को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने लखनऊ के प्रत्येक वार्ड का दौरा करके वहां की समस्याओं को देखकर लखनऊ को एक विशेष अनुदान देने का काम किया है, विशेष सहयोग देने का काम किया है। मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ और इसी के साथ अपनी बात को इन पंक्तियों के साथ समाप्त करता हूँ कि-

''वह पथ क्या पथिक कुशलता क्या, जिस पथ में बिखरे शूल न हों, वह पथ क्या पथिक कुशलता क्या, जिस पथ में बिखरे शूल न हों, नाविक की धैर्य कुशलता क्या, जब धाराएं प्रतिकूल न हों, नाविक की धैर्य कुशलता क्या, जब धाराएं प्रतिकूल न हों।''

मैं पुनः नमन करता हूँ और श्री सुनील शर्मा जी के द्वारा महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ। वन्दे मातरम्।

श्री अधिष्ठाता-

सभी लोग समय का विशेष ध्यान रखें तो अच्छा रहेगा क्योंकि माननीय मुख्य मंत्री जी 3:20 बजे सदन में उपस्थित होंगे।

***श्री मूलचन्द्र सिंह-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर प्रदान किया है, इसके लिए मैं आपके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। मान्यवर, हमारे माननीय सदस्य श्री सुनील कुमार शर्मा जी द्वारा महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण समर्थन में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, मैं उससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ। मान्यवर, हमारी सरकार 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया' के आदर्श को अपनाते हुए समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए, गरीबों, शोषितों, दलितों एवं किसानों के कल्याण के लिए प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आगे बढ़ रही है। महोदय, हमारी सरकार के द्वारा प्रयागराज में जो कुम्भ का आयोजन हुआ है, इतना भव्य और दिव्य आयोजन इतिहास में पहली बार हो रहा है, जो भी लोग प्रयागराज में स्नान करने के लिए गये हैं, देश के लोग एवं विदेश के भी जो लोग वहां पहुंचे हैं, निश्चित रूप से वहां की व्यवस्था, वहां की दिव्यता-भव्यता और वहां की स्वच्छता को देखा है, उसकी जगह-जगह प्रशंसा हो रही है। साथ-साथ साढ़े चार वर्षों के बाद पहली बार अक्षयवट और सरस्वती कूप का माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्य मंत्री योगी जी के कारण से दर्शन का सौभग्य प्राप्त हुआ है निश्चित रूप से वह एक अभूतपूर्व कार्य है। हमारे जो सदस्य जो आज यहाँ नहीं हैं उन्हें इतना अच्छा आयोजन देखकर, जिसकी देश और प्रदेश की जनता प्रशंसा कर रही है, बड़ा कष्ट हो रहा है। इसलिए जब उन्हें कुछ नहीं मिला तो इसमें घोटाला हो रहा है, उसमें खाया

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जा रहा है ये बातें कहने लगे। उन्हें अच्छा लगता है सैफई में डांस करवाना, नाच गाना करवाना। उन्हें इतनी भव्यता और दिव्यता वाला आयोजन अच्छा नहीं लगा, इस कारण से वे इसका विरोध कर रहे हैं और जब माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा उद्बोधन होना है तो वे आज यहाँ से गायब हैं क्योंकि उनके पास कुछ बचा नहीं है। ऐसे आयोजन में, आज यहाँ माननीय उप मुख्य मंत्री बैठे हैं इन्होंने ढाई सौ किमी की सड़कें तैयार करवायीं हैं, हमारे आदरणीय नगर विकास मंत्री जी के द्वारा भी वहां व्यापक व्यवस्था की गयी है। एक भी कूड़ा-करकट वहां दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे भव्य एवं दिव्य आयोजन की मैं भरपूर प्रशंसा एवं सराहना करता हूँ। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, हमारी सरकार के द्वारा 'एक जनपद, एक उत्पाद' की योजना लायी गयी है, निश्चित रूप से ये भी जिलों-जिलों में छोटे-छोटे उद्यमियों को बढ़ावा देने और बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने में बहुत महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना से प्रदेश के चार लाख युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' के अन्तर्गत हमारी सरकार के द्वारा पारम्परिक कारीगरों, बढई, मोची, नाई दर्जी, बुनकर, कुम्हार, लोहार, सोनकर, हलवाई आदि सभी को निश्चित रूप से बढ़ावा मिलेगा। इनके व्यवसाय में निश्चित रूप से प्रगति होगी, ये बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है। यह योजना उत्तर प्रदेश दिवस 24 जनवरी से प्रारम्भ की गयी है। उत्तर प्रदेश में माटी कला बोर्ड बनाकर निश्चित रूप से जो मिट्टी का काम करने वाले लोग हैं, उनको प्रोत्साहन दिया गया है। मान्यवर, स्वच्छता कार्यक्रम के तहत प्रदेश ने एक रिकार्ड कायम किया है। स्वच्छता के अन्तर्गत 1.71 करोड़ शौचालय बनाकर, यह कोई छोटा-मोटा काम नहीं है जो सामने बैठे लोग हैं, इनके समय में भी शौचालय बनते थे, लेकिन इनके समय में शौचालय बनते नहीं थे, शौचालय का पैसा जो भी जाता था, कहीं न कहीं उसका बन्दरबांट हो जाता था, धरातल पर कोई शौचालय नहीं बनते थे। आज हमारी सरकार ने पूरे प्रदेश में 1.71 करोड़ शौचालय बनाकर प्रदेश के सभी जनपदों को खुले से शौच-मुक्त किया है, यह बहुत सराहनीय काम है, यह कोई छोटा-मोटा काम नहीं है। मैं समझता हूँ कि इतने अल्प-समय में इस काम को करना, इसके लिए अपनी सरकार की, योगी जी की सरकार की जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में 10 लाख लोगों को आवास मुहैया कराये गये और शहरी क्षेत्र में 9.33 लाख आवासों की स्वीकृति प्रदान की गयी है, यह भी एक ऐतिहासिक काम है। इतने अल्प- समय में लगभग 19 लाख लोगों को आवास देना, एक अभूतपूर्व कार्य है। शिक्षा के क्षेत्र में हमारी सरकार ने जो हमारी प्राइमरी और जूनियर के बच्चे जो हीन भावना से ग्रसित होते थे, उनको इतनी खराब ड्रेस दी जाती थी, खाकी पैंट और खाकी कमीज उनको प्रदान की जाती थी। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आये, हमारे जो नौनिहाल बच्चे हैं, वह हीन भावना से ग्रसित न रहें।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करें।

श्री मूल चन्द्र सिंह-

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, चूंकि आपने कहा है कि समाप्त करिये तो मैं अपने क्षेत्र की कुछ समस्याओं के बारे में आपको अवगत कराना चाहता हूँ। मैं बुन्देलखण्ड से आता हूँ। जनपद-जालौन में माधवगढ़ मेरी विधान सभा है। यह जो कानून-व्यवस्था की बात करते हैं। हमारा जनपद बुन्देलखण्ड दस्यु प्रभावित रहा है और दस्युओं की कमी होने के बाद भी इनकी जब सरकार थी, हमारे माधवगढ़ से लगा हुआ इटावा है। हमारे क्षेत्र में पकड़ हो जाती थी, इनके लोग पकड़वा लेते थे और इटावा में जाकर पंचायत होती थी, ये बीच की मध्यस्थता करके, पैसा खाकर लोगों की पकड़न छुड़वाने का काम करते थे, जब से हमारी सरकार बनी है, एक भी आज तक कोई भी अपहरण नहीं हुआ है, कोई पकड़ नहीं हुई है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, मैं इन मित्रों से चूंकि आज वह उपस्थित नहीं हैं, मैं उनको बताना चाहता था कि ये सपा के गुण्डे, सपा के लोग जो पकड़ा करवाते थे, आज पूरे प्रदेश में इससे लोगों को निजात मिली हुई है। हमारे जालौन जिले में खास तौर से बुन्देलखण्ड को मोदी जी ने और यशस्वी मुख्य मंत्री योगी जी ने जो बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे दिया है, निश्चित रूप से इसकी भरपूर प्रशंसा करता हूँ, यह बुन्देलखण्ड के विकास के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण काम है। दूसरा-बुन्देलखण्ड को जो डिफेंस कॉरीडोर मोदी जी ने दिया है, इससे बुन्देलखण्ड का विकास ही नहीं होगा, बल्कि वहां के नौजवानों को रोजगार भी मिलेगा। अधिष्ठाता महोदय, हमारी विधान सभा में एक-दो महत्वपूर्ण समस्याएं हैं, माधवगढ़ बहुत इंटीरियर क्षेत्र है, हमारे माधवगढ़ तहसील में अभी तक कोई मुंसिफ कोर्ट नहीं है जो जिला केन्द्र से 50 कि0मी0 दूर पड़ता है, वहां मुंसिफ कोर्ट की स्थापना आवश्यक है। दूसरा अग्निशमन केन्द्र भी हमारे माधवगढ़ में अभी तक नहीं है और उसकी आवश्यकता है। एक माधवगढ़ में सिंध नदी है जिसके उस पार भी कुछ गांव हमारे क्षेत्र के हैं, वहां पर पुल नहीं है तो मुंसिफ कोर्ट की स्थापना, अग्निशमन केन्द्र की स्थापना, और सिंध नदी पर पुल की स्थापना यह हमारे क्षेत्र में आवश्यक है। मैं आपके माध्यम से अपने क्षेत्र के विकास की बात रखता हूँ कि इन मामलों को हमारे क्षेत्र के लिए दृष्टिगत रखा जाए और आपको धन्यवाद देते हुए मैं अपनी बात को समाप्त करता हूँ।

कुं0 नरेन्द्र पाल सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं पहली बार विधान सभा में विधायक बन के आया हूँ। पहले मैं सुनता था कि विधान सभा में माईक तोड़कर हमला किया जाता है, लेकिन यहाँ आने के बाद यह पता लगा कि उससे ज्यादा भी घटनाएं होती हैं। कागज में आलू मिलाकर मा0 राज्यपाल के ऊपर प्रहार किया जाता है। इससे हम आहत हुए हैं। मैं मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण के समर्थन में खड़ा हूँ, सबका साथ सबका विकास करने के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। इसमें जो उंगली उठाते हैं, उनको यह जानना चाहिए कि जो 2011 की सूची है पात्रता सूची उसी के हिसाब से यह हमारी सरकार काम कर रही है। उनको आवास, शौचालय जो भी सुविधाएं हैं, दी जा रही हैं। जबकि हमें पता है कि उसमें कौन-कौन लोग हैं। इसलिए मैं पुष्टि करता हूँ कि सबका साथ और सबका विकास को लेकर हमारी सरकार काम कर रही है। मैं दो-तीन विषय

संक्षेप में रखना चाहता हूँ। शिक्षा के क्षेत्र की बात है हमारे मित्र मूलचन्द्र जी ने भी बताया है शिक्षा क्षेत्र में नकल विहीन परीक्षा कराके हमारी सरकार ने जो कीर्तिमान स्थापित किया है, भारत के भविष्य की चिंता की है, नौजवानों की चिंता की है जो भारत का भविष्य है। मा0 राजनाथ सिंह जी शिक्षा मंत्री थे, उन्होंने कल अध्यादेश लागू किया। कई विद्यालयों का जीरो रिजल्ट आया, परिणाम यह हुआ कि जो 50-50, 25-25 लोगों को बिठा के ट्यूशन जो पढ़ाते थे, वह बन्द हो गये। छात्रों ने मन बना लिया पढ़ने का और अध्यापकों ने मन बना लिया था पढ़ाने का और उसके बाद नेता जी की और घोषणा हुई कि मैं अगर मुख्य मंत्री बन जाऊंगा तो नकल अध्यादेश समाप्त कर दूंगा गुण्डा एक्ट समाप्त कर दूंगा। यह जो कहते हैं वह करते जरूर हैं। उन्होंने शपथ ग्रहण करने के बाद युवाओं को गुमराह करके सरकार बनाई। शपथ ग्रहण करने के बाद सबसे पहली घोषणा उनकी थी नकल अध्यादेश समाप्त कर दिया गया है और गुण्डा एक्ट समाप्त कर दिया है। जो शिक्षा में सुधार आया था, पुनः ऐसी की तैसी हो गयी। आज पुनः हमारी सरकार ने नकल अध्यादेश जारी करके नौजवानों की चिंता की है, नौजवानों के भविष्य की चिंता की है। साथियों मैं अपने मा0 सदन को विद्युत विभाग की उपलब्धियों के विषय में बताना चाहता हूँ कि इसके पहले सरकार क्या करती थी, यह सबको पता है, लेकिन इसके बाद भी मैं एक लाइन में यह कहना चाहता हूँ कि इसके पहले जो बिजली दी जाती थी अगर सैफई, इटावा में 20 घण्टे, 24 घण्टे तो वहीं बगल के बुंदेलखण्ड में चार घण्टे बिजली दी जाती थी। आज हमारी सरकार सम्पूर्ण प्रदेश का विकास करना चाहती है, सर्वांगीण विकास करना चाहती है। अगर बनारस और गोरखपुर में 24 घण्टे और 20 घण्टे बिजली मिलती है तो बुंदेलखण्ड और सैफई में इटावा और कन्नौज में भी 20 घण्टे और 24 घण्टे बिजली मिलती है। 24 घण्टे के अन्दर ट्रांसफार्मर बदले जाते थे। कृषि के क्षेत्र में नीम कोटेड यूरिया भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने मा0 मोदी जी की सरकार ने इम्पोर्टेड यूरिया उपलब्ध कराके किसानों पर लाठी चार्ज न हो, किसान लाइन लगाकर खाद न लें इस पर अंकुश लगाया है और किसानों को बहुत आसानी से खाद उपलब्ध हो रही है। मान्यवर, कर्जा माफी की बात आती है। सपा सरकार ने कर्जा माफ किया था। सबको पता था कि किसका कर्जा माफ किया है। मान्यवर, उस समय सहकारिता के जो बैंक थे उनका माफ इसलिए किया था कि बैंक सब कर्जदार थे, डिफाल्टर थे और वह बन्द होने के कगार पर थे। इसकी चिंता नहीं थी, चिंता यह थी कि वह कर्जा और बैंकें कुछ विशेष व्यक्ति के अण्डर में थी इसलिए उनका नुकसान हो रहा था, इसलिए जो कर्जा माफी हुई थी उसमें दस-बीस प्रतिशत किसानों को लाभ हुआ था। अधिकांश किसान राष्ट्रीयकृत बैंकों से कर्ज लेते हैं और कॉपरेटिव बैंक से कम लेते हैं। तब मात्र कॉपरेटिव बैंक से कर्ज माफ किया गया था। हमारी सरकार ने जब कर्ज माफ किया है तो टोटल सभी बैंकों को उसका अधिकार दिया है। बैंकों में जो खाते किसानों के थे उनका कर्ज माफ किया है। स्वच्छता अभियान के सम्बन्ध में तो काफी लोग बता चुके हैं। मैं यह कहना चाहता हूँ कि स्वच्छता अभियान में, प्रधानमंत्री आवास योजना में, मुख्य मंत्री आवास योजना में जो कीर्तिमान योगी जी की सरकार ने स्थापित किया है उसका परिणाम

यह है कि हमें हिदुस्तान में, भारत में पहले स्थान पर पुरस्कृत किया गया है, पहला स्थान प्राप्त हुआ है। मान्यवर, हमारे यहाँ सर्वांगीण विकास हो इसके लिए मैं अपने विधान सभा क्षेत्र के लिए कुछ निवेदन करना चाहता हूँ। मेरी विधान सभा बुंदेलखण्ड में कालपी विधान सभा पड़ती है। जो बुंदेलखण्ड का प्रवेश द्वार है। हमारी विधान सभा बेतवा और जमुना के बीच में है। मान्यवर, उसमें पर्यटन स्थल घोषित करने के पर्याप्त स्रोत हैं। वहां एक सूर्य मन्दिर है और पूरे हिदुस्तान में केवल दो सूर्य मन्दिर हैं। एक कोर्णाक में है दूसरा कालपी में है। व्यास जी का जन्म स्थान कालपी में है। व्यास जी के गुरू पाराशर जी का स्थान कालपी में है। लंका कालपी में है। हमारे यहाँ कई स्थान ऐसे हैं जो कालपी में ही हैं और वे पर्यटन स्थल घोषित करने के लिए पर्याप्त क्षमता रखते हैं। मैं संक्षेप में कहना चाहता हूँ कि कालपी को पर्यटन स्थल घोषित किया जाए। मान्यवर, हमारे यहाँ सूर्य मन्दिर है जिसकी मार्ग की लम्बाई लगभग 14 कि0मी0 है और इसमें लगभग 15 गांव प्रभावित होते हैं। अगर कालपी में सूर्य मन्दिर तक रोड बन जाएगी तो इससे 15 गांवों का फायदा होगा और सूर्य मन्दिर का भी काया-कल्प हो जाएगा। साथ ही हमारे यहाँ 84 गुम्बद, लंका मीनार, महारानी लक्ष्मी बाई का किला, बनखण्डी देवी, पातालेश्वर, अयोध्या मन्दिर, सूर्य मन्दिर आदि पर्यटन स्थल की दृष्टि से हमारे यहाँ महत्वपूर्ण हैं और इन सब स्थानों की चिन्ता करने के लिए मैं आपसे निवेदन करता हूँ। मैं पुनः मा0 मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूँ। धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

मेरा पुनः अनुरोध है कि अभी 12 लोग बोलने के लिए और हैं। यदि सभी मा0 सदस्य 5-5 मिनट बोल लेंगे तो सबको बोलने का अवसर मिल जाएगा। हमारी समय सीमा है क्योंकि अपराह्न 3.30 पर मा0 मुख्य मंत्री जी आएंगे और उसके बाद कोई नहीं बोल पाएगा। इसलिए आगे के मा0 सदस्य समय का ध्यान रखें। (मा0 ओमकुमार जी, मा0 जवाहर लाल राजपूत जी, डा0 जी0एस0 धर्मेश जी, मेजर सुनील दत्त द्विवेदी जी, मा0 रामफेरन पाण्डेय जी का नाम पुकारे जाने एवं अनुपस्थित होने पर) श्री पल्टू राम जी हैं, ठीक है।

श्री पल्टूराम-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। मैं अपने आपको सदस्य श्री सुनील शर्मा जी के वक्तव्य से सम्बद्ध करते हुए बताना चाहता हूँ कि मैं बलरामपुर की धरती से चुनकर आया हूँ। बलरामपुर की धरती के लोगों को वहां के दो राष्ट्र पुरुषों श्रद्धेय नानाजी देशमुख और श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी को लोक सभा में भेजने का गौरव प्राप्त हुआ है। मैं भारत सरकार के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी को आपके माध्यम से बधाई देना चाहता हूँ कि उन दोनों राष्ट्र पुरुषों को भारत रत्न से सम्मानित करके पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी और श्रद्धेय अटल जी के मानने वाले लोगों का सम्मान करने का काम किया है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि भारत सरकार ने जो सर्वे कराया है उस सर्वे में देवीपाटन मण्डल के तीन जनपदों बहराइच,

श्रावस्ती और बलरामपुर को अति पिछड़े जनपदों में शुमार किया गया है। आजादी के बाद इतना लम्बा समय बीत जाने के बाद भी इन जनपदों का समुचित विकास नहीं हो पाया, जिसकी कल्पना श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी ने की थी। मैं जनपद गोण्डा में रहता हूँ और बलरामपुर से चुन कर आया हूँ। जब मैं गोण्डा से बलरामपुर के लिए जाता हूँ तो 50 किलो मीटर की वह जर्जर सड़क जिस सड़क से व्यापारी अपने प्रतिष्ठान तक नहीं पहुंच पाते थे, छात्र अपने स्कूल को नहीं पहुंच पाते थे, हमारे कर्मचारी अपने ऑफिस नहीं पहुंच पाते थे, बीमार अस्पताल नहीं पहुंच पाते थे और जब मैं केन्द्र सरकार या प्रदेश सरकार की किसी योजना का लोकार्पण करता था तो सोशल मीडिया के माध्यम से समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता लोकार्पण के समय उस सड़क की फोटो को लगाते थे और दूसरी तरफ गड्ढों में तब्दील हुई उन सड़कों का फोटो लगा करके मेरा मजाक उड़ाने का काम करते थे। मैं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद दूंगा, मैं उत्तर प्रदेश के यशस्वी उप मुख्य मंत्री माननीय केशव प्रसाद मौर्य जी को धन्यवाद देना चाहूँगा जिन्होंने उस क्षेत्र के लोगों के दर्द को समझा और आज दो लेन की चमचमाती हुई सी0सी0 सड़क बन गयी है जिससे हमारे क्षेत्र के लोग आने-जाने का काम करते हैं। मैं तो अपने भाषणों में लोगों से यह अनुरोध करता हूँ कि थोड़ी धीमी गति से चलिए जिससे कोई अनहोनी घटना न हो जाये। यह काम समाजवादी पार्टी की निगाहों में नहीं आता है। गोण्डा और जरवल की वह सड़क, जो सीधे गोण्डा से होकर बलरामपुर-जरवल होते हुए नेपाल राष्ट्र को जोड़ती थी वह सड़क गड्ढे में तब्दील थी। माननीय केशव प्रसाद मौर्य जी ने जब बलरामपुर और देवीपाटन मण्डल के चारों जनपदों का एक शिलान्यास कार्यक्रम देवीपाटन मण्डल के मुख्यालय पर अघोषित किया तो वहां के जनप्रतिनिधियों ने जब उस क्षेत्र की दुर्दशा से अवगत कराया तो आपने लखनऊ पहुँचते ही 71 करोड़ रुपये जारी कर दिये जिससे आज युद्ध स्तर पर गोण्डा और जरवल की सड़क बन रही है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, जब मैं परसों-नरसों भाषण सुन रहा था तो अपने भाषण के दौरान विपक्षी पार्टी के लोग बार-बार बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का नाम ले रहे थे। वह इसलिए नाम ले रहे थे कि बसपा गठबंधन है। मैं उस समय का दौर जानता हूँ जब अखिलेश यादव वर्ष 2012 के चुनाव के पहले रथ यात्रा लेकर निकले थे। जब वह रथ यात्रा जनपद स्तर पर लेकर निकले थे तो उनका पहला भाषण यह होता था कि बहुजन समाज पार्टी के नेता और वर्तमान मुख्य मंत्री ने जो पार्कों और स्मारकों पर पैसा खर्च किया है उन मूर्तियों और उन पार्कों को मैं किसी दूसरे स्मारक में तब्दील करके आम जनता को समर्पित करूंगा। इसलिए आज वह बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का नाम लेकर बहुजन समाज पार्टी की नेता को खुश करने का काम कर रहे हैं। मान्यवर, दिनांक 09-02-2019 की पेपर की कटिंग मेरे पास है जो अभी परसों बीता है। उस दिन के हिदुस्तान पेपर में यह खबर छपी हुई है कि समाजवादी पार्टी की सरकार में, बहुजन समाज पार्टी के समय में स्मारक और बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का जो पार्क बना था वहां की बिजली काट दी गयी थी। वहां काम कर रहे

लोगों को वेतन नहीं दिया जा रहा था। जब 2017 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो अब वहां साफ-सफाई का काम हो रहा है और कर्मचारियों को वेतन मिल रहा है। मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि बहुजन समाज पार्टी की नेता आज कुर्सी के लिए अगर समाजवादी पार्टी से समझौता करने के लिए तैयार हैं लेकिन मैं दलित समाज का हूँ इसलिए उस पीड़ा को भी जानता हूँ कि अगर समाजवादी पार्टी ने अम्बेडकर पार्क की बत्ती को काटकर वहां साफ-सफाई कर मजदूरों को खदेड़ने का काम किया था और वह काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने पर शुरू हुआ है तो कोई भी दलित समाज का व्यक्ति बहुजन समाज पार्टी के साथ खड़ा होता दिखाई नहीं देगा। उसका सिर्फ एक ही स्थान है, वह भी भारतीय जनता पार्टी है। अधिष्ठाता महोदय, शिक्षा के क्षेत्र में जो काम हुआ है, उसमें समाजवादी पार्टी के बहुत ही वरिष्ठ सदस्य अपना वक्तव्य दे रहे थे। वह बच्चों के मोजे को कह रहे थे कि शिक्षा मंत्री पहन लें। उन्हें अक्ल नहीं है कि बच्चे के मोजे को कोई नौजवान कैसे पहन सकता है, कोई महिला कैसे पहन सकती है ? उनको उस दर्द से कोई मतलब नहीं है, उस दर्द को अगर कोई जानता है तो अनुसूचित जाति और पिछड़े समाज में पैदा हुए वह नेता, वह कार्यकर्ता और वह स्वाभिमानी व्यक्ति जानते हैं जिनके बच्चे सुबह गांव के बाहर फटे बैग और फटे कपड़ों में स्कूल जाने के लिए तैयार रहते थे और जब उनके सामने कॉन्वेंट की बसों को खड़ा देखते थे तो अपने पिता जी के आर्थिक जीवन पर वह निगाह डालते थे कि काश मेरे पिता की आर्थिक स्थिति भी आज मजबूत होती तो मैं भी उस कान्वेंट की बस में बैठकर अच्छा मोजा, अच्छा जूता, अच्छा बैग और अच्छी ड्रेस पहन कर पढ़ने जाता। उस सपने को अगर किसी ने साकार किया है तो इस प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी ने उसको अमलीजामा पहनाने का काम किया है। चाहे दलित समाज के लोग हों, चाहे पिछड़े समाज के लोग हों, चाहे सामाजिक रूप से किसी भी धर्म और मजहब के लोग आर्थिक रूप से पिछड़े हों, उनके बच्चे उस प्राथमिक विद्यालय में चमचमाती टाइल्स, कुर्सी और मेज पर बैठकर यदि आज अच्छी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार की देन है। मैं ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता हूँ। शिक्षा के क्षेत्र में, स्वास्थ्य के क्षेत्र में सड़क के क्षेत्र में, सुरक्षा के क्षेत्र में, स्वच्छता के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है। हमारे सदस्यों ने बहुत अच्छे से उस बात को बताने का काम किया है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं अपने क्षेत्र की समस्याओं को बताना चाहता हूँ क्योंकि बलरामपुर नेपाल राष्ट्र से जुड़ा क्षेत्र है और नेपाल से हो करके, जो बलरामपुर होते हुए, गोण्डा होते हुए, लखनऊ तक के लोगों का आवागमन है, बलरामपुर में रिंग रोड न होने की वजह से वहां जाम की स्थिति रहती है क्योंकि दो-दो शुगर फैक्ट्री बभनान और बी0सी0एम0 की शुगर फैक्ट्री, बलरामपुर चीनी मिल ये दोनों शहर में ही स्थापित हैं। इसलिए मैं आपसे गुजारिश करता हूँ कि बलरामपुर में एक रिंग रोड की व्यवस्था देकर के विपक्षी पार्टियों के मुंह पर पुनः काला धब्बा लगा करके विकास की उस परिकल्पना को साकार

करने का काम करें। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री कैलाश नाथ शुक्ल-

धन्यवाद, मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आज महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर हमारे भारतीय जनता पार्टी के सम्मानित सदस्य श्री सुनील शर्मा जी द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। इसके लिए आपने अवसर प्रदान किया। इसके लिए बहुत-बहुत आपके प्रति आभार। धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के समय 5 तारीख के घटना की चर्चा करना समीचीन होगा। 5 तारीख को जब महामहिम राज्यपाल महोदय इसी सदन में अपना अभिभाषण प्रस्तुत कर रहे थे। उस समय आज हमारे जो विपक्ष के सपा, बसपा और कांग्रेस के सदस्य अनुपस्थित हैं उनका जो कदाचरण हुआ। उनका जो सदन की मर्यादा को तार-तार करने का कार्य हुआ। उससे न केवल यह सदन अपितु सम्पूर्ण प्रदेश लज्जित हुआ और इतना ही नहीं मान्यवर, जिस समय सपा और बसपा के वरिष्ठ नेता मा0 रामगोविन्द चौधरी जी, लाल जी वर्मा जी और अन्य वरिष्ठ नेता सदन में उपस्थित थे उनके सामने सदन की मर्यादा को तार-तार करने का काम किया गया। मैं तो यही कहता हूँ कि यह हमारे जो विपक्ष के सम्मानित सदस्य हैं, ये जब बाहर मिलते हैं तो इनका व्यक्तिगत रूप से आचरण सम्मानित रहता है शालीनता में इनके कमी नहीं रहती है लेकिन जब सदन में आते हैं तो ये अपने आचरण के उल्टे आचरण करते हैं। मैं कहूँगा कि सदन में धृतराष्ट्र की भूमिका का निर्वहन करते हैं। जहां तक राज्यपाल के अभिभाषण का प्रश्न है। हमारी जो सरकार है जैसा कि हमारे पूर्व के सदस्यों ने बताया कि सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।। इस सूत्र वाक्य को साकार करने के लिए हमारे प्रदेश और केन्द्र सरकार की सरकारें कृत-संकल्प हैं।

महोदय, सामान्यता आम आदमी की जरूरत रोटी, कपड़ा और मकान होता है। जन-सामान्य की जो मूलभूत आवश्कता होती है उस दृष्टि से आज हमारे प्रदेश में गांव के 80 प्रतिशत लोगों को पात्र गृहस्थी योजना के अन्तर्गत 2 रुपये किलो गेहूँ, 3 रुपये किलो चावल उपलब्ध करा करके यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है और इसमें सफल भी हमारी सरकार है कि कोई भी व्यक्ति अन्न के अभाव में भूखों नहीं मरने पायेगा। जहां तक मकान का प्रश्न है। यह हमारे लिए ऐतिहासिक बात है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत न केवल पात्र लाभार्थियों को आज पूरे प्रदेश में बेहतर आवास उपलब्ध कराया जा रहा है अपितु जो 2011 की सूची में वंचित रह गये थे, उनके लिए पिछले 6 महीने से एक अभियान चला करके और सबको आवास देने का कार्यक्रम किया गया है। लम्बी सूची पूरे प्रदेश में तैयार की गयी है, जिनको आगामी योजना में लाभ दिया जायेगा। मान्यवर, आयुष्यमान भारत एक ऐसी योजना है, जिसके कारण अब प्रदेश का कोई भी व्यक्ति दवा के आभाव में मरने नहीं पायेगा। यह बहुत बड़ी ऐतिहासिक बात है कि 5 लाख का बीमा प्रदेश के हर व्यक्ति को मिलने

जा रहा है। पिछली सरकारों ने जहां सड़कों के विकास में कोई रुचि नहीं दिखायी, कोई दिलचस्पी नहीं दिखायी। सारी सड़कें पिछले 10 सालों में गड्ढा युक्त हो गयी थी वहीं आज हम आभार व्यक्त करना चाहेंगे, अपने प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी का, हम आभार व्यक्त करना चाहेंगे, माननीय उप मुख्य मंत्री जी का, जिनके प्रयासों से हमारी सिंगिल लेन की सड़कों को डबल लेन कराया जा रहा है, जो डबल लेन की थीं उनको फोर लेन कराया जा रहा है और जो फोर लेन की सड़कें थीं वह सिक्स लेन कराई जा रही हैं। जहां तक मान्यवर, विद्युतीकरण का प्रश्न है। पहले हम सारे लोग एक-एक बल्व के लिये, एक-एक खम्भे के लिए तरस गये थे, आज ऐसा कोई गांव नहीं बचा है और कोई ऐसा घर नहीं बचा है जहां बिजली के तार और खम्भे न पहुंचे हों और जब हम लोग गांव के क्षेत्र में जाते हैं तो एल0 ई0 डी0 के प्रकाश में ऐसा लगता है कि जैसे चारों ओर शहर ही आबाद हो चुका है।

मान्यवर, जहां तक चिकित्सा की बात है आज मेडिकल कालेज और एस0जी0पी0जी0आई0 इन सबके विकास के क्रम में हमारा सीना तब गर्व से चौड़ा हो गया जब राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में सदन में यह घोषित किया कि बलरामपुर के लिए भी, जो श्रद्धेय अटल जी की राजनैतिक जन्मस्थली थी, वहां के लिये भी, उन्होंने एस0जी0 पी0जी0आई0 के सैटेलाइट कैम्पस के स्थापना की घोषणा की। मान्यवर, निश्चित रूप से यह हमारे यशस्वी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मान्यवर, एक बहुत बड़ी ऐतिहासिक बात की तरफ मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि हमारी केन्द्र सरकार ने डी0बी0टी0 (डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर) योजना के अन्तर्गत गांव के व्यक्ति को, जो दो हेक्टेयर तक के काश्तकार हैं, उनको 6 हजार रुपया वार्षिक देने का निर्णय लिया है, यह अपने आप में बहुत ऐतिहासिक बात है। इससे गांव का 85 प्रतिशत किसान लाभान्वित होने जा रहा है और जिससे किसान को समय पर खाद, बीज और उर्वरक मिलेगा जिससे मान्यवर, किसान की आमदनी को दोगुना करने में सुविधा रहेगी।

मान्यवर, प्रदेश के विकास के बारे में बहुत सारी योजनायें हैं जिनके बारे में चर्चा करना मैं समझता हूँ कि सदन के साथ अन्याय करना होगा क्योंकि अभी बहुत सारे सदस्य बोलने वाले हैं। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं दो मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगा। मान्यवर, पिछले दिनों जब चर्चा हो रही थी तो हमारे विपक्ष के एक सदस्य ने कितने हास्यास्पद तरीके से कहा था कि आज थानों में दरोगा की पोस्टिंग जाति देख कर की जाती है। अरे इससे बड़ी बेशर्मी की बात कोई और हो नहीं सकती। सपा का मैंने शासनकाल देखा है मेरे बलरामपुर जिले में 13 थाने हुआ करते थे, जिसमें आठ थाने एक जाति विशेष को दिये गये थे और एक थाना एक सम्प्रदाय विशेष को दिया गया था और अनुसूचित और सवर्ण के नाम पर केवल एक-एक थाने बांटे जाते थे, यह हमारे बलरामपुर के सपा शासनकाल का रिकार्ड आप देख सकते हैं। आज भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में कोई ऐसा जिला नहीं होगा, जहां सबके साथ पोस्टिंग में न्याय न किया जा रहा हो। मान्यवर, अपने यशस्वी उप मुख्य मंत्री जी

यहाँ बैठे हुये हैं, मैं उनका ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा कि मैं वकील वर्ग से आता हूँ और यहाँ बहुत सारे सदस्य अधिवक्ता वर्ग से होंगे। हम जिला स्तर की कचेहरी में वकालत करते थे। वकीलों की स्थिति पूरे प्रदेश में ऐसी है कि 40 प्रतिशत वकील ऐसे हैं जो मनरेगा के मजदूर के बराबर भी आमदनी नहीं कर पाते हैं। नाम बड़े दर्शन थोड़े जैसा भाव उनके साथ रहता है।

माननीय उप मुख्य मंत्री जी जब हमारे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे, तो अपने संकल्प पत्र में आपने घोषणा की थी जब हमारी सरकार आयेगी तो अधिवक्ता कल्याण निधि की राशि को बढ़ाकर 05 लाख किया जायेगा। मैं आपसे निवेदन करना चाहूँगा कि हमारे प्रदेश का अधिवक्ता आशा भरी निगाह से अपनी लोकप्रिय सरकार की ओर देख रहा है कि अपने संकल्प पत्र को साकार करते हुये आपकी बड़ी कृपा होगी कि यदि आप इस राशि को 05 लाख रुपये करेंगे। क्योंकि जब हम क्षेत्र में जाते हैं तो हमारे अधिवक्ता मुझसे कहते है कि भईया कैलाश जी आपने अधिवक्ताओं का विषय वहां रखा कि नहीं और उप मुख्य मंत्री जी से आपने निवेदन किया तो मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि यह विषय अत्यन्त महत्वपूर्ण है, इस पर आपकी कृपा दृष्टि जरूर जानी चाहिये। दूसरी बात मैं कहना चाहता हूँ कि प्रदेश का शिक्षा मित्र, जिसकी योजना हमारे यशस्वी पूर्व मुख्य मंत्री माननीय कल्याण सिंह जी ने शुरू की थी, उसी क्रम को आगे बढ़ाने का काम और उनका वेतन 10 हजार करने का काम हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने किया है, मैं कहना चाहता हूँ कि उतना वेतन पर्याप्त नहीं है। इसलिए मैं आपसे निवेदन करूंगा कि उनकी भी चिंता सरकार करे। मैं अपने क्षेत्र के बारे में दो बातें कहकर अपनी बात समाप्त करूंगा। माननीय अधिष्ठाता महोदय, हमारे वहां हरिहरगंज बंकटवा सम्पर्क मार्ग जो जिला मुख्यालय से ब्लाक मुख्यालय को जोड़ने वाली सड़क है, उस पर एक झिन्ने नाला है, जिस पर पुल की आवश्यकता है, उसके अभाव में वह मार्ग बन्द हो जाता। इसी प्रकार से पूर्वीपुरवा स्थित नाले पर पुल निर्माण के लिए निवेदन करना चाहता हूँ साथ ही जोग मार्ग जो तुलसीपुर तहसील में है, कुड़िया नाले पर लघु सेतु के निर्माण के लिए निवेदन करते हुए महोदय मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ। आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने के लिए अवसर दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय, सी0पी0 शुक्ला जी, मेरा फिर अनुरोध है कि सिर्फ पांच-पांच मिनट में आप लोग समाप्त करें।

श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल-

मान्यवर, मैंने तो अभी शुरू किया है। (हंसी)

श्री अधिष्ठाता-

हम शुरू से पांच मिनट की बात कर रहे हैं। (हंसी)

श्री चन्द्र पकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल-

मान्यवर, मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने इस आदरणीय सदन में हमको बोलने का मौका दिया। माननीय अधिष्ठाता महोदय, महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर, जो धन्यवाद प्रस्ताव आदरणीय सुनील शर्मा जी ने प्रस्तुत किया है, मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। मैं भी पूर्व के अपने वक्ताओं की तरह, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्ष द्वारा जिस प्रकार से अनैतिक आचरण का प्रदर्शन किया गया, जिस प्रकार महामहिम राज्यपाल के ऊपर कागज के गोले फेंके गये, हल्ला-गुल्ला किया गया, शोरगुल किया गया। मैं विपक्ष के इस अशोभनीय, असत्य, अनैतिक, अशिष्ट और क्रूर आचरण की घोर निन्दा करता हूँ, भर्त्सना करता हूँ। यह इनकी हताशा और निराशा का द्योतक है। महोदय, जब विपक्ष के लोग महामहिम राज्यपाल के ऊपर कागज के गोले फेंक रहे थे तो कदाचित ऐसा लग रहा था कि वह महामहिम राज्यपाल के ऊपर गोले फेंक रहे हैं। लेकिन मुझे तो ऐसा विश्वास हो रहा था, ऐसा लग रहा था, कि वह कागज के गोले महामहिम राज्यपाल के ऊपर न फेंक करके जो ऊपर महात्मा गांधी की फोटो लगी हुई है, तिरंगा लगा हुआ है, यह उस पर, उस गोले को फेंकने का काम कर रहे थे और निश्चित रूप से यह चिल्ला-चिल्ला कर यह संदेश देने का काम कर रहे थे कि महात्मा जी, आपने हिन्दुस्तान में लोकतंत्र की स्थापना क्यों की ? इस लोकतंत्र में मेरी कोई आस्था.....

(इसी मध्य अपराह्न 03 बजकर 04 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए।) नहीं है, मेरा कोई विश्वास नहीं है, हम अलोकतांत्रिक लोग हैं। अधिष्ठाता महोदय, मैं आपसे निवेदन करूंगा कि ऐसी परम्परा खत्म होनी चाहिए। यह अत्यन्त अशोभनीय है, यह आचरण ठीक नहीं है। महोदय, यह सपा, बसपा के लोग आज योगी जी और मोदी जी की बढ़ती हुई लोकप्रियता को देख करके घबरा गये हैं। आज स्थिति यह हो गई है कि कट्टर राजनीतिक विचारधारा के होने के बावजूद आज जैसे सांप और नेवले की तरह एक डाल पर बैठने के लिए मजबूर हो गये हैं। महोदय, यही आदरणीय सदन है, 28 मई, 2012 को इसी आदरणीय सदन में उस समय समाजवादी पार्टी की सरकार बनी थी और इसी आदरणीय सदन में महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण हुआ था और समाजवादी पार्टी की सरकार बनी थी और अभिभाषण में महामहिम राज्यपाल ने इस बात को अपने अभिभाषण में बसपा के शासन के बारे में कहा कि यह पिछले पांच वर्षों से देश के इतिहास के सबसे बड़े भ्रष्टाचार, निर्दोष लोगों के उत्पीड़न और जंगलराज का गवाह बना है, यह अभिभाषण का पैरा है जो 28 मई, 2012 को तत्कालीन राज्यपाल महोदय ने बसपा सरकार के बारे में कहा था और यह भी कहा था कि जो पत्थर की मूर्तियों और जंगलराज का गवाह बना है। राजनीतिक अधोपतन के चलते पूरे प्रदेश को शर्मशार करने वाली अनेक घटनायें घटीं, विगत पांच वर्षों में लूट-खसोट के एजेंडे के अनुसार काम किया गया है, यह समाजवादी पार्टी की जब सरकार बनी थी तो इसी आदरणीय सदन में तत्कालीन राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में बहुजन समाज पार्टी के लिए कहा था। आज

क्या मजबूरी है कि समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी एक साथ आकर खड़े हो गये, निश्चित रूप से यह डरे है, उनको मालूम है कि आने वाले समय में जैसे- ''मिले सुर मेरा तुम्हारा'', इस तर्ज पर दोनों लोग अपना बेसुरा सुर मिला करके उत्तर प्रदेश की जनता को अपना बेसुरा संगीत सुनाने का काम कर रहे हैं। लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि उत्तर प्रदेश की जनता भी इनका हार्मोनियम-तबला तोड़ने के लिए बैठी हुई है। महोदय, आज विपक्ष के लोग यहाँ पर नहीं है और मैं आदरणीय नेता विरोधी दल श्री राम गोविन्द चौधरी जी का भाषण सुन रहा था और उन्होंने महामहिम राज्यपाल के इस अभिभाषण को उन्होंने झूठ का पुलिंदा करार दिया है। महोदय, मैं तो वित्त का विद्यार्थी हूँ और मेरी राजनीति की समझ सीमित है। वह बहुत वरिष्ठ लोग हैं, लेकिन मैं उनसे सिर्फ इतना ही कहूँगा, वह झूठ का पुलिंदा इसको कहते हैं, मैं इतना ही कहूँगा कि ''मैं सच बोलूंगा, फिर भी हार जाऊंगा और वह झूठ बोलेंगे और लाजवाब कह देंगे''। आज वही स्थिति इन्होंने किया है। महोदय, महामहिम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण में सबसे पहले महाकुम्भ की चर्चा हुई और निश्चित रूप से यह कुम्भ हमें गौरवान्वित करने वाला कुम्भ है। हमारे पूज्य मुख्य मंत्री जी ने इलाहाबाद का नाम बदल करके उसका सांस्कृतिक नाम प्रयागराज किया है। यही नहीं इस अध्यात्मिक और अलौकिक कुम्भ को यूनेस्को में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दिलाने का काम किया है और कुम्भ को विश्व पटल पर गौरवान्वित करने का भी काम किया है। महोदय, वर्ष 2013 में महाकुम्भ था इस कुम्भ को अर्द्धकुम्भ कहा जाता है और वर्ष 2013 में जब महाकुम्भ था तो आपको याद होगा।

श्री अध्यक्ष-

मा0 शुक्ला जी, कृपया संक्षेप करें।

श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र पकाश शुक्ल-

मा0 अध्यक्ष जी, केवल पांच मिनट का समय लूंगा। महोदय, फरवरी में महाकुम्भ था और 10 फरवरी 2013 को मौनी अमावस्या थी और इसी आदरणीय सदन में महाकुम्भ पर तबके तत्कालीन राज्यपाल महोदय ने यह कमेंट किया था, 10 फरवरी, 2013 को मौनी अमावस्या के पर्व पर श्रद्धालुओं के साथ जो घटना घटी, आप लोगों को याद होगा कि मौनी अमावस्या के दिन बहुत सारे लोग हताहत हो गये थे, कई लोग मारे गये थे और कई लोग घायल हो गये थे तो महामहिम राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में इस बात की चर्चा की थी कि श्रद्धालुओं के साथ जो घटना घटी, वह अत्यन्त दुखदायी है, मेरी पीड़ित परिवार के साथ पूरी सहानुभूति व संवेदना है। मृतको के आश्रितों को सात-सात लाख रुपये और घायलों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाय । महोदय, इसे पढ़ करके निश्चित रूप से श्री राज्यपाल दुखी हुए होंगे। मान्यवर, यह फर्क है इनके समय के महाकुम्भ का और इस बार के कुम्भ का। हमारे वरिष्ठ आदरणीय सदस्य श्री लाल जी वर्मा जी ने कुम्भ के राजनीतिकरण की बात कही है कि कुम्भ का राजनीतिकरण हो रहा है। हमारे विपक्ष के वरिष्ठ नेता कहते हैं

कि कुम्भ का राजनीतिकरण हो रहा है। अगर इनके कार्यकाल में महाकुम्भ के अवसर पर सैंकड़ों लोग हताहत हों और योगी सरकार के समय साढ़े सोलह करोड़ लोग अब तक कुम्भ का पवित्र स्नान कर चुके हों और सकुशल अपने घर लौट चुके हों तो यह राजनीति अच्छी है। अगर 2013 में महाकुम्भ के मौनी अमावस्या पर 3 करोड़ लोग स्नान करते हैं और इस कुम्भ के मौनी अमावस्या के अवसर पर 5 करोड़ लोग स्नान करते हैं तो निश्चित रूप से यह राजनीति अच्छी है। अगर महाकुम्भ में लोग अक्षयवट और सरस्वती कूप के बारे में जान न पायें और इस अर्द्धकुम्भ में साढ़े चार सौ वर्षों के बाद श्रद्धालु अक्षयवट और सरस्वती कूप का दर्शन कर पायें तो निश्चित रूप से यह राजनीति अच्छी है। महोदय, अगर कुम्भ क्षेत्र में ढाई सौ किलोमीटर की सड़क बनाना, 22 पैन्टून पुल बनाना, 1 लाख 22 हजार शौचालय बनाना अगर राजनीति है तो मैं समझता हूँ कि यह राजनीति अच्छी है। महोदय, सूरदास जी ने लिखा है ''हमारे हरि हारिल की लकड़ी'' एक हारिल पक्षी है जो अपने एक पैर में हमेसा छोटी सी लकड़ी पकड़ कर रखती है और बाकी अपना सारा काम करती है उनका कहना है कि इसी प्रकार से मनुष्य को भी अपने सारे काम करते हुए दूसरे हाथ से अपनी संस्कृति और सभ्यता को पकड़ कर रखना चाहिए। मैं उत्तर प्रदेश की योगी जी की सरकार का अभिवादन करूंगा, इसलिए अभिवादन करूंगा कि आज पूज्य महराज जी की सरकार एक हाथ से उत्तर प्रदेश की 30 करोड़ जनता के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा व रोजगार के लिए काम कर रही है, 20 लाख गरीब लोगों को आवास देने का काम कर रहीं हैं, 1 करोड़ 71 लाख इज्जतघर बना करके दे रही है, एक जनपद एक उत्पाद के माध्यम से 20 लाख लोगों को रोजगार सृजित करके दे रही है, बढ़ई, दर्जी, बुनकर, सोनार, लोहार, को विश्वकर्मा श्रम सम्मान के माध्यम से टूलकिट प्रदान करने का काम कर रही है।

श्री अध्यक्ष-

कृपया समाप्त करें।

श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल-

मान्यवर, केवल दो मिनट दे दीजिए। इसी तरह से सौभाग्य योजना के माध्यम से घर-घर बिजली देने का काम कर रही है। महोदय, अगर एक तरफ 30 करोड़ जनता के लिए सरकार ये काम कर रही है तो दूसरी तरफ निश्चित रूप से जो हमारी भारतीय संस्कृति, सभ्यता और आस्था है उसको भी गौरवान्वित करने का काम कर रही है। चाहे कुम्भ को विश्व पटल पर स्थापित करने का हो, चाहे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की अयोध्या में 3 करोड़ 31 लाख दीपक जला करके गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम देने का हो, चाहे प्रयागराज को सांस्कृतिक नाम देने का हो, चाहे काशी, वृन्दावन, मथुरा, चित्रकूट, गोरखपुर के आध्यात्मिक और पौराणिक महत्व को बढ़ाने का काम हो हमारी योगी सरकार ने दूसरे हाथ से हमारी सांस्कृतिक सभ्यता को भी आगे बढ़ाने का काम किया है। महोदय, चूंकि समय कम है, पिछली बार जब मुझे बोलने का मौका मिला था उस समय मैंने स्वच्छता पर कहा था, हमारे उत्तर प्रदेश में गोंडा उस समय सबसे गन्दे शहर के रूप में हुआ था मा0 अध्यक्ष जी, मैं

माननीय नगर विकास मंत्री जी का धन्यवाद/आभार व्यक्त करूंगा कि आज स्वच्छता के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के ज्यादातर गांव/शहर अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। चाहे गोमती नदी हो या अन्य नदियां हों, निश्चित रूप से विभिन्न माध्यमों से, एस0टी0पी0 के माध्यम से साफ हो रही हैं। मैं मा0 केशव प्रसाद मौर्य जी को धन्यवाद व्यक्त करूंगा, जिन्होंने सड़कों का जाल बिछाया है। मेरी विधान सभा में एक बहुत बड़ी सड़क बहुत दिनों से प्रतीक्षित थी, उस सड़क को बनाने का काम किया है। उस सड़क के बनने से वहां की जनता काफी लाभान्वित है।

श्री अध्यक्ष-

अब अपनी बात समाप्त करिये।

श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल-

मैं मा0 मुख्य मंत्री और मा0 ऊर्जा मंत्री जी का धन्यवाद व्यक्त करना चाहूँगा कि उन्होंने मेरी विधान सभा क्षेत्र में धनराशि रु0 930 करोड़ का विद्युत केन्द्र स्थापित करने का काम किया है। मान्यवर, मैं अपने क्षेत्र की दो बात व्यक्त करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

आपको 5 मिनट का समय दिया गया था, आप उससे ज्यादा बोल गये है। अब आप अपनी बात समाप्त करिये।

श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल-

मा0 अध्यक्ष जी, मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक स्पोर्ट्स कालेज की मांग है, ऐसे कुछ पुल के प्रस्ताव भी हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप मा0 मंत्री जी से मिलकर अपना प्रस्ताव दे दीजियेगा।

श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं एक बार पुनः आपका आभार व्यक्त करते हुए महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर जो प्रस्ताव श्री सुनील कुमार शर्मा जी ने प्रस्तुत किया है, उसका समर्थन करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द जय भारत। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह जी। आप कम से कम समय में अपनी बात रखें।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका अभिवादन करता हूँ कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। मैं मा0 सुनील कुमार शर्मा जी द्वारा प्रस्तुत मा0 महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण का प्रबल समर्थन करता हूँ। मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण में पहला प्रस्तुतीकरण प्रयागराज का है। वास्तव में यदि चिंतन किया जाए, वे लोग चले गये, लेकिन वे लोग चिंतन करने लायक हैं भी नहीं। दो संस्कृतियां इस समय उत्तर प्रदेश की धरती पर राजनीति करने के लिए खड़ी

हुई हैं। एक संस्कृति ऐसी है जो परिवार को ही संसार मानकर राजनीति कर रही है। आप कांग्रेस पार्टी से शुरू करते हुए गिनती कर लीजिए। श्री अजय कुमार 'लल्लू' जी चले गये, समझ में नहीं आता है कि यदि कांग्रेस की यात्रा प्रारम्भ की जाये, तो स्वतंत्रता आन्दोलन के पहले की यात्रा नहीं है। यह कांग्रेस नेहरू परिवार की है जो आज श्री राहुल गांधी जी पर आकर सिमट गयी थी, लेकिन श्री राहुल जी अपने को बेसहारा समझकर, सतयुग में बहनें, भाई से वचन मांगती थीं कि आप हमारी रक्षा करोगे, लेकिन अब भाई, बहन से रक्षा करने के लिए वचन मांग रहा है।

श्री अध्यक्ष-

आप कलयुग की बात करिये।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, दो संस्कृति हैं। एक तरफ ऐसी संस्कृति है जो परिवार को ही संसार मान लिया, दूसरी तरफ ऐसी संस्कृति है मेरे भाइयों। हमारा सौभाग्य है कि हम लोग ऐसे समय में विधायक बने हैं, परमात्मा करे कि ऐसा स्वर्णिम समय जीवन में मिलता रहे, जहां कुछ भी न चाहने वाला व्यक्ति अपना जीवन और जवानी भारत की गरिमा को बढ़ाने वाला व्यक्ति प्रधानमंत्री और मुख्य मंत्री बना है। ऐसा समय जीवन में कभी मिलने वाला नहीं है। विपक्ष में बैठने वाले लोगों, यदि आप दीवाल के भीतर बैठकर मेरी बात सुन रहे हो, तो ध्यान दो, अपने दल के एक भी व्यक्ति का नाम बता दो, जो संसार और इस जमाने को परमात्मा मानकर सेवा करने का संकल्प लेकर राजनीति में आया हो। सैफई में नर्तकी के ठुमके पर फूल वर्षा करने वाले लोग अपनी जयकार कर सकते हो, प्रयागराज की धरती पर हेलीकॉप्टर से फूल वर्षा होते देखकर तुमको घृणा लगता है। धन्य हो आप लोग कि नर्तकी के ठुमके पर फूल बरसाते हो और भारत सहित विश्व से आये हुए अतिथियों के ऊपर फूल वर्षा होती है तो तुम्हें बुरा लगता है। तुम्हारा चश्मा गन्दा है, इसलिए तुमको अच्छा भी बुरा दिखेगा, इसमें दो राय नहीं है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं तो कहता हूँ कि कांग्रेस की रचना देखिये, राहुल फैक्टर से प्रियंका जी पर आ गयी।

श्री अध्यक्ष-

इनके बारे में मत बोलिये। मा0 राज्यपाल के अभिभाषण पर अपनी बात रखिये।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

इट मे पॉसिबिल दैट इन फ्यूचर द प्रेसीडेंट आफ कांग्रेस कमेटी प्रोजेक्ट हर। माननीय अध्यक्ष जी, पहला ऐसा अवसर है जब नियति की पवित्रता ने, प्रकृति ने भी प्रमाणित कर दिया। हमारे सिंचाई मंत्री जिनका नाम ही आदरणीय धर्मपाल सिंह है, धर्म ने प्रमाणित कर दिया। ऐसी सुन्दर व्यवस्था देख करके, साधक की नियत को देख करके पूरे देश में इतनी बढ़िया वर्षा हुई है कि जितना कुम्भ में खर्चा नहीं हुआ, उससे अधिक तो सिंचाई में बच गया। यह भगवान की कृपा है। मेरे भाइयों, विश्वास करना यज्ञ संस्कृति ऐसे बेकार नहीं थी, यज्ञ

संस्कृति अपने ईश्वर को खुश करने की परम्परा थी और हमारे पूज्य योगी जी महाराज ने यह प्रमाणित कर दिया है कि दुनियावालों जहां विज्ञान की सीमायें समाप्त हो जाती है वहां भारत के अध्यात्म की सीमा ऊपर जाती है। अब एक महीना तक किसी तरह के सिंचाई की आवश्यकता ही नहीं है। सब किसान खुश हैं, सीना फुलाये हुये हैं कि पैसा बच गया। चाहे हमारे आदरणीय गन्ना मंत्री जी, हमारे सिंचाई मंत्री जी या कृषि मंत्री जी हों, हम तो भगवान से प्रार्थना करते है कि हे परमात्मा यदि राजनीति में फिर कभी विधायक बनाना तो ऐसे ही किसी साधक व्यक्ति को डोर देना जिससे हम लोग अपना सीना ऊंचा करके अपना विधायकी का जीवन बितायेंगे। क्या इतना सुन्दर अवसर मिलने वाला है ? इन लोगों को अच्छा कहां से लगेगा, इन लोगों को अच्छा नहीं लग सकता। मेरे भाइयों, प्रयागराज के बाद भी आप आ जाइये कौन सा ऐसा क्षेत्र है, आज देखिये कि वही प्रदेश था कि रंगदारी मांगने वाले फोन पर रंगदारी मांगते थे और व्यापारी अपने घर में सिमट जाता था। अध्यक्ष जी, यह पहला अवसर है, स0पा0 और ब0स0पा0 के लोगों, कान खोल कर सुन लो, आज पहला अवसर है योगी जी के शासन में कि जहां सदाचारी और व्यापारी सीना खोल करके चलते हैं और अत्याचारी तथा भ्रष्टाचारी जेल के भीतर हैं। सदाचारी और व्यापारी सीना खोल करके व्यापार कर रहे हैं। इतना सुन्दर व बढ़िया अवसर कभी मिलने वाला नहीं है ? मानवता की हत्या करने वाला मुख्तार अंसारी हो चाहे अतीक अहमद हो आज उसकी हिम्मत थर्रा चुकी है। आज एक सामान्य आदमी भी हौंसले के साथ कहता है कि तुम्हारे जैसे लोगों को सड़क पर उतर करके जवाब दे देंगे, इससे बढ़िया किसी राजा का शासन नहीं हो सकता। किसी भी राजा का सबसे श्रेष्ठ शासन होता है, शिक्षा, चिकित्सा, सुरक्षा इससे बढ़िया शासन कोई भी नहीं दे सकता है। अब मैं दूसरा क्षेत्र पकड़ूं, कोई भी क्षेत्र ले लीजिए जिसमें जवाब देने लायक कोई भी नहीं है, विपक्ष में बैठा व्यक्ति जवाब देने की परिस्थिति में नहीं है, कभी-कभी महीने में 31 तारीख होती है तो हमारे सामने बैठने वाले लोग 31 जॉकिट और 31 कुर्ता बदलते हैं और बच्चों को ड्रेस देते हैं कैसा ? जैसे दरबान बना दिया हो ? (हंसी) लेकिन हमारे पूज्य योगी जी का चिंतन था, हमारे मंत्रि-मण्डल के सभी सहयोगियों का चिंतन था, कि सुन्दर ड्रेस, जैसे बाल-शोभा होता है सहबाला बना दिया हो। अब सुन्दर ड्रेस में बच्चे स्कूल जाते हैं। अब एक गरीब का बालक भी सोचता है कि कितना बढ़िया ड्रेस हमको मिला है। अध्यक्ष जी, इससे सुन्दर चिन्तन किसी भी राजनीति करने वाले नेता का, किसी भी दल का हो ही नहीं सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में ड्रेस का ले लीजिए, आप अन्य क्षेत्रों में ले लीजिए। सबसे बड़ी योजना शौचालय वाली है जो हमारे पूज्य योगी जी ने लागू करके दिया है। किसी जमाने में केवल हवेली में बैठने वाले लोग अपने को मानते थे कि मैं बड़ा आदमी हूँ। लेकिन धन्य है पूज्य मुख्य मंत्री जी, धन्य है हमारे महान नेता आदरणीय मोदी जी कि गरीब की बेटी भी प्रतिष्ठा और एक धनवान की बेटी की प्रतिष्ठा को एक करके प्रमाणित कर दिया कि प्रजातंत्र का श्रृंगार कोई कर सकता है तो मोदी और योगी कर सकता है और दूसरा कोई करने वाला नहीं है। आज खुरपी चलाने वाली बहन-बेटी भी आज शौचालय में बैठती हैं। इन सबों के जमाने में क्या था ? 3500 रुपया था। बताईये अध्यक्ष जी, 3500 रुपये

में टॉट का बोरा भी ढकने के लिए भी नहीं मिलता है। लेकिन हमारे नेता ने 12000 रुपया प्रति शौचालय दे करके यह प्रमाणित किया है कि मैं वास्तव में गरीबों का हितैषी हूँ और गरीबों की प्रतिष्ठा को धनवानों की प्रतिष्ठा से कम मानने वाला नहीं हूँ। आदरणीय अध्यक्ष जी, अभी आप देखें होंगें, मैं तो अभी एक हजार गैस सिलेण्डर 'उज्ज्वला योजना' के अन्तर्गत बांट चुका हूँ।

श्री अध्यक्ष-

अब आप संक्षेप करिये।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

अध्यक्ष जी, पहली बार ऐसा है कि गरीब मातायें दिन भर खेत में खुरपी चला करके आती थीं और गाय के गोबर से अपना खाना बनाती थीं लेकिन हमारे पूज्य योगी जी और महान नेता मोदी जी ने चिन्तन किया कि नहीं, दिन भर खुरपी चलाने वाली हमारी बहन- बेटी अब घर में जायेंगी, स्विच-आन करेंगी और 20 मिनट के अन्दर भोजन बना करके अपने बेटा और पति को खिलायेंगी और कह देंगी मोदी जिन्दाबाद, योगी जिन्दाबाद बोलो और सबका इस धरती पर राजनीति का सफाया हो जाय।

श्री अध्यक्ष-

श्री सुरेन्द्र जी धन्यवाद।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

अध्यक्ष जी, सबसे बड़ा एक और चिन्तन 70 वर्षों में किसी भी दल के राजनेता ने इन्क्लूडिंग बी0जे0पी0 मैं कह सकता हूँ किसी नेता ने जो चिन्तन नहीं किया वह हमारे महान नेता मोदी जी ने चिन्तन किया। मेरे भाइयों 10 हजार की दवा के लिए कोई सगा भाई भी आज-कल के जमाने में अपने भाई को दवा के नाम पर 10 हजार रुपये नहीं देता है। 10 हजार रुपये कोई सामन्त देता भी था तो उस पर कितना पैसा लेता था ।

श्री अध्यक्ष-

सुरेन्द्र जी अब आप समाप्त करें। हमारे पास लिस्ट बहुत बड़ी है बोलने वाले माननीय सदस्यों की।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

अध्यक्ष जी, यह मोदी जी ने व्यवस्था की है 5 लाख रुपये की व्यवस्था प्रत्येक गरीब परिवार के लिए करके मोदी जी ने प्रमाणित कर दिया है कि भारत की धरती पर पैसे के लिए चाहे वह गरीब हो चाहे वह अमीर हो भारत की धरती पर वह रोग से परेशान होने वाला नहीं है। यह चिन्तन राजा का होता है। अध्यक्ष जी, एक बात कहना चाहता हूँ वह लोग चले गये। सपाई और बसपाई लोग दोनों मिले हुए हैं। यह लोग अल्पसंख्यक की बात करते हैं। हम तो

हतप्रभ हो जाते हैं। अल्पसंख्यक की बात देखिये हमारे मोदी जी ने अभी लाया है। वोट के लिये देखिये यह लोग मुस्लिम बहनों को बहिन मानने के लिए तैयार नहीं हैं। धन्य हो तुम्हारा चिन्तन। हमारे मोदी जी का चिन्तन देखिये अभी जब तीन तलाक वाला बिल प्रस्तुत हुआ। कांग्रेस से लेकर सबने यह प्रमाणित कर दिया है कि मैं मुस्लिम बहनों की चिन्ता करने वाला नहीं हूँ। इसका जवाब 2019 के चुनाव में तुमको जरूर मिलेगा। अन्त में अध्यक्ष जी मैं चूंकि हमारे प्रदेश के मुखिया और सभी लोग यहाँ मौजूद हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप शर्मा जी के प्रस्ताव का समर्थन कर दीजिये बस।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

चूंकि मैं अपने क्षेत्र का सेवक भी हूँ इसलिए अपने क्षेत्र के बारे में अपील करूंगा। अध्यक्ष जी, हमारे विधान सभा क्षेत्र बैरिया में एक ऐसा बड़ा गांव है जो गंगा पार पड़ता है। जहां की आबादी लगभग 50 हजार है। मैं लोक निर्माण मंत्री जी से और आदरणीय सुरेश कुमार खन्ना जी से प्रार्थना करता हूँ कि ऐसे दूर के गांव को जोड़ने के लिए आपसे प्रार्थना है कि एक पुल जो सपा के राज्य में मुख्य मंत्री जी ने ले जाकर बिहार की सीमा से सटा दिया है तो उस पुल का स्थान परिवर्तित करके नालंदा और गया-छपरा के बीच में करा देते आप लोग तो मेरा भी राजनीतिक जीवन धन्य हो जाता और जो 50 हजार की आबादी गंगा पार है वह मुख्य धारा से जुड़ जाती। अन्त में बन्धु मैं यही कहूँगा मेरा अन्तिम लाइन होगा कि-

कांग्रेस देखा, सपा देखा, बसपा का चाल अनोखा है,

भाजपा ही जन-जन की पार्टी बाकी सब धोखा है।

अध्यक्ष जी, इन्हीं शब्दों के साथ मैं कहता हूँ कि अपने संवेदनशील प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के प्रति और साधक के रूप में सेवक बन के आये अपने मुख्य मंत्री योगी जी के प्रति अभिवादन प्रस्तुत करते हुए महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का पुरजोर समर्थन करता हूँ। भारत माता की जय।

(सदस्य श्री योगेन्द्र उपाध्याय जी का नाम पुकारे जाने पर सदस्य उपस्थित नहीं थे।)

श्रीमती सुचिस्मिता मौर्या-

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपने महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। महोदय, राज्यपाल जी का पूरा अभिभाषण सरकार की कथनी और करनी को आइने की तरह स्पष्ट रूप से दिखाने का कार्य कर रही है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार सदैव से ही **सबका साथ, सबका विकास** के विचारों से अभिसिंचित पार्टी है। जिसे पूर्व में पंडित दीन दयाल

उपाध्याय जी, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी एवं श्रद्धेय अटल जी के नेतृत्य में फलने-फूलने का मौका मिला और आज आदरणीय मोदी जी एवं योगी जी के नेतृत्व में अक्षयवट के समान एक वृहद् रूप में समाज एवं राष्ट्र के विकास में कार्य कर रही है। हमारी सरकार बिना जाति-पाँति एवं बिना धर्म के भेदभाव के सभी वर्गों की उन्नति और उनके सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है। सभी वर्गों का उत्थान हमारी सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सरकार ने जनहित की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से चाहे वह पारम्परिक कारीगरी हो या मिट्टी को मूर्तरूप देने वाले कुम्हार हों। सबके व्यवसाय में वृद्धि हो, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो, सबका जीवन स्तर ऊपर उठ सके इसके लिए विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना तथा माटी कला बोर्ड जैसी संस्थाओं के गठन का कार्य हमारी सरकार कर रही है जो अत्यन्त की सराहनीय है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रदेश कृषि आधारित प्रदेश है, इसलिए किसानों की आय दुगुनी करने की दिशा में हमारी सरकार ने बहुत प्रभावी कदम उठाये हैं। जिसमें किसानों को उनकी उपज का डेढ़ गुना समर्थन मूल्य दिया जा रहा है। खेतों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए साँयल हेल्थ कार्ड बनाकर आवश्यक सुधार किये जा रहे हैं। सब्सिडी पर कृषि यंत्र, बीज, खाद आदि भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं। यह पहली बार है कि गेहूँ और धान की रिकार्ड खरीद भी की गयी है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा सभी की है। इसलिए सभी पात्र लाभार्थियों के लिए आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत शौचालय एवं कौशल विकास के अन्तर्गत युवाओं के लिए रोजगार, वृद्धा, विधवा एवं दिव्यांगजनों के लिए पेंशन की व्यवस्था की गयी है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय शिक्षा सभी का मूल अधिकार है, इसलिए स्कूलों को मॉडल स्कूल बनाने के साथ-साथ, यूनीफार्म, बैग, किताबें देने का कार्य हमारी सरकार कर रही है जिससे न सिर्फ बच्चों के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी हुई है बल्कि विद्यालयों में पंजीकरण एवं उपस्थिति में भी अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हमारी सरकार ने सौभाग्य योजना के द्वारा घर-घर बिजली पहुंचाने का कार्य किया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी विधान सभा की समस्त जनता की तरफ से पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर को धन्यवाद देना चाहती हूँ कि उन्होंने पन्द्रह वर्षों से अधूरे पुल को दो वर्षों के अन्दर पूरा करके उसे जनता को समर्पित करने का कार्य किया है। पर्यटन के क्षेत्र में हमारी सरकार ने अपार सम्भावनायें ढूंढकर पर्यटन स्थलों को विकसित करने का कार्य किया है। महोदय, मैं मीरजापुर जनपद से आती हूँ जहां पर विश्वविख्यात मां विन्ध्यवासिनी का मंदिर है, मंदिर परिसर सहित जनपद को विकास की ओर अग्रसर करने के लिए मैं मा0 योगी जी एवं समस्त नेतृत्व के प्रति जनपद मिर्जापुर एवं विधान सभा मझवां के समस्त जनों की तरफ से आभार व्यक्त करती हूँ। महोदय, हमारी सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा, कानून व्यवस्था में बेहतर कार्य के साथ-साथ पूर्व में उपेक्षित प्रदेश के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संवर्द्धन से विश्व पटल पर एक अमिट छाप छोड़ने का कार्य कर रही है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, अप्रवासी भारतीय सम्मेलन

एवं भव्य कुम्भ के आयोजन के माध्यम से भारत एवं उत्तर प्रदेश की पहचान को एक नया आयाम देने में हमारी सरकार सफल रही है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं बहुत सारा वक्त न लेते हुए अपनी मझवां विधान सभा की कुछ गम्भीर समस्याओं की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहती हूँ। मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र में पूर्व की सरकार के भेदभाव व निकृष्टता के कारण 163 नलकूप होने के बावजूद भी किसान सिंचाई के लिए परेशान हैं। मेरे विधान सभा क्षेत्र मझवां में 163 नलकूपों से निकलने वाली लगभग सभी नालियां जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि जनहित व किसान हित का ध्यान रखने वाली हमारी सरकार इन सभी नालियों को पुनः क्रियाशील करने के लिए प्रभावी कार्यवाही करेगी और ग्राम सभा पहिती के ढेकवा बांध की सिल्ट सफाई एवं गहरीकरण तथा पचोखरा माइनर से बइरहवां तक क्षतिग्रस्त नहर का जीर्णोद्धार के लिए भी प्रभावी कदम उठायेगी। सदन के समक्ष मुझे माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण पर अपने विचार रखने का आपने अवसर दिया इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

***श्री बजरंग बहादुर सिंह-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने राज्यपाल के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव आया है, उसके समर्थन में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। माननीय अध्यक्ष जी, राज्यपाल का अभिभाषण निश्चित रूप से प्रदेश की जनता के हित में, जो उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के निर्णय लिये गये, जो अच्छे कार्य किये गये उसकी एक प्रस्तावना निश्चित रूप से इस सदन में रखने का काम माननीय राज्यपाल जी ने किया है। उस समय हमारे विपक्ष के साथ इसी सदन में बोल रहे थे कि राज्यपाल जी तो आना ही नहीं चाहते थे लेकिन हम सब लोग भी सदन में थे। माननीय अध्यक्ष जी, जब महामहित राज्यपाल जी का अभिभाषण चल रहा था तो जनता से जुड़े हुए समाज के शोषित, वंचित, गरीब तबके के उत्थान का विषय आता था। निश्चित रूप से महामहित राज्यपाल जी उस पर जोर देकर बोलते थे। इसका मतलब है कि निश्चित रूप से उन्होंने पूरी गम्भीरता से, पूरी निष्ठा से, पूरी ईमानदारी से सरकार ने जो काम किया है, उसका पुलिन्दा रखने का कार्य किया है। 2017 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ऐसे समय में आयी जब समाजवादी पार्टी द्वारा पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त थी, संस्थागत भ्रष्टाचार व्याप्त था, समाज के शोषित, वंचित, गरीब, अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों में क्षोभ चल रहा था। पूरी तरह से प्रदेश की जनता उस सरकार से निराश हो चुकी थी और जब 2017 का आम चुनाव आया तो उत्तर प्रदेश की जनता ने अपना गुस्सा दिखाया और फिर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी। जब हमारी सरकार बनी तो हमारे सामने, हमारी सरकार के सामने ध्वस्त कानून व्यवस्था की चुनौती थी, जो प्रदेश में भ्रष्टाचार व्याप्त था, उसकी चुनौती थी, प्रदेश में अराजकता की चुनौती थी, जो विकास कार्य

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

ठप पड़ गये थे, जो विकास कार्य पूरे प्रदेश के न हो करके इटावा और कन्नौज तक सीमित हो चुके थे, इसकी चुनौती थी। यह तीन-चार विषय हमारी सरकार के सामने थे। हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने पूरी ईमानदारी पूर्वक, पूरी निष्ठा से एक संकल्प लिया कि हम प्रदेश में कानून व्यवस्था को पटरी पर लायेंगे और अपराधियों को जेल के अन्दर डालेंगे, जो भ्रष्टाचार और कमीशनबाजी चल रही है, उसको हम ठीक करेंगे और उस दिशा में कार्य किया। जो विकास अवरुद्ध था, उस विकास को चलाने का कार्य किया। तीसरा विषय समाज के सभी वर्गों में समाज का शोषित वर्ग था, वंचित वर्ग था, गरीब वर्ग था, पिछड़ा वर्ग था, सामान्य वर्ग था सब लोगों को यह अहसास दिलाया कि आपकी सरकार आ गयी है और यह सरकार निश्चित रूप से आपके लिए कार्य करेगी और बड़ी तेजी से हर क्षेत्र में आदरणीय योगी जी की सरकार में कार्य प्रारम्भ हुए हैं। आज विपक्ष माने या न माने, लेकिन मैं दावे के साथ कहता हूँ प्रदेश की जनता इस बात को महसूस कर रही है कि कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। प्रदेश में संस्थागत भ्रष्टाचार समाप्त हुआ है। पहले एस0पी0 और डी0एम0, बी0एस0ए0 और सी0एम0ओ0 यह सब पैसे देकर बड़े जिलों में तैनाती पाते थे। आज मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि प्रदेश में इन सभी लोगों से एक भी पैसा कहीं कोई नहीं ले सकता, यह आदरणीय योगी जी की सरकार की देन है। आदरणीय योगी जी की कार्य-प्रणाली की देन है, पूरी तरह से संस्थागत भ्रष्टाचार पर रोक लगी है। वहीं जो शिक्षा व्यवस्था, विकास की व्यवस्था, बिजली की व्यवस्था धीमी पड़ गयी थी, रुक गयी थी, उसको पटरी पर अगर किसी ने लाने का कार्य किया है तो वह उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी ने बड़ी तेजी से लाने का काम किया है। उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बड़ी तेजी से निश्चित रूप से लाने का काम किया। आज पूरे प्रदेश की जनता योगी और मोदी कह रही है क्यों कह रही है क्योंकि मोदी जी और योगी जी समाज के उस अन्तिम व्यक्ति के घरों में उजाला लाना चाहते हैं, उनके दिलों में मुस्कान लाना चाहते हैं, उनके चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं, उसके नाते आज गांव में प्रधानमंत्री आवास, आज गांव में उज्ज्वला गैस, आयुष्मान भारत योजना बिजली की सौभाग्य योजना तमाम प्रकार की योजनाएं, शिक्षा में गुणात्मक सुधार प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था एकदम तार-तार हो चुकी थी कहीं कोई टीचर दिखता नहीं था लेकिन मैं दावे के साथ कहता हूँ आज प्राथमिक विद्यालयों में निश्चित रूप से बच्चों की संख्या बढ़ी है। अच्छे शिक्षक गए हैं लोग बदलाव महसूस कर रहे हैं जनता इस बात को महसूस कर रही है कि योगी जी ने वास्तव में प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को सुधारने में बड़ी भूमिका निभायी है। आज शहरों में माननीय नगर विकास मंत्री जी यहाँ बैठे हैं बड़ी तेजी से नगरों में प्रधानमंत्री आवास योजना चलाई, हम कहना चाहते हैं कि पहले भी गरीब रहते थे लेकिन नगरों में गरीबों को देखने का काम कोई सरकार नहीं करती थी, आज निश्चित रूप से हमारी सरकार बड़ी तेजी के साथ विकास के लिए तमाम कार्य कर रही है और इस नाते मैं कहना चाहता हूँ कि

राज्यपाल जी का जो अभिभाषण है, निश्चित रूप से विपक्ष को आइना दिखाने के लिए है क्योंकि उनको निश्चित रूप से इस बात का एहसास होना चाहिए कि यह जो सरकार चल रही है यह जनता की सरकार चल रही है, यह गरीबों की सरकार चल रही है, मजलूमों की सरकार चल रही है, समाज के लिए, लोगों के लिए यह लगातार काम कर रही है। मैं भाई सुनील जी के प्रस्ताव पर इतना ही बोलते हुए धन्यवाद के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री प्रमोद उटवाल-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं दिल से धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। मैं पुरकाजी विधान सभा क्षेत्र जनपद मुजफ्फरनगर से आता हूँ जो एक सुरक्षित क्षेत्र है। अध्यक्ष जी माननीय योगी जी की सरकार द्वारा एक ऐसी पहल की गयी जो हिन्दू संस्कृति की रक्षा को दर्शाती है। मान्यवर, योगी जी की सरकार द्वारा इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज किया गया है, जो बड़ा ही सराहनीय कार्य है। अध्यक्ष जी, महामहिम राज्यपाल द्वारा जो अभिभाषण प्रस्तुत किया गया है वह यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी जी और यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी जी की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। यह गरीबों, मजलूमों, वंचित मजदूरों, किसानों, हर वर्ग को दृष्टिगत रखते हुए प्रस्तुत किया गया है। सर्वप्रथम किसानों के खातों में 6 हजार रुपये प्रतिवर्ष देने का काम किया गया है। हमारे माननीय योगी जी द्वारा अपने मुख्य मंत्री विकास कोष से गरीबों जो गम्भीर बीमारी, दुर्घटना, अग्निकांड से प्रभावित होते थे, उन पात्र लोगों को सहायता पहुंचाने का काम किया गया है। इसके साथ-साथ मुझे यह भी बताने में काफी हर्ष हो रहा है कि योगी जी और मोदी जी की सरकार जबसे देश में आयी है 35 लाख किसान भाइयों का गन्ना भुगतान 52 हजार करोड़ रुपये मूल्य का किया गया है। जो अब तक अपने आपमें रिकार्ड तोड़ भुगतान है। मैं इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी और गन्ना मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ। ग्रामीण आवास योजना में केन्द्र सरकार ने 11 लाख 53 हजार आवास स्वीकृत किए हैं जिसमें 10 लाख 9 हजार आवास पात्र लोगों को दिए जा चुके हैं। इस योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे आवास में निवास करने वाले गरीब लोगों के लिए 71 लाख आवास मुहैया कराने का लक्ष्य 31 मार्च तक हो जायेगा। वित्तीय वर्ष 2017-18 में 7 लाख 71 हजार आवास बनाकर उत्तर प्रदेश ने सम्पूर्ण भारत में पहला स्थान प्राप्त किया है, सुरक्षा की दृष्टि से हमारी सरकार ने जो पिछली सरकारों में थी।

हमारा मजदूर, किसान और व्यापारी अपने आपको सुरक्षित महसूस नहीं करता था। पिछली सरकारों में हमारें किसान भाई दिन में ही अपने खेतों में जाने से डरते थे जबसे योगी जी और मोदी जी की सरकार आयी है, उसके बाद भी वहीं किसान, मजदूर और व्यापारी रात को भी अकेले अपने खेतों में और अपने काम पर बिना किसी डर के जा सकते हैं। अब योगी

जी और मोदी जी की सरकार में गुन्डे या तो जेल चले गये हैं या फिर बिल में घुस गये हैं। स्वच्छ भारत मिशन की जो योजना सरकार के द्वारा लागू की गयी है, उसके अन्तर्गत आम जनता की सुविधा के लिये सार्वजनिक स्थानों पर 28 हजार शौचालयों का निर्माण उत्तर प्रदेश में कराया गया है। हम अगर ग्रामीण क्षेत्र की बात करें तो ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत प्रदेश में 8 लाख 32 हजार 46 व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया गया है। मा0 अध्यक्ष जी, मेरी विधान सभा से सम्बन्धित दो महत्वपूर्ण कार्य हैं जिनको मैंने पिछले बजट सत्र में भी उठाया था कि मेरी विधान सभा उत्तराखण्ड सीमा से लगी हुयी है जहां पर बाढ़ की वजह से 24 गांव प्रभावित होते हैं। वहां किसानों की फसलें, आवास और जानवरों को भी बहुत नुकसान होता है। मैं मा0 मंत्री जी से यह मांग करता हूं कि जो इस बार बजट रखा गया है उसमें मेरी विधान सभा क्षेत्र से सम्बन्धित बाढ़ का जो कार्य है उसे पूर्ण कराया जाये। मा0 अध्यक्ष जी, मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक रोहाना गांव पड़ता है वहां पर एक चीनी मिल है, एक इण्टर कालेज है वहां पर एक पुल बन रहा है और उस पुल का आधा कार्य पूर्ण भी हो चुका है। रोहाना क्षेत्र के 10 गांव की जनता चाहती है कि उस पुल का निर्माण पिलर पर कराया जाये। क्योंकि इण्टर कालेज और चीनी मिल रोहाना क्षेत्र में आते हैं जिसके कारण लोगों के आने-जाने में काफी दिक्कत होती है। यह पुल बन तो रहा है किन्तु पुल पर आने-जाने के लिये एक ही तरफ की मंजूरी मिली हुयी हैं। मैं यह चाहता हूँ कि दोनों तरफ से आने-जाने के लिये यह पुल बनाया जाये, वहां पर इसी कारण रोजाना एक्सीडेन्ट भी होते हैं। इसके साथ-साथ मैं माननीय गन्ना मंत्री जी को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ। मेरी विधान सभा में दो चीनी मिल पड़ती है एक खाईखेरी में और एक रोहाना में जबसे भाजपा की सरकार आयी है कम से कम 70 प्रतिशत का भुगतान हमारे मा0 गन्ना मंत्री जी ने किया है, मैं उनको धन्यवाद देना चाहता हूँ और मैं महामहिमा राज्यपाल जी के अभिभाषण का समर्थन करता हूँ। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

क्या महिला विधायकों में से कोई बोलना चाहेगा ? महिला विधायक कम बोली हैं इसलिये मैं अवसर दे रहा हूँ।

श्रीमती कमलेश सैनी-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिये बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं पहली बार इस विधान सभा में विधायक चुनकर आई हूँ। पहले मैं सोचती थी कि जो विधान सभा में लोग बैठते होंगे वह बहुत ही अनुशासित होंगे लेकिन जिस दिन महामहिम राज्यपाल अपना अभिभाषण पढ़ रहे थे और विपक्ष की तरफ से उन पर कागज के गोले फेंके जा रहे थे उसके शोर को देखकर ऐसा लगा जैसे हम लोग अपने घर में सोते हैं तो शाम के समय जंगली जानवरों की आवाज आती थी वैसी

उन लोगों की आवाजे आ रही थीं। (सत्ता पक्ष द्वारा मेजें थपथपायी गयीं) माननीय अध्यक्ष जी, कहते भी हैं कि जो कुआँ दूसरे के लिये खोदता है वह स्वयं ही उस कुंये में गिरता है। ऐसा ही उदाहरण यहाँ देखने को मिला कि वह महामहिम राज्यपाल पर कागज के गोले फेंक रहे थे उसी दौरान उनका ही साथी घायल हो गया और बेचारे को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। मा0 अध्यक्ष जी, विपक्ष में बैठे मेरे भाई एक दिन कह रहे थे कि आज किसानों की हालत बद से बदतर हो गयी है, किसानों पर लाठी चार्ज हो रहा है और किसान बेहाल है लेकिन मैं आपको बताना चाहती हूँ उत्तर प्रदेश के किसानों की हालत सपा-बसपा की सरकार में खराब हुयी है। सपा-बसपा की सरकार ने मेरे बिजनौर की मिल को, मेरे चांदपुर की मिल को, अमरोहा की मिल को और बुलन्दशहर की मिल को बेंचने का काम किया था। मैं अपने यशस्वी मुख्य मंत्री जी और अपने यशस्वी गन्ना मंत्री जी को बधाई देना चाहती हूँ जिन्होंने सबसे पहले गन्ने की रिकार्ड पेराई कराई है और किसानों को उनके गन्ने का रिकार्ड पेमेण्ट कराया है। किसानों की हालत इन्होंने ही खराब की थी क्योंकि जब इनकी सरकार थी तो क्षेत्र को डार्क जोन में घोषित कर दिया गया था और किसानों को ट्यूबवेल नहीं लगाने दिया जाता था। किसानों की खेती सूख जाती थी और वह अपनी खेती में पानी लगाने के लिये पेट्रोल पम्प पर लाइन लगाते थे। उनको तेल नहीं मिलता था लेकिन जबसे प्रदेश में माननीय, मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार आई है तब से किसानों को डार्क जोन से मुक्ति मिली है। आज हर व्यक्ति अपने खेत में ट्यूबवेल लगाने का काम कर रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, मुझे सपा और बसपा के गठबन्धन पर रामायण के सीता स्वयंवर का प्रसंग याद आ रहा है जब सीता स्वयंवर में राजाओं से धनुष नहीं टूट पाया तो उन्होंने एकता करके गठबन्धन किया कि सारे राजा मिलकर एक साथ इस धनुष को तोड़गे और फिर आपस में युद्ध करेंगे और मरेंगे। जो मरने से बचेगा उसी के साथ सीता का स्वयंवर होगा लेकिन उनको पता नहीं है कि उस समय जब सीता जी की प्रतिष्ठा दांव पर थी तब भगवान राम ने सीता जी को बचाने के लिये और स्वयंवर के लिये धरती पर जन्म लिया था और आज भारत माता की प्रतिष्ठा दांव पर है और उन्हें पता नहीं है कि भारत का लाल माननीय नरेन्द्र मोदी जी और इस प्रदेश में माननीय योगी जी पैदा हो गये हैं जो भारत माता की प्रतिष्ठा को बचायेंगे। माननीय अध्यक्ष जी, एक गरीब मां-बाप को नींद नहीं आती थी जब उसकी बेटी जवान हो जाती थी। वह सोचता था कि बेटी के हाथ कैसे पीले करें, बेटी की शादी कैसे करें। विधवा माता परेशान होती थी और मजदूर पिता परेशान होता था लेकिन हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना चलाकर मां-बाप के बोझ को हल्का कर दिया है। परसों ही 09 तारीख को मेरे जिले में 400 बेटियों की शादी हुयी है और अब तक 1480 शादियां मेरे जिले बिजनौर में हो चुकी हैं। मेरे जिले ने इस मामले में प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने अनेक जन कल्याणकारी योजनायें चलाई हैं। 70 साल से गरीब व्यक्ति का बच्चा बिजली के अभाव में पढ़ नहीं पाता था और उसको दीपक जलाने के लिये तेल भी नहीं मिल पाता था

जिसके कारण उसके बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते थे लेकिन आज सौभाग्य योजना के अन्तर्गत हर घर में बिजली का बल्व लटकता है और गरीब व्यक्ति बच्चा भी खुशी-खुशी स्कूल जाता है। मैं बताना चाहती हूँ कि होनहार लालने के पांव पालने में ही दिख जाते हैं। जब बच्चा पैदा हो जाता है तो मां-बाप सोचते हैं कि मेरा बच्चा पढ़ लिख कर जब बड़ा होगा तो यह बनेगा-वह बनेगा लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में भी इन्होंने ऐसी व्यवस्था की थी कि जब बच्चा पढ़ने जाता था तो ऐसा लगता था कि जैसे उसे होमगार्ड बना दिया गया है, लेकिन माननीय मुख्य मंत्री जी ने सभी बच्चों के लिये ड्रेस, जूता, मोजा और खाना खाने के लिये बर्तनों की व्यवस्था की है और आज हर बच्चे के चेहरे पर मुस्कान है। हर बच्चा हंसता-मुस्कराता हुआ स्कूल जाता है और सपना देखता है कि मैं पढ़-लिख कर इंजीनियर बनूंगा, देश का अच्छा नागरिक बनूंगा और देश की सेवा करूंगा।

श्री अध्यक्ष-

कृपया अब आप समाप्त करें।

श्रीमती कमलेश सैनी-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं अपने क्षेत्र की कुछ समस्याओं के सम्बन्ध में आपसे निवेदन करना चाहती हूँ कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में जो मिलें बेंची गयी थीं उन्हें सरकार अपने अधिकार में ले ले जिससे किसानों का हित हो सके। मैं जिला बिजनौर के चांदपुर विधान सभा क्षेत्र से चुनकर आती हूँ और मेरे क्षेत्र में एक ही महिला अस्पताल है जिसकी बिल्डिंग बहुत ही जर्जर है और उस बिल्डिंग की जर्जर हालत को देखकर वहां पर कोई महिला डाक्टर नहीं आती है तो उस अस्पताल का नवीनीकरण करा दिया जाये। मेरे विधान सभा क्षेत्र में दो रेलवे फाटक हैं जिस पर काफी भीड़ लगी होती है, बच्चे स्कूल समय से जाने से वंचित रह जाते हैं, अगर किसी मरीज की हालत खराब हो जाती है तो वह जाम के कारण वहीं पर दम तोड़ देता है, अगर मेरे क्षेत्र में ओवरब्रिज बना दिया जाये तो इससे आने-जाने वाले लोगों को भी सुविधा होगी। माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण के समर्थन प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया इसके लिये आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत, जय श्रीराम।

[03:49] मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

मान्यवर, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर श्री राज्यपाल जी के प्रति आभार व्यक्त करने के लिये इस सदन में अपनी बात रखने का अवसर प्रदान किया है। संसदीय लोकतंत्र की परम्परा है कि विधायिका का कोई भी सत्र वर्ष में प्रारम्भ होने के अवसर पर देश की संसद में महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा समवेत् सदन को सम्बोधित करके सरकार की उपलब्धियों और भावी योजनाओं को सदन के सामने और पूरे राष्ट्र के सामने रखा जाता है तो राज्य की विधायिका में इन सब परम्परा को राष्ट्रपति के

प्रतिनिधि के रूप में श्री राज्यपाल जी के द्वारा अपनी सरकार की उपलब्धियों और भावी योजनाओं को समवेत् सदन में रखा जाता है और हम सब आभारी हैं कि हमारे प्रदेश के श्री राज्यपाल आदरणीय श्री रामन नाईक जी ने 5 फरवरी को बजट सत्र का शुभारम्भ अपने अभिभाषण से करके सरकार की उपलब्धियों और सरकार की भावी योजनाओं को देश के सबसे बड़े प्रदेश की 23 करोड़ जनता के सामने रखा है। तमाम व्यवधानों के बावजूद श्री राज्यपाल जी ने जिस प्रखरता के साथ पूरे अभिभाषण का वाचन किया है हम सब आदरणीय राज्यपाल जी के प्रति आभार व्यक्त करने के लिये आज यहाँ पर बैठे हैं। सदन मैं धन्यवाद का जो प्रस्ताव हमारे मा0 सदस्य श्री सुनील शर्मा जी ने रखा और इसका अनुमोदन सदस्य श्री शीतल पाण्डेय जी ने यहाँ पर किया और मुझे प्रसन्नता है कि सत्ता पक्ष के 42 और विपक्ष के हमारे 16 मा0 सदस्यों ने इस पूरी चर्चा में भाग लिया है। मैं इस पूरी चर्चा में भाग लेने वाले या इस पूरी चर्चा में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भागीदार बनने वाले सभी मा0 सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ। श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण सरकार की उन ठोस उपलब्धियों पर आधारित था जो विगत एक वर्ष के दौरान इस सरकार ने हासिल किया है या फिर आगामी वर्षों के लिये सरकार ने जो अपनी योजनायें तैयार की हैं। मुझे आश्चार्य होता है कि हमारे विपक्ष के मित्रों को हमारी सरकार की उपलब्धियां और प्रदेश की जनता की खुशहाली अच्छी नहीं लगती है। और यही कारण है कि किसी भी अच्छे कार्य को नैतिक समर्थन देने की बजाये उस अच्छे कार्य का भी विरोध करना यह हमारे विपक्ष के मित्रों की एक प्रवृत्ति सी बन चुकी है। वैसे ठीक ही कहा है कि चांदनी रात चोरों को अच्छी नहीं लगती है। उत्तर प्रदेश जब विकास के नये-नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। देश के अन्दर आज सम्भावनाओं को हककीत में बदल रहा है। श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में भी इस बात का उल्लेख किया कि विगत 22 महीनों के दौरान कौन-कौन से ऐसे सेक्टर हैं जिसमें प्रदेश बहुत पीछे चला गया था। 15 वर्ष के कुशासन में, भ्रष्टाचार में अराजकता के कारण, लेकिन फिर से अग्रणी स्थान प्राप्त किया है और उन स्थानों का स्पष्ट उल्लेख श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में किया। प्रथम स्थान उत्तर प्रदेश को जिन विभिन्न योजनाओं में प्राप्त हुआ है। उनमें प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, स्वच्छ भारत मिशन में शौचालय निर्माण, सूक्ष्म एवं लघु एवं मध्यम उद्योगों की स्थापना में उत्तर प्रदेश ने फिर से पहला स्थान प्राप्त किया है।

सौभाग्य योजना में पूरे देश के अन्दर कुल पौने तीन करोड़ परिवारों को निशुल्क विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराये गये हैं उनमें से लगभग एक करोड़ कनेक्शन अकेले उत्तर प्रदेश ने देकर पहला स्थान प्राप्त किया है। गेहूँ उत्पादन में, गन्ना उत्पादन में, दुग्ध एवं दुग्धजन्य उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश ने पुनः प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कौशल विकास की नीति को लागू करने वाला और कौशल विकास के माध्यम से सबसे अधिक रोजगार और प्लेसमेंट देने वाला राज्य भी उत्तर प्रदेश बना है। कृषि निवेश में अनुदान के भुगतान में डी0बी0टी0 के माध्यम से देश के अन्दर पहला राज्य उत्तर प्रदेश बना है तो स्वाभाविक रूप से उत्तर प्रदेश

की इन उपलब्धियों पर जिन लोगों ने उत्तर प्रदेश में अराजकता फैलाई, उत्तर प्रदेश में गुण्डागर्दी फैलाई, उत्तर प्रदेश को लूटा ही नहीं बल्कि नोच डाला उन लोगों को उत्तर प्रदेश का यह उत्थान, यह उभरता हुआ उत्तर प्रदेश, भावनाओं को हकीकत में बदलने वाला यह उत्तर प्रदेश और यहाँ के चेहरों पर खुशहाली कैसे अच्छी लग सकती है। वह लोग तो भागेंगे ही और मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि ऐसे लोग हमेशा के लिये ही हाउस से बाहर रहें तो अच्छा रहेगा, प्रदेश के हित में रहेगा। महोदय, ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार ने जो केन्द्र सरकार की ग्रामीण विकास से जुड़ी हुयी योजनायें हैं उनके सफल क्रियान्वयन के लिये जो प्रथम 12 पुरस्कार जो राष्ट्रीय पुरस्कार उन्होंने घोषित किये थे उनमें से 05 पुरस्कार अकेले उत्तर प्रदेश ने हासिल किये हैं। उत्तर प्रदेश को तिलहन का सर्वश्रेष्ठ उत्पादकता और उत्पादन के लिये कृषि कर्मण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ई-टेण्डरिंग में सर्वोत्तम परफारमेंस के लिये भी बेस्ट परफारमेंस अवार्ड उत्तर प्रदेश को ही प्राप्त हुआ है। स्टार्टअप रैंकिंग में उत्तर प्रदेश ने जो उपलब्धि हासिल की है उसके लिये भी उत्तर प्रदेश को सम्मानित किया गया है। मा0 अध्यक्ष जी, स्किल डेवलपमेण्ट के साथ-साथ अन्य जो तमाम महत्वपूर्ण योजनायें थीं उनमें उत्तर प्रदेश की जो उपलब्धियां हैं अगर यह उपलब्धियां हमारे विपक्ष के मित्रों को उपलब्धियां नहीं लगती हैं तो स्वाभाविक रूप से उनकी मंशा को हम स्पष्ट रूप से समझ सकते हैं। हम आभारी हैं श्री राज्यपाल जी के जिन्होंने अपने अभिभाषण में सरकार की उपलब्धियों से जुड़े सभी मुद्दों को रखा है। 5 फरवरी को आदरणीय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण से इस समवेत् सदन को सम्बोधित किया है और जनवरी महीने में प्रदेश के अन्दर 2 बड़ी घटनायें घटित हुयी हैं। उत्तर प्रदेश में पहली बार 21 से 23 जनवरी तक प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन हुआ है। देश की राजधानी के बाहर प्रवासी भारतीय आयोजन का होना अपने आपमें एक चुनौती होती है और प्रदेश की राजधानी के बाहर भी हम लोगों ने देश की सबसे प्राचीन, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक नगरी वाराणसी में पूरी भव्यता के साथ 15वें प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन किया गया। वर्ष 2003 में श्रद्धेय श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी की सरकार के समय जब प्रवासी भारतीय दिवस का कार्यक्रम का आयोजन प्रारम्भ हुआ था तब यह प्रवासी भारतीय दिवस सिर्फ एक दिन का होता था। वर्ष 2015 में आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस कार्यक्रम को दो दिवसीय बनाया और उत्तर प्रदेश में आने के बाद यह प्रवासी भारतीय दिवस तीन दिवसीय हो गया है। अब तक का सबसे सफलतम्, सबसे भव्य आयोजन था जिसमें 7 हजार से अधिक अप्रवासी भारतीयों ने भाग ले करके भारत की सम्भावनाओं, निवेश की सम्भावनाओं, विकास की सम्भावनाओं और भारत के हर क्षेत्र में विकास की जिन बुलन्दियों को छू रहा है दुनिया की एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है इन सबको उन्होंने न केवल सराहा है बल्कि मुक्त कण्ठ से उसकी प्रशंसा करते हुये वह स्वयं इस कार्यक्रम के साथ भावनात्मक रूप जुड़े हुये हैं क्योंकि बड़ी संख्या में अप्रवासी भारतीय ऐसे हैं जिनके मन में भारत की तस्वीर को बड़े खराब ढंग से प्रस्तुत किया गया है। जिनके पूर्वज 200, 250 एवं 300 वर्ष पूर्व

ही भारत छोड़ चुके थे उनके मन में भारत के प्रति जो भाव भरा गया है वह अच्छा नहीं था लेकिन जब उन्होंने काशी के अन्दर परिवर्तन देखा, व्यापक परिवर्तन देखा वहां पर पुलिस के व्यवहार को देखा, प्रशासन के व्यवहार को देखा तो वह स्वयं अभिभूत थे और स्वयं उन लोगों ने इस पर कमेण्ट किये हैं वह अपने आपमें उत्तर प्रदेश के लिये एक उपलब्धि तो है ही क्योंकि उत्तर प्रदेश एक पार्टनर के रूप में इस प्रवासी भारतीय दिवस के कार्यक्रम के साथ जुड़ा हुआ था। सफलतम् आयोजन के साथ ही जो सभी अप्रवासी भारतीय थे, उनमें से एक बड़ा जत्था 3 हजार से अधिक अप्रवासी भारतीय कुम्भ दर्शन के लिये प्रयागराज आये और हम सब जानते हैं कि 15 जनवरी से प्रयागराज कुम्भ प्रारम्भ हुआ है और आदरणीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से जिसे यूनेस्कों ने मानवता की मूर्ति सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दी। आज दुनिया के अन्दर उत्तर प्रदेश एक नया ब्राण्ड बन गया है। कुम्भ की भव्यता एवं दिव्यता जिस रूप में प्रस्तुत हुयी है मुझो आश्चर्य होता है कि जब दुनिया सराह रही है कि कुम्भ में बहुत अच्छी व्यवस्था है, सचमुच अच्छी व्यवस्था है भी, पूरी टीम ने बहुत अच्छा काम किया है। मेरे कैबिनेट के मित्रों ने, प्रशासन ने, स्थानीय जनता ने, विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों ने, धार्मिक-सामाजिक संगठनों ने आदरणीय प्रधानमंत्री जी का मार्गदर्शन था जिनकी अनुकम्पा से 450 वर्षों के बाद किले में कैद अक्षयवट का दर्शन करने का सौभागय श्रद्धालुओं को प्राप्त हो रहा है। सरस्वती कूप के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आजादी के बाद किसी भी कुम्भ में जल की अविरलता और निर्मलता इस रूप में नहीं थी जितना इस बार के कुम्भ में है। परसेप्शन कैसे चेंज होते है, 2013 में महाकुम्भ था, मॉरीशस के माननीय प्रधानमंत्री जी कुम्भ दर्शन के लिये आये थे। हृदय में अभिलाषा लेकर आये थे कि कुम्भ में जायेंगे, संगम में डुबकी लगायेंगे, पुण्य के भागीदार बनेंगे लेकिन वहां गंदगी देखी गयी, अव्यवस्था थी, बदबू थी और वे दूर से प्रणाम करके चले गये। उन्होंने कहा क्या यही गंगा है। ये स्थिति केवल 2013 में नहीं थी, 2017 में भी थी, लेकिन जब 2017 में हम लोग आये, हमारी सरकार बनी, हम लोगों ने कार्य प्रारम्भ किया और आज 15वें प्रवासी भारतीय दिवस के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मॉरीशस के प्रधानमंत्री आये थे। हम लोगों ने मारीशस के प्रधानमंत्री को आफर किया कि वे संगम में स्नान करें, चूंकि पिछली बार उनके पिताजी उस समय प्रधानमंत्री थे तो उनको वही स्मृतियां थी इसलिये उन्होंने इस पर सहमति नहीं दी लेकिन जब प्रयागराज में इस बार आये, बदले हुये माहौल को देखा तो उन्होंने कुम्भ में संगम तट पर न केवल स्वयं बल्कि 400 लोगों के मॉरीशस के डेलीगेशन के साथ डुबकी लगायी। (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गयीं)

प्रदेश के परसेप्शन को बदलने के लिये सरकार चाहे तो क्या नहीं हो सकता है और आखिर क्यों नहीं हो सकता है। कभी-कभी मुझे इस बात को लेकर बड़ा आश्चर्य होता है कि क्या हम लोग 'लकीर के फकीर' ही बने रहेंगे या कुछ परिवर्तन करके भी दिखायेंगे। इस बात को लेकर विचार होता था, जब हम लोग अपनी टीम के साथ बातचीत करते थे कि क्या हम

परिवर्तन दे पायेंगे। हर एक के चेहरे पर एक चमक होती थी और मैं उस चमक को देखकर यह कह सकता था कि हम सफल होंगे, हम कुम्भ में गंगाजी को अविरल भी बनायेंगे और निर्मल भी बनायेंगे। कुम्भ में ये चीज देखने को भी मिली है क्योंकि ये चेंज आफ परसेप्शन सरकार पर निर्भर करता है, चुने हुये जन-प्रतिनिधियों पर निर्भर करता है, जनता द्वारा चुनी गयी सरकार पर निर्भर करता है। चुनी हुयी सरकार का आचरण, उसका व्यवहार, उसका कृतित्व जिस प्रकार का होगा उस प्रकार वह माहौल दे पायेगा, उस प्रकार का वातावरण दे पायेगा, उस प्रकार की स्थिति बना पायेगा और इसीलिये मैं इसी बात को कह सकता हूँ कि जब नेतृत्व ही दिशाहीन हो, भ्रष्ट हो, दुराचारी हो, चोर हो तो उसका नेतृत्व भी उसी प्रकार का होगा और 2013 में ही ये स्थिति इन्होंने पैदा की थी। पिछले कुम्भ में, जो महाकुम्भ था, उसमें छः स्नान हुये थे और 12 करोड़ लोग आये थे। महोदय, मुझे बताते हुये प्रसन्नता हो रही है कि छः में से चार स्नान पूरे हो चुके हैं और अब तक साढ़े सोलह करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान कर लिया है। (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गयीं) देश और दुनिया का जो भी व्यक्ति प्रयागराज में आया है, उसे लगता है कि अच्छा हुआ कुम्भ के आयोजन से पहले ही आपने इलाहाबाद से नाम बदलकर प्रयागराज कर दिया है। (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गयीं) ये परिवर्तन का परिणाम है। ये परिणाम, जिसकी हकदार उत्तर प्रदेश की जनता है, जिसने ये परिवर्तन करके दिखाया है कि जो लोग आस्था का सम्मान नहीं कर सकते उन्हें सत्ता में रहने का भी अधिकार नहीं होना चाहिये। (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गयीं) जो लोग आस्था का अपमान करते थे, पिछले कुम्भ में कितनी बड़ी दुर्घटना घटित हुयी थी, इस बार अकेले मौनी अमावस्या के दिन 5 करोड़ श्रद्धालु एक साथ प्रयागराज में आये थे, दुनिया के अन्दर इतना बड़ा समागम पहले कभी नहीं हुआ, लेकिन 5 करोड़ लोगों के समागम में एक तिनका तक नहीं हिला। (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गयीं) यह समागम अपने आपमें इस बात को साबित करता है कि भारत की सनातन परम्परा कितनी अनुशासित है, कितनी संस्कारित है। अन्य जगह होता ठेला, खोंचा, दुकानों में लूट मच गयी होती, तम्बू उखड़ गये होते। लेकिन आस्था का अनुशासन है और आस्था का सम्मान जब भी होगा उसके परिणाम अच्छे होंगे और इसलिये हम कह सकते हैं, मुझे इस बात को ले करके, मुझे महाभारत का एक छोटा सा श्लोक याद आता है। जिसमें शान्तिपर्व में शरशैय्या पर पड़े हुये भीष्म ने बिस्तर से कहा था। उन्होंने पूछा 'काल' का कारण क्या है ? 'काल' राज्य के संचालन का कारण बनेगा या राज्य के संचालन की व्यवस्था 'काल' का कारण बनेगी ? तो युधिष्ठिर के सामने भीष्म पितामह ने जो उपदेश दिया था, उन्होंने इसी बात को कहा था- ''कालो वा कारणम् राज्ञो राजा वा काल कारणम्, इति ते संशयो मा भूत राजा कालस्य कारणम्।'' उन्होंने कहा कि काल, राज्य की व्यवस्था का कारण नहीं हो सकता। वहां की राज व्यवस्था, राजा उस व्यवस्था का कारण होता है, नेतृत्व इस व्यवस्था का कराण होता है। आज जो लोग कुम्भ पर उंगली उठा रहे हैं, मुझे लगता है कि उन्हें कामन वेल्थ गेम्स की बात याद आ रही होगी। जब

कामन वेल्थ का पैसा इंग्लैंड में फ्लैट खरीदने पर खर्च हो जाता है। लगता है यह स्मृतियां कभी-कभी हो जाती हैं, जब लोग किसी बीमारी के शिकार होते हैं तो पुरानी स्मृतियां उभरती हैं। हमने पूरी व्यवस्था की, उत्तर प्रदेश को बेस्ट एवार्ड मिलता है, ई-टेन्डरिंग में। हमारे यहाँ सारे कार्य ई-टेन्डरिंग से हो रहे हैं और केवल ई-टेन्डरिंग ही नहीं, थर्ड पार्टी इन्सपेक्शन की व्यवस्था हम लोगों ने की है। क्यों हमारे मित्र यहाँ से भागे हैं, क्योंकि उन्हें मालूम है कि अभिभाषण का जवाब देते समय, हम लोग जो रहस्योद्घाटन करेंगे, उसका मुकाबला करने का नैतिक साहस उनके पास नहीं है। (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गयीं) आप किसी पर आरोप लगा रहे हैं। जिस टीम का अभिनन्दन किया जाना चाहिये, जिसका स्वागत किया जाना चाहिये, जिन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिये, आप उसे हतोत्साहित करते हैं। अपनी उस चोर प्रवृत्ति से अभी भी बाज नहीं आ पा रहे हैं। लूट-खसोट की अपनी उस प्रवृत्ति से अभी भी बाहर नहीं निकल पा रहे हैं और अनावश्यक आरोप लगाते हैं। मुझे याद है, प्रयागराज की पूरी टीम ने बहुत अच्छे ढंग से काम किया है। मैंने रात्रि में 4:00 बजे भी उनको फोन किया है, तब भी लोग अपनी ड्यूटी पर थे। रात्रि 12:00 बजे फोर किया है तो भी लोग अपनी ड्यूटी पर थे, जिनका अभिनन्दन किया जाना चाहिये, उनको आप कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। यह कोई खनन के ठेके नहीं थे जो 2007 से लेकर 2017 के बीच में हुये थे, किसी को भी दे दो। ये कोई टेण्डर स्मारक के नहीं थे कि अपने-परायों सब को ठेका, पट्टा बांट दो और 10 रुपये के पत्थर पर 1000 रुपया ले लो लेकिन जिन लोगों ने प्रदेश को लूटा है, जिन लोगों ने प्रदेश में अराजकता और दंगों के माध्यम से यहाँ की पब्लिक को तबाह किया है, आज वे लोग हमसे सर्टीफिकेट मांग रहे हैं, हमको कठघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश की उपलब्धियों पर गौरव की अनुभूति करने के बजाय अपने कुकृत्यों पर शर्मसार हो रहे हैं और उस शर्मसार के लिये सरकार को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गयीं) लेकिन सत्य तो सत्य होता है। सत्य को आप पराजित नहीं कर सकते। ये सत्य को मौन रखने के लिये प्रेरित करने का प्रयास करते हैं, हल्ला करेंगे, दंगा करेंगे। मैं उस दिन देख रहा था जब श्री राज्यपाल यहाँ पर अभिभाषण देने के लिये आये थे। उनका मार्ग-दर्शन सदैव आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है। हमारे यहाँ हमारे संस्कार हैं कि हम अपने बुजुर्गों और अपने से बड़ों का वैसे भी सम्मान करें। लेकिन जिनके पास संस्कार ही नहीं, जो लोग जबरन पुरानी मुगलकाल की परम्परा का अनुसरण करते हुये गद्दी से उतारने के आदी हो चुके हों। उनके फालोवर कैसे इस बात को कर सकते हैं कि वे किसी बड़े का सम्मान करें। एक सदस्य उस दिन उछल-कूद करते हुये बेहोश हो गया और तब भी वह हो-हल्ला बंद नहीं हुआ। यह लोकतंत्र को तार-तार करने वाला था, ये लोकतंत्र नहीं, लूट तंत्र पर विश्वास करने वाले लोग हैं। जिन लोगों ने लोकतंत्र के नाम पर सारी व्यवस्था को हमेशा समाप्त करने और बर्बाद करने के लिये कोई भी ऐसे यत्न नहीं छोड़े हैं, जिसके कारण यह समाज, यह व्यवस्था अपने ट्रैक से न हटी हो। ये लोग आज यहाँ पर हमें लोकतंत्र के

सर्टीफिकेट के बारे में बताते हैं। किस प्रकार का अभद्र आचरण किया गया, श्री राज्यपाल पर कागज के गोले छोड़े गये। यहाँ से किस प्रकार की नारेबाजी हो रही है। इस प्रकार का आचरण पूरी विधायिका को कठघरे में खड़ा करता है और उन लोगों से यह उम्मीद करना कि वे उस सच्चाई को सुन सकें, उनकी हिम्मत नहीं है। उनमें हिम्मत नहीं हैं कि वे सच्चाई का सामना कर सके और इसलिये सिर्फ आरोप लगा करके फिर बैकफुट से भाग जाना है। स्थिति का सामना नहीं कर सकते और इसीलिये उन्होंने कभी भी इन स्थितियों का सामना करने का साहस नहीं किया।

महोदय, पिछली सरकारों में प्रदेश के अन्दर जिस प्रकार का कारीडोर बनाने का प्रयास किया गया था, वह भ्रष्टाचार का कारीडोर था, अराजकता का था। इस प्रदेश का कोई ऐसा माफिया, कोई ऐसा गुण्डा, कोई ऐसा समाज विरोधी, कोई ऐसा तत्व नहीं था जो पिछली सरकारों में उन सरकारों का हमदर्द न रहा हो यानि प्रदेश की सुरक्षा और राष्ट्र की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले तत्वों का एक कारीडोर बना करके प्रदेश को भ्रष्टाचार, दंगा और अराजकता में धकेलने वाले लोग इस प्रदेश को कहां पहुंचा रहे थे और हम लोगों ने विगत 22 महीनों के दौरान प्रदेश के अन्दर हमने भी एक कारीडोर दिया है। हमने सुरक्षा का कारीडोर दिया है, हमने विकास का कारीडोर दिया है और हम लोग अभी 15 फरवरी को आदरणीय प्रधानमंत्री जी से झांसी में डिफेंस कारीडोर का भी शिलान्यास कराने जा रहे हैं। हम रक्षा का कारीडोर दे रहे हैं हम विकास का कारीडोर दे रहे है और हम आस्था के सम्मान का कारीडोर उत्तर प्रदेश से दे रहे हैं, लेकिन उन्होंने भ्रष्टाचार का कारीडोर दिया था, अराजकता का दिया था, अव्यवस्था का दिया था, दंगों का दिया था। कोई सप्ताह ऐसा नहीं होता था जिसमें दो-तीन दंगे न होते हों। ऐसे दंगाइयों की आज भी यह लोग पैरवी करते हैं और तो और पूरे देश और पूरी दुनिया की आस्था का प्रतीक अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि पर 2005 में जब आतंकी हमला हुआ था। समाजवादी पार्टी की पिछली सरकार ने आने के बाद सबसे पहला काम क्या किया था कि राम जन्म भूमि पर हमला करने वाले उन आतंकियों के मुकदमों को वापस लेने का कुत्सित प्रयास किया था। आज वे लोग बोलते हैं कि राम जन्म भूमि पर मन्दिर क्यों नहीं बन रहा है ? हमने तो अपना काम किया है और हम आज भी कर रहे हैं। मैंने तो पहले भी कहा, हमसे यह पूछा गया कि एक लाख पेज का अनुवाद कितने दिनों में हो जायेगा तो हमने कहा जितने दिन में कहेंगे, हम उतने दिनों में करके दे देंगे औ हम लोगों ने छः महीने के अन्दर एक लाख पेज का अनुवाद करके दिया। यही नहीं अयोध्या का जो विवाद है तो आस्था का सम्मान होना ही चाहिये। मैं बार-बार इस बात को कहता हूँ कि न्यायालय को जन आस्था का सम्मान करना चाहिये। जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय विशेष पीठ ने इस बात को कहा है कि जहां रामलला विराजमान हैं वहीं राम जन्म भूमि है तो मेरा यह मानना है और पूरे देश का यह मानना है कि विवाद तो वहीं पर समाप्त हो चुका है। बंटवारे का तो कहीं विवाद ही नहीं है, विवाद कहीं बंटवारे का है ही नहीं। विवाद में केवल यह

तय होना था कि यह राम जन्म भूमि है या नहीं है और जब यह तय हो चुका है तो मुझे यह लगता है कि इस विवाद का समाधान करने में 24 घण्टे में 25वां घण्टा लगना ही नहीं चाहिए। इस आस्था का सम्मान तो किया ही जाना चाहिए और इसीलिए जब लोग यह कहते हैं कि हम लोग गये थे, हमारी पूरी सरकार गयी थी, दीपावली के उत्सव को मनाने के लिए हम अयोध्या गये थे, विगत वर्ष भी गये थे, इस वर्ष भी गये थे और हम लोग जायेंगे। देश और दुनिया अयोध्या को श्री राम के नाम पर जानती है किसी विदेशी आक्रान्ता के नाम पर नहीं जानती है। हमें इस बात पर गौरव की अनुभूति है कि दुनिया की आस्था के, भारत की आस्था के तीन महत्वपूर्ण स्तम्भ अयोध्या, मथुरा और काशी ये तीनों हमारे उत्तर प्रदेश में हैं।

डा0 राम मनोहर लोहिया ने एक बात कही थी। डा0 राम मनोहर लोहिया आस्तिक नहीं थे, मन्दिरों में नहीं जाते थे, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि राम, कृष्ण और शिव के बारे में आपकी क्या धारणा है तो उन्होंने कहा कि ये तीनों भारत के आदि राष्ट्र पुरुष हैं। भारत राष्ट्र की आधारशिला हैं, आधार स्तम्भ हैं, भारत को जोड़ने की आत्मा हैं यानि भारत को एक रखने में उत्तर से दक्षिण तक भगवान श्री राम की यात्रा है जिन्होंने त्रेता युग में इसकी नींव डाली थी। भारत से पहले देश का नाम आर्यावर्त था। **आर्यावर्त पुण्य भूमि मध्ये विन्ध्य-हिमालयो।** हिमालय और विन्ध्याचल के बीच का भाग आर्यावर्त था लेकिन आर्यावर्त की सीमाओं को लांघ करके सुदूर दक्षिण तक ले जाने का और भारत की इस सांस्कृतिक सीमा को राजनीतिक सीमा के रूप में बदलने का श्रेय अगर किसी को जाता है तो वह मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम को जाता है। अध्यक्ष जी, मुझे एक बार मणिपुर जाने का अवसर प्राप्त हुआ था। मैं उस समय संसद सदस्य था। मणिपुर में उस समय बड़ा उपद्रव था। हमारी एक टीम वहां गई थी, संसदीय समिति वहां गई थी। वहां आगजनी हो रही थी और खूब उपद्रव हो रहा था। हम लोगों को रोक दिया गया था कि आप लोग बाहर नहीं निकलेंगे क्योंकि उस समय जो आन्दोलन था उस आन्दोलन को देखते हुए हमसे कहा गया कि सुरक्षा कारणों से आप बाहर नहीं जा सकते। हमने कहा कि हम एक सांसद के रूप में नहीं जाएंगे लेकिन एक नागरिक के रूप में तो हम बाहर जा ही सकते हैं। मैंने देखा वहां की भावनाओं को फिर तो मुझे देखकर वहां का एक आन्दोलनकारी बोला और कहा कि आप मथुरा से आये हैं, मैंने कहा कि हां, मथुरा से ही हूँ। लेकिन बाद में मेरे कानों में कुण्डल देखकर कहा कि आप तो ....., मैंने कहा कि नहीं, जो तुम समझ रहे हो मैं वही हूँ। संयोग से उसका परिवार हमारे सम्प्रदाय का अनुयायी था। मैंने उससे पूछा भाई ये आगजनी क्यों है ? लेकिन उसने कहा कि आप यहाँ कैसे आये ? मैंने कहा मैं तो अपनी समिति में आया था। उनके मामले छोटे थे और उसके बाद भारत सरकार ने उनका समाधान किया था, लेकिन भगवान कृष्ण के प्रति उनकी आस्था देखिये, आप अरुणांचल में चले जाइये, आप मणिपुर में चले जाइये, एक-एक व्यक्ति की स्मृति में यह बात है कि रुक्मणि यहीं से वहां गई थीं और वही सम्पर्क, वही संवाद लोगों के मन में है। वे आज भी उसी भाव से जुड़े हुये हैं जो पूरब से पश्चिम को जोड़ने का आधार कृष्ण हैं।

इस देश के द्वादश ज्योतिर्लिंगों के माध्यम से हिमालय में केदारनाथ से ले करके सुदूर दक्षिण में रामेश्वरम् तक आप चले जाइये। पूरे देश को द्वादश ज्योतिर्लिंगों के साथ जोड़ने का कोई आधार बना तो हमारे बारह ज्योतिर्लिंग है। इस बात को डॉक्टर राम मनोहर लोहिया समझ सकते हैं लेकिन लोहिया के नाम पर राजनीति करने वाले आज के उनके चेले इसको समझने में पूरी तरह असमर्थ हैं। समझने के लिये बुद्धि चाहिये लेकिन उनका बुद्धि पर विश्वास नहीं है, उनका बल पर विश्वास है। वह केवल बाहुबल के आधार पर सब कुछ हड़पना चाहते हैं और बाद में फिर दुम दबाकर गिड़गिड़ाते हुये दिखायी देते हैं। जैसा इस समय हो रहा है।

अध्यक्ष जी, स्मारक घोटाले में बड़ी मजेदार बात आयी। पांच वर्षों तक स्मारकों की जांच और जो लोग कहते थे कि इन स्मारकों को तोड़कर यहाँ मैरिज हॉल बनायेंगे जिन्होंने वहां की बिजली काट दी, सारे पत्थर हट रहे थे, टूट रहे थे। इन लोगों ने उनको बर्बाद करने के लिये इन स्मारकों को तोड़ने के लिये कोई ऐसी शरारत नहीं छोड़ी थी जिसको न किया हो। बहुजन समाजवादी पार्टी का एक डेलीगेशन एक दिन मेरे पास आया था तो उन्होंने कहा कि साहब हम ऐसा चाहते हैं। मैंने कहा कि भाई देखिये, आप नहीं आये थे तब भी मैंने इसके लिये पैसा पहले ही कह दिया कि यह स्मारक उत्तर प्रदेश की जनता के पैसे से बने हैं इसलिये इसमें बिजली फिर से जलनी चाहिये और इनकी मरम्मत होनी चाहिये। आपके कहने से नहीं उत्तर प्रदेश की जनता का पैसा लगा है तो इनका संरक्षण उत्तर प्रदेश के पैसे से चूंकि उसके लिये इन्होंने पहले से धनराशि भी जमा करके रखी हुई थी तो हमने कहा उस पैसे का उपयोग करो अलग से हम पैसा नहीं दे रहे हैं लेकिन जो कॉरपस फण्ड बना हुआ है उस कॉरपस फण्ड का उपयोग करते हुये इन स्मारकों का संरक्षण तो होना ही चाहिये। उन्होंने कहा कि नहीं, हमें जानकारी मिली इसलिये धन्यवाद देने के लिये आये हैं। मैंने कहा कि यह तो आप पहले भी बोल सकते थे कि हम धन्यवाद देना चाहते हैं यह तो हम पहले ही कर चुके हैं, क्या इसके बारे में अखिलेश यादव बतायेंगे ? आज जब बहन जी को मुर्तियों का पैसा जमा करना पड़ेगा तो हो सकता है इसमें भी सीटों की तरह यह लोग पैसे का भी शेयर करें, करना चाहिये, भई अगर बुआ के पास पैसे की कमी पड़ जायेगी तो भतीजे को तो इतना सैक्रिफाइस करने के लिये तैयार होना ही चाहिये कि बुआ पैसा कम पड़ गया हो तो हम दे देते हैं क्योंकि पैसा बहुत कम कमाया है। टोंटी का तो बहुत कम पैसा होगा। इन लोगों ने बहुत पैसा लूटा है। गोमती रिवरफ्रंट में आप देख रहे हैं 347 करोड़ रुपये का कुल डी0पी0आर0 था जिसमें 1437 करोड़ रुपये खर्च हो गये और तब भी कार्य अधूरा था।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे में बिना जमीन के जो बिड्स निकाली गयी वह 15200 करोड़ रुपये की थी। हम लोगों ने जब 96 फीसदी जमीन अधिग्रहीत की या क्रय कर ली उसके बाद बिड्स निकाली तो वही लोग फिर से आये थे और वही 15200 करोड़ आया। मैंने कहा कि

भाई इसमें कुछ दाल में काला है यह नहीं चलेगा, टेक्निकल और फाइनेंशियल बिड एक साथ मंगाओ। एक साथ बिड मंगायी गयी और उसमें अन्य लोगों ने भी भाग लिया। वह बिड्स 11800 रुपये में आयी। 11800 करोड़ रुपये में उससे चौड़ा, उससे अच्छा एक्सप्रेस-वे बन रहा है। यह बाकी पैसा कहां जा रहा था ? कौन मिडिल मैन था ? तो पैसे की कमी कहां होगी बहुत आयेगा 3 हजार, 4 हजार करोड़ रुपये आयेगा इससे ज्यादा की तो लूट कर चुके हैं, किसी ने आस्ट्रेलिया में लिया होगा, इंग्लैण्ड में लिया होगा, बहुत सारी जगह में लिया होगा, भारत में भी बहुत सारी जगहें होंगी जब यह चीजें वहां तक आएंगी तो बहुत सारी चीजें सामने आएंगी। यह तथ्य सामने आने चाहिये। प्रदेश के अन्दर एक सुरक्षा का वातावरण हमारी सरकार ने दिया है। राजनीतिक प्रतिशोध और राजनीतिक पूर्वाग्रह से कोई पीड़ित न हो तो प्रत्येक व्यक्ति इस बात को जानता है। गांव के एक कॉमन मैन से लेकर, गांव की कोई बहन-बेटी, किसी बुजुर्ग महिला से, किसी माता से पूछो कि कैसा वातावरण है तो वह कहती है कि हम सुरक्षित हैं। हमें सुरक्षा की गारण्टी सरकार ने दी है। कई-कई वर्ष पहले जिले बना दिये गये परन्तु उन जिलों की पुलिस लाइन नहीं बनायी गयी। ऐसे 6 जिले हैं जिनकी पुलिस लाइन नहीं थी हम वहां के लिये पैसा दे रहे हैं। हमने तो कहा है कि आज कोई कैराना और कांधला से किसी को भगाने का दुस्साहस नहीं कर सकता है। सरकार ने व्यवस्था की है कैराना और कांधला के बीच में पी0ए0सी0 की एक कम्पनी हम लोग वहां स्थापित करने जा रहे हैं, बटालियन ही वहां स्थापित कर देंगे।

प्रदेश के हर नागरिक को सुरक्षा की गारण्टी, यह सरकार का दायित्व है, सरकार इस दायित्व का निर्वहन करेगी। लेकिन ओछे आरोप और अपने समय के उन कृत्यों पर इन लोगों को स्वयं विचार करना चाहिये ? क्या-क्या नहीं होता था उस समय ? कैसे-कैस गुल नहीं खिलाते थे ये लोग ? किस प्रकार से प्रदेश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करते थे ये लोग ? कैसे प्रदेश में दंगाइयों को बैठा करके मुख्य मंत्री आवास पर सम्मानित किया जाता था ? ये कौन नहीं जानता है, इसलिये जब आप दंगाइयों, अराजक तत्वों, पेशेवर माफियाओं को प्रश्रय देंगे तो वे मस्त को करके अपनी लूट-खसोट तो बढ़ायेगा ही बढ़ायेगा और यही होता था। हमारी सरकार आयी, चाहे वह भ्रष्टाचारी हो, चाहे वह दंगाई हो, चाहे वह कोई भी अराजक तत्व हो, आज वह पस्त है। गले में तख्ती लटका कर मारे-मारे घूमा-फिरता है कि एक बार बख्श दो, जान बची तो उसके बाद आगे हम कुछ कर लेंगे, ठेला लगा लेंगे। ठेला लगाने की स्थिति उसको हम स्वावलम्बन की ओर अग्रसर कर रहे हैं। ठेला लगा करके मेहनत से, अपने श्रम से स्वावलम्बन की ओर बढ़े। हमारी सरकार हर व्यक्ति को स्वावलम्बन की ओर अग्रसर कर रही है और इसीलिये हम लोगों ने नई-नई योजनायें भी दी हैं। अनेक योजनायें हमने दी है। वन डिस्ट्रिक, वन प्रोडेक्ट की योजना देश के अन्दर एक अभिनव योजना है। आज तमाम

देश, तमाम प्रदेश इसको एडाप्ट कर रहे हैं, कह रहे हैं कि बहुत अच्छी योजना है। परम्परागत उद्यमी आज उससे प्रेरित हो रहा है। अकेले एक वर्ष से कम समय में 78,000 से अधिक लोगों को तो हम लोगों ने मुद्रा योजना के अन्तर्गत सीधे बैंकों से लोन उपलब्ध कराया है और 4 लाख से अन्य उद्यमी इससे सीधे-सीधे लाभान्वित हुये हैं, साथ ही साथ हम लोगों ने उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस में भी विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना को लागू किया है। गांव में रहने वाला एक सामान्य व्यक्ति, गांव का नाऊ है, गांव का मोची है, गांव का बढ़ई है, गांव का कुम्हार है या गांव में इस प्रकार के कार्यों में लगे हुये ऐसे 15 अलग-अलग क्षेत्र में कार्य करने वाला भारत का हमारा वह उद्यमी जिसने गांधी जी के ग्राम स्वावलम्बन को आगे बढ़ाया था, वह गांव में रहता है। उसके श्रम का सम्मान हो। वह स्वावलम्बन की ओर अग्रसर हो, बढ़ सके। इसके लिये विश्वकर्मा श्रम सम्मान के नाम पर हम लोगों ने उसकी ट्रेनिंग, ट्रेनिंग के दौरान उसको मानदेय देना और फिर टूलकिट निःशुल्क उपलब्ध कराना, फिर बैंकों से उसे जोड़ना और फिर उसको सम्मान के साथ आगे बढ़ने के लिये कार्य करना। 15 हजार लोगों को एक ही दिन में सम्मान दिया गया और मैं चाहूँगा कि हर जनपद में, हर विधान सभा क्षेत्र में इस प्रकार के आयोजन हों, उनके ट्रेनिंग के कार्यक्रम हों, फिर उनको बैंकों के साथ जोड़ करके उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य होना चाहिये और यह कार्य आज पूरी मजबूती के साथ हो रहा है। जब मैं पहली बार उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट के पहले देश के टॉप के उद्योगपतियों से बात-चीत करने के लिये मुम्बई गया था। वहां पर हमारी टीम ने एक रोड शो का आयोजन किया था। उसमें सभी प्रमुख उद्यमी व उद्योगपति आये थे। जब मैं उनसे बात-चीत करता था तो अधिकतर का यह कहना था कि साहब हम संकल्प ले लिये थे कि हम उत्तर प्रदेश में कभी नहीं जायेंगे। लेकिन आज उत्तर प्रदेश के बारे में जो बातें सुनने को मिल रही हैं। हम भी चाहते हैं कि 10 हजार करोड़ का निवेश हम करें, 25 हजार करोड़ का निवेश हम करें, 35 हजार करोड़ का निवेश हम करें और हमारी सरकार ने इन्वेस्टर्स समिट के 5 महीने के अन्दर ही 62 हजार करोड़ रुपये का निवेश के लिये हां करवाया और फिर 62 हजार करोड़ के बाद इससे ज्यादा निवेश अभी हमारे प्रस्तावित हैं, जिनको हम बहुत शीघ्र करने जा रहे हैं। ये निवेश रोजगार की सम्भावनाओं को बढ़ा रहा है। नौकरियों की सम्भावनाओं को बढ़ा रहा है। राज्य सरकार ने भी अपने स्तर पर इस कार्य को आगे बढ़ाया है। पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ाया है और हम इस बात को कह सकते हैं कि सरकार इन सब कार्यों के लिये पूरी संवेदनशील है और पूरी प्रतिबद्धता के साथ इन कार्यों को करेगी और इन कार्यों को करने के साथ ही हम आगे भी इसको और तेजी के साथ बढ़ायेंगे। हमारा डिफेंस कॉरीडोर का कार्यक्रम इसी का हिस्सा है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे इसी का हिस्सा है, मेरठ से लेकर प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेस-वे इसी का हिस्सा है, यानि यह जितने भी कार्यक्रम होने जा रहे हैं यह सब इसी के हिस्से है कि प्रदेश के अन्दर विकास की सम्भावनायें बढ़ें।

प्रदेश के अन्दर सिंचाई के सम्बन्ध में कहना चाहता हूँ कि पता ही नहीं यह लोग कहां रहते हैं, हमारे विपक्ष के मित्र रहते कहां हैं। क्षेत्र में जाते हैं कि नहीं जाते हैं। कह रहे थे कि बाण सागर परियोजना में पानी नहीं जा रहा है। मैं कहना चाहता हूँ कि बाणसागर परियोजना को रोकने का कार्य इन लोगों ने जरूर किया था, पैसा ही नहीं दिया। हमारी सरकार ने भारत सरकार के साथ मिलकर एक साथ, एकमुश्त पैसा दिया है। आज मिर्जापुर जनपद की डेढ़ लाख हेक्टेयर लैंड इससे सिंचित हो रही है और प्रयागराज की भी 02 हजार हेक्टेयर भूमि को बाणसागर परियोजना से जल मिल रहा है। अगर हम लोगों ने जमीन पर देखने का प्रयास किया होता तो बाणसागर परियोजना की हकीकत इनके दिलो दिमाग में होती, लेकिन कभी भी जानने का प्रयास ही नहीं किया।

महोदय, हम लोग एक साथ चाहे वह सरयू नहर परियोजना हो, चाहे वह मध्य गंगा परियोजना हो, चाहे वह अर्जुन सहायक परियोजना हो, इन सभी के लिये एक साथ पैसा देने जा रहे हैं। एक साथ पैसा देकर हम लोगों का प्रयास है कि दिसम्बर, 2019 तक उत्तर प्रदेश के अन्दर 20 लाख हेक्टेयर से अतिरिक्त भूमि हम सिंचाई के योग्य बनायेंगे और हम लोग किसानों के जीवन में खुशहाली लाने का कार्य फिर से करने जा रहे हैं। यह पैसा हमारी सरकार ने एकमुश्त दिया है। हम आभारी हैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी के, जिन्होंने लघु और सीमान्त किसानों को प्रतिवर्ष 06 हजार रुपये देने की घोषणा की, उससे पूरे देश का 12 करोड़ किसान लाभान्वित होने जा रहा है। 12 करोड़ का मतलब 60 करोड़ लोग सीधे-सीधे इस योजना से लाभान्वित होंगे। कोई किसान लघु सीमान्त किसान है, उसका आधा एकड़ है, एक एकड़ खेत है, उसकी फसल नष्ट हो जाती है, सरकार का कम्पन्सेशन मिले, न मिले। संवेदनशील सरकारें होंगी तो समय पर कम्पन्सेशन भी देंगी लेकिन मोदी जी ने यह गारन्टी दे दी है कि किसान को 06 हजार रुपये साल में उसके खाते में स्वयं चला जायेगा। इस योजना से उत्तर प्रदेश के लगभग 02 करोड़ किसान लाभान्वित होने जा रहे हैं। इस प्रकार किसानों के चेहरे पर खुशहाली लाने का कार्य हम लोग कर रहे हैं। मान्यवर, मैं याद दिलाना चाहता हूँ कि किसानों के साथ इन लोगों ने क्या किया था। वर्ष 1994 में किसकी सरकार थी, तब भी सपा-बसपा गठबंधन की सरकार थी और इन्होंने प्रदेश के 200 विकासखंडों को डार्क जोन में बदल दिया था। डार्क जोन का मतलब वहां बिजली का कनेक्शन ही नहीं मिलता था। किसान वहां पर अपना पम्पिंग सेट लगाता था और डीजल से पम्पिंग सेट चाहता था और अपने खेत में पानी लगाता था। डीजल से पम्पिंग सेट चलाने पर एक यूनिट उसको 24-25 रुपये पड़ता था। आज हमने उन्हें कनेक्शन देना प्रारम्भ किया है, आज जब उस किसान को ट्यूबवेल के कनेक्शन मिल रह हैं, वहां ट्यूबवेल लग रहे हैं तो एक रुपये से भी कम में उस व्यक्ति को लाभ मिल रहा है यानि जिसका 24-25 रुपये प्रति यूनिट डीजल से चलने वाले पम्पिंग सेट पर

खर्च होता था, आज हम उसे एक रुपये से भी कम में यह सुविधा उपलब्ध करवा रहे हैं, तो किसान के हितैषी हम लोग हैं या वे लोग हैं। पिछली सरकारों में प्रक्योरमेंट नहीं होता था न धान का, न गेहूँ का। 5-5 वर्षों का गन्ना किसानों का गन्ना मूल्य बकाया था। हमारी सरकार ने पिछले वर्ष से अब तक 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक गन्ना किसानों का गन्ना मूल्य भुगतान किया है। इसमें से 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक पैसा वह है, जो पिछली सरकारों का बकाया था। हमने फिर भी किया। उसका भुगतान भी किया और आगे भी हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ इस कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। किसान के पैसे पर कोई डकैती नहीं डाल सकता। प्रक्योरमेंट, इनके समय में 2011-12, 2012-13, 2013-14 में धान क्रय की स्थिति आप देख लीजिये। वह आढ़तियों के माध्यम से होता था और 5 लाख, 7 लाख, 15 लाख मीट्रिक टन मुश्किल से होता था और इस बार 45 लाख मीट्रिक टन धान का क्रय हम लोगों ने किया है। (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गई)। उनके समय में गेहूँ किसानों से कभी प्रक्योर नहीं होता था। इस साल हम लोगों ने 53 लाख मीट्रिक टन गेहूँ क्रय सीधे किसानों से किया है। दलहन और तिलहन का प्रक्योरमेंट हमारी सरकार कर रही है। आलू के लिये मूल्य समर्थन योजना में समर्थन मूल्य घोषित करके उन्हें एक्सपोर्ट की सब्सिडी देने की व्यवस्था हमारी सरकार ने की है। किसानों को समय पर कम्पन्सेशन मिले या बाढ़ आने पर प्रभावित परिवारों को सहायता मिले। पहली बार, आज तो कोई बाढ़ पीड़ित शिकायत नहीं करता। आज तो कोई व्यक्ति बीमारी से पीड़ित है तो उसको शिकायत के अवसर नहीं मिलते। हम लोगों ने मुख्य मंत्री राहत कोष में यह नहीं देखा कि सपा का है, बसपा का है, कांग्रेस का है, किसका है, जो भी आया, पीड़ित-पीड़ित है, वह प्रदेश का नागरिक है, उसका अधिकार है, उसको पैसे लेने का अधिकार है। जिसने भी सिफारिश की या किसी ने सिफारिश नहीं भी की, वह स्वयं भी आया है, हम लोगों ने जिलाधिकारी से रिपोर्ट मांगी और उसको पैसा उपलब्ध कराया है। (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गईं)। कोई भेदभाव नहीं किया है।

प्रधानमंत्री जी का 'सब का साथ, सब का विकास' का जो नारा है, उसको साकार रूप से उतारने का कार्य किया गया। मकान, प्रदेश के अन्दर 20 लाख से अधिक परिवारों को आवास उपलब्ध कराये गये। क्या यह कार्य नहीं है ? 1 करोड़ से अधिक लोगों को हम लोगों ने उज्जवला योजना के कनेक्शन उपलब्ध कराये हैं। 1 करोड़ से अधिक लोगों को विद्युत के निःशुल्क कनेक्शन उपलब्ध कराये गये हैं। 2 करोड़ 7 लाख लोगों को स्वच्छ भारत मिशन में एक-एक शौचालय उपलब्ध हुआ है। क्या यह कार्य नहीं है ? किसानों को दी गई रियायत, क्या यह कार्य नहीं है, मुझे अफसोस होता है कि आज भी लोग इस बात को कहते हैं कि कोई कार्य नहीं हो रहा है ? आज भी इस प्रकार की बातें होती हैं कि सरकार कुछ नहीं कर रही है, निराश्रित गोवंश के बारे में। कल मैं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में था। रात्रि को मैं वहीं था और

उसी नोएडा में था, जिस नोएडा के बारे में कहा जाता था कि मुख्य मंत्री जायेगा तो फिर दोबारा नहीं आयेगा। मैं तो पांचवीं बार कल चला गया। (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गईं) और मैं उस मिथक को बार-बार तोड़ता हूँ। लोग कहते थे कि एक बार जायेंगे, दोबारा नहीं आते। मैंने कहा कि दूसरी बार फिर आऊंगा जिन लोगों ने नोएडा को बार-बार अपनी लूट-खसोट का अड्डा बनाया, जरिया बनाया है। नोएडा, ग्रेटर-नोएडा, यमुना एक्सप्रेस-वे में, जब हम लोग आये थे तो 3 लाख से अधिक ऐसे बायर्स थे, जिनका पैसा 10 साल, 12 साल, 15 साल पहले जमा हो गया था, लेकिन उनको मकान नहीं मिला। हमारी सरकार ने एक साल में एक लाख लोगों को आवास उपलब्ध कराया है और शेष को समयबद्ध तरीके से हम लोग मकान दिलाने के लिये पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हम लोग जब आये थे तो नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेस-वे ये सब के सब व्यापक घाटे में थे। एक व्यवस्था वहां बनाई गई, अभी 30 कि0मी0 लम्बे मेट्रो का उद्घाटन हम लोग करके आये हैं, नोएडा को ग्रेटर-नोएडा से जोड़ने के लिये। उसी ग्रेटर नोएडा और जेवर के पास हम लोग एक अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट देने जा रहे हैं, देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा, इन्टरनेशनल एयरपोर्ट होगा। (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गईं) क्या यह विकास नहीं है ? हम लोग दिल्ली को मेरठ के साथ, रैपिड रेल के साथ जोड़ने जा रहे हैं, 32 हजार करोड़ रुपये की यह योजना है। मेरठ को प्रयागराज के साथ जोड़ने जा रहे हैं, गंगा एक्सप्रेस-वे, मां गंगा के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखते हुये। 36 हजार करोड़ रुपये की लागत से यह कार्य होगा। लेकिन आज लोग कहते हैं कि साहब, कुछ कार्य नहीं हुआ है। क्या यह सब डेवलपमेन्ट के कार्य नहीं हैं ? बिजली की क्या दुर्व्यवस्था थी ? मार्च, 2017 के पहले बिजली की कितनी दुर्व्यवस्था थी, बिजली पांच जिलों में मिलती थी और पांच के अलावा 70 जिले अंधेरे में डूबते थे। हमने तो तब भी कहा था कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी ने सामाजिक असमानता के खिलाफ आवाज उठाई थी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का अनुसरण करते हुये राजनीतिक असमानता के खिलाफ भी आवाज उठा रही है और उसको एक सिरे से खारिज करते हुये विद्युत वितरण समान रूप से करेगी। 24 घण्टे, 20 घण्टे और 18 घण्टे विद्युत की आपूर्ति समान रूप से प्रदेश के अन्दर हो रही है, कोई शिकायत नहीं कर सकता है कि विद्युत मंत्री के जनपद में ही बिजली मिल रही है बाकी अन्य जगह नहीं मिल रही है, सभी जगह विद्युत आपूर्ति समान रूप से हो रही है। हमने विद्युत कनेक्शन देने में कोई भेदभाव नहीं किया, हमने जाति नहीं देखी, मत और मजहब नहीं देखा, सम्प्रदाय नहीं देखा, क्षेत्र नहीं देखा, हमने आवास देने में कोई भेदभाव नहीं किया, विकास की योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं किया, जो लोग सामाजिक न्याय का ढिंढोरा पीट-पीट करके अपनी पीठ थपथपाते थे, उनसे पूछा जाना चाहिये कि प्रदेश के अन्दर बड़ी संख्या में मुसहर जाति रहती है, उस मुसहर जाति के लिये पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया और मुझे इस बात पर गौरव की

अनुभूति है कि हमारी सरकार ने उस मुसहर जाति के प्रत्येक परिवार को राशनकार्ड भी दिया और प्रत्येक को आवास देने के लिये मुख्य मंत्री आवास योजना भी लागू की।

हमारी सरकार ने वनटांगिया गांवों को, जिनकी 54 बस्तियां थीं जो आजादी के पहले से बसी थीं, 1910 से लेकर 1920 के बीच में अंग्रेजों ने जिन्हें बसाया था, आजादी के बाद कभी उन्हें मान्यता नहीं मिल पायी, खानाबदोश की तरह रहते थे। उन 54 बस्तियों में एक भी न राशनकार्ड था, न उनके पास पक्का मकान था, उनके पास स्कूल नहीं थे, पेयजल की व्यवस्था नहीं थी, स्वास्थ्य की कोई सुविधा नहीं थी, कोई सुविधा नहीं थी। आज हम लोगों ने उनमें से 5-7 को छोड़ दिया जाय तो शेष सभी बस्तियों को राजस्व ग्राम के रूप में मान्यता दे दी है और वहां हमने कनेक्टिविटी भी दी, बिजली जहां जा सकती थी तो बिजली नहीं तो सोलर लाइट हमने उपलब्ध कराया है, उनके लिये राशनकार्ड बनवाये, पेंशन सुविधायें दीं, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन हम लोगों ने उन्हें दीं, स्कूल की सुविधा और अन्य सारी सुविधायें हम लोग उनको दे रहे हैं। थारू जनजाति के लोगों के लिये हमारी सरकार ने व्यवस्था की है, कोल जाति के लोगों के लिये हमारी सरकार व्यवस्था कर रही है कि इन सबके पास मकान होने चाहिये, क्यों नहीं होना चाहिये, उनके पास, यदि उस जाति का वोट कम है तो क्या आप उनकी आवाज को दबा देंगे। ऐसी तमाम जातियां जिनकी कोई वाइस नहीं थी, उनकी वाइस को वाइस देने का कार्य हमारी सरकार कर रही है और इसीलिए मैं कह सकता हूँ कि यह कार्य हम लोगों ने पूरी तन्मयता के साथ किया है। यहाँ पर हमारे विपक्ष के मित्र पुरानी पेंशन के बारे में कह रहे थे।

मान्यवर, उत्तर प्रदेश में पुरानी पेंशन समाप्त करके नई पेंशन स्कीम 2005 में लागू होती है। मैं पूछना चाहता हूँ कि 2005 में किसकी सरकार थी ? समाजवादी पार्टी की सरकार थी, वर्ष 2007 में बहुजन समाज पार्टी की सरकार आई और 2012 में फिर समाजवादी पार्टी की सरकार आई आखिर इन सरकारों ने उस समय कोई कार्य क्यों नहीं किया। न्यू पेंशन स्कीम में तो इन लोगों ने उन कर्मचारियों के खाते तक नहीं खोले और उस खाते में दिया जाने वाला शासन का अंशदान भी नहीं दिया। हमारी सरकार प्रदेश में अपने प्रत्येक कर्मचारी के हितों को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है और हमारी सरकार ने तय किया है कि पिछला जो पैसा होगा जिस पर सपा, बसपा के लोग और केन्द्र में कांग्रेस के लोग डकैती डाले थे, पैसा हड़प गये थे, वह सारा का सारा पैसा 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक धनराशि हमारी सरकार देने जा रही है और प्रत्येक कर्मचारी के खाते में वह पैसा हम लोग देने जा रहे हैं, उनके एकाउण्ट खुलवा करके उसमें पैसा हम लोग देंगे और साथ ही साथ उनका अंशदान जो स्टेट का शेयर था उसको 10 प्रतिशत से बढ़ा करके 14 प्रतिशत करने का निर्णय भी हमारी कैबिनेट ने लिया है। हम पूछना चाहते है कि ये लोग आखिर इतने वर्षों से क्यों चुप बैठे हुए थे, क्यों सपा, बसपा, कांग्रेस ये सब मौन बने थे। ''चोर-चोर मौसेरे भाई''। आप कर्मचारियों

के हितों पर कुठाराघात करोगे और उसके बाद जब जनता बेदखल कर देगी, तो चिल्लाने लग जाओगे। सरकार कर्मचारियों के हितों को संरक्षण देने के लिए पूरी तरह पतिबद्ध है। इसीलिए सरकार ने किसी भी प्रकार से बिना कोई संकोच किये अपनी एक टीम को कर्मचारी नेताओं के साथ दिल्ली भेजा। भारत सरकार से बातचीत की और भारत सरकार ने भी संशोधन करके ''न्यू पेंशन स्कीम'' में अपना शेयर 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखकर, यह उत्तर प्रदेश सरकार की पहल है, लेकिन उसके लिए भी वे लोग सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं यानि जो कार्य स्वयं किये हों, उस चोरी के लिए भी इस सरकार को कटघरे में खड़ा करना। सरकार जब उस पर कार्य कर रही है, तो इनको बोलने का कोई हक नहीं बनता है।

महोदय, प्रदेश के अन्दर एक दुःखद घटना घटित हुई है। घटना अत्यन्त दुःखद है, मौत, मौत होती है। मैंने उस दिन भी कहा था कि चाहे कुशीनगर जनपद में, चाहे सहारनपुर जनपद में या हरिद्वार में, जहां भी इस शराब काण्ड से मौतें हुई हैं, हमारी पूरी संवेदना उन पीड़ित परिवारों के प्रति है। यह घटना दुःखद है और दुःखद घटना होने के नाते हमने तत्काल इस बारे में कहा। हम पहले भी इस बारे में पूरी तरह से कहते रहे हैं कि प्रदेश के परसेप्शन को खराब करने और माहौल को खराब करने का कुछ लोग षडयंत्र कर रहे हैं। जब यह हर तरीके से हार चुके हैं, पस्त हो गये हैं, तो वही लोग हर स्तर पर षडयंत्र कर रहे हैं। ऐसी-ऐसी शरारतें करते हैं जो मानवता को भी शर्म-सार कर देती है। इससे पहले मैं देख रहा था कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष के द्वारा बात कही जा रही थी कि इस बात को साबित करें। चूंकि इस सदन में मुद्दा उठा था इसीलिए मैं कहूँगा कि पिछली चार घटनाएं ऐसी घटित हुई हैं, जिसमें समाजवादी पार्टी के लोग उन षडयंत्रों में शामिल रहे हैं। महोदय, मैंने पहले इस बारे में कहा था। इससे पहले 7 जुलाई, 2017 में आजमगढ़ में जो घटना घटित हुई थी, उस घटना का जो मुख्य अभियुक्त रहा है, उनमें एक का नाम मुलायम यादव है और दूसरे कनिका यादव हैं। ये दोनों व्यक्ति समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए लोग हैं। ये लोग इस मामले में लिप्त पाये गये थे और इस पर कार्रवाई भी हुई है। हमारी सरकार ने इस प्रकार का प्रावधान किया है कि ऐसे मिलावटखोरों को फांसी की सजा मिले, और हम आगे भी कार्रवाई करेंगे। इसके बाद हरदोई में घटना घटित हुई थी वह पूर्व ब्लाक प्रमुख और वर्तमान ब्लाक प्रमुख के पति हैं। ये दोनों ही समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए हैं। इन लोगों के पास से जहरीली शराब बरामद हुई थी। बाराबंकी में भी समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए लोग थे। कानपुर में भी उस समय के न्यूज, समाचार-पत्रों और मीडिया में भी यह मामला उठा था। इसीलिए हम लोगों ने कुशीनगर और सहारनपुर की घटना को बहुत ही गम्भीरता से लिया है। यद्यपि सहारनपुर में जो मौतें हुई हैं, शराब की जो दावत हुई थी, जो भोज हुआ था, वह उत्तराखण्ड के हरिद्वार जनपद में हुई थी, उत्तराखण्ड के मा0 मुख्य मंत्री जी से मैंने बात-चीत किया है हमने एक एस0 आई0 टी0 गठित की है। और पीडित परिवारों को दो-दो लाख रुपये की सहायता, जिनका उपचार चल

रहा है उनको 50-50 हजार रुपये की सहायता हमने पहले ही घोषित किया है। घटना दुःखद है, लेकिन हम इसकी तह में जायेंगे। कौन लोग हैं, जो उन गरीबों और उन नागरिकों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं ? उसकी तह में जा करके जो भी दोषी होगा उसे कटघरे में खड़ा करेंगे और ऐसी सजा दिलायेंगे कि आने वाले समय में इस प्रकार के षड़यंत्रकारियों के लिए वह एक मानक बन सके। (सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपायीं।) बहुत सख्त से सख्त कार्रवाई हमारी सरकार इस मामले में करने जा रही है और इस मामले को ले करके हम एक बार फिर कह सकते हैं, ऐसा नहीं है कि यह घटना इसी समय उत्तर प्रदेश में हो रही हो। ये घटनायें रुकनी चाहिए। उस प्रकार की व्यवस्थायें की जायेंगी, की भी गयी हैं। फिर भी षड़यंत्रकारी सफल हुए हैं, कैसे हुए हैं हम इसकी तह में भी जायेंगे।

महोदय, इसके पहले भी उत्तर प्रदेश के अन्दर इस प्रकार की घटनायें घटित हुई हैं और इस मामले में 2008 में सीतापुर में 16 लोगों की मौत हुई थी, 2009 में 53 लोगों की मौत हुई थी, 2010 में 82 लोगों की, 2011 में 13, 2012 में 18, 2013 में 52, 2014 में 05, 2015 में 59, 2016 में 41 और 2017 में 18 मौतें हुई थीं। ये मौंते इससे पहले अलग-अलग वर्षों में हुई हैं। लेकिन हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ ऐसे तत्वों के खिलाफ जो लोगों के जीवन के साथ, कॉमन मैन के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे है, बहुत सख्ती के साथ ऐसे तत्वों से निपटने का कार्य भी हमारी सरकार करेगी। आज के दिन पर हर एक क्षेत्र में काफी नई प्रगति हुई है। नई योजनाओं के साथ हम लोग आये हैं। अभी हाल ही में प्रदेश के अन्दर जितने भी वृद्धजन थे, जितनी भी विधवा महिलायें थीं, जितने भी दिव्यांगजन थे उन सबमें जो बचे हुए लोग थे, जिनको कभी पेंशन की सुविधा का लाभ नहीं मिल पाया था। हमारी सरकार ने निर्णय लिया कि उन सबको पेंशन दो और हम लोगों ने पेंशन के कैम्प लगा करके पेंशन उपलब्ध कराने का कार्य किया है। वृद्धावस्था पेंशन में धनराशि बढ़ाई गयी, दिव्यांग पेंशन में हम पहले ही रु0 300 से 500 कर चुके थे और वृद्धावस्था पेंशन में हम लोगों ने यह राशि 400 रुपये से 500 रुपये की है। अन्य क्षेत्रों में भी इन कार्यों को आगे बढ़ाने का कार्य जहां सरकार के स्तर पर पूरी मुस्तैदी के साथ किया जा रहा है।

वहीं निराश्रित गोवंश के मामले को ले करके भी जब मैं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में था तो मैंने वहां इस बात की चर्चा लोगों से की, मैंने लोगों से पूछा कि आखिर कैसे ये सब चीजें आयी ? उन्होंने कहा कि पहले जितने अवैध बूचड़खाने चलते थे ये सब गोवंश चोरी करके उन अवैध बूचड़खाने में पहुंचाये जाते थे और वहां फिर काटे जाते थे। सरकार ने अवैध बूचड़खानो को रोका है, तो स्वाभाविक रूप से अब शरारतन भी यह गोवंश सड़कों पर हैं या खेतों पर हैं। लेकिन हम लोगों ने एक अभियान चलाया है। हमने पहले भी इसके लिए काफी बड़ी मात्रा में भी धनराशि रिलीज की है। अलग-अलग जनपदों में धनराशि दी है, नगर निकायों में भी धनराशि दी है। गोवंश के चारे के लिए भी अतिरिक्त धनराशि दी है और इस धनराशि के माध्यम से गोवंश के संरक्षण के साथ-साथ उसके सम्वर्द्धन की व्यवस्था हो, उन्नत नस्ल का

गोवंश आ सके, लोग अपने घरों में रह कर इसकी सेवा कर सकें, इसका कार्य भी सरकार कर रही है। अब तक हम लोग लगभग 03 लाख गोवंश को जो निराश्रित था, ऐसे 03 लाख गोवंश को अलग-अलग जनपदों में अलग-अलग आश्रय स्थलों पर हमारी सरकार के द्वारा उनको रखने का कार्य भी हुआ है। (सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपायीं।) हम लोग पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। किसान के साथ हमारा भावनात्मक सम्बन्ध है और हमारी पूरी संवेदना उनके साथ है। उनकी फसल को, उनकी पूरी मेहनत को एक झटके में जा करके ये निराश्रित गोवंश नुकसान पहुंचाये, यह नहीं चल सकता। हम लोग किसान के हितों को संरक्षण देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं और पर्याप्त मात्रा में धनराशि हम लोगों ने वहां पर उपलब्ध कराई है।

राशन कार्ड, बड़ी मात्रा में प्रदेश के अन्दर फेक राशन कार्ड थे। फर्जी लोग राशन कार्ड बनाये हुए थे। राशन कार्ड धारक कहीं हैं ही नहीं, लेकिन उनके नाम पर राशन कार्ड बने थे। ऐसे सभी राशन कार्ड समाप्त करते हुए हर एक व्यक्ति को राशन कार्ड उपलब्ध कराना। वर्तमान में 3 करोड़ 55 लाख परिवारों को हम राशन कार्ड उपलब्ध करा रहे हैं और राशन कार्ड में अन्त्योदय और पात्र गृहस्थी के राशन कार्ड जिसमें 2 रुपये प्रति किलो चावल और 3 रुपये प्रति किलो गेहूँ प्रत्येक परिवार को उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था भी युद्ध स्तर पर की गई है। कोई भी लाभार्थी इससे वंचित नहीं रहने पायेगा।

महोदय, ऐसे ही अन्य तमाम कार्यों को ले करके सरकार आम जनों के हितों को संरक्षण देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रदेश के अन्दर हर एक क्षेत्र में विगत 22 महीनों के दौरान अलग-अलग क्षेत्र में विभाग ने अपनी नई प्रगति की है और मैं इस बात को कह सकता हूँ कि कुम्भ का आयोजन जिस भव्यता और जिस दिव्यता के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारी पूरी कैबिनेट वहां पर गई थी। वहां पर उस अलौकिक आनन्द का अनुभव पूरी कैबिनेट ने भी किया। प्रयागराज जाने वाला हर व्यक्ति इस आनन्द की अनुभूति कर रहा है। पूरा देश और दुनिया का हर श्रद्धालु जो प्रयागराज आ रहा है, आज बदलते हुए उत्तर प्रदेश और अपने सुशासन के माध्यम से प्रदेश की छवि को बदलने का जो एक प्रयास प्रारम्भ हुआ है उस बदलते हुए उत्तर प्रदेश को देश और दुनिया देख रही है, उसको महसूस कर रही है। देखने के लिए दृष्टि चाहिए और समझने के लिए विवेक भी चाहिए। अब ईश्वर ने यह दोनों चीजें किसी को न दी हों तो उसमें हमारी क्या गलती है। हम उसके लिए कर भी क्या सकते हैं। इसीलिए अध्यक्ष जी, हम लोग आदरणीय राज्यपाल महोदय के आभारी हैं कि उनका अभिभाषण सरकार के लिए, प्रदेश के लिए एक मार्गदर्शक बना है। समय-समय पर विभिन्न आयोजनों के माध्यम से, विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से भी श्री राज्यपाल जी का मार्गदर्शन प्रदेशवासियों को प्राप्त होता रहा है। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का कार्यक्रम हो या फिर प्रदेश के अन्दर तिलक जी ने उत्तर प्रदेश में 1916 में **स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, मैं इसे ले करके रहूँगा** यह उद्घोष लखनऊ में कांग्रेस अधिवेशन में किया था। कांग्रेस के लोग भूल गये क्योंकि तिलक जी एक परिवार से नहीं जुड़े थे और इसलिए तिलक जी को भुला दिया लेकिन गर्वनर साहब के

निर्देश पर प्रदेश सरकार ने एक भव्य आयोजन किया था और तिलक जी के परिवार के लोगों को भी आमंत्रित किया था और तमाम देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारजनों को भी हमने बुला करके एक भव्य आयोजन किया था प्रदेश के अन्दर। प्रदेश के अन्दर एक और कार्य इस समय चल रहा है और वह काशी की पहचान से जुड़ा है।

महोदय, 1916 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के उद्घाटन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी भी आये थे और पूज्य बापू उस समय काशी में भगवान विश्वनाथ के मंदिर में दर्शन करने के लिए गये थे। काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने के दौरान उन्होंने वहां गन्दगी देखी थी, संकरी गलियां देखी थीं और गांधी जी ने उस समय जो बातें कही थीं 1916 में गांधी जी ने काशी के बारे में और काशी विश्वनाथ मंदिर के बारे में और वहां पर गन्दगी के बारे में, दुर्व्यवस्था, अव्यवस्था के बारे में जो बातें कहीं थी, उसका आडियों हम लोगों के पास है क्योंकि बापू की 150वीं जयन्ती का वर्ष चल रहा है देश के अन्दर महामहिम राष्ट्रपति जी की अध्यक्षता में और प्रदेश के अन्दर आदरणीय राज्यपाल महोदय की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित हुई है। पूरे प्रदेश के अन्दर अनेक कार्यक्रम चल रहे हैं। अभी प्रदेश के अन्दर हमारी कैबिनेट ने यह भी निर्णय लिया है कि आदरणीय राज्यपाल जी की हार्दिक अभिलाषा थी कि कुष्ठरोगियों को जो किसी योजना का लाभ नहीं मिल पाता है उन्हें एक-एक आवास उपलब्ध हो जाय। हमारी सरकार ने 3700 से अधिक ऐसे कुष्ठ रोगी परिवारों को एक-एक आवास देने का निर्णय लिया है। गांधी जी की 150वीं जयंती के अवसर पर यह सारे कार्यक्रम हो रहे हैं। हर एक कुष्ठ रोगी को एक-एक आवास मिलेगा और यह कार्य हम आदरणीय राज्यपाल महोदय के कर-कमलों से आगे बढ़ोयेंगे लेकिन काशी विश्वनाथ मन्दिर के बारे में 1916 में गांधी जी ने यह बात कही थी, गन्दगी के बारे में, संकरी गलियों के बारे में कि भीड़ आती है आस्था का क्या सम्मान है ? कभी कोई घटना, दुर्घटना हो जाए, और आज आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में, 100 वर्षो तक किसी ने गांधी जी की बात पर ध्यान नहीं दिया लेकिन देश के प्रधानमंत्री जी ने आज काशी हैरीटेज जोन के नाम पर, काशी विश्वनाथ मंदिर के सौन्दर्यीकरण की जो वृहद योजना तैयार की है।

(मेजें थपथपाई गईं)

महोदय, बहुत ही अच्छे ढंग से, आज आप जाएंगे तो पांच फिट की गली नहीं, काशी विश्वनाथ मंदिर में जाने के लिए पचास फिट चौड़ा रास्ता मिलेगा। गंगा जी तक जाने के लिए पूरा एक हैरीटेज जोन मिलेगा और वहां पर ऐसे अब तक 41 मंदिर तीन सौ, चार सौ, पांच सौ, सात सौ वर्ष पुराने ऐसे-ऐसे मन्दिर हैं, जो मिल रहे हैं मकानों के अन्दर दबे हुए थे, उन मन्दिरों को संरक्षित करने का कार्य, उसे हैरीटेज जोन में विकसित करने का कार्य, वहां पर सरकार करने जा रही है। एक वृहद कार्य हो रहा है। गांधी जी के नाम पर, गांधी जी के टाइटिल के आधार पर लोग राजनीति कर रहे हैं, सत्ता भुना रहे हैं लेकिन गांधी जी की बातों पर विश्वास नहीं करेंगे। गांधी जी के विचारों का अनुसरण नहीं करेंगे। विडम्बना यही है गांधी

जी के उन विचारों का किसी ने सौ वर्षों तक किसी ने आत्मसात करने का प्रयास नहीं किया। आज काशी विश्वनाथ मन्दिर का जो पुनरुद्धार का कार्य काशी में हैरीटेज जोन बना करके उन प्राचीन मन्दिरों के संरक्षण का कार्य हृदय योजना, स्वदेश दर्शन, प्रसाद योजना के अन्तर्गत जिस रूप में आज काशी की बदली हुई तस्वीर, जो लोग पांच साल, दस साल पहले काशी गए थे और प्रवासी भारतीय दिवस के कार्यक्रम में आये थे, वह लोग अभिभूत थे। काशी, बदलती हुई काशी एक नई पुरातन आत्मा को रखते हुए, नई काया के साथ उभरती हुई काशी, एक विकसित होती हुई काशी, अपनी अध्यात्मिक और सांस्कृतिक परम्परा को संजोए रखते हुए बढ़ रही काशी, वह काशी आज उस रूप में हमारे बीच में है और मैं आज के इस अवसर पर एक बार पुनः आभार व्यक्त करता हूँ आदरणीय राज्यपाल महोदय का, जिन्होंने इस सत्र का शुभारम्भ अपने महत्वपूर्ण अभिभाषण से किया। समवेत् सदनों को सम्बोधित किया, तमाम व्यवधानों के बावजूद उन्होंने पूरा अभिभाषण न केवल पढ़ा, अपितु समय-समय पर उसके बारे में आवश्यक निर्देश भी उन्होंने दिये। यह सदन आदरणीय राज्यपाल महोदय के प्रति आभार व्यक्त करता है। अध्यक्ष जी मैं एक बार पुनः पूरे सदन से, अपने सभी मित्रों से अपील करूंगा कि यह सर्वसम्मति से महामहिम राज्यपाल महोदय के धन्यवाद प्रस्ताव को यहाँ से पास करके आदरणीय राज्यपाल महोदय तक पहुंचाने का कार्य करें। मैं आपका भी आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया है। मैं आभारी हूँ उन सभी सहयोगियों का, माननीय सदस्यों का, ऐसे लगभग 58 सदस्य जिन्होंने इस चर्चा में भाग लिया और प्रदेश की उपलब्धियों के साथ-साथ भावी योजनाओं पर चर्चा करके आदरणीय राज्यपाल महोदय के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है। मैं इसके साथ ही पुनः एक बार आदरणीय राज्यपाल महोदय को यहाँ पर उनके अभिभाषण के लिए धन्यवाद देता हूँ। आभार व्यक्त करता हूँ। धन्यवाद

(मेजें थपथपाई गईं)

श्री अध्यक्ष-

अब मैं श्री राज्यपाल द्वारा दिए गए अभिभाषण के लिए प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव में माननीय नेता विरोधी दल की ओर से प्रस्तुत किये गये संशोधन प्रस्ताव को मतदान के लिए प्रस्तुत करता हूँ।

प्रश्न यह है कि श्री राज्यपाल के अभिभाषण के सम्बन्ध में जो संशोधन प्रस्ताव नेता विरोधी दल ने प्रस्तुत किए थे, क्या यह सदन उससे सहमत है ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से अस्वीकृत किया गया।)

इसके अतिरिक्त अन्य संशोधनों के प्रस्ताव जो अन्य प्रतिपक्षी सदस्यों ने रखे थे, वह भी अस्वीकृत समझे जायेंगे।

प्रश्न यह है कि यह सदन श्री राज्यपाल के अभिभाषण के लिये जो उन्होंने राज्य विधान मण्डल के एक साथ समवेत् दोनों सदनों के समक्ष 5 फरवरी, 2019 को दिया है, कृतज्ञतापूर्वक धन्यवाद प्रकट करता है।

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

[05:16] नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

अब मैं नियम-51 की सूचनाएं ले रहा हूं, जो मा0 सदस्य अनुपस्थित हैं, उनकी सूचना निरस्त हो जायेगी और उसकी जगह अन्य मा0 सदस्यों की सूचनाएं ली जायेंगी।

आज नियम-51 के अन्तर्गत निम्नलिखित कुल 41 सूचनायें प्राप्त हुईं :-

पहली सूचना श्री रमाशंकर सिंह की जनपद मिर्जापुर में पुलिस की उदासीनता के चलते बैंकों से अवैध रूप से धन निकाले जाने के सम्बन्ध में है,

दूसरी सूचना श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही की जनपद बुलन्दशहर के गांव शरीफपुर के मजरा फतेहपुर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था किये जाने के सम्बन्ध में है,

तीसरी सूचना डॉ0 श्याम बिहारी लाल की जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर में कतिपय पुलियों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है,

चौथी सूचना श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव की जनपद लखनऊ के नरपतखेड़ा में पी0एच0सी0 का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है तथा

पांचवीं सूचना श्री मनीष असीजा की जनपद फिरोजाबाद के निर्माणाधीन मेडिकल कालेज में कैंसर यूनिट की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में है वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई।

पहली सूचना श्रीमती कृष्णा पासवान की जनपद फतेहपुर के अन्तर्गत जरौली के अन्तर्गत रजवाहे के दोनों किनारे पटरियों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है तथा

दूसरी सूचना श्री प्रमोद उटवाल की जनपद मुजफ्फरनगर में हीमोफीलिया नामक बीमारी की रोकथाम किये जाने के सम्बन्ध में है, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई।

पहली सूचना श्री विकास गुप्ता की जनपद फतेहपुर के विकास खण्ड भिटौरा के अन्तर्गत ग्रामीण सड़कों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है,

दूसरी सूचना श्री रोशन लाल वर्मा की जनपद शाहजहांपुर में जिला शासकीय अधिवक्ता एवं सरकारी अधिवक्ता के वेतन का भुगतान कराये जाने के सम्बन्ध में है,

तीसरी सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर में कतिपय मार्गों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है,

चौथी सूचना डॉ0 हरेन्द्र प्रसाद सिंह की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र जाफराबाद में निर्माणाधीन पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में है,

पांचवीं सूचना श्रीमती अनीता की जनपद अम्बेडकरनगर के आलापुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत पिकिया नदी के समाप्त हो रहे अस्तित्व को बचाये जाने के सम्बन्ध में है,

छठी सूचना डॉ0 नीरज बोरा की जनपद लखनऊ के उत्तर विधान सभा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों के भवनों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है,

सातवीं सूचना श्री जवाहर लाल राजपूत की जनपद झांसी के विधान सभा क्षेत्र गरौठा में बेतवा नदी पर डिकौली में लिफ्ट कैनाल बनाये जाने के सम्बन्ध में है,

आठवीं सूचना श्री संजय प्रताप जायसवाल की जनपद बस्ती में धान क्रय केन्द्र पर की जा रही अनियमितता के सम्बन्ध में है तथा

नवीं सूचना कुं0 नरेन्द्र पाल सिंह की जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी के विकास खण्ड कदौरा में ग्राम पथरेहटा से बसेरही मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत हुई।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनाएं अस्वीकार की गईं :-

1-श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा
2-श्री अम्ब्रीश सिंह पुष्कर एडवोकेट
3-श्री अजय कुमार लल्लू
4-श्री विनय शंकर तिवारी
5-श्री अमिताभ बाजपेयी
6-श्री राम अचल राजभर
7-श्रीमती सुषमा पटेल
8-श्री उमाशंकर सिंह
9-श्री रितेश पाण्डेय
10-श्री मनोज कुमार पारस
11-श्री धर्मराज यादव उर्फ सुरेश यादव
12-श्री नफीस अहमद
13-श्री नाहिद हसन
14-श्री अबरार अहमद
15-श्री मसूद अखतर
16-श्री नरेश सैनी
17-श्री राकेश प्रताप सिंह
18-श्री सुखदेव राजभर
19-श्री आजाद अरिमर्दन
20-श्री राहुल प्रकाश
21-श्रीमती जयदेवी
22-श्री अगयश राम सरन वर्मा
23-श्री ममतेश शाक्य
24-श्री धर्मेन्द्र सिंह शाक्य तथा
25-श्री अनिल कुमार मौर्य।

[05:16] एन0जी0टी0 के आदेशों की आड़ में गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा नागरिकों का उत्पीड़न करने एवं आदेशों के विपरीत अपील दर्ज न किये जाने के सम्बन्ध में डा0 राधामोहन दास अग्रवाल द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, ऐसी परम्परा तो नहीं रही है कि जो मा0 सदस्य नहीं हैं.....

श्री अध्यक्ष-

क्या मा0 मौर्या जी कुछ कह रहे हैं ?

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, मौर्या जी कह रहे हैं कि जो मा0 सदस्य नहीं हैं, उनका वक्तव्य नहीं होना चाहिये।

श्रम एवं सेवायोजन मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

माननीय अध्यक्ष जी, वक्तव्य इसीलिये पढ़ा जाता है कि जिस मा0 सदस्य की यह सूचना है, उस पर वह कुछ पूछना चाहे तो वह पूछ सकता है और जो मा0 सदस्य हैं ही नहीं तो उसको पढ़ने का औचित्य ही क्या है ?

श्री अध्यक्ष-

लेकिन यह पढ़ा हुआ माना जाता है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि एन0जी0टी0 के आदेशों की आड़ में गोरखपुर विकास प्राधिकरण ....

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(मुख्य मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[से आख्या प्राप्त की गई है। आख्यानुसार मा0 एन0जी0टी0 में दाखिल Original Application No. 116/2014 मीरा शुक्ला बनाम म्यूनिसिपल कार्पोरेशन, गोरखपुर एवं अन्य में पारित आदेश दिनांक 17-12-2018 के प्रस्तर-6 (viii) में दिये गये आदेश के क्रम में रामगढ़

नोट :-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

ताल (इनर साइड) से 500 मीटर की दूरी तक नये निर्माण पर रोक लगाई गई है। उपरोक्त आदेश में यह भी अंकित किया गया है कि :-

"1-All constructions except the extended portion of the Circuit House and its link road be stopped till the Monitoring Committee forms an opinion on the basis of Project Report of Rejuvenattion Committee and other material, which is likely to be available soon.

2-A Committee of expert be sent by Hon'ble NGT to inspect the Ramgarh lake and its surrounding to make the lake charged with water of natural resources and tenders its advice from its survival."

अवगत कराना है कि मा0 एन0जी0टी0 में दाखिल अप्लीकेशन संख्या-116/2014 में पारित उक्त आदेश दिनांक 17-12-2018 के अनुपालन हेतु विभिन्न दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित करा कर अनुपालन आख्या दिनांक 09-01-2019 को प्रेषित की गई है।

3-प्रकरण में प्राप्त आख्यानुसार उपरोक्त आदेश अन्तिम नहीं है। मा0 एन0जी0टी0 का आदेश दिनांक 17-12-2018 वस्तुतः मौके पर यथा स्थिति बनाये रखने की प्रकृति का अन्तवर्तीय आदेश है। प्रकरण में रिजुविनेशन कमेटी की आख्या आने के पश्चात् सम्पूर्ण तथ्यों/परिस्थितियों के असेस्मेंट के बाद प्रभावी अन्तिम आदेश सम्भाव्य है। अतः उपरोक्त आदेशों के विरुद्ध एस0एल0पी0 योजित करने की आवश्यकता नहीं पाई गई है।

4-अवगत कराना है कि दिनांक 31-10-2018 को सर्किट हाउस, गोरखपुर में "Eastern UP Rivers & Water Reservoirs Monitoring Committee" द्वारा निर्देश जारी किये गये हैं कि Environmental clearance अथवा आवश्यक अनुमति के बिना उपरोक्त इंगित 500 मी0 दूरी तक स्थित फ्लैटों में न तो आवंटन किया जाये और न ही कब्जा दिया जाये। मुख्य अभियन्ता, गोरखपुर विकास प्राधिकरण की आख्या दिनांक 07-02-2019 के अनुसार गोरखपुर विकास प्राधिकरण की कालोनियां यथा-लोहिया इन्क्लेव, वसुन्धरा, लेक-व्यू व अन्य कुल 22 कालोनियों में Environmental clearance हेतु टेण्डर की कार्यवाही पूर्ण की जा चुकी है।

5-मा0 एन0जी0टी0 के आदेश के अनुपालन में उपरोक्त ताल के आस-पास बने मकानों का सर्वे मा0 एन0जी0टी0 में दायर रिट अप्लीकेशन संख्या-116/2014 मीरा शुक्ला बनाम म्युनिसिपल कार्पोरेशन, गोरखपुर में मा0 एन0जी0टी0 द्वारा गठित समिति के सेवानिवृत्त जज, मा0 उच्च न्यायालय श्री डी0पी सिंह के आदेश में मानीटरिंग कमेटी की बैठक दिनांक 24-09-2018 के कार्यवृत्त एवं तत्क्रम में उपाध्यक्ष, गोरखपुर विकास प्राधिकरण के आदेश दिनांक 26-10-2018 के क्रम में रामगढ़ ताल के आस-पास (इनर साइड ऑफ वाटर बाडी) से 50.00 मीटर की दूरी तक बने मकान एवं अन्य निर्माण का सर्वे किया गया है, जिसमें कुल 393 निर्माण/भवन चिन्हित किये गये हैं।

इस प्रकार रामगढ़ ताल (इनर साइड) से 50.00 मीटर चिन्हित भवनों के विरुद्ध-

(i) नोटिस नहीं दी गई है।

(ii) कोई वाद दाखिल नहीं किया गया है।

(iii) कोई ध्वस्तीकरण आदेश पारित नहीं किया है।

कृपया उपरोक्तानुसार अवगत होना चाहें।]

चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में पांच नए स्थापित मेडिकल कालेजों के रिक्त पदों को भरे जाने के सम्बन्ध में श्री लाल जी वर्मा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में पांच नये स्थापित ...

श्रम एवं सेवायोजन मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(चिकित्सा शिक्षा मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[मेडिकल कालेजों के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि-

(1) भारत सरकार की योजना के अन्तर्गत स्थापित किये जा रहे उत्तर प्रदेश के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय यथा-अयोध्या, बस्ती, बहराइच, फिरोजाबाद तथा शाहजहांपुर के संचालन हेतु पृथक-पृथक सोसायटी गठित की गई है। इनमें चिकित्सा शिक्षकों की नियुक्ति हेतु पदों का विज्ञापन दिसम्बर, 2018 में विशिष्टतावार एवं पदवार पृथक-पृथक विज्ञापित किया गया है।

(2) इन 05 स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में आचार्य, सह-आचार्य तथा सहायक आचार्य के 47 पद प्रति कालेज विशिष्टतावार सृजित हैं। इस प्रकार 05 स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रत्येक के 22 विशिष्टताओं के अन्तर्गत (आचार्य, सह-आचार्य तथा सहायक आचार्य) कुल 47x5=235 पद सृजित हैं। उक्त पदों पर चयन के दो स्रोत हैं प्रथम प्रान्तीय चिकित्सा सेवा में कार्यरत अधिकारी जो निर्धारित अर्हता रखते हैं, उन्हें डेजिग्नेट प्रोफेसर/एसोसियेट प्रोफेसर के रूप में भर्ती का विज्ञापन प्रकाशित किया गया है तथा द्वितीय

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

सीधी भर्ती के माध्यम से आचार्य, सह-आचार्य तथा सहायक आचार्य के चयन हेतु भी विज्ञापन पृथक-पृथक कालेज हेतु प्रकाशित किये गये हैं। दोनों प्रकार के विज्ञापनों में विज्ञापित पदों में ओवरलैप है, क्योंकि किस स्रोत से कितने पात्र अध्यापक प्राप्त होंगे यह ज्ञात नहीं है, इसीलिये विज्ञापन में यह प्राविधान रखा गया है कि रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है। इसके अतिरिक्त आचार्य स्तर पर राजकीय मेडिकल कालेजों के सेवानिवृत्त अध्यापकों को भी मानदेय पर लिया जा रहा है। इस प्रकार एम0सी0आई0 के मानकों को पूर्ण किये जाने के दृष्टिगत तीनों कार्यवाहियां समान रूप से की जा रही हैं। चूंकि समानान्तर विज्ञापन डेजिग्नेट प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर के लिये 21 (7+14) पदों एवं रिटायर्ड प्रोफेसर हेतु 07 पदों के लिये भी एक साथ प्रकाशित किये गये हैं, जो मूल पदों की ही पुनरावृत्ति है इसलिये प्रत्येक विज्ञापन लिखा गया है कि रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है। उक्त स्थिति के दृष्टिगत ओवरलैप के कारण कुल विज्ञापित पद 360 प्रदर्शित हो रहे हैं जबकि वास्तविक पदों की संख्या-235 है।

(3) इन विज्ञापित पदों में आरक्षण के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि वर्ष 2000 में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में आरक्षण हेतु पदों की गणना हेतु विश्वविद्यालय को यूनिट न मानकर विषय/विभाग को यूनिट मानने का शासनादेश दिनांक 14 फरवरी, 2000 को जारी किया गया था। इसी क्रम में चिकित्सा शिक्षा विभाग के दिनांक 12 नवम्बर, 2001 के शासनादेश में स्पष्ट किया कि जिन विभागों में 1 से 3 पद सृजित हैं वहां प्रतिशत के आधार पर आरक्षण की अनुमन्यता नहीं होगी एवं पद अनारक्षित श्रेणी के होंगे। चिकित्सा शिक्षा विभाग की वर्ष 2005 में लागू की गई उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों की सेवा (द्वितीय संशोधन) नियमावली, 2005 के संशोधित नियम-6 में की गई आरक्षण की व्यवस्था के अनुसार आरक्षण लागू करने के प्रयोजन के लिये श्रेणी 'क' में प्रत्येक विषय/विभाग से सम्बन्धित पदों की कुल संख्या को एकल इकाई के रूप में माने जाने की अधिसूचना जारी की गई, जिसे एस0जी0पी0जी0आई0 के संकाय सदस्यों के पदों हेतु शासनादेश दिनांक 10 दिसम्बर, 2010 द्वारा पुनः स्पष्ट किया गया कि संस्था में प्रत्येक विभाग में सृजित विभिन्न पदों को अलग-अलग यूनिट मानकर प्रत्येक पद पर आरक्षण व्यवस्था लागू की जाय, संकाय सदस्यों की भर्ती हेतु आरक्षण का निर्धारण प्रतिशत के आधार पर किया जाय एवं 2 अथवा 3 पद होने पर आरक्षण अनुमन्य नहीं होगा तथा 04 पदों में 01 पद ओ0बी0सी0 श्रेणी के लिये एवं 05 पदों में 01 पद ओ0बी0सी0 तथा 01 पद अनुसूचित जाति के लिये आरक्षित होगा। इसी प्रकार प्राविधिक शिक्षा विभाग के शासनादेश संख्या-2/2016/802-सोलह-2-2015-121 (ई)/15, प्राविधिक शिक्षा अनुभाग-2, लखनऊ दिनांक 15 जनवरी, 2016 के माध्यम से सीधी भर्ती के पदों पर आरक्षण की गणना करते समय पृथक-पृथक संस्था/इकाई के अन्तर्गत ट्रेडवार पदों की संख्या को आधार बना कर आरक्षण प्रतिशत के अनुसार आरक्षण अनुमन्य किया गया है।

(4) उल्लेखनीय है कि स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों की सोसायटी के बायलाज के बिन्दु-38 के अनुसार ''सोसायटी के कर्मचारियों की नियुक्ति/प्रोन्नति में राज्य सरकार के पूर्ववत् आरक्षण नियमों/विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।''

(5) इस प्रकार 05 स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों यथा-अयोध्या, बस्ती, बहराइच, फिरोजाबाद तथा शाहजहांपुर में प्रत्येक के 22 विभागों/विशिष्टताओं के अन्तर्गत (आचार्य, सह-आचार्य तथा सहायक आचार्य) कुल 47x5=235 सृजित पदों के सापेक्ष 220 पदों के लिये विज्ञापन प्रकाशित किया गया। कतिपय स्रोतों से सूचना प्राप्त होने पर एवं विज्ञापित पदों में छूटे हुए 3x5=15 पदों को जोड़कर प्रदेश शासन की आरक्षण नीति एवं शासनादेशों के क्रम में पुनः गणना करने पर संज्ञान में आया है कि उपरोक्त 05 मेडिकल कालेजों में सहायक आचार्य हेतु मात्र 22 विभागों/विशिष्टताओं में से मात्र 04 विभागों/विशिष्टताओं यथा-सामान्य सर्जरी, सामान्य मेडिसिन, आब्स एण्ड गायनी तथा एनेस्थीसियोलॉजी में आरक्षित श्रेणी के पद (6x5) 30 राज्य सरकार की आरक्षण नीति के अनुसार अनुमन्य है। अतः वर्णित स्थिति के दृष्टिगत 05 स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों के उपरिसन्दर्भित 04 विशिष्टताओं में सहायक आचार्य की भर्ती हेतु पूर्व विज्ञापित पदों के साक्षात्कार जो अगले सप्ताह में 11 फरवरी, 2019 में निर्धारित थे, को निरस्त कर दिया गया है तथा उक्त सीमा तक 22 में से 04 विभागों के सहायक आचार्यों हेतु पदों पर नियुक्ति हेतु विभिन्न समाचार-पत्रों में संशोधित विज्ञप्ति जारी की जा रही है, जिसके लिये अब 26 फरवरी, 2019 तक आवेदन-पत्र प्राप्त किये जायेंगे एवं मार्च, 2019 के प्रथम सप्ताह में साक्षात्कार कर शासन की आरक्षण नीति का पूर्णरूपेण क्रियान्वयन कर नियुक्तियां की जायेंगी।

इस प्रकार आरक्षण के सम्बन्ध में प्रदेश शासन की नीति के अनुसार शिक्षण संस्थानों/विश्वविद्यालयों में विषय/विभाग को यूनिट मानकर आरक्षण अनुमन्य किये जाने की व्यवस्था है, जिसे 05 नवीन स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों की सोसाइटी में भी अंगीकृत किया गया है।]

जनपद कुशीनगर के अन्तर्गत बांसी नदी के सुखपुरा स्केप के कतिपय टेल के सिल्ट की सफाई कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजय कुमार लल्लू द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर सिंचाई मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जनपद कुशीनगर के अन्तर्गत बांसी नदी के सुखपुरा .....

श्रम एवं सेवायोजन मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(सिंचाई मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[के अन्तर्गत मुख्य पश्चिमी गण्डक नहर के कि0मी0 89.800 के बायीं पटरी से सुखपुरा स्केप निकलता है, जिसकी लम्बाई 1.550 कि0मी0 तथा हेड डिस्चार्ज 4000 क्यूसेक है एवं मंझरिया (सिद्धपुरा) स्केप कि0मी0 115.400 पर मुख्य पश्चिमी गण्डक नहर के बाईं पटरी से निकलती है, जिसकी कुल लम्बाई 1.640 कि0मी0 तथा हेड डिस्चार्ज 4000 क्यूसेक है। मंझरिया (सिद्धपुरा) स्केप के टेलभाग से इसका पानी बांसी नदी में और बांसी नदी बड़ी गण्डक नदी में ग्राम पिपराघाट में मिलती है। इसी प्रकार मुख्य पश्चिमी गण्डक नहर के कि0मी0 89.800 पर स्थित सुखपुरा स्केप का भी पानी बांसी नदी से होकर बड़ी गण्डक नदी में आकर मिलता है।

प्रश्नगत समाधान बांसी नदी में जमा सिल्ट की निकासी से ही सम्भव है। जिसकी परियोजना बनाये जाने के सम्बन्ध में बांसी नदी के चैनलाइजेशन की कार्य योजना तैयार किये जाने हेतु नदी का प्रारम्भिक सर्वेक्षण कार्य किये जाने के सम्बन्ध में वित्तीय वर्ष 2018-19 में प्राक्कलन रु0 22.40 लाख के सापेक्ष रु0 3.00 लाख का आवंटन दिनांक 31-01-2019 को किया जा चुका है। उक्त योजना पर पर्यवेक्षणोपरान्त उपयुक्त पाये जाने पर परियोजना गठित कर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।]

जनपद फिरोजाबाद के अन्तर्गत नगर निगम द्वारा कूड़े के प्रभावी प्रबन्धन हेतु कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में श्री मनीष असीजा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर नगर विकास मंत्री का वक्तव्य

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य श्री मनीष असीजा जी हैं ? क्या उनको कुछ पूछना है ? आप मिल कर पूछ लीजियेगा।

श्री मनीष असीजा-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं मा0 मंत्री जी का ही धन्यवाद दूंगा। मा0 मंत्री जी ने हमें कृपापूर्वक आश्वस्त किया है कि जो हमारे यहाँ पर सॉलिड बेस्ट मैनेजमेंट है, उसके लिये धनावंटन प्रक्रिया जारी है, इसके लिये मैं मा0 मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूंगा।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जनपद फिरोजाबाद के अन्तर्गत नगर निगम द्वारा कूड़े .....

श्रम एवं सेवायोजन मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(पढ़ा हुआ माना गया वक्तव्य संलग्न है)

(नगर विकास मंत्री का वक्तव्य उन्होंने ही दिया जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[नगर निगम, फिरोजाबाद में प्रतिदिन सैकड़ों टन कूड़ा-कचरा एवं गन्दगी निकलती है। नगर निगम फिरोजाबाद में ''ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) के अन्तर्गत कूड़े का संग्रहण, ट्रांसपोर्टेशन एवं निष्पादन हेतु न होने के कारण नगर निगम क्षेत्र में खाली पड़े भू-खण्डों, सड़क किनारे एवं बाहरी क्षेत्र में कूड़े-कचरे को डाल दिया जाता है। जिसके कारण गन्दगी का वातावरण रहता है तथा संक्रमण होने पर बीमारियां फैलने की घटनायें होती रहती हैं। फिरोजाबाद के नागरिकों को इस कारण लम्बे समय से बहुत असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

नगर निगम, फिरोजबाद में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के अन्तर्गत कूड़े का संग्रहण, ट्रान्सपोर्टेशन एवं निस्तारण हेतु एक डी0पी0आर0 तैयार करवाते हुए इसके उचित परीक्षण हेतु जिलाधिकारी, फिरोजबाद के माध्यम से प्रमुख सचिव, नगर विकास, निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय, निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) एवं निदेशक, क्षेत्रीय नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केन्द्र, लखनऊ को पत्र संख्या-48/सा0प्र0/2018-19, दिनांक 08-10-2018 भेजी जा चुकी है।

व्यापक जनहित को देखते हुए नगर निगम, फिरोजाबाद में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के अन्तर्गत ठोस कूड़े के संग्रहण, ट्रान्सपोर्टेशन एवं निष्पादन एवं ट्रेचिंग ग्राउण्ड को तत्काल स्थापित कराने की महती आवश्यकता है।''

2-उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराया जाना है कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के अन्तर्गत ठोस अपशिष्ट के संग्रहण एवं ट्रान्सपोर्टेशन हेतु डी0पी0आर0 तैयार होने के पश्चात् राज्य उच्चाधिकार समिति से अनुमोदन तथा क्षेत्रीय नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केन्द्र (आर0सी0यू0ई0एस0) से परीक्षणोपरान्त डी0पी0आर0 में वर्णित धनराशि के सापेक्ष केन्द्रांश एवं राज्यांश की कुल आगणित धनराशि नगर निकाय के स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) परियोजना के अन्तर्गत खोले गये बैंक खाते के आन्तरित की जाती है।

उक्त के क्रम में नगर निगम, फिरोजाबाद की डी0पी0आर0 का अनुमोदन राज्य उच्चाधिकार समिति से प्राप्त कर लिया गया है तथा क्षेत्रीय नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केन्द्र (आर0सी0यू0ई0एस0) से परीक्षण भी करवाया जा चुका है। इस प्रकार ठोस अपशिष्ट के

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

संग्रहण, ट्रांसपोर्टेशन हेतु आगणित धनराशि नगर निगम, फिरोजाबाद को अवमुक्त किये जाने की कार्यवाही की जा रही है।]

जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र रुदौली के अन्तर्गत गन्ना किसानों की गन्ना आपूर्ति हेतु की जा रही धांधली को रोके जाने के सम्बन्ध में श्री राम चन्द्र यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर गन्ना विकास एवं चीनी मिलें राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का वक्तव्य

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र..

श्रम एवं सेवायोजन मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि वर्तमान पेराई सत्र 2018-19 में गन्ना किसानों द्वारा चीनी मिल को गन्ने की आपूर्ति सट्टा नीति वर्ष 2018-19 के अनुसार किया जा रहा है। सट्टा नीति के अनुसार पहले पेड़ी तथा बाद में पौधे गन्ने की आपूर्ति ली जाती है, जिसमें से सर्वप्रथम शीघ्र प्रजाति, तदोपरान्त सामान्य प्रजाति व अन्त में अस्वीकृत प्रजाति की आपूर्ति ली जाती है। समिति क्षेत्र के समस्त कृषकों को गन्ना आपूर्ति कैलेण्डर वितरित किया जा चुका है तथा गन्ना आपूर्ति कैलेण्डर के अनुसार ही कृषकों को नियमानुसार पर्चियां निर्गत की जा रही हैं। सहकारी गन्ना विकास समिति लि0, गनौली (रुदौली) में कुल आपूर्तिकर्ता सदस्यों की संख्या-23836 है, जिसमें ऐसे कृषक, जिनके पास पेड़ी गन्ना उपलब्ध है, की संख्या 19884 है, जिसके सापेक्ष अद्यतन कुल 19428 कृषकों को पर्चियां जारी की जा चुकी हैं। गन्ना समिति, गनौली से सम्बद्ध उपर्युक्तानुसार कृषकों का कुल बेसिक कोटा 36.04 लाख कुन्तल है तथा किसानों का अतिरिक्त गन्ना सट्टा करते हुए कुल 44.49 लाख कुन्तल का गन्ना सट्टा किया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक 21.85 लाख कुन्तल गन्ने की खरीद की जा चुकी है, जो कि कुल गन्ना सट्टे का 49.12 प्रतिशत है। इस प्रकार स्पष्ट है कि गन्ना समिति स्तर पर गन्ना आपूर्ति हेतु निर्गत कैलेण्डरों एवं पर्चियों में कोई धांधली नहीं की जा रही है। गन्ना समिति, गनौली के स्तर पर कृषकों की प्रतिदिन आने वाली समस्याओं को रजिस्टर में अंकित कर उनका समय से निस्तारण कराया जा रहा है तथा किसानों की सुविधा हेतु समिति स्तर पर कम्प्यूटराइज्ड पूछताछ केन्द्र के साथ ही मोबाइल ऐप पर वेबसाइट के माध्यम से भी किसानों को पर्ची निर्गमन से सम्बन्धित जानकारियां ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। पर्ची निर्गमन,

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

सट्टा नीति के अनुसार ही हो, इसका नियमित अनुश्रवण कर अनुपालन सुनिश्चित कराया जा रहा है ताकि समिति क्षेत्र के गन्ना किसानों को गन्ना आपूर्ति में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

यह भी उल्लेखनीय है कि सम्बन्धित चीनी मिलों को निर्देशित किया गया है कि वे गन्ना कृषक सदस्यों के समस्त पेराई योग्य गन्ने की पेराई करने के पश्चात् ही पेराई सत्र का समापन करें।]

नोएडा के एकमात्र राजकीय स्नातकोत्तर कालेज में विज्ञान, विधि एवं कला संकाय की कक्षायें संचालित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पंकज सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर उच्च शिक्षा मंत्री का केवल वक्तव्य

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि राजकीय .....

श्रम एवं सेवायोजन मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(केवल वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[स्नातकोत्तर महाविद्यालय नोएडा, गौतमबुद्धनगर में स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में अर्थशास्त्र तथा विज्ञान संकाय में जन्तु विज्ञान और वाणिज्य संकाय में एम0काम0 की कक्षायें संचालित हैं। नोएडा परिक्षेत्र में स्ववित्त पोषित योजना के अन्तर्गत कुल 25 विधि महाविद्यालय संचालित है। कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर, गौतमबुद्धनगर में स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, भूगोल, हिन्दी, इतिहास, गृह विज्ञान, राजनीतिशास्त्र, संस्कृत, समाजशास्त्र तथा विज्ञान संकाय में जीव विज्ञान विषय में कक्षायें संचालित हैं। नोएडा/ग्रेटर नोएडा परिक्षेत्र के अन्तर्गत 01 सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय तथा 10 स्ववित्त पोषित महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर स्तर पर अंग्रेजी, हिन्दी, अर्थशास्त्र, शिक्षा शास्त्र, गृह विज्ञान, राजनीतिशास्त्र, रसायन विज्ञान, गणित, बायोटेक्नालॉजी एवं चिकित्सा विषय में कक्षायें संचालित हैं। उक्त के अतिरिक्त नोएडा/ग्रेटर नोएडा परिक्षेत्र के निजी विश्वविद्यालयों यथा गलगोटिया, शारदा, एमिटी, जे0पी0, नोएडा, इण्टरनेशनल, शिवनादर, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में कला संकाय, विज्ञान संकाय, वाणिज्य संकाय, विधि प्राविधिक शिक्षा, चिकित्सा और प्रबन्धन शिक्षा विषय में कक्षायें संचालित हैं।

नोएडा/ग्रेटर नोएडा परिक्षेत्र में उपरोक्त संचालित राजकीय/सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय/स्ववित्त पोषित महाविद्यालय तथा निजी विश्वविद्यालयों से नोएडा के छात्र/छात्राओं की उच्च शिक्षा की आवश्यकता की पूर्ति हो रही है। वृहत् वित्तीय एवं आधारभूत संसाधनों की

नोट :-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

आवश्यकता को दृष्टिगत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नोएडा, गौतमबुद्धनगर में स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय, विज्ञान संकाय एवं स्नातक स्तर पर विधि संकाय का संचालन/उच्चीकरण किये जाने का अवसर नहीं है।]

जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र अकबरपुर में क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत व निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम अचल राजभर द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का केवल वक्तव्य

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जनपद अम्बेडकरनगर .....

श्रम एवं सेवायोजन मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(केवल वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[में उल्लिखित मार्गों के सम्बन्ध में आख्या निम्नवत् है :-

(1) शिरोमणि वर्मा के भट्ठे से ग्राम सभा मलेथू राजभर बस्ती होते हुए पहितीपुर सम्पर्क मार्ग (लं0 लगभग 3.0 कि0मी0)-

प्रश्नगत मार्ग की कुल लम्बाई 3.800 कि0मी0 है, जिसके संरेखण में पड़ने वाले भाग के स्तर का विवरण निम्नवत् है :-

(क) **शिरोमणि वर्मा के भट्ठे से मलेथू राजभर बस्ती (सहतूगंज चौराहा) तक**-उक्त मार्ग की कुल लम्बाई 1.00 कि0मी0, जो मण्डी परिषद् द्वारा लेपन स्तर का बनाया गया है, जिसकी दशा क्षतिग्रस्त है एवं वर्तमान में प्रश्नगत मार्ग का स्वामित्व मण्डी परिषद् का है। अतः उक्त मार्ग के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रमुख सचिव, कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार विभाग, उ0प्र0 शासन को निर्देशित कर दिया गया है।

(ख) **मलेथू राजभर बस्ती (सहतूगंज चौराहा) से चनई इमामपुर तक**-उक्त भाग की कुल लम्बाई 1.300 कि0मी0 खड़न्जा स्तर का है, इस भाग के लेपन स्तर तक के निर्माण हेतु शासनादेश संख्या-73/2018/1105/23-9-2017-08 नाबार्ड (स0मा0)/2018, दिनांक 26-09-2018 द्वारा रु0 53.50 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। वर्तमान में कार्य प्रगति पर है।

(ग) **चनई इमामपुर से पहितीपुर पिच मार्ग तक**-उक्त भाग की कुल लम्बाई 1.500 कि0मी0 है। वर्तमान में उक्त भाग लेपन स्तर तक निर्मित है, जिसकी दशा संतोषजनक है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

(2) अशोक राजभर के घर से सैदपुर भितरी मार्ग (लं0 लगभग 3.0 कि0मी0)-

प्रश्नगत मार्ग की कुल लम्बाई 2.70 कि0मी0 है, जिसके संरेखण पर पड़ने वाले भाग के स्तर का विवरण निम्नवत् है :-

(अ) चैनेज (0 से 900) तक-उक्त भाग वर्तमान में 900 मीटर खड़न्जा स्तर का है।

(ब) चैनेज (900 से 1800) तक-उक्त भाग वर्तमान में 900 मीटर शून्य स्तर का है।

(स) चैनेज (1800 से 2200) तक-उक्त भाग वर्तमान में 400 मीटर खड़न्जा स्तर का है।

(द) चैनेज (2200 से 2700) तक (सैदपुर भितरी चै0-2200 में स्थित है)-उक्त भाग वर्तमान में 500 मीटर पेन्टिंग स्तर का है। वर्तमान में उक्त भाग की दशा संतोषजनक है।

सैदपुर-भितरी पूर्व से ही अकबरपुर-मालीपुर राज्य मार्ग से लेपित मार्ग द्वारा जुड़ा है। अतः इसको अशोक राजभर के घर तक जोड़े जाने हेतु अवशेष 1.80 कि0मी0 मार्ग का निर्माण लो0नि0वि0 की प्रचलित नीतियों से आच्छादित नहीं है।]

जनपद आजमगढ़ के जिला चिकित्सालय में न्यूरो, यूरो व गेस्ट्रो के चिकित्सक की नियुक्ति किये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती बन्दना सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री का केवल वक्तव्य

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय सदस्य द्वारा सदन में दी गई उपरोक्त सूचना के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि .....

श्रम एवं सेवायोजन मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ मानते हैं।

(केवल वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[वर्तमान में प्रदेश में विशेषज्ञ चिकित्सकों की भारी कमी है। मानक के अनुरूप प्रदेश में 8074 विशेषज्ञ चिकित्सकों के सापेक्ष मात्र 2922 विशेषज्ञ चिकित्सक ही तैनात हैं। महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ के पत्र दिनांक 07-02-2019 एवं प्रमुख अधीक्षक, जिला चिकित्सालय, आजमगढ़ के पत्र दिनांक 06-02-2019 द्वारा यह अवगत कराया गया है कि मण्डलीय जिला चिकित्सालय, आजमगढ़ में मानक के अनुरूप न्यूरो सर्जन के 01 पद, यूरो सर्जन के 01 पद स्वीकृत हैं, जो विशेषज्ञों के अभाव में रिक्त हैं। उक्त

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया

चिकित्सालय में गैस्ट्रो विशेषज्ञता का कोई पद सृजित नहीं है। ट्रामा सेन्टर में आर्थो सर्जन के 02 पद स्वीकृत हैं, जिसके सापेक्ष 02 आर्थो सर्जन कार्यरत हैं।

प्रदेश में विशेषज्ञ चिकित्सकों की अत्यधिक कमी व विशेषकर सुपर स्पेशलिस्ट विशेषज्ञों की उपलब्धता नगण्य है। प्रदेश में मानक के अनुरूप 21 स्वीकृत न्यूरो सर्जन के पद के सापेक्ष मात्र 02 न्यूरो सर्जन तथा 17 यूरो सर्जन पदों के सापेक्ष मात्र 02 यूरो सर्जन ही कार्यरत हैं। उत्तर प्रदेश चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में चिकित्सकों की अर्हता एम0बी0बी0एस0 है तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों का कोई पृथक उपसंवर्ग नहीं है। चिकित्सकों की योग्यता एवं उपलब्धता के आधार पर उनकी तैनाती चिकित्सालयों में की जाती है।]

श्री अध्यक्ष-

अब हम दल बहादुर जी को आज बधाई देते हैं कि वह सामान्यतया सबके वक्तव्य में बोलते हैं। आज मुख्य मंत्री जी वाले में भी बोले। अपनी ड्यूटी वह करते रहे। अब हम कल 11 बजे तक के लिये उठते हैं।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 05 बजकर 20 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :

दिनांक 11 फरवरी 2019

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश।

नत्थी (क)

(देखिये अतारांकित प्रश्न सं0-09 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-22 पर)

मुख्य चिकित्सा अधिकारी, शाहजहांपुर के सामु0/प्राथ0 केन्द्र में वार्षिक मरम्मत/रिनोवेशन का कार्य

क्र0-सं0	कार्य का नाम	लागत (रुपये में)
1	2	3
	वर्ष 2016-17	
1	प्राथ0स्वा0 केन्द्र बिलन्दपुर के मुख्य भवन में वार्षिक मरम्मत का कार्य	96876.00
2	प्राथ0स्वा0 केन्द्र बिलन्दपुर, शाहजहांपुर के टाइप-4, 2 व 1 आवासों (5 नग) में वार्षिक मरम्मत का कार्य	109435.00
3	प्राथ0स्वा0 केन्द्र बिलन्दपुर, शाहजहांपुर की बाउण्ड्रीवाल की मरम्मत का कार्य	164000.00
4	प्राथ0स्वा0 केन्द्र सिवरा, शाहजहांपुर के मुख्य भवन में वार्षिक मरम्मत का कार्य	111947.00
5	प्राथ0स्वा0 केन्द्र सिवरा, शाहजहांपुर के टाइप-4, 2 व 1 आवासों (5 नग) में वार्षिक मरम्मत का कार्य	95690.00
6	प्राथ0स्वा0 केन्द्र मीरानपुर कटरा, शाहजहांपुर में वार्षिक मरम्मत का कार्य	16658.00
7	प्राथ0स्वा0 केन्द्र खुटार के टाइप-4 आवासों में वार्षिक मरम्मत का कार्य	44083.00
8	प्राथ0स्वा0 केन्द्र खुटार, शाहजहांपुर के मुख्य भवन में रिनोवेशन का कार्य (50 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त)	755989.00
9	प्राथ0स्वा0 केन्द्र पुवायां, शाहजहांपुर के मुख्य भवन के पहुंच मार्ग का रिनोवेशन का कार्य (50 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त)	1430066.00
10	प्राथ0स्वा0 केन्द्र कलान, शाहजहांपुर के मुख्य भवन में रिनोवेशन का कार्य (50 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त)	825921.00
	योग :	**3650665.00**

1	2	3
	वर्ष 2017-18 (50 प्रतिशत अवशेष धनराशि अवमुक्त)	
1	प्राथ0स्वा0 केन्द्र खुटार, शाहजहांपुर के मुख्य भवन में वर्ष 2016-17 के अवशेष कार्य का रिनोवेशन का कार्य (50 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त)	824261.00
2	प्राथ0स्वा0 केन्द्र पुवायां, शाहजहांपुर के मुख्य भवन के पहुंच मार्ग से वर्ष 2016-17 के अवशेष कार्य का रिनोवेशन का कार्य (50 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त)	1428942.00
3	प्राथ0स्वा0 केन्द्र कलान, शाहजहांपुर के मुख्य भवन में वर्ष 2016-17 के अवशेष कार्य का रिनोवेशन का कार्य (50 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त)	756997.00
	योग :	**3010000.00**
	वर्ष 2018-19	
	01-04-2018 से 10-01-2019	**00**

(देखिये मा0 सदस्यों के संशोधन को जोड़ने का प्रस्ताव पीछे पृष्ठ सं0-116 पर)

1- श्री राम गोविन्द चौधरी,
श्री संग्राम यादव,
श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा,
श्री पारसनाथ यादव,
श्री मनोज कुमार पाण्डेय,
श्री प्रभुनारायण सिंह यादव,
श्री ओमकार सिंह,
श्री दुर्गा प्रसाद यादव,
श्री राकेश प्रताप सिंह,
श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई,'
श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव,
श्री उज्जवल रमण सिंह,
श्री नफीस अहमद,
श्री संजय गर्ग,
श्री कल्पनाथ पासवान,
इंजी बृजेश कठेरिया तथा
श्री मनोज कुमार पारस।

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित के विषय में कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के सम्बन्ध में,

2-प्रदेश में निरन्तर बढ़ रहे बलात्कार/डकैती/चोरी/लूट/हत्या/जातीय हिंसा आदि को रोकने हेतु किसी ठोस नीति के सम्बन्ध में,

3-निरन्तर बढ़ रहे साइबर क्राइम की रोकथाम के सम्बन्ध में,

4-महिलाओं के यौन-शोषण, उत्पीड़न व अत्याचार रोकने की कार्य योजना के सम्बन्ध में,

5-महिलाओं की सुरक्षा हेतु किसी ठोस नीति के सम्बन्ध में,

6-दंगा रोकने, दंगाइयों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित कराने की कार्य योजना के सम्बन्ध में,

7-किसानों को खाद और बीज क्रय में छूट दिये जाने के सम्बन्ध में,

8-किसानों के लिये सिंचाई मुफ्त करने के सम्बन्ध में,

9-किसानों की कृषक उपज का बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

10-गन्ना किसानों के गन्ना की खरीद शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने तथा घटतौली, बिचौलिये व दलाली पर अंकुश लगाने तथा अवशेष गन्ना मूल्य तत्काल भुगतान कराने के सम्बन्ध में,

11-किसानों के धान एवं गेहूँ खरीद में हुई अनियमितता व भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में,

12-ऊसर तथा बंजर भूमि के सुधार योजना लागू करने के सम्बन्ध में,

13-किसानों को खाद, बीज व पानी उपलब्धता

समयबद्ध सुनिश्चित कराने के सम्बन्ध में,

14-प्रदेश में नहर की सफाई तथा सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त करने के सम्बन्ध में,

15-आलू किसानों की बदहाल स्थिति के सुधार हेतु किसी ठोस नीति के सम्बन्ध में,

16-पशुधन विकास हेतु छोटे किसानों को उन्नत किस्म के दुधारू पशु क्रय करने हेतु ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

17-कुक्कुट नीति के सम्बन्ध में,

18-छुट्टा पशुओं से फसल की सुरक्षा व्यवस्था करने के सम्बन्ध में,

19-सिंचाई हेतु किसानों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

20-बेरोजगार नवयुवकों को रोजगार उपलब्ध कराने की किसी ठोस नीति के सम्बन्ध में,

21-प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सुदृढ़ अध्यापन कार्य हेतु शिक्षकों की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में,

22-ग्रामीण चिकित्सालयों में चिकित्सकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में,

23-अस्पतालों में बढ़ते मरीजों के दबाव को दृष्टिगत रखते हुए दवायें एवं बेड की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में,

24-चिकित्सालयों में आवश्यक सुविधाओं का अभाव तथा ग्रामीण अंचलों के अधिकांश चिकित्सालयों में रिक्त पदों पर नियुक्तियों के सम्बन्ध में,

25-महिलाओं और युवतियों के लिये बेहतर जीवन और स्वास्थ्य संबंधी योजना के सम्बन्ध में,

26-नकली दवाइयों की रोकथाम के सम्बन्ध में,

27-बुनकरों को सस्ती एवं फिक्स दर पर विद्युत दिये जाने, सस्ती दर पर धागा उपलब्ध कराये जाने, पावरलूमों को बीस घण्टे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में,

28-राज्य कर्मचारियों की पुरानी पेंशन तथा अवकाश

नकदीकरण की सुविधा बहाल किये जाने के सम्बन्ध में तथा दैनिक वेतन कर्मियों को नियमित करने के सम्बन्ध में,

29-विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में विभागवार आरक्षण व्यवस्था समाप्त कर विश्वविद्यालय या महाविद्यालय को एक इकाई मानकर रोस्टर बनाये जाने के सम्बन्ध में,

30-किसी मानक या नीति के बगैर लगातार किये जा रहे स्थानान्तरण से प्रभावित हो रहे काम-काज के सम्बन्ध में,

31-प्रदेश में विद्युत उत्पादन में बढ़ोत्तरी के सम्बन्ध में कोई योजना प्रस्तावित करने के सम्बन्ध में,

32-समुचित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के सम्बन्ध में,

33-प्रदेश में उत्पन्न हो रही पेयजल समस्या के सम्बन्ध में,

34-निरन्तर बढ़ रहे पर्यावरण प्रदूषण को रोकने हेतु ठोस नीति के सम्बन्ध में,

35-ग्रामीण क्षेत्रों में शत-प्रतिशत राशनकार्ड बनाये जाने के सम्बन्ध में,

36-प्रतिभावान, साहित्यकारों, कवियों, खिलाड़ियों, उद्यमियों, किसानों, कलाकारों को प्रोत्साहित करने के सम्बन्ध में,

37-समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का कार्य पूर्ण कर चालू कराये जाने के सम्बन्ध में,

38-भाजपा पार्टी के विधायाकों, कार्यकर्ताओं द्वारा खुलेआम अराजकता फैलाने एवं आतंक का माहौल पैदा करने एवं धन की वसूली पर प्रभावी नियंत्रण के सम्बन्ध में,

39-सरकार द्वारा की जा रही विभिन्न मदों में फिजूलखर्ची रोकने के सम्बन्ध में,

40-पिछले वर्ष विधान सभा द्वारा पारित बजट को अब तक न खर्च कर पाने के सम्बन्ध में,

41-सरकार की निरंकुशता पर अंकुश लगाने के सम्बन्ध में,

42-सौहार्द व भाईचारा बनाये रखने के सम्बन्ध में,

तथा

43-ग्राम हुसैनाबाद विधान सभा क्षेत्र बांसडीह, जनपद बलिया में 132 के0वी0ए0 सब-स्टेशन स्थापित किये जाने हेतु धन की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने के सम्बन्ध में।''

2- श्री लाल जी वर्मा,
श्री उमाशंकर सिंह,
श्री राम अचल राजभर,
श्री सुखदेव राजभर,
श्री आजाद अरिमर्दन,
श्री रितेश पाण्डेय,
श्रीमती सुषमा पटेल,
श्री शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली तथा
श्रीमती बन्दना सिंह।

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित के विषय का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-उत्तर प्रदेश में गिरती हुई कानून व्यवस्था के नियन्त्रण के सम्बन्ध में,

2-दंगा पर प्रभावी नियन्त्रण के सम्बन्ध में,

3-प्रदेश में एन्टी भू-माफिया के नाम पर गरीबों को बेघर करने से रोके जाने के सम्बन्ध में,

4-प्रदेश में हो रहे फर्जी इन्काउन्टर को रोके जाने के सम्बन्ध में,

5-बढ़ते बलात्कार की घटनाओं एवं महिलाओं के उत्पीड़न को रोके जाने के सम्बन्ध में,

6-गो-रक्षा के नाम पर हो रही गुण्डा गर्दी को प्रभावी ढंग से रोके जाने के के सम्बन्ध में,

7-किसानों का सम्पूर्ण कर्जा माफ करने के सम्बन्ध में,

8-दलितों, पिछड़ों एवं अल्पसंख्यकों के ऊपर हो रहे अत्याचार को रोके जाने के सम्बन्ध में,

9-डा0 अम्बेडकर ग्राम सभा विकास योजना को प्रारम्भ किये जाने के सम्बन्ध में,

10-मा0 श्री कांशीराम शहरी आवास योजना के सम्बन्ध में,

11-गन्ना की कीमतों में बढ़ोत्तरी किये जाने के सम्बन्ध में,

12-गन्ना मूल्य के बकाये के सम्पूर्ण भुगतान के सम्बन्ध में,

13-बेरोजगार नौजवानों को रोजगार दिलाये जाने के

सम्बन्ध में,

14-माध्यमिक शिक्षा के उन्नयन के सम्बन्ध में,

15-प्रदेश में भयंकर पेयजल की समस्या के निदान के सम्बन्ध में,

16-प्रदेश में नौजवानों के खेलकूद की सुविधा को बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में,

17-महामाया राजकीय मेडिकल कालेज अम्बेडकरनगर में पी0जी0 की कक्षायें चलाये जाने के सम्बन्ध में,

18-गरीबों को आवास देने के सम्बन्ध में,

19-कटेहरी जनपद अम्बेडकरनगर को नगर पंचायत बनाये जाने के सम्बन्ध में,

20-बुनकर बाहुल्य क्षेत्र मुबारकपुर, अकबरपुर, टाण्डा एवं जलालपुर को औद्योगिक क्षेत्र घोषित करने एवं 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति किये जाने के सम्बन्ध में,

21-जिला आजमगढ़ के लालगंज विधान सभा क्षेत्र में ग्राम फेटी बेलऊ होते हुये सड़क मरम्मत के सम्बन्ध में,

22-अग्नि से पीड़ित व्यक्तियों को मकान उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

23-जाति के आधार पर किये जा रहे भेदभाव को रोके जाने के सम्बन्ध में,

24-अकबरपुर, आजमगढ़ मार्ग से सिबलीपुर मार्ग को हाट मिक्स से बनवाने के सम्बन्ध में,

25-प्रदेश में राशन कार्डों की जांच कराकर पात्र व्यक्तियों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

26-अम्बेडकरनगर में सर्किट हाउस के अधूरे कार्य को पूर्ण कराने के सम्बन्ध में,

27-खाद्य वितरण प्रणाली में हो रही अनियमितता को रोके जाने के सम्बन्ध में,

28-महामाया बालिका आशीर्वाद योजना को पुनः प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में,

29-विधान सभा क्षेत्र दीदारगंज के मार्टिनगंज, जनपद आजमगढ़ में नगर पंचायत घोषित किये जाने के सम्बन्ध में,

30-नव सृजित तहसील मार्टिनगंज के निर्माण कार्य में उदासीनता बरते जाने के सम्बन्ध में,

31-जिला आजमगढ़ के दीदारगंज विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत मार्टिनगंज में पालीटेक्निक कालेज खोले जाने के सम्बन्ध में,

32-प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में 5 करोड़ की लागत से चयन किये जाने वाली सड़कों में विपक्ष के सम्मानित सदस्यों का प्रस्ताव नहीं लिये जाने के सम्बन्ध में,

33-जिला आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के विकास खण्ड जहानागंज के कस्बा जहानागंज को नगरपालिका घोषित किये जाने के सम्बन्ध में,

34-जिला आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के ब्लाक सठियांव के अन्तर्गत अमिलो को नगर पालिका घोषित किये जाने के सम्बन्ध में,

35-जिला आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के ब्लाक सठियांव के अन्तर्गत नगर पालिका मुबारकपुर में कन्या विद्यालय एवं इण्टरमीडिएट कालेज खोले जाने के सम्बन्ध में, तथा

36-जिला आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर में पालीटेक्निक एवं इंजीनियरिंग कालेज खोले जाने के सम्बन्ध में।''

3- श्री अजय कुमार 'लल्लू'

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित के विषय में कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-प्रदेश में प्रतिदिन हत्या, बलात्कार, लूट, डकैती, साम्प्रदायिक दंगा, चोरी, चेन स्नैचिंग, साइवर अपराध, राहजनी आदि घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है, के सुधार के सम्बन्ध में,

2-कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए कोई प्रभावी कार्य योजना बनाये जाने के सम्बन्ध में,

3-पुलिस द्वारा निर्दोष लोगों का फर्जी इनकाउन्टर किये जाने से रोके जाने के सम्बन्ध में,

4-आलू का न्यूनतम समर्थन मूल्य रुपये 1000/- किये जाने के सम्बन्ध में,

5-आलू किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाये जाने के सम्बन्ध में,

6-आलू उत्पादक किसानों को सरकारी राहत एवं

सब्सिडी दिये जाने के सम्बन्ध में,

7-प्रदेश के गन्ना किसानों के बकाये गन्ना मूल्य का भुगतान कराने, चीनी मिलों द्वारा किसानों का उत्पीड़न रोके जाने तथा उनका भुगतान समय से किये जाने हेतु एक स्पष्ट व पारदर्शी नीति बनाये जाने के सम्बन्ध में,

8-प्रदेश के गन्ना किसानों को उनके लागत व मंहगाई को देखते हुए रु0 500/- प्रति कुन्तल की दर से गन्ना मूल्य प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में,

9-प्रदेश की बन्द चीनी मिलों को चालू किये जाने तथा प्रदेश में चीनी उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु आवश्यकतानुसार नई एवं आधुनिक चीनी मिलें स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

10-प्रदेश को बिजली कटौती से मुक्त करते हुए 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति किये जाने के सम्बन्ध में,

11-बिजली विभाग द्वारा बढ़ा बिल भेजने तथा करोड़ों रुपये बिल के रूप में ज्यादा लिये जाने को वापस किये जाने के सम्बन्ध में,

12-बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को समय पर बिल न उपलब्ध कराने तथा बार-बार लेट फीस व सरचार्ज लगाकर बिल देने की शिकायत को दृष्टिगत रखते हुए बिल भुगतान की एक पारदर्शी व्यवस्था सभी जनपदों में लागू किये जाने के सम्बन्ध में,

13-प्रदेश के किसानों की उपज को बढ़ावा देने हेतु उन्हें प्रसंस्कृत व हाईब्रिड किस्म के बीज सब्सिडी पर उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में,

14-प्रदेश के किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य प्रदान करने हेतु राज्य परामर्शी समिति स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

15-प्रदेशवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्धता हेतु जनपदवार मानीटरिंग सेल स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

16-प्रदेश में शराब को पूरी तरह से प्रतिबन्धित किये जाने के सम्बन्ध में,

17-प्रदेश में मिलावटखोरी को रोकने हेतु कठोर दण्ड का प्राविधान किये जाने के सम्बन्ध में,

18-प्रदेश के पहाड़ी एवं डार्क जोन क्षेत्रों में समुचित

पेयजल की व्यवस्था किये जाने के सम्बन्ध में,

19-प्रदेश की नदियों को प्रदूषणमुक्त किये जाने हेतु एक प्रभावी नीति बनाये जाने के सम्बन्ध में,

20-प्रदेश के सभी नगरों एवं महानगरों में सफाई की समुचित व्यवस्था किये जाने के सम्बन्ध में,

21-प्रदेश के महानगरों, नगरों एवं नगर पालिकाओं में बरसात के दिन में फैलने वाले संक्रामक रोगों को रोकने हेतु पर्याप्त फॉगिंग कराने के सम्बन्ध में,

22-प्रदेश में जानलेवा बीमारी इन्सेफेलाइटिस, एक्यूट इन्सेफेलाइटिस, स्वाइन फ्लू, डेंगू, कालाज्वर, दिमागी बुखार के बढ़ते प्रकोप को रोके जाने तथा उन्मूलन के सम्बन्ध में,

23-प्रदेश में सभी सामुदायिक चिकित्सालयों में सभी प्रकार की जांच एवं दवाइयां उपलब्ध कराये जाने एवं दवाई वितरण हेतु अस्पतालों में पर्याप्त काउन्टर बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

24-प्रदेश में सभी राजमार्गों, मार्गों व ग्रामीण मुख्य मार्गों को गड्ढामुक्त किये जाने के सम्बन्ध में,

25-प्रदेश में अप्रैल, 2005 के बाद नियुक्त कर्मचारियों व शिक्षकों को पुरानी पेंशन दिये जाने के सम्बन्ध में,

26-प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी को देखते हुये नवीन रोजगार सृजित कर नवयुवकों का पलायन रोकने के सम्बन्ध में,

27-प्रदेश में खेलकूद को बढ़ावा देने हेतु प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर एक मिनी क्रिकेट स्टेडियम बनाये जाने के सम्बन्ध में,

28-प्रदेश में समुचित शिक्षा हेतु न्याय पंचायत स्तर पर एक राजकीय डिग्री कालेज स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

29-प्रदेश में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा की दशा सुधारने, उनके भवन मरम्मत कराने, बच्चों को पढ़ाई हेतु कुर्सी, मेज उपलब्ध कराने, बच्चों को समुचित पेयजल उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

30-प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा व तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किये जाने

के सम्बन्ध में,

31-प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों, उच्च प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों, डिग्री कालेजों, विश्वविद्यालयों में खाली पड़े पदों पर प्रतिभावान व योग्य शिक्षकों की तैनाती किये जाने के सम्बन्ध में,

32-90,000 बेसिक शिक्षकों की तत्काल भर्ती किये जाने के सम्बन्ध में,

33-बी0एम0सी0टी0 मार्ग जो जिला मुख्यालय पडरौना से तमकुहीराज तहसील मुख्यालय को जोड़ती है, पिछले कई वर्षों से अधूरी गोडरिया से तमकुहीराज तक पड़ी है, उसे पूरा किये जाने के सम्बन्ध में,

34-लोहिया ग्राम गौरी जगदीश से गौरी घाट पर पुल निर्माण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

35-लोहिया ग्राम पिपराघाट के गोलाघाट बांसी नदी पर पुल निर्माण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

36-जवही दयाल बूढ़ी गण्डक नदी पर पुल का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

37-अमवा दीगर बूढ़ी गण्डक नदी पर पुल का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

38-तमकुहीराज जो एन0एच0-28 पर स्थित है, में ट्रामा सेण्टर का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

39-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र में एक पालीटेक्निक कालेज का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

40-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र में एक इंजीनियरिंग कालेज का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

41-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र में एक मेडिकल कालेज का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

42-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र के दोमाठ गांव में एक शुगर फैक्ट्री का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

43-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र के दोमाठ में एक

महाविद्यालय का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

44-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र के दोमाठ में एक आई0टी0आई0 कालेज का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

45-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र के दोमाठ में एक हास्पिटल का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

46-समऊर खानगी व सलेमगढ़ के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सी0एच0सी0 का दर्जा देने का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

47-गेंदा सिंह गन्ना अनुसंधान केन्द्र को कृषि विश्वविद्यालय का दर्जा देने का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

48-विधान सभा क्षेत्र में तमकुहीराज से दाहुगंज होते हुये बिहार बार्डर नैनुपहरू तक सड़क का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

49-दुदही से बरवापट्टी तक सड़क का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

50-समऊर बिहार बार्डर से फाजिल नगर तक सड़क का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

51-तमकुही मार्ग-अगरवां से झड़वां होते हुये राजपुर तक सड़क का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

52-जीरो बांध से अहिरौलीदान तक बंधे का अस्तित्व वर्तमान में खतरे में है, को बचाने के सम्बन्ध में,

53-जीरो बांध से पिपराघाट, नरवाजोत बंधे के अस्तित्व को बचाने के सम्बन्ध में,

54-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र में पेयजल की समस्या के समाधान के सम्बन्ध में,

55-शिव सरया में स्थित शिव मंदिर तथा तमकुहीराज में स्थित शिव मंदिर व सेवरही में स्थित विष्णु मंदिर को पर्यटक क्षेत्र में लेते हुये सुन्दरीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

56-दोमाठ को पर्यटक क्षेत्र में लेते हुये सुन्दरीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

57-दोमाठ में एक स्पोर्ट कालेज का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

58-सेवरही तथा तमकुहीराज में एक-एक ए0एन0एम0 ट्रेनिंग सेन्टर का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

59-दाहुगंज बाजार में मथौली तक सड़क मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

60-सेवरही में 100 बेड का हास्पिटल का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

61-तमकुहीराज में महिला अस्पताल व 100 बेड के हास्पिटल का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

62-सेवरही के कुशल श्रमिकों को ट्रेनिंग हेतु सेन्टर का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

63-तीरथराम पेट्रोल पम्प से अहिरौली मिश्र होते हुये तमकुहीराज तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

64-विकास खण्ड दुदही में एक फायर बिग्रेड स्टेशन बनाये जाने के सम्बन्ध में,

65-तमकुहीराज में श्रम विभाग का कार्यालय स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

66-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र स्थित तमकुहीराज के समऊर बाजार में एक बिजली का सब-स्टेशन स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

67-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र के समऊर में एक राष्ट्रीयकृत बैंक स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

68-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र के ग्राम सभा गंगुआ में ए0एन0एम0 सेन्टर स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

69-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र के समऊर क्षेत्र में इण्टरमीडिएट कालेज स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

70-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र में समऊर से गोरखपुर तक साधारण बस संचालन के सम्बन्ध में,

71-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र में डिबनी बाजार से गोरखपुर तक साधारण बस संचालन के सम्बन्ध में,

72-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र में तमकुहीराज को नगर पंचायत का दर्जा दिये जाने के सम्बन्ध में,

73-तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र में स्थित दुदही बाजार को नगर पंचायत का दर्जा दिये जाने के सम्बन्ध में, तथा

74-जनपद-कुशीनगर के तमकुहीराज विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत बड़ी गण्डक नदी के किनारे ए0पी0 तटबन्ध पर स्थित जंगली पट्टी, विरवट कोन्हवलिया से जवहीदयाल तक (किमी0 00.00 से कि0मी0 17.00 के मध्य) अवैध बालू खनन का ठेका तत्काल निरस्त किये जाने के सम्बन्ध में।''

4- श्री पारस नाथ यादव

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-प्रदेश के कर्मचारियों को पेंशन योजना का लाभ दिये जाने के सम्बन्ध में,

2-प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, को सुधार करने के सम्बन्ध में,

3-प्रदेश में अपराधियों द्वारा की जा रही घटनाओं पर रोक लगाने के सम्बन्ध में,

4-जनपद जौनपुर में मेडिकल कालेज का निर्माण समय पर पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में,

5-जनपद जौनपुर में गड्ढामुक्त सड़क के नाम पर की गयी खानापूरी की जांच कराकर दण्डित किये जाने के सम्बन्ध में,

6-किसानों को सस्ती खाद, बीज समय पर उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

7-आम जनता की जान-माल की सुरक्षा कराये जाने के सम्बन्ध में,

8-किसानों को मुफ्त सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

9-प्रदेश में किसानों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

10-उच्च शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण का लाभ पिछड़ों एवं अनुसूचित जाति को दिये जाने के सम्बन्ध में,

11-समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

12-प्रदेश के कर्मचारियों को इनकम टैक्स सीमा बढ़ाने में भेदभाव किया गया है जिसका निराकरण न करने के सम्बन्ध में,

13-बेरोजगार युवकों को पेंशन का लाभ जो पूर्ववर्ती सपा सरकार में दिया जा रहा था जिसे रोक दिया गया है, को पुनः चालू करने के सम्बन्ध में,

14-बुजुर्ग महिलाओं को मिल रही पेंशन का लाभ पुनः पूर्व की भांति दिये जाने के सम्बन्ध में,

15-प्रदेश में विकास का माहौल बनाये जाने के सम्बन्ध में,

16-पुलिस कर्मियों को प्रोत्साहित करने के सम्बन्ध में,

17-प्रदेश में चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की भर्ती पर जो रोक है उसे पुनः बहाल किये जाने के सम्बन्ध में,

18-प्रदेश में तैनात संविदा कर्मियों को नियमित करने के सम्बन्ध में,

19-विधायकों की संस्तुति पर कराये जाने वाले कार्यों में विलम्ब किया जा रहा है, को समय पर पूर्ण करने के सम्बन्ध में,

20-प्रदेश के थानों में एक जाति विशेष के लोगों को तैनात किया गया है, इस भेदभाव को दूर करने के सम्बन्ध में, तथा

21-प्रदेश के कर्मचारियों/अधिकारियों की तैनाती में भेदभाव किया जा रहा है, को दूर करने के सम्बन्ध में।''

5- श्री सोबरन सिंह यादव

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-करहल गढिया मार्ग पूरी तरह गड्ढों में तब्दील है, का पुनः निर्माण/मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में,

2-करहल-सिरसागंज मार्ग पर साहबरामपुर बघेरा से दोस्तपुर भिडौरा होते हुये एन0एच0-2 तक मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त है, को बनाये जाने के सम्बन्ध में,

3-कुचेला बरनाहल मार्ग पर कैरावली से न0 केहरी (विकास खण्ड घिरोर) तक मार्ग पूरी तरह जीर्ण-शीर्ण है, को बनाये जाने के सम्बन्ध में,

4-विकास खण्ड बरनाहल के ग्राम चुरैहला से गणेशनगर गढिया कसौली होते हुये सिरसागंज करहल मार्ग जो बहुत खराब है पूर्ण रूपेण गड्ढायुक्त है, को बनाये जाने के सम्बन्ध में,

5-नगला पीत (कनेगी), वि0ख0-घिरोर का सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में, जिसकी आबादी लगभग 700 है,

6-वि0ख0-बरनाहल में लाखनमऊ से मिलक तक सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में,

7-वि0ख0-मैनपुरी में टिण्डौली से न0 स्वामी, न0 बहादुर होते हुये सकरी जगदीशपुरी तक सम्पर्क मार्ग बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

8-वि0ख0-मैनपुरी टिण्डौली से न0 अमर सिंह होते हुये सीतापुर तक सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में,

9-वि0खण्ड-खिरोर में भगवन्तपुर से खुशालपुर तक सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में,

10-वि0ख0-मैनपुरी में दन्नाहार से दरवाह मार्ग से न0 छेड़ी तक सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में,

11-वि0ख0-मैनपुरी में एस0एच0-83 से जसवन्तपुर सगोनी मार्ग से रानीपुर तक मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में,

12-वि0ख0-घिरोर में न0 खुशाहली कोषमा मुसलमीन सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में,

13-वि0ख0-घिरोर में धीप से न0 भागीरथ सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में,

14-वि0ख0-बरनाहल में असरोही दरियापुर मार्ग से सूरजपुर तक सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में,

15-वि0ख0-बरनाहल में करहल बरनाहल मार्ग से टूडनी तक सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में,

16-वि0ख0-करहल में गम्भीरा से बरैला हविलिया मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में,

17-वि0ख0-करहल में रानीपुर न0 चिरंजीवी होते हुये न0 धर्म तक सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में,

18-वि0ख0-करहल में मनौना गेट के सामने से न0 कमले होकर एक्सप्रेस-वे सर्विस रोड तक मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में तथा

19-वि0ख0-करहल में न0 अलाई सैफई माइनर से ग्राम गढिया तक सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में।''

6- श्री उमाशंकर सिंह

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-रसड़ा (बलिया) स्थित बन्द पड़ी चीनी मिल को चालू किये जाने के सम्बन्ध में,

2-रसड़ा (बलिया) में मेडिकल कालेज स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

3-पूर्वान्चल एक्सप्रेस-वे को बलिया तक बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में,

4-मा0 कांशीराम शहरी आवास योजना में बने मकानों के आवंटन के सम्बन्ध में,

5-रसड़ा (बलिया) में निर्माणाधीन/अद्धनिर्मित पेयजल टंकियों को पूर्ण कराकर चालू किये जाने के सम्बन्ध में,

6-बलिया में हवाई पट्टी का निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में, तथा

7-बलिया में उच्च शिक्षा हेतु विश्वविद्यालय का निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में।''

7- श्री आजाद अरिमर्दन

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-जिला-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र के ब्लाक

ठेकमा के अन्तर्गत सकरामऊ में पश्चिम दलित बस्ती, गांगी नदी से जौनपुर सरहद तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

2-जिला-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के ब्लाक ठेकमा के अन्तर्गत ग्राम मुड़हर बाजार से आमनगंज होते हुए आजमगढ़ वाराणसी मार्ग तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

3-जिला-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के ब्लाक लालगंज में ग्राम बैरीडीह में सोसायटी भवन से डॉ0 साहिल के घर तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

4-जिला-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के ब्लाक ठेकमा के अन्तर्गत ग्राम महुआरी पंचायत भवन से ग्राम फेटी तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

5-जिला-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के ब्लाक लालगंज में नवनिर्मित 100 बेड का हास्पिटल यथाशीघ्र निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

6-जिला-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के ब्लाक पल्हना में ग्राम खुरसू में वेसो नदी पर ग्राम रामपुर बढ़ौना के बीच पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

7-जिला-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के कस्बा देवगांव को टाऊन एरिया घोषित किये जाने के सम्बन्ध में,

8-जिला-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज की तहसील लालगंज को जिला बनाये जाने के सम्बन्ध में,

9-जिला-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के ब्लाक ठेकमा में राजकीय महिला महाविद्यालय निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में, तथा

10-जिला-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के ग्राम बेरमा विसम्मपुर में गांगी नदी में बड़े पुल के पूरब में छोटा पुल का निर्माण एवं गांगी नदी से ग्राम रेवसां में कैलाश के घर तक 1.00 कि0मी0 पिच सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में।''

8- श्रीमती सुषमा पटेल

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने

अभिभाषण में निम्नलिखित का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-जिला-जौनपुर के विकास खण्ड-सुजानगंज में बेरमाव बाजार बड़ी नहर से घूरीपुर होते हुए रायकला सम्पर्क मार्ग (ल0 लगभग 1.5 कि0मी) बनाये जाने के सम्बन्ध में,

2-जिला-जौनपुर के विकास खण्ड-मुंगराबादशाहपुर में एक राजकीय महिला महाविद्यालय बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

3-जिला-जौनपुर के विकास खण्ड-मुंगराबादशाहपुर में ग्राम सभा गोधुवां में बड़ी नहर पर सरोज बस्ती के सामने पुलिया बनवाये जाने के सम्बन्ध में, तथा

4-जिला-जौनपुर के विकास खण्ड-सुजानगंज बाजार में नाली बनवाये जाने के सम्बन्ध में।''

9- श्री विनय शंकर तिवारी

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-जिला-गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र चिल्लूपार में राप्ती नदी पर, सरया बैरिया बन्धे के निर्माण हेतु धन आवंटित किये जाने के सम्बन्ध में,

2-जिला-गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र चिल्लूपार में कुआनो नदी पर दुधरा ग्राम सभा के पास पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

3-जिला-गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र चिल्लूपार में राम जानकी मार्ग का निर्माण पर धनराशि दिये जाने के सम्बन्ध में,

4-जिला-गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र चिल्लूपार में उरूवा को टाउन एरिया बनाये जाने के सम्बन्ध में,

5-जिला-गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र चिल्लूपार में गोला तहसील पर बस स्टेशन बनाये जाने के सम्बन्ध में,

6-जिला-गोरखपुर के विधान सभा चिल्लूपार में बड़हलगंज गोला टाउन एरिया को नगर पालिका बनाये जाने के सम्बन्ध में,

7-जिला-गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र चिल्लूपार में

बड़हलगंज के सरयू नदी पर लेहटा घाट का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में तथा

8-जिला-गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र चिल्लूपार में सरयू नदी वारानगर स्थित कालिका मन्दिर पर घाट निर्माण एवं उ0प्र0 के पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में।''

1 श्रीमती बन्दना सिंह

0-

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित के विषय का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-जिला-आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र सगड़ी में देवारांचल से सौनौरा गांव के बगल में बहने वाली नदी पर एक पुल बनाये जाने के सम्बन्ध में,

2-जिला-आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र सगड़ी में एक राजकीय महिला महाविद्यालय बनाये जाने के सम्बन्ध में तथा

3-जिला-आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र सगड़ी के विकास खण्ड-हरैया के अन्तर्गत ग्राम सिवान दलित बस्ती को जोड़ने वाले सम्पर्क मार्ग पर पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में।''

11- श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-प्रतापगढ़ जनपद में अठेहा-संग्रामगढ़ मार्ग को ''राजमार्ग'' घोषित किये जाने के सम्बन्ध में,

2-प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भटनी जनपद प्रतापगढ़ को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाये जाने के सम्बन्ध में,

3-राष्ट्रीय एकता महोत्सव घुइसरनथ, प्रतापगढ़ की धनराशि रु0 15.00 लाख (पन्द्रह लाख रुपये) से बढ़ाकर रु0 25.00 लाख (पच्चीस लाख रुपये) किये जाने के सम्बन्ध में,

4-निर्वाचन क्षेत्र में ग्राम मुस्तफाबाद (तुलसीराम का पुरवा) में सई नदी पर एक ''पक्के पुल'' का निर्माण

कराये जाने के सम्बन्ध में,

5-निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत लोक निर्माण विभाग द्वारा धधुआगाजन से वर्मा नगर तक तथा कामापट्टी से बीजमऊ तक के छूटे हुये बीच के हिस्से का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में,

6-निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत एन0एच0-231 पर स्थित ट्रामा सेन्टर, लालगंज जनपद प्रतापगढ़ को निर्मित भवन में तत्काल चालू किये जाने के सम्बन्ध में,

7-प्रत्येक परिवार को जीवन यापन के लिये ''सम्मान राशि'' दिये जाने के सम्बन्ध में,

8-किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिये जाने के सम्बन्ध में,

9-राज्य सरकार की नौकरियों में महिलाओं को 33% आरक्षण दिये जाने के सम्बन्ध में,

10-राज्य सरकार की नौकरियों में सामान्य वर्ग को 15% आरक्षण दिये जाने के सम्बन्ध में,

11-अफसरशाही बेलगाम को गयी है, सामान्य शिष्टाचार एवं परम्पराओं का अनुपालन नहीं किये जाने के सम्बन्ध में,

12-जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा किये जाने के सम्बन्ध में,

13-निर्वाचन क्षेत्र रामपुर खास में विकास कार्य पूरी तरह बन्द पड़े हैं, विकास कार्यों में तेजी लाये जाने के सम्बन्ध में,

14-निर्वाचन क्षेत्र रामपुर खास के अधूरे कार्यों को प्राथमिकता पर पूरा किये जाने के सम्बन्ध में,

15-पूर्वांचल के पिछड़ेपन को देखते हुये बन्द पड़े उद्योगों को चलाने के लिये ''स्पेशल पैकेज'' दिये जाने के सम्बन्ध में,

16-बुन्देलखण्ड, पूर्वांचल एवं पश्चिमांचल के चतुर्मुखी विकास हेतु ''स्पेशल पैकेज'' दिये जाने के सम्बन्ध में,

17-गन्ना किसानों के बकाये का शीघ्र भुगतान किये जाने के सम्बन्ध में,

18-बन्द पड़ी गन्ना मिलों को चालू किया जाय तथा गन्ने की आखिरी पेराई की व्यवस्था किये जाने के सम्बन्ध में,

19-प्रदेश में अराजकता का वातावरण है, कानून व्यवस्था की स्थिति 'जंगलराज' जैसी हो गयी है, अतः कानून व्यवस्था में सुधार किये जाने के सम्बन्ध में,

20-प्रदेश में बिजली का उत्पादन न होने से, उत्पादन एवं उपलब्धता के बीच काफी अन्तर आ गया है जिसके कारण प्रदेश अभूतपूर्व बिजली संकट से गुजर रहा है, अतः विद्युत परियोजनओं को पूरी क्षमता के साथ चलाये जाने के सम्बन्ध में,

21-जनपद अमेठी, रायबरेली एवं प्रतापगढ़ आदि जनपदों में 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किये जाने के सम्बन्ध में,

22-प्रदेश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली पूरी तरह से दलालों एवं बिचौलियों के नियंत्रण में आ गयी है, कन्ट्रोल रेट पर चीनी एवं केरोसिन का तेल उपलब्ध नहीं है और ब्लैक/कालाबाजारी में धड़ल्ले से ये सामान बेचे जाने के सम्बन्ध में,

23-किसानों को उत्पादन की उचित कीमत नहीं मिल रही है। किसानों को बिजली, सिंचाई, उर्वरक तथा श्रम की कीमत के मद्देनजर इसके लाभ को निर्धारित करते हुये समर्थन मूल्य दिये जाने के सम्बन्ध में,

24-प्रदेश में सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाये जाने के सम्बन्ध में,

25-सरकारी नियुक्तियों एवं नौकरियों में धांधली और भ्रष्टाचार को देखते हुये पारदर्शिता लाये जाने के सम्बन्ध में,

26-बुनकरों को सस्ते दर पर सूत उपलब्ध कराया जाना चाहिये, बकाया कर्ज माफ किये जाने के सम्बन्ध में,

27-25 वर्ष के ऊपर के प्रत्येक बेरोजगार नौजवान को बेरोजगारी भत्ता दिये जाने के सम्बन्ध में,

28-प्रदेश के सभी किसानों के कर्जे माफ किये जाने के सम्बन्ध में,

29-राजनैतिक द्वेष से दर्ज कराये गये झूठे राजनैतिक मुकदमें वापस लिये जाने के सम्बन्ध में,

30-उत्तर प्रदेश में गुण्डागर्दी करने वाले, गुण्डा टैक्स वसूलने वाले, मकान, दुकान एवं जमीन पर कब्जा करने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में,

31-जनपद रायबरेली एवं जनपद अमेठी में केन्द्र सरकार की प्रस्तावित योजनाओं के लिये एम्स सहित केन्द्रीय प्रस्तावों के लिये आवश्यकतानुसार भूमि उपलब्ध करायी जाने के सम्बन्ध में,

32-विधान सभा क्षेत्र विकास निधि की राशि बढ़ाकर रु0 5.00 करोड़ (पांच करोड़ रुपये) किये जाने के सम्बन्ध में,

33-पेयजल की समस्या के समाधान हेतु विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में लगाये जाने हेतु प्रत्येक मा0 विधायक को पांच-पांच सौ इण्डिया मार्का-2 हैण्ड पाइप प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में,

34-प्रत्येक मा0 विधायक के निर्वाचन क्षेत्र में 10-10 ग्रामों का विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में,

35-नहरों एवं माइनरों की सफाई करायी जाय और उन्हें सिंचाई के लिये समयबद्ध ढंग से पूरी क्षमता के साथ चलाये जाने के सम्बन्ध में,

36-केन्द्र एवं प्रदेश सरकार से पर्यटन स्थल का दर्जा प्राप्त प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल घुइसरनाथ धाम की अस्थाई पुलिस चौकी को ''स्थाई पुलिस चौकी'' बनाये जाने के सम्बन्ध में, तथा

37-लखनऊ, रायबरेली, प्रतापगढ़, जौनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-231 पर स्थित थाना कोतवाली लालगंज, जनपद प्रतापगढ़ में पुलिस कर्मियों के आवास के लिये नये भवन का निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में।''

12- सुश्री अदिति सिंह

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-सदर विधान सभा क्षेत्र जनपद-रायबरेली में नये सड़कों के निर्माण के लिए किसी योजना का उल्लेख न किये जाने के सम्बन्ध में,

2-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली की पुरानी सड़कें, जो कि लोक निर्माण विभाग के अलावा अन्य कार्यदायी संस्थाओं से बनी हैं, की वर्तमान जर्जर दशा को देखते हुए पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

3-प्रदेश में ध्वस्त कानून व्यवस्था को सुधारने के

सम्बन्ध में,

4-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली के शहरी हिस्से में सी0सी0 रोड व नालियां न बने होने से हो रही जनसमस्याओं को देखते हुए सी0सी0 रोड, नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

5-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली में जलभराव को देखते हुए पानी के निकासी की कोई व्यवस्था अभी तक नहीं है, में उक्त कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

6-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली की नयी विकसित बस्तियों में शहरी नगरपालिका क्षेत्र में जोड़ते हुए विद्युतीकरण कराये जाने तथा उसी के अनुरुप विद्युत आपूर्ति किये जाने के सम्बन्ध में,

7-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली में महिलाओं की उच्च शिक्षा के लिए राजकीय महिला इण्टर कालेज व डिग्री कालेज स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

8-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली में बेरोजगार युवक, युवतियों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान किये जाने हेतु प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

9-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली के जिन अध्यापकों को जनपद के सुदूर क्षेत्र में पोस्टिंग मिली है तथा जनपद के बाहर दूसरे जनपद में तैनाती मिली है, को जनपद में उनके घर के पास तैनात किये जाने के सम्बन्ध में,

10-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली में हैण्डपम्प प्रतिस्थापित किये गये थे, वे जलस्तर काफी नीचे चले जाने के कारण सूख गये हैं, को गहरा रि-बोर कर प्रतिस्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

11-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली में महिलाओं के सुरक्षा के लिए एक अलग से पुलिस सेल स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

12-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली में स्थापित सदर जिला अस्पताल में सिटी स्कैन मशीन 11 वर्ष पुरानी होने तथा उसकी रिपोर्ट सही न आने को देखते हुए यहाँ पर नये सिटी स्कैन व अन्य जांच उपकरण स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

13-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली के जिला अस्पताल में 22 स्वीकृत पदों में से 17 पद रिक्त होने को देखते हुए इन पदों पर शीघ्र चिकित्सकों की तैनाती किये जाने के सम्बन्ध में,

14-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली में ग्राम सभा-बसाढ़, पोस्ट सनहीं, ब्लाक-राही, तहसील सदर में 2014 में मॉडल स्कूल की स्थापना किये जाने के उपरान्त अभी तक अध्यापकों की तैनाती किये जाने के सम्बन्ध में,

15-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद रायबरेली में स्थित सरकारी विद्यालयों में विद्युतीकरण अभी तक न होने को दृष्टिगत रखते हुए यहाँ शत-प्रतिशत विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में,

16-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु लड़कियों को शहर तक जाने हेतु सरकारी बसों की सुविधा अथवा वैकल्पिक व्यवस्था प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में,

17-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद रायबरेली में स्कूलों के लिए मेण्टीनेंस एवं विकास अनुदान को पिछले 10 वर्ष से न बढ़ाने तथा वर्तमान मंहगाई को देखते हुए इसमें वृद्धि किये जाने के सम्बन्ध में,

18-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद रायबरेली में नव स्थापित सरकारी विद्यालयों में गहरी बोरिंग कराते हुए समरसिबल पम्प व ओवर हेड पानी की टंकी स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में,

19-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद रायबरेली में स्थित पार्कों का सौन्दर्यीकरण जनहित में कराये जाने के सम्बन्ध में,

20-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद रायबरेली के रायबरेली शहर में स्मैक, शराब व अन्य नशीले पदार्थों के बढ़ रहे सेवन तथा हाई-वे के किनारे से इनको हटाने के उपरान्त ऐसी दुकानों को दुकानदारों को रिहायशी क्षेत्र में स्थापित कर चलाने को देखते हुए तथा इससे स्थानीय महिलाओं, बच्चों को हो रही अत्यधिक परेशानी को देखते हुए शराब व नशीली वस्तुओं पर पाबन्दी लगाये जाने के सम्बन्ध में,

21-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद रायबरेली में प्लास्टिक रि-साइक्लिंग प्लांट लगाये जाने के सम्बन्ध में,

22-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद-रायबरेली में सरकारी इंजीनियरिंग कालेज खोले जाने के सम्बन्ध में तथा

23-सदर विधान सभा क्षेत्र, जनपद रायबरेली में सरकारी मेडिकल कालेज खोले जाने के सम्बन्ध में।''

13- श्री मसूद अख्तर

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित के विषय का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-नगर निगम सहारनपुर के ग्राम रसूलपुर में उमर अली के मकान से रूबी स्टील फैक्ट्री तक नाला निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में,

2-नगर निगम सहारनपुर के ग्राम रमजानपुरा में इस्तखार सेनेट्री की दुकान से बाबा नर्सरी से आगे तक नाला निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में,

3-नगर निगम सहारनपुर के ग्राम मानकमऊ में इमरान मसूद रोड से हाफिज जमील के मकान तक नाला निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में,

4-जनपद सहारनपुर के ब्लाक पुवांरका के ग्राम पाली से ग्राम महमूदपुर तिवाई तक 2.5 किमी0 सड़क निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में,

5-जनपद सहारनपुर के ब्लाक पवांरका के ग्राम मथाना की पुलिया से ग्राम धनकरपुर तक सड़क निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में,

6-जनपद सहारनपुर के ब्लाक पुवांरका के ग्राम बालेली से ग्राम महमूदपुर तिवाई के कब्रिस्तान देहरादून रोड तक सड़क निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में,

7-जनपद सहारनपुर के ब्लाक पुवांरका के ग्राम बटनवाला में सड़क के किनारे तालाब के दीवारों का निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में,

8-जनपद सहारनपुर में सहारनपुर-देहरादून हाई-वे पर नौगजा पीर वाला पुल अति जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हो गया है जो कभी भी टूट सकता है, को पुनः निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

9-जनपद सहारनपुर के ब्लाक मुजफ्फराबाद के ग्राम धतौली मुगल में नदी नागादेव का पुल निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में,

10-जनपद सहारनपुर के ब्लाक मुजफ्फराबाद के ग्राम धतौली मुगल में सड़क किनारे तालाब की दीवारों का निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में,

11-जनपद सहारनपुर के ब्लाक पुवांरका के ग्राम कलालहटी से उत्तराखण्ड की सरहद तक 2 किमी0 सड़क निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में,

12-जनपद सहारनपुर के नगर निगम के ग्राम हबीबगढ़, हाकमशाह कालोनी, एकता कालोनी, इनाम कालोनी, नसीद कालोनी आदि मलिन बस्तियों में विद्युतीकरण हेतु जर्जर तार तथा पोल शीघ्र बदलवाये जाने के सम्बन्ध में,

13-जनपद सहारनपुर के ब्लाक बलया खेड़ी के ग्राम खनपुरा से खजूरी अकबरपुर से भाभरी के मध्य तक लेपन कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

14-जनपद सहारनपुर के ब्लाक बलया खेड़ी के ग्राम रसूलपुर पापडे की से ग्राम बेरीजभा तक मिट्टी व सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

15-जनपद सहारनपुर के ग्राम सलेमपुर भूखडी राजबाहे के पुल से ग्राम पींकी तक मिट्टी व सड़क निर्माण लम्बाई लगभग 1200 मीटर व ढमाला नदी पर पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

16-जनपद सहारनपुर के ब्लाक पुवांरका के बेहट रोड से शंकरपुर होते हुए सलेमपुर भूखड़ी से तेलीपुरा तक लेपन कार्य, मरम्मत किये जाने के सम्बन्ध में,

17-जनपद सहारनपुर बेहट रोड शाकुम्भरी कालोनी से जनता रोड गांव खुर्द अड्डे तक मिट्टी व सड़क निर्माण कार्य लम्बाई लगभग 1300 मी0 का निर्माण कराने तथा ढमोला नदी पर पुल निर्माण कराने के सम्बन्ध में,

18-विधान सभा क्षेत्र 04 सहारनपुर देहात में बड़े गांव या तीन चार गांव को मिलाकर पानी की टंकियां बनाये जाने के सम्बन्ध में,

19-जनपद सहारनपुर के ब्लाक बलयाखेड़ी के खजूरी अकबरपुर के उग्राहू वाले रास्ते पर हिन्डन नदी पर रपटा पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

20-जनपद सहारनपुर में ब्लाक बलयाखेड़ी के ग्राम

उग्राहू से ग्राम खनपुरा तक मिट्टी व सड़क निर्माण कार्य लम्बाई लगभग 2.5 किमी0 हिन्डन नदी पर रपटा पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

21-जनपद सहारनपुर के ब्लाक पुवांरका के ग्राम मुगल मजरा से निवादा तक लेपन सड़क मरम्मत कार्य लम्बाई लगभग 1.5 किमी0 कराये जाने के सम्बन्ध में,

22-जनपद सहारनपुर के ब्लाक बलयाखेड़ी के ग्राम नोजली से ग्राम चुनहैटी खड़खड़ी के रेलवे फाटक तक लेपन कार्य लम्बाई लगभग 1.5 किमी0 कराये जाने के सम्बन्ध में,

23-जनपद सहारनपुर के ब्लाक पुवांरका के ग्राम धनकरपुर में देहरादून रोड से ग्राम धनकरपुर तक लेपन सड़क मरम्मत कार्य लम्बाई लगभग 1 किमी0 कराये जाने के सम्बन्ध में तथा

24-जनपद सहारनपुर के ब्लाक बलयाखेड़ी के ग्राम खनपुरा से ग्राम बेरी जमा रोड ईंट भट्ठे तक लेपन कार्य मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में।''

14- श्री नरेश सैनी

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित के विषय का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-बेहट विधान सभा क्षेत्र, जनपद-सहारनपुर में मां शाकुम्बरी देवी मन्दिर का ट्रस्ट बनाकर पर्यटक स्थल घोषित किया जाय और विभिन्न राज्यों से आये हुए श्रद्धालुओं को पेय-जल व शौचालय की व्यवस्था व रहने की व्यवस्था प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में,

2-बेहट विधान सभा क्षेत्र, जनपद सहारनपुर में दिल्ली से यमुना हाइवे की योजना को बेहट विधान सभा क्षेत्र के उत्तराखण्ड के सीमा तक फोरलेन बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

3-बेहट विधान सभा क्षेत्र, जनपद सहारनपुर में वाटर लेवल बहुत गहराई में होने के वजह से पेयजल की भी बहुत ही समस्या है तथा किसानों के लिए सिंचाई की कोई योजना लाये जाने के सम्बन्ध में,

4-बेहट विधान सभा क्षेत्र, जनपद-सहारनपुर में मेरे

पहाड़ी क्षेत्र और नदियों का क्षेत्र यहाँ पर बेरोजगारी की समस्या बहुत है, यहाँ पर पलाई फैक्ट्री का उद्योगीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में,

5-बेहट विधान सभा क्षेत्र, जनपद सहारनपुर में सहारनपुर पूरे पश्चिमी उत्तर-प्रदेश में बालू और कंकरीट की पूर्ति करता है इसमें खनन नीति जल्द लागू कराये जाने के सम्बन्ध में,

6-बेहट विधान सभा क्षेत्र, जनपद सहारनपुर में मेरे बेहट विधान सभा क्षेत्र में फल पट्टी घोषित है इसमें आम, लिची, अमरूद का जूस बनाने की फल प्रसोधन की फैक्ट्रियां लगाये जाने के सम्बन्ध में,

7-बेहट विधान सभा क्षेत्र, जनपद सहारनपुर में प्रदेश में ध्वस्त कानून व्यवस्था को सुधारने के सम्बन्ध में,

8-बेहट विधान सभा क्षेत्र, जनपद सहारनपुर में बेहट विधान सभा क्षेत्र, जनपद सहारनपुर में स्पोर्ट कालेज वर्ष 2007 में बना है, किन्तु अभी तक अधूरा पड़ा है, को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में,

9-बेहट विधान सभा क्षेत्र, जनपद सहारनपुर में पेयजल की समस्या को देखते हुए सभी क्षेत्र में पानी की टंकी से जलपूर्ति कराये जाने के सम्बन्ध में,

10-बेहट विधान सभा क्षेत्र, जनपद सहारनपुर में नदियों का क्षेत्र है, इसमें गंगेरू नदी, मस्करा, चाचा राव इत्यादि पर पुल बनाये जाने के सम्बन्ध में,

11-बेहट विधान सभा क्षेत्र, जनपद सहारनपुर एक पिछड़ा क्षेत्र है, यहाँ अक्सर आग लगने को दृष्टिगत रखते हुए बेहट तहसील में फायर बिग्रेड स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में,

12-बेहट विधान सभा क्षेत्र, जनपद सहारनपुर में स्थापित पानी की टंकियों में जेनरेटर की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में,

13-जनपद सहारनपुर के बेहट तहसील के अन्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के सम्बन्ध में,

14-मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में पीएचसी सेण्टर पर चिकित्सकों की नियुक्ति किये जाने के सम्बन्ध में,

15-बेरोजगारों को रोजगार हेतु ठोस नीति बनाये

जाने के सम्बन्ध में,

16-जनपद सहारनपुर के बेहट तहसील में भयंकर पेयजल के निदान के सम्बन्ध में,

17-प्रदेश के नौजवानों के खेल-कूद की सुविधा बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में,

18-प्रदेश में गन्ना किसानों को गन्ना पेराई के 14 दिन के उपरान्त गन्ना भुगतान कराने हेतु ठोस नीति बनाये जाने के सम्बन्ध में,

19-बेहट में अग्निपीड़ित दैवी आपदा से प्रभावित व्यक्तियों को आवास उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में,

20-प्रदेश में भ्रष्टाचार व कानून व्यवस्था हेतु प्रभावी योजना बनाये जाने के सम्बन्ध में,

21-प्रदेश में शराब को पूर्णरूप से प्रतिबन्धित किये जाने के सम्बन्ध में,

22-प्रदेश की ग्रामसभाओं के मजरों को मुख्य सड़क से जोड़ने के सम्बन्ध में,

23-जनपद सहारनपुर में उच्च शिक्षा हेतु विश्वविद्यालय बनाये जाने के सम्बन्ध में, तथा

24-बेहट में प्रस्तावित फायर ब्रिगेड को अतिशीघ्र स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में।''

15- श्री सोहिल अख्तर अंसारी

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-बी0एन0 भल्ला हास्पिटल ट्रान्सपोर्ट नगर बाबूपुरवा जो बन्द होने के करीब है उसकी व्यवस्था खराब है, वहां पर 10 से 15 लाख की आबादी है। वहां इमरजेन्सी वार्ड बनवाया जाना बहुत ही जरूरी है यदि कोई हादसा हो जाता है तो 15 किमी0 की दूरी में कोई सरकारी हास्पिटल नहीं है। तत्काल इमरजेन्सी में बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

2-वार्ड नं0 36, 80, 102, 105 इन वार्डों में सीवर की, पानी की, गलियों की, नाली की व्यवस्था इतनी बिगड़ चुकी है कि वहां 24 घंटे जल-भराव बना रहता है, उक्त की सफाई किये जाने के सम्बन्ध में,

3-पी0ए0सी0 मोड़ से श्यामनगर तक एक ओवर ब्रिज बना हुआ है, वह सिंगल लेन का है, इसके वजह से रोजाना कोई न कोई हादसा होता है। किसी न किसी की जान भी जाती है, इसलिए इसमें एक सिंगल लेन ओवरब्रिज और बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

4-वार्ड 47, 40 जो सोसाइटी क्षेत्र है। वहां रोडों की कोई भी व्यवस्था नहीं है जहां करीब 2 से ढाई लाख की आबादी है जिनकी मूलभूत समस्या को ध्यान में रखते हुए रोडों को बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

5-पैरासूट कालोनी जी0टी0 रोड जो बहुत संकरी पुलिया है, वह जमाने से ध्वस्त पड़ी हुयी है, जहां पर रोज-ब-रोज कोई न कोई ऐसा हादसा होता रहता है, जिससे जान व माल दोनों की हानि होती है। उक्त पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

6-मीरपुर चौराहा जो बहुत पुरानी सीवर लाइन है जिससे कानपुर की आधी आबादी सीवर का पानी वहां से जाकर गंगा नदी में जाता है। सीवर पकड़िया वाले चौराहा पर 6 माह पहले ध्वस्त हो गयी थी। बहुत पत्राचार करने के बाद जो सीवर की बहुत बड़ी लाइन है। उक्त सीवर का निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में,

7-कानपुर में एल0ई0डी0 जो बल्ब पुरानी लाइटों को बदलकर नयी लाइटें लगायी जा रही हैं, एक लाइट की कीमत कितनी है। जो पुरानी लाइट निकाल रहे हैं, वह कहां जा रही हैं, इसका पूरा का पूरा विवरण चाहिए। यह कम्पनी कहां की है, का विवरण उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में,

8-वार्ड 24 कृष्णानगर, सदुल्लापुर, नेताजी नगर, कर्मचारी नगर जो शहरों के बीचोंबीच है। आज तक सीवर की कोई व्यवस्था नहीं है। उक्त सीवर का निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में,

9-वार्ड नं0 29 में चन्द्रनगर, ओमपुरवा, आनन्द नगर, राजीव नगर, पोखरपुरवा यहाँ पर न तो सीवर लाइन है और न तो पानी की कोई समुचित लाइन व्यवस्था है। उक्त कार्य की व्यवस्था किये जाने के सम्बन्ध में,

10-प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुधारने के सम्बन्ध में,

11-कानपुर कैण्टोनमेंट विधान सभा क्षेत्र, कानपुर

नगर में लड़कियों का एक इण्टर कालेज व एक डिग्री कालेज खोले जाने के सम्बन्ध में,

12-कानपुर कैण्टोनमेण्ट विधान सभा क्षेत्र, कानपुर नगर में पेयजल संकट के निदान हेतु 200 रि-बोर हैण्डपम्प व 300 नये हैण्डपम्प लगवाये जाने के सम्बन्ध में,

13-कानपुर कैण्टोनमेन्ट विधान सभा क्षेत्र, कानपुर नगर में कोई भी सरकारी अस्पताल ऐसा नहीं हैं जहां इमरजेन्सी सेवायें उपलब्ध हों। अतः सरकारी स्तर पर कम से कम 300 बेड का सरकारी अस्पताल बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

14-कानपुर कैण्टोनमेंट विधान सभा क्षेत्र कानपुर नगर में गरीब लोगों के विवाह एवं अन्य पारिवारिक समारोहों हेतु सरकारी बारातशालयें बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

15-कानपुर कैण्टोनमेंट विधान सभा क्षेत्र, कानपुर नगर में पेयजल सप्लाई हेतु सरकारी नलकूपों के निर्माण हेतु अतिरिक्त सरकारी धन उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में,

16-कानपुर कैण्टोनमेंट विधान सभा क्षेत्र, कानपुर नगर में सीवर जल-भराव के निदान हेतु सम्पूर्ण विधान सभा क्षेत्र में वर्षों पुरानी सीवर लाइनों के स्थान पर नये सीवर लाइन निर्माण हेतु अतिरिक्त धन उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में,

17-कानपुर कैण्टोनमेंट विधान सभा क्षेत्र, कानपुर नगर में टूटी-फूटी गड्ढायुक्त सड़कों के पुनर्निर्माण हेतु अतिरिक्त सरकारी धन उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में,

18-विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि की धनराशि रु0 3.00 करोड़ प्रतिवर्ष किये जाने के सम्बन्ध में,

19-कानपुर कैण्टोनमेंट विधान सभा क्षेत्र, कानपुर नगर की विद्युत आपूर्ति की समस्या के समाधान तथा ओवर लोडिंग के समाधान हेतु नये विद्युत उपकेन्द्र स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में,

20-कानपुर कैण्टोनमेंट विधान सभा क्षेत्र, कानपुर नगर के अन्तर्गत मौजूद सोसाइटी क्षेत्रों में सीवर, सड़क व विद्युत समस्या के निदान हेतु अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराकर इन क्षेत्रों का विकास कराये जाने के सम्बन्ध में, तथा

21-कानपुर कैण्टोनमेंट विधान सभा क्षेत्र, कानपुर नगर में घनी बस्तियों में जो कि अत्यधिक संख्या में है, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनवाये जाने के सम्बन्ध में।''

16- श्री हाकिम लाल बिन्द

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-जिला-प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र हण्डिया के अन्तर्गत नगर पंचायत हण्डिया नेशनल हाई-वे लाला बाजार से रहीम पट्टी तक का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में,

2-जिला-प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र हण्डिया एवं मेजा विधान सभा क्षेत्र को जोड़ने के लिए लक्षागृह में गंग नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

3-जिला-प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र हण्डिया के नगर पंचायत हण्डिया से लक्षागृह जाने वाले मार्ग का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में,

4-जिला-प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र हण्डिया के अन्तर्गत भीटी से सीतामढ़ी जाने वाले मार्ग का नवीनीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में,

5-जिला-प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र हण्डिया के अन्तर्गत बन्दी पट्टी चौहान बस्ती से बिन्द बस्ती तक पक्की सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

6-जिला-प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र हण्डिया के अन्तर्गत बरौत बाजार से सुरियावा भदोही जाने वाले मार्ग का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में, तथा

7-जिला-प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र हण्डिया के अन्तर्गत मदारीपुर से बारीभीट होते हुए नेशनल हाई-वे तक सड़क का नवीनीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में।''

17- श्री रितेश पाण्डेय

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित के विषय का कोई उल्लेख नहीं किया गया है :-

1-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर के अन्तर्गत जलालपुर से रामगढ़ मार्ग का अवशेष भाग नोनहर से रामगढ़ तक लम्बाई लगभग 5.33 कि0मी0 का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

2-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर के अन्तर्गत मंगुराडिला से नेऊरी मार्ग लम्बाई लगभग 16 कि0मी0 तक के निर्माण के सम्बन्ध में,

3-जनपद अम्बेडगरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर के अन्तर्गत जलालपुर कस्बा में बाईपास के निर्माण के सम्बन्ध में,

4-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर के लालपुर कस्बा में रोडवेज बस अड्डा के निर्माण के सम्बन्ध में,

5-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर के अन्तर्गत मालीपुर रेलवे स्टेशन से जलालपुर कस्बा तक मार्ग का उच्चीकरण/चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में,

6-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर के अन्तर्गत राजकीय इण्टर कालेज खोले जाने के सम्बन्ध में,

7-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर के अन्तर्गत डंडारी घाट पर टौंस नदी पर पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

8-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर के अन्तर्गत जलालपुर कस्बा उर्दू बाजार से मंगुराडिला तक रपटा पुल निर्माण के सम्बन्ध में,

9-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर के नगर पालिका परिषद् अन्तर्गत आधुनिक शौचालय के निर्माण के सम्बन्ध में,

10-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर के ग्राम सभा इंधना (वि0ख0-भियांव) में मॉडल

स्कूल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

11-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर में राजकीय पालीटेक्निक का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

12-जनपद अम्बेडकरनगर के वि0ख0 अकबरपुर ग्राम सभा मोहिसिनपुर मंसूरपुर में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के खेल मैदान में एस्ट्रोटर्फ बिछाये जाने के सम्बन्ध में,

13-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर में एक सर्किट हाउस बनाये जाने के सम्बन्ध में,

14-जनपद अम्बेडकर नगर के विकास खण्ड जलालपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा चौदहप्रास में टौंस नदी पर पुल निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में,

15-जनपद अम्बेडकर नगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर में एक खेल स्टेडियम खोले जाने के सम्बन्ध में,

16-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर से गुजर रहे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे को जलालपुर से जोड़ने के लिये जलालपुर रामगढ़ मार्ग पर इंट्री प्वाइन्ट बनाये जाने के सम्बन्ध में,

17-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर में लगभग 60 वर्ष पूर्व निर्मित भवन में चल रहे रजिस्ट्री कार्यालय के नवीन भवन का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

18-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर में राजकीय पुस्तकालय खोले जाने के सम्बन्ध में, तथा

19-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर में दन्त एवं नेत्र चिकित्सालय की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में।''

18- इंजी0 बृजेश कठेरिया

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्न बातों का उल्लेख नहीं किया है :-

1-मनिगांव मार्ग से बल्लमपुर (सिंगनी) तक डामरीकरण लम्बाई लगभग 1.00 कि0मी0 को बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

2-करहल-किशनी मार्ग पर कटरा से रामनगर तक डामरीकरण लम्बाई लगभग 1.00 किमी0 को बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

3-परशुरामपुर अविलिया मार्ग से नगला उम्मेद तक डामरीकरण लम्बाई लगभग 500 मीटर को बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

4-पदमनेर से धउआ तक डामरीकरण लम्बाई लगभग 1.500 किमी0 को बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

5-किशनी-बेवर मार्ग पर शिवालय से लगना रमई तक डामरीकरण लम्बाई लगभग 1.00 किमी0 को बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

6-किशनी बेवर मार्ग पर डांडी भट्टा से गोकुलपुर तक डामरीकरण लम्बाई लगभग 1.00 किमी0 को बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

7-महिगवां मार्ग से नगला बांध तक डामरीकरण लम्बाई लगभग 500 मीटर को बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

8-परिगवां से हवेली होकर कुड़रिया तक डामरीकरण लम्बाई लगभग 2.00 किमी0 को बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

9-कुरसण्डा से नगला मदारी तक डामरीकरण लम्बाई लगभग 1.00 किमी0 को बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

10-कुतुबपुर से कन्हउपुर होकर गवे मार्ग तक डामरीकरण लम्बाई लगभग 1.50 किमी0 को बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

11-मंछना से करननगरिया होकर रामनगर पर्वतपुर मार्ग तक डामरीकरण लम्बाई लगभग 1.00 किमी0 को बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

12-धर्मनेर मार्ग से शेरपुर तक डामरीकरण लम्बाई लगभग 1.00 किमी0 को बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

13-अनइया नदी पर पुल ग्राम सड़ ब्लाक करहल में बनवाये जाने के सम्बन्ध में, तथा

14-अरिन्द नदी पर पुल ग्राम अरसारा ब्लाक किशनी में बनवाये जाने के सम्बन्ध में।''

19- श्री प्रभुनारायण सिंह यादव

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्न बातों का उल्लेख नहीं किया है :-

1-चन्दौली-सकलडीहा-सैदपुर घाट सम्पर्क मार्ग के निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

2-चन्दौली-सकलडीहा-सैदपुर मार्ग से सढ़ान सम्पर्क मार्ग के निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

3-चन्दौली-सकलडीहा-सम्पर्क मार्ग से पपौरा रामगढ सम्पर्क मार्ग के निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

4-अमलाई माइनर के पटरी सम्पर्क मार्ग के निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

5-चन्दौली-कैली सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण व सुन्दरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में,

6-मुगलसराय-भुपौली-चहनियां सम्पर्क मार्ग के चौडीकरण व सुन्दरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में,

7-माटीगांव-नसीरपुर-वपीला सम्पर्क मार्ग के निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

8-भपौली मुख्य नहर की लाइनिंग का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

9-जनपद चन्दौली में मेडिकल कालेज बनाये जाने के सम्बन्ध में,

10-जनपद चन्दौली में स्टेडियम बनाये जाने के सम्बन्ध में,

11-चन्दौली सम्पर्क मार्ग के आलमपुर मार्गों का निर्माण कार्य के सम्बन्ध में,

12-अलीनगर-सकलडीहा मार्ग के धूम-बसरतिया सम्पर्क मार्ग के निर्माण कार्य के सम्बन्ध में,

13-लेहरा मनिहरा ड्रेन (नाला) की खुदाई कराये जाने के सम्बन्ध में,

14-धूम नोनार ड्रेन की खुदाई के सम्बन्ध में,

15-रायल लाल ड्रेन (नाला) की खुदाई के सम्बन्ध में

16-महुसी (नाला) के खुदाई के सम्बन्ध में,

17-चन्दाताल ड्रेन (नाला) की खुदाई के सम्बन्ध में,

18-बानगंगा ड्रेन (नाला) की खुदाई के सम्बन्ध में,

19-खोनपुर सिवान ड्रेन (नाला) की खुदाई के

सम्बन्ध में,

20-सुरतापुर ड्रेन (नाला) की खुदाई के सम्बन्ध में,

21-नई बाजार सकलडीहा में नया विद्युत सब-स्टेशन बनाने के सम्बन्ध में,

22-टाण्डा-कैथी घाट पर टाण्डा बाजार के सामने गंगा नदी में पीपा पुल बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

23-पिछली सरकार द्वारा दिये गये समाजवादी पेंशन को पुनः बहाल/लागू कराये जाने के सम्बन्ध में,

24-अस्पतालों पर समुचित मात्रा में दवायें उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में,

25-चन्दौली जनपद में गगदा नदी पर नया कैनाल लगाये जाने के सम्बन्ध में,

26-सकलडीहा-अमडा-कमालपुर मार्ग को धरहरा-अमवल सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में, तथा

27-अमीलाई मार्ग से जलालपुर मार्ग तक निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में।''

20- श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-प्रदेश के कर्मचारियों को पेंशन योजना का लाभ दिये जाने के सम्बन्ध में,

2-प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, को सुधार करने के सम्बन्ध में,

3-प्रदेश में अपराधियों द्वारा की जा रही घटनाओं पर रोक लगाने के सम्बन्ध में,

4-जनपद बाराबंकी में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा स्वीकृत ट्रामा सेन्टर का निर्माण समय पर पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में,

5-जनपद बाराबंकी में गड्ढामुक्त सड़क के नाम पर की गयी खानापूरी की जांच कराकर दण्डित किये जाने के सम्बन्ध में,

6-किसानों को सस्ती खाद, बीज समय पर उपलब्ध

कराने के सम्बन्ध में,

7-आम जनता की जान-माल की सुरक्षा कराये जाने के सम्बन्ध में,

8-किसानों को मुफ्त सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

9-प्रदेश में किसानों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

10-उच्च शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण का लाभ पिछड़ों एवं अनुसूचित जाति को दिये जाने के सम्बन्ध में,

11-समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

12-प्रदेश के कर्मचारियों को इनकम टैक्स सीमा बढ़ाने में भेदभाव किया गया है जिसका निराकरण न करने के सम्बन्ध में,

13-बेरोजगार युवकों को पेंशन का लाभ जो पूर्ववर्ती सपा सरकार में दिया जा रहा था जिसे रोक दिया गया है, को पुनः चालू करने के सम्बन्ध में,

14-बुजुर्ग महिलाओं को मिल रही पेंशन का लाभ पुनः पूर्व की भांति दिये जाने के सम्बन्ध में,

15-प्रदेश में विकास का माहौल बनाये जाने के सम्बन्ध में,

16-पुलिस कर्मियों को प्रोत्साहित करने के सम्बन्ध में,

17-प्रदेश में चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की भर्ती पर जो रोक है उसे पुनः बहाल किये जाने के सम्बन्ध में,

18-प्रदेश में तैनात संविदा कर्मियों को नियमित करने के सम्बन्ध में,

19-विधायकों की संस्तुति पर कराये जाने वाले कार्यों में विलम्ब किया जा रहा है, को समय पर पूर्ण करने के सम्बन्ध में,

20-प्रदेश के थानों में एक जाति विशेष के लोगों को तैनात किया गया है, इस भेदभाव को दूर करने के सम्बन्ध में,

21-प्रदेश के कर्मचारियों/अधिकारियों की तैनाती में भेदभाव किया जा रहा है, को दूर करने के सम्बन्ध में,

22-शहरी भाग में एन0एच0-28 पर जिला पंचायत कार्यालय के सामने से बर्मा मार्केट तक फ्लाईओवर का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

23-बाराबंकी शहरी भाग में बंकी टाउन एरिया को जोड़ने हेतु निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में, तथा

24-जिला महिला अस्पताल बाराबंकी पूर्ववर्ती सरकार द्वारा जो 100 बेड का बना था, को सुचारु रूप से संचालित कराये जाने के सम्बन्ध में।''

2 श्री मनोज कुमार पारस

1- प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-विधान सभा क्षेत्र नगीना, जनपद बिजनौर के कस्बा नगीना में सहकारी कताई मिल चालू कराने के सम्बन्ध में,

2-कस्बा नगीना में रेलवे फाटक पर रोज के जाम से निजात के लिये ओवर ब्रिज का निर्माण के सम्बन्ध में,

3-कस्बा फिरतपुर-नहटौर रोड से शाहबपुरा रतन होते हुये छितावर तक लिंक रोड का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में,

4-कस्बा नगीना में ग्राम बघाला से कालू वाला मौसमपुर होते हुये किरतपुर तक लिंक रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

5-विधान सभा क्षेत्र नगीना के ग्राम भनेडा के यूनानी अस्पताल में डाक्टर नहीं है, उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में,

6-कस्बा किरतपुर में मा0 प्रधानमंत्री द्वारा सच्चर कमेटी के अनुसार उर्दू नवोदय विद्यालय की घोषणा की गयी थी लेकिन अभी तक बना नहीं, का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

7-ग्राम मुबारकपुर खोसा उर्फ खुशियाकी व ग्राम भनेडा में जू0 हाई स्कूल, हाई स्कूल तक उच्चीकरण किये जाने के सम्बन्ध में,

8-दिनांक 04-02-2019 को बिजनौर में गन्ना किसानों का वर्ष 2017-18 का भुगतान मांगने पर किसानों पर लाठी चार्ज किया गया, दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही के

सम्बन्ध में,

9-विधान सभा क्षेत्र नगीना के कस्बा किरतपुर के पास ग्राम इस्लामपुर साहू में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा स्थानान्तरित भूमि पर मेडिकल कालेज बनवाये जाने के सम्बन्ध में,

10-विधान सभा क्षेत्र नगीना के ब्लाक कोतवाली के ग्राम बेगमपुर चायमल (धीमारहेड़ी) से ग्राम आनन्दखेड़ी के बीच गागन नदी पर एक पुल बनवाये जाने के सम्बन्ध में, तथा

11-विधान सभा क्षेत्र नगीना के कस्बा नगीना के मोहल्ला पटेरी में पुरानी मुंसिफी के भूमि पर पूर्ववर्ती सरकार द्वारा स्वीकृत राजकीय कन्या इण्टर कालेज को बनवाये जाने के सम्बन्ध में।''

पी0एस0यू0पी0-एल0 49 विधान सभा (62)-24-06-2021-631 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।